

इसे वेबसाईट www.govtpressmp.nic.in
से भी डाउन लोड किया जा सकता है.



मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 694]

भोपाल, गुरुवार, दिनांक 28 दिसम्बर 2017—पौष 7, शक 1939

वाणिज्यकर विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 2017

एफ ए 3-40-2017-1-पांच(64).—

राज्य सरकार, मध्यप्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 19) की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, मध्यप्रदेश माल और सेवा कर नियम, 2017 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:-

संशोधन

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मध्यप्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) नियम, 2017 है।
(2) ये 1 जुलाई, 2017 को प्रवृत्त होंगे।
- मध्यप्रदेश माल और सेवा कर नियम, 2017 में, --
 - नियम 1 में, शीर्षक में, शब्द "विस्तार" शब्द का लोप किया जाए;
 - नियम 10 में, उपनियम (4) में, शब्द "डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित" के स्थान पर, शब्द "सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित या इलेक्ट्रॉनिक सत्यापन कोड के माध्यम से सत्यापित" प्रतिस्थापित किए जाएं;

- (ग) नियम 13 में उपनियम (4) में, शब्द "हस्ताक्षरित" के स्थान पर, शब्द "सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित या इलेक्ट्रॉनिक सत्यापन कोड के माध्यम से सत्यापित" स्थापित किए जाएं;
- (घ) नियम 19 में, उपनियम (1) के दूसरे परंतुक में, शब्द "उक्त नियम" के स्थान पर, "नियम 8 का उपनियम (2)" शब्द, अंक और कोष्ठक स्थापित किए जाएं;
- (ङ) नियम 21 में, खण्ड (ख) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड स्थापित किए जाएं, अर्थात् :--
 "(ख) अधिनियम या इसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अतिक्रमण में माल या सेवाओं के प्रदाय के बिना बीजक या बिल जारी करता है ; या
- (ग) अधिनियम की धारा 171 या इसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों का अतिक्रमण करता है।"
- (च) नियम 22 में, उपनियम (3) में, शब्द, कोष्ठक और अंक "के उपनियम (1)" का लोप किया जाए;
- (छ) नियम 24 में, --
- (एक) उपनियम (1) में दूसरे परंतुक का लोप किया जाए;
- (दो) उपनियम (3) के पश्चात, निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किया जाय, अर्थात् :--
 "(3क) जहां रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण पत्र उपनियम (2) के खण्ड (ग) में निर्दिष्ट सूचना और विशिष्टियां प्रस्तुत करने की तारीख से पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर, सामान्य पोर्टल पर आवेदक को उपलब्ध नहीं कराया गया है और उक्त अवधि के भीतर, उपनियम (3) के अधीन कोई सूचना जारी नहीं की गयी है, वहां रजिस्ट्रीकरण अनुदत्त किया गया समझा जाएगा और सम्यक् हस्ताक्षरित या इलेक्ट्रॉनिक सत्यापन कोड के माध्यम से सत्यापित रजिस्ट्रीकरण का उक्त प्रमाण पत्र सामान्य पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को उपलब्ध कराया जाएगा।";
- (ज) नियम 26 के उप-नियम (1), में शब्द "बोर्ड" के स्थान पर शब्द "सरकार" स्थापित किया जाए;
- (झ) नियम 26 के उप-नियम (3) में, "या सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (2000 का 21) के उपबंधों के अधीन विनिर्दिष्ट" शब्द के स्थान पर, शब्द "सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (2000 का 21) के उपबंधों के अधीन यथा विनिर्दिष्ट या हस्ताक्षर के किसी अन्य ढंग द्वारा सत्यापित ई-हस्ताक्षर या इस निमित्त सरकार द्वारा यथा अधिसूचित सत्यापन के माध्यम से" प्रतिस्थापित किए जाएं;
- (ञ) प्ररूप जीएसटी सीएमपी-04 की सारणी में, क्रमसं० 5 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित स्थापित किया जाए, अर्थात् : --

"5. रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का प्रवर्ग

- (एक) सरकार द्वारा अधिसूचित ऐसे माल के विनिर्माता से भिन्न, विनिर्माता
- (दो) अनुसूची-2 के पैरा 6 के खंड (ख) में निर्दिष्ट प्रदाय करने वाले प्रदायकर्ता
- (तीन) प्रशमन उद्ग्रहण के लिए पात्र कोई अन्य प्रदायकर्ता";
- (ट) प्ररूप जीएसटी सीएमपी-07 में, कोष्ठकों, शब्दों और अंकों "[नियम 6(6) देखें]" के स्थान पर, कोष्ठक, शब्द और अंक "[नियम 6(5) देखें]" स्थापित किये जाएं;
- (ठ) प्ररूप जीएसटी आर.ई.जी.-12 में, अंक और शब्द "30 दिनों के भीतर" के स्थान पर, अंक और शब्द "90 दिन के भीतर" स्थापित किये जाएंगे;
- (ड) प्ररूप जीएसटी आरईजी-25 में, -
- (एक) शब्द "अनंतिम पहचान" के स्थान पर, अक्षर "जीएसटीआईएन" स्थापित किये जाएं;
- (दो) शब्द "स्थान" और "<राज्य>" का लोप किया जाए।
- (६) मध्यप्रदेश माल और सेवा कर नियम, 2017 में, नियम 26 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम जोड़े जाएं, अर्थात्:-

"अध्याय 4

प्रदाय के मूल्य का अवधारण

27. माल या सेवाओं या दोनों की प्रदाय का मूल्य, जहां प्रतिफल पूर्णतः धन में नहीं है, जहां माल या सेवाओं या दोनों की प्रदाय के लिए, प्रतिफल पूर्णतः धन में नहीं है, वहां प्रदाय का मूल्य-

- (क) ऐसी प्रदाय का खुला बाजार मूल्य होगा ;
- (ख) यदि खुला बाजार मूल्य खंड (क) के अनुसार उपलब्ध नहीं है, तो प्रतिफल में धन की कुल रकम और ऐसी अतिरिक्त रकम का योग होगा, जो ऐसे प्रतिफल के समतुल्य है, जो धन में नहीं है, यदि ऐसी रकम प्रदाय के समय ज्ञात है ;
- (ग) यदि प्रदाय का मूल्य खंड (क) या खंड (ख) के अधीन अवधार्य नहीं किया जा सकता है, तो प्रदाय का मूल्य, उसी प्रकार और उसी क्वालिटी के माल या सेवाओं या दोनों का मूल्य होगा ;
- (घ) यदि मूल्य खंड (क) या खंड (ख) या खंड (ग) के अधीन अवधार्य नहीं है, तो प्रतिफल में धन की कुल रकम और ऐसी रकम, जो नियम 30 या नियम 31 के लागू किए जाने से उस क्रम में यथा अवधारित ऐसे प्रतिफल के समतुल्य है, जो धन में नहीं है, का योग होगा ।

दृष्टांत

- (1) जहां किसी फोन की प्रदाय एक पुराने फोन के विनिमय के साथ बीस हजार रुपए में की जाती है और यदि नए फोन की कीमत विनिमय के बिना चौबीस हजार रुपए है, तो नए फोन का खुला बाजार मूल्य चौबीस हजार रुपए है ।

- (2) जहां किसी लैपटाप की प्रदाय ऐसे प्रिन्टर की अदला-बदली के साथ की जाती है, जो कि चालीस हजार रुपए का है, जो कि प्राप्तिकर्ता द्वारा विनिर्मित है और प्रदाय के समय प्रिन्टर का ज्ञात मूल्य चार हजार रुपए है किन्तु लैपटाप का खुला बाजार मूल्य ज्ञात नहीं है, वहां लैपटाप की प्रदाय का मूल्य चालीस हजार रुपए है।

28. सुभिन्न या संबंधित व्यक्तियों के बीच माल या सेवाओं या दोनों के प्रदाय का मूल्य, अभिकर्ता के माध्यम से प्रदाय को छोड़कर - धारा 25 की उपधारा (4) और उपधारा (5) में यथा विनिर्दिष्ट सुभिन्न व्यक्तियों के बीच या संबंधित व्यक्तियों के बीच माल या सेवाओं या दोनों के प्रदाय का मूल्य, अभिकर्ता के माध्यम से प्रदाय को छोड़कर -

- (क) ऐसी प्रदाय का खुला बाजार मूल्य होगा ;
- (ख) यदि खुला बाजार मूल्य उपलब्ध नहीं है तो प्रदाय का मूल्य, उसी प्रकार और उसी क्वालिटी का माल या सेवाओं का मूल्य होगा ;
- (ग) यदि मूल्य खंड (क) या खंड (ख) के अधीन अवधार्य नहीं किया जा सकता है, तो उस क्रम में, जैसा नियम 30 या नियम 31 के अधीन यथा अवधारित मूल्य होगा :

परंतु जहां माल का इस रूप में प्राप्तिकर्ता द्वारा आगे और प्रदाय किया जाना आशयित है, वहां मूल्य, प्रदायकर्ता के विकल्प पर, प्राप्तिकर्ता द्वारा उसके ऐसे ग्राहक को, जो संबंधित व्यक्ति नहीं है, उसी प्रकार के और उसी क्वालिटी के माल की प्रदाय के लिए प्रभारित कीमत के नब्बे प्रतिशत के समतुल्य रकम होगी :

परन्तु यह और कि जहां प्राप्तिकर्ता पूर्ण इनपुट कर प्रत्यय के लिए पात्र है, वहां बीजक में घोषित मूल्य को माल या सेवाओं का खुला बाजार मूल्य समझा जाएगा।

29. किसी अभिकर्ता के माध्यम से किये गए, माल का प्रदाय या प्राप्त प्रदाय का मूल्य - प्रधान और उसके अभिकर्ता के बीच माल के प्रदाय का मूल्य -

- (क) प्रदाय किए गए माल का खुला बाजार मूल्य होगा, या प्रदायकर्ता के विकल्प पर, प्राप्तिकर्ता द्वारा उसके ऐसे ग्राहक को, जो संबंधित व्यक्ति नहीं है, उसी प्रकार के और उसी क्वालिटी के माल की प्रदाय के लिए प्रभारित कीमत के नब्बे प्रतिशत के समतुल्य रकम होगी, जहां उक्त प्राप्तिकर्ता द्वारा माल की आगे और प्रदाय किया जाना आशयित है ;

दृष्टांत : जहां कोई प्रधान, उसके अभिकर्ता को मूंगफली की प्रदाय करता है और अभिकर्ता प्रदाय के दिन उसी प्रकार और उसकी क्वालिटी की मूंगफलियों की प्रदाय पश्चात्तवर्ती प्रदायों में पांच हजार रुपए प्रति क्विंटल की कीमत पर कर रहा है। दूसरा स्वतंत्र प्रदायकर्ता उसी प्रकार और उसी क्वालिटी की मूंगफलियों की प्रदाय उक्त अभिकर्ता को चार हजार पांच सौ पचास रुपए प्रति क्विंटल की कीमत पर कर रहा है, वहां प्रधान द्वारा की गई प्रदाय का मूल्य चार हजार पांच सौ पचास रुपए प्रति क्विंटल होगा या जहां वह विकल्प का प्रयोग करता है, वहां मूल्य पांच हजार रुपए का नब्बे प्रतिशत अर्थात् चार हजार पांच सौ रुपए प्रति क्विंटल होगा :

- (ख) जहां प्रदाय का मूल्य खंड (क) के अधीन अवधार्य नहीं है, वहां उसे, उस क्रम में नियम 30 या नियम 31 को लागू करके अवधारित किया जाएगा।

30. माल या सेवाओं या दोनों की प्रदाय का लागत पर आधारित मूल्य - जहां माल या सेवाओं या दोनों के प्रदाय का मूल्य इस अध्याय के पूर्ववर्ती किसी नियम द्वारा अवधार्य नहीं है, वहां मूल्य उत्पादन या विनिर्माण की लागत या ऐसे माल के अर्जन की लागत या ऐसी सेवाओं के प्रदान किए जाने की लागत का एक सौ दस प्रतिशत होगा।
31. माल या सेवाओं या दोनों की प्रदाय के मूल्य के अवधारण की अवशिष्ट पद्धति - जहां माल या सेवाओं या दोनों की प्रदाय का मूल्य नियम 27 से नियम 30 के अधीन अवधारित नहीं किया जा सकता, वहां उसे धारा 15 और इस अध्याय के उपबंधों के सिद्धांतों या साधारण उपबंधों के संगत युक्तियुक्त साधनों का प्रयोग करके अवधारित किया जाएगा :
- परंतु सेवाओं की प्रदाय की दशा में, प्रदायकर्ता नियम 30 की उपेक्षा करते हुए इस नियम का विकल्प चुन सकेगा।
32. कतिपय प्रदायों की बाबत मूल्य का अवधारण- (1) इस अध्याय के उपबंधों में किसी बात के अंतर्विष्ट होते हुए भी, नीचे विनिर्दिष्ट प्रदायों के बाबत मूल्य प्रदायकर्ता के विकल्प पर, इसमें इसके पश्चात् उपबंधित रीति में अवधारित किया जाएगा।
- (2) विदेशी मुद्रा के क्रय या विक्रय के संबंध में, जिसके अंतर्गत धन की अदला-बदली भी है, सेवाओं की प्रदाय का मूल्य सेवा के प्रदायकर्ता द्वारा निम्नलिखित रीति में अवधारित किया जाएगा, अर्थात्:--
- (क) किसी मुद्रा के लिए जब उसे भारतीय रुपए से विनिमय किया जाता है, मूल्य, यथास्थिति, क्रय दर या विक्रय दर और उस समय उस मुद्रा के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की निर्देश दर में अंतर को, मुद्रा की कुल इकाइयों का गुणा किए जाने के बराबर होगा :
- परंतु उस दशा में, जहां भारतीय रिजर्व बैंक की निर्देश दर किसी मुद्रा के लिए उपलब्ध नहीं है, वहां मूल्य धन की अदला-बदली करने वाले व्यक्ति द्वारा प्रदान किए गए या प्राप्त किए गए भारतीय रुपए की सकल रकम का एक प्रतिशत होगा :
- परंतु यह और कि उस दशा में, जहां विनिमय की जाने वाली कोई भी मुद्रा भारतीय नहीं है, वहां मूल्य दोनों रकमों में से उस कम रकम के एक प्रतिशत के बराबर होगा, जो उस दिन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रदान की गई निर्देश दर पर भारतीय रुपए में दोनों में से किसी मुद्रा को संपरिवर्तित करके धन की अदला-बदली करने वाला व्यक्ति प्राप्त करेगा :
- परंतु यह भी कि सेवाओं की प्रदाय करने वाला व्यक्ति किसी वित्तीय वर्ष के लिए खंड (ख) के निबंधानुसार मूल्य अभिनिश्चित करने के विकल्प का प्रयोग कर सकेगा और ऐसा विकल्प उस वित्तीय वर्ष के शेष भाग के दौरान वापस नहीं लिया जाएगा।
- (ख) सेवाओं के प्रदायकर्ता के विकल्प पर विदेशी मुद्रा की प्रदाय के संबंध में मूल्य, जिसके अंतर्गत धन की अदला-बदली भी है, निम्नलिखित होना समझा जाएगा-
- (एक) दो सौ पचास रुपए की न्यूनतम रकम के अधः एक लाख रुपए तक की किसी रकम के लिए विनिमय की गई मुद्रा के सकल रकम का एक प्रतिशत ;

- (दो) एक लाख रुपए से अधिक और दस लाख रुपए तक की रकम के लिए विनिमय की गई मुद्रा की सकल रकम का आधा प्रतिशत और एक हजार रुपए; और
- (तीन) साठ हजार रुपए की अधिकतम रकम के अध्वधीन दस लाख रुपए से अधिक की रकम के लिए विनिमय की गई मुद्रा की सकल रकम का एक बटा दस प्रतिशत तथा पांच हजार पांच सौ रुपए।
- (3) वायुयान द्वारा यात्रा के लिए वायु यात्रा अभिकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई टिकटों की बुकिंग के संबंध में सेवाओं की प्रदाय का मूल्य घरेलू बुकिंग की दशा में, आधार किराए के पांच प्रतिशत की दर से संगणित रकम समझी जाएगी और वायुयान से यात्रा के लिए यात्री की अंतरराष्ट्रीय बुकिंग की दशा में आधार किराए के दस प्रतिशत की दर से संगणित रकम समझी जाएगी।
- स्पष्टीकरण- इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए "आधार किराया" से वायुयान के किराए का वह भाग अभिप्रेत है, जिस पर एयरलाइन द्वारा वायु यात्रा अभिकर्ता को कमीशन सामान्यतया संदत्त किया जाता है।
- (4) जीवन बीमा कारबार के संबंध में सेवाओं की प्रदाय का मूल्य निम्नलिखित होगा-
- (क) किसी पॉलिसी धारक से प्रभारित सकल प्रीमियम, जिसमें से विनिधान के लिए आबंटित या पॉलिसी धारक की ओर से वचत की रकम को घटा दिया जाएगा, यदि ऐसी रकम की सूचना, सेवा की प्रदाय के समय पॉलिसी धारक को दे दी गई है ;
- (ख) खंड (क) से भिन्न एकल प्रीमियम वार्षिक पॉलिसियों की दशा में, पॉलिसी धारक से प्रभारित एकल प्रीमियम का दस प्रतिशत ; या
- (ग) अन्य सभी मामलों में पहले वर्ष में पॉलिसी धारक से प्रभारित प्रीमियम का पच्चीस प्रतिशत और पश्चातवर्ती वर्षों में पॉलिसी धारक से प्रभारित प्रीमियम का साढ़े बारह प्रतिशत;
- परंतु इस नियम की कोई बात यहां लागू नहीं होगी, जहां पॉलिसी धारक द्वारा संदत्त संपूर्ण प्रीमियम केवल जीवन बीमा की जोखिम को समाविष्ट करने के लेखे हैं।
- (5) जहां पुराने माल या उपयोग किए गए माल को उस रूप में या ऐसे मामूली प्रसंस्करण के पश्चात, जिससे माल की प्रकृति में कोई परिवर्तन नहीं होता है, क्रय करने या विक्रय करने में लगे किसी व्यक्ति द्वारा कोई कराधेय प्रदाय उपलब्ध कराई जाती है और जहां ऐसे माल के क्रय पर कोई इनपुट कर प्रत्यय प्राप्त नहीं किया गया है, यहां प्रदाय का मूल्य विक्रय कीमत और क्रय कीमत के बीच का अंतर होगा और जहां ऐसी प्रदाय का मूल्य नकारात्मक है, तो उसे छोड़ दिया जाएगा :
- परंतु व्यक्तिक्रमी उधार लेने वाले से, जो उधार या ऋण की वसूली के प्रयोजन के लिए रजिस्ट्रीकृत नहीं है, पुनः कब्जे में लिए गए माल का क्रय मूल्य व्यक्तिक्रमी उधार लेने वाले द्वारा ऐसे माल की क्रय कीमत में क्रय की तारीख और ऐसा पुनः कब्जा करने वाले व्यक्ति द्वारा उसके व्ययन की तारीख के बीच प्रत्येक तिमाही या उसके भाग के लिए पांच प्रतिशत घटाकर समझा जाएगा।
- (6) किसी टोकन या बाउचर या कूपन या स्टॉप (डाक स्टॉप से भिन्न), जो माल या सेवा या दोनों के विरुद्ध मोचनीय है, का मूल्य ऐसे टोकन, बाउचर, कूपन या स्टॉप के विरुद्ध मोचनीय माल या सेवा या दोनों के धनीय मूल्य के बराबर होगा।

- (7) सेवा प्रदाता के ऐसे वर्ग द्वारा उपलब्ध कराई गई कराधेय ऐसी सेवाओं का मूल्य, जो धारा 25 में यथानिर्दिष्ट विभिन्न व्यक्तियों के बीच अनुसूची 1 के पैरा 2 में यथानिर्दिष्ट परिषद् की सिफारिशों पर सरकार द्वारा अधिसूचित की जाएं, जहां इनपुट कर प्रत्यय उपलब्ध है, शून्य समझा जाएगा।
33. विशुद्ध अभिकर्ता की दशा में सेवाओं की प्रदाय का मूल्य - इस अध्याय के उपबंधों में किसी बात के अंतर्विष्ट होते हुए भी किसी प्रदायकर्ता द्वारा प्रदाय के प्राप्तिकर्ता के विशुद्ध अभिकर्ता के रूप में उपगत व्यय या लागत को प्रदाय के मूल्य से अपवर्जित कर दिया जाएगा, यदि निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी की जाती हैं, अर्थात्:-
- (i) प्रदायकर्ता, तब प्रदाय के प्राप्तिकर्ता के विशुद्ध अभिकर्ता के रूप में कार्य करता है, जब वह ऐसे प्राप्तिकर्ता द्वारा दिए गए प्राधिकार पर तीसरे पक्षकार को संदाय करता है ;
 - (ii) प्रदाय के प्राप्तिकर्ता की ओर से विशुद्ध अभिकर्ता द्वारा किए गए संदाय को सेवा के प्राप्तिकर्ता के विशुद्ध अभिकर्ता द्वारा जारी बीजक में पृथक्तया उपदर्शित किया गया है ; और
 - (iii) विशुद्ध अभिकर्ता द्वारा तीसरे पक्षकार से उपाप्त प्रदाय के प्राप्तिकर्ता के विशुद्ध अभिकर्ता के रूप में की गई प्रदाय, उन सेवाओं के अतिरिक्त है, जिनकी प्रदाय वह अपने स्वयं के खाते से करता है ।
- स्पष्टीकरण -- इस नियम के प्रयोजनों के लिए "विशुद्ध अभिकर्ता" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो-
- (क) माल या सेवाओं या दोनों की प्रदाय के दौरान व्यय या लागत उपगत करने के लिए प्राप्तिकर्ता के विशुद्ध अभिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए उसके साथ संविदात्मक करार करता है ;
 - (ख) प्रदाय के प्राप्तिकर्ता के विशुद्ध अभिकर्ता के रूप में इस प्रकार उपाप्त या प्रदाय किए गए माल या सेवाओं या दोनों का कोई भी शीर्षक न तो धारण करने का आशय रखता है, न धारण करता है ;
 - (ग) इस प्रकार उपाप्त ऐसे माल या सेवाओं का अपने स्वयं के लिए उपयोग नहीं करता है ; और
 - (घ) ऐसी प्रदाय के लिए प्राप्त रकम के अतिरिक्त, जो वह अपने स्वयं के लेखे उपलब्ध कराता है, ऐसे माल या सेवाएं उपाप्त करने के लिए उपगत केवल वास्तविक रकम ही प्राप्त करता है ।

दृष्टान्त : कारपोरेट सेवाएं फर्म क, कंपनी ख के निगमन से संबंधित विधिक कार्य को करने में लगी हुई है । क, ख से उसकी सेवा के लिए फीस से भिन्न, कंपनी रजिस्ट्रार को संदत्त कंपनी के नाम के लिए रजिस्ट्रीकरण फीस और अनुमोदन फीस भी वसूल करता है, कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा नाम के रजिस्ट्रीकरण और अनुमोदन के लिए प्रभारित फीस अनिवार्य रूप से ख पर उद्गीत है । क, उन फीसों के संदाय में मात्र विशुद्ध अभिकर्ता के रूप में कार्य कर रहा है । इसलिए क के ऐसे व्ययों की वसूली एक संवितरण है और क द्वारा ख को की गई प्रदाय के मूल्य का भाग नहीं है ।

34. मूल्य के अवधारण के लिए भारतीय रुपए से निम्न मुद्रा के विनिमय की दर - कराधेय माल या सेवा या दोनों के मूल्य के अवधारण के लिए विनिमय की दर, अधिनियम की, यथास्थिति, धारा 12 या धारा 13 के निबंधनानुसार ऐसी प्रदाय की बाबत प्रदाय के समय की तारीख पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा अवधारित उस मुद्रा के लिए लागू निर्देश दर होगी।
35. एकीकृत कर, केंद्रीय कर, राज्य कर, संघ राज्यक्षेत्र कर को मिलाकर प्रदाय का मूल्य- जहां प्रदाय के मूल्य में, यथास्थिति, एकीकृत कर या केंद्रीय कर, राज्य कर, संघ राज्यक्षेत्र कर सम्मिलित हैं, वहां कर की रकम को निम्नलिखित रीति में अवधारित किया जाएगा, अर्थात् :-
- कर की रकम = (करों सहित मूल्य x यथास्थिति, आईजीएसटी या सीजीएसटी, एसजीएसटी या यूटीजीएसटी के प्रतिशत में कर की दर) + (100+ कर दरों का योग, जो प्रतिशत में लागू हैं)
- स्पष्टीकरण : इस अध्याय के उपबंधों के प्रयोजनों के लिए,-

- (क). माल या सेवा या दोनों की प्रदाय के "खुले बाजार मूल्य" पद से ऐसा संपूर्ण धनीय मूल्य अभिप्रेत है, जो एकीकृत कर, केंद्रीय कर, राज्य कर, संघ राज्यक्षेत्र कर और किसी संव्यवहार में किसी व्यक्ति द्वारा संदेय उपकरण को अपवर्जित करने पर आता है, जहां प्रदाय का प्रदायकर्ता और प्राप्तिकर्ता संबंधित नहीं हैं और उस समय, जब प्रदाय का मूल्य किया जाता है, ऐसी प्रदाय को अभिप्राप्त करने के लिए कीमत ही एकमात्र प्रतिफल है ;
- (ख) "उसी प्रकार के और उसी क्वालिटी के माल या सेवा या दोनों की प्रदाय" पद से उन्हीं परिस्थितियों के अधीन माल या सेवा या दोनों की, की गई कोई अन्य प्रदाय अभिप्रेत है, जो पहले उल्लिखित माल या सेवा या दोनों की विशेषता, क्वालिटी, मात्रा, कृत्यकारी संघटक, सामग्रियों और ख्याति के संबंध में माल या सेवाओं या दोनों की उस प्रदाय के प्रकार की या निकटतम अथवा सारतः उसके सदृश्य हैं।

अध्याय 5

इनपुट कर प्रत्यय

36. इनपुट कर प्रत्यय का दावा करने के लिए दस्तावेजी अपेक्षाएं और शर्तें
- (1) इनपुट कर प्रत्यय का उपभोग किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा, जिसके अंतर्गत इनपुट सेवा वितरक भी है, निम्नलिखित किसी दस्तावेज के आधार पर किया जायेगा, अर्थात् :-
- (क) धारा 31 के उपबंधों के अनुसार माल या सेवा या दोनों के प्रदायकर्ता द्वारा जारी किया गया बीजक;
- (ख) कर के संदाय के अध्याधीन धारा 31 की उपधारा (3) के खंड (च) के उपबंधों के अनुसार जारी किया गया बीजक;
- (ग) धारा 34 के उपबंधों के अनुसार किसी प्रदायकर्ता द्वारा जारी किया गया नामे नोट ;

- (घ) आयातों पर एकीकृत कर के निर्धारण के लिए प्रवेश पत्र या सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 या उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन कोई अन्य वैसा ही दस्तावेज ;
- (ड.) इनपुट सेवा वितरक बीजक या इनपुट सेवा वितरक जमा पत्र अथवा नियम 54 के उपनियम(1) के उपबंधों के अनुसार इनपुट सेवा वितरक द्वारा जारी किया गया कोई दस्तावेज ।
- (2) इनपुट कर प्रत्यय का उपभोग केवल रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा ही किया जाएगा, यदि उक्त दस्तावेज में अध्याय 6 में यथाविनिर्दिष्ट लागू सभी विशिष्टियां अंतर्विष्ट हैं और उक्त दस्तावेज में यथा अंतर्विष्ट सुसंगत सूचना ऐसे व्यक्ति द्वारा प्ररूप जीएसटीआर-2 में दी गई हैं ।
- (3) किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा किसी ऐसे कर की बबल इनपुट कर प्रत्यय का उपभोग नहीं किया जाएगा, जिसका संदाय किसी आदेश के अनुसरण में किया गया है, जहां ऐसी मांग की पुष्टि किसी कपट, जानबूझकर किए गए गलत कथन या तथ्यों को छिपाने के कारण की गई है ।
37. प्रतिफल के असंदाय की दशा में इनपुट कर प्रत्यय की वापसी - (1) कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जो माल या सेवा या दोनों की किसी आवक प्रदाय पर इनपुट कर प्रत्यय का उपभोग करता है, किन्तु धारा 16 की उपधारा (2) के दूसरे परंतुक में विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर उस पर संदेय कर सहित ऐसी प्रदाय के मूल्य का उसके प्रदायकर्ता को संदाय करने में असफल होता है, बीजक के जारी किए जाने की तारीख से एक सौ अस्सी दिन की अवधि के ठीक पश्चात् वाले मास के लिए, ऐसी प्रदाय, संदत्त नहीं किए गए मूल्य की रकम प्रदायकर्ता को संदत्त नहीं की गई ऐसे रकम के अनुपात में उपभोग की गई इनपुट कर प्रत्यय की रकम के ब्यौरे प्ररूप जीएसटीआर-2 में देगा :
- परंतु उक्त अधिनियम की अनुसूची 1 में यथाविनिर्दिष्ट प्रतिफल के बिना की गई प्रदाय का मूल्य, धारा 16 की उपधारा (1) के दूसरे परंतुक के प्रयोजनों के लिए संदत्त किया गया समझा जाएगा।
- (2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट इनपुट कर प्रत्यय की रकम को उस मास के लिए, जिसमें ब्यौरे दिए गए हैं, रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के आउटपुट कर दायित्व में जोड़ दिया जाएगा ।
- (3) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, ऐसी प्रदायों पर प्रत्यय का उपभोग करने की तारीख से आरंभ होने वाली अवधि से उपनियम (2) में यथा इल्लिखित आउटपुट कर दायित्व में जोड़ी गई रकम के संदाय करने की तारीख तक धारा 50 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित दर से ब्याज कर संदाय करने का दायी होगा ।
- (4) धारा 16 की उपधारा (4) में विनिर्दिष्ट समय-सीमा अधिनियम के उपबंधों या इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार किसी ऐसे प्रत्यय का पुनः उपभोग करने के लिए लागू नहीं होगी, जिसे पूर्व में वापस कर दिया गया था ।

38. किसी बैंककारी कंपनी या किसी वित्तीय संस्था द्वारा प्रत्यय का दावा - कोई बैंककारी कंपनी या कोई वित्तीय संस्था जिसके अंतर्गत ऐसी गैर बैंककारी वित्तीय कंपनी भी है, जो जमा स्वीकार करने या उधार देने या अग्रिम देने के रूप में सेवाओं की प्रदाय में लगी हुई है, जिसने धारा 17 की उपधारा (2) के उपबंधों की उस धारा की उपधारा (4) के अधीन अनुज्ञात विकल्प के अनुसार अनुपालना नहीं करने का चुनाव किया है, निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण करेगी, अर्थात् :--
- (क) उक्त कंपनी या संस्था प्रत्यय का उपभोग नहीं करेगी ;
- (i) इनपुट और इनपुट सेवाओं पर संदत्त कर, जब उनका उपयोग गैर कारबार प्रयोजनों के लिए किया गया हो ; और
- (ii) प्ररूप जीएसटीआर-2 में धारा 17 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट प्रदायों से सम्बंधित प्रत्यय ।
- (ख) उक्त कंपनी या संस्था धारा 17 की उपधारा (4) के दूसरे परंतुक में निर्दिष्ट तथा खंड (क) के अधीन नहीं आने वाले इनपुटों और इनपुट सेवाओं पर संदत्त कर के प्रत्यय का उपभोग करेगी ;
- (ग) इनपुट कर की शेष रकम का पचास प्रतिशत कंपनी या संस्था को अनुज्ञेय इनपुट कर प्रत्यय होगा और प्ररूप जीएसटीआर-2 में दिया जाएगा ;
- (घ) खंड (ख) और खंड (ग) में निर्दिष्ट रकम को धारा 41, धारा 42 और धारा 43 के उपबंधों के अध्याधीन उक्त कंपनी या संस्था के इलेक्ट्रानिक जमा खाते में जमा कर दिया जाएगा ।
39. इनपुट सेवा वितरक द्वारा इनपुट कर प्रत्यय के वितरण की प्रक्रिया - (1) इनपुट सेवा वितरक इनपुट कर प्रत्यय का वितरण निम्नलिखित रीति में और शर्तों के अध्याधीन करेगा, अर्थात् :--
- (क) किसी मास में वितरण के लिए उपलब्ध इनपुट कर प्रत्यय को उसी मास में वितरित किया जाएगा और उसके ब्यौरे इन नियमों के अध्याय 8 के उपबंधों के अनुसार प्ररूप जीएसटीआर-6 में दिए जाएंगे ;
- (ख) इनपुट सेवा वितरक खंड (घ) के उपबंधों के अनुसार अपात्र इनपुट कर प्रत्यय की रकम को (धारा 17 की उपधारा (5) के उपबंधों के अध्याधीन या अन्यथा अपात्र) और पात्र इनपुट कर प्रत्यय की रकम को अलग से वितरित करेगा ;
- (ग) केंद्रीय कर, राज्य कर, संघ राज्यक्षेत्र कर और एकीकृत कर के मद्दे इनपुट कर प्रत्यय को खंड (घ) के उपबंधों के अनुसार अलग से वितरित किया जाएगा ;
- (घ) ऐसा इनपुट कर प्रत्यय, जो प्राप्तिकर्ताओं में किसी एक 'आर।' चाहे रजिस्ट्रीकृत हो या नहीं, ऐसे सभी प्राप्तिकर्ताओं में से, जिनको इनपुट कर प्रत्यय वितरित किया जाना है, जिसके

अंतर्गत ऐसे प्राप्तिकर्ता भी हैं, जो छूट प्राप्त प्रदाय करने में लगे हुए हैं या किसी कारण से अन्यथा रजिस्ट्रीकृत नहीं हैं, धारा 20 की उपधारा (2) के खंड (घ) और खंड (ड.) के उपबंधों के अनुसार वितरित किया जाना अपेक्षित है, "सी1" रकम होगा, जिसे निम्नलिखित सूत्र लागू करके संगणित किया जाएगा,—

$$\text{सी}_1 = (\text{टी}_1 + \text{टी}) \times \text{सी}$$

जहां,

"सी", वितरित किए जाने वाले प्रत्यय की रकम है,

"टी₁", आर, व्यक्ति का, सुसंगत अवधि के दौरान, धारा 20 में यथा निर्दिष्ट आवर्त है, और

"टी", सुसंगत अवधि के दौरान, ऐसे सभी प्राप्तिकर्ताओं का, जिनके प्रति धारा 20 के उपबंधों के अनुसार इनपुट सेवा निर्धारित की गई है, आवर्त का योग है ;

- (ड) एकीकृत कर के मद्दे प्रत्येक प्राप्तिकर्ता को इनपुट कर प्रत्यय का एकीकृत कर के इनपुट कर प्रत्यय के रूप में वितरण किया जाएगा ;
- (च) केंद्रीय कर और राज्य कर या संघ राज्यक्षेत्र कर के मद्दे इनपुट कर प्रत्यय का,—
 - (i) उसी राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में अवस्थित प्राप्तिकर्ता के संबंध में, जिसमें इनपुट सेवा वितरक अवस्थित है, वितरण क्रमशः केंद्रीय कर और राज्य कर या संघ राज्यक्षेत्र कर के इनपुट कर प्रत्यय के रूप में किया जाएगा ;
 - (ii) इनपुट सेवा वितरक के राज्य या संघ राज्यक्षेत्र से भिन्न किसी राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में अवस्थित किसी प्राप्तिकर्ता के संबंध में, वितरण एकीकृत कर के रूप में किया जाएगा और इस प्रकार वितरित की जाने वाली रकम केंद्रीय कर और राज्य कर या संघ राज्यक्षेत्र कर के इनपुट कर प्रत्यय की रकम के उस योग के बराबर होगी, जो खंड (घ) के अनुसार ऐसे प्राप्तिकर्ता के प्रति वितरण के लिए सीमित है ;
- (छ) इनपुट सेवा वितरक, नियम 54 के उपनियम (1) में यथा विहित इनपुट सेवा वितरक बीजक जारी करेगा, ऐसे बीजक में स्पष्टतः उपदर्शित होगा कि इसमें केवल इनपुट कर प्रत्यय के वितरण के लिए जारी किया गया है ;
- (ज) इनपुट सेवा वितरक, किसी कारण से पहले वितरित इनपुट कर प्रत्यय को घटाए जाने की दशा में प्रत्यय को घटाए जाने के लिए, नियम 54 के उपनियम (1) में यथा विहित इनपुट सेवा वितरक प्रत्यय नोट जारी करेगा ;
- (झ) प्रदायकर्ता द्वारा किसी इनपुट सेवा वितरक को किसी नामे नोट के जारी किए जाने के कारण इनपुट कर प्रत्यय की किसी अतिरिक्त रकम का वितरण खंड (क) से खंड (च) में विनिर्दिष्ट रीति में और उसमें विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए किया जाएगा और किसी

प्राप्तिकर्ता के लिए निर्धारित रकम की संगणना खंड (घ) में उपबंधित रीति में की जाएगी और ऐसे प्रत्यय का उस मास में वितरण किया जाएगा, जिसमें नामे नोट को प्ररूप जी.एस.टी.आर. 6 में विवरणी में सम्मिलित किया गया है ;

(अ) प्रदायकर्ता द्वारा इनपुट सेवा वितरक को किसी नामे नोट के जारी किए जाने के कारण घटाए जाने के लिए अपेक्षित कोई इनपुट कर प्रत्यय का प्रभाजन, प्रत्येक प्राप्तिकर्ता के लिए उस अनुपात में किया जाएगा, जिसमें मूल बीजक में अंतर्विष्ट इनपुट कर प्रत्यय का वितरण खंड (घ) के निबंधनानुसार किया गया था और इस प्रकार प्रभाजित रकम को,—

(i) उस मास में, जिसमें प्ररूप जी.एस.टी.आर. 6 में विवरणी सम्मिलित किया जाता है, वितरित की जाने वाली रकम में से घटाया जाएगा ; या

(ii) प्राप्तिकर्ता के आऊटपुट कर दायित्व में जोड़ दिया जाएगा, जहां इस प्रकार प्रभाजित रकम ऐसे वितरण के अधीन, जो समायोजित की जाने वाली रकम से कम है, प्रत्यय की रकम के आधार पर नकारात्मक है ।

(2) यदि किसी इनपुट सेवा वितरक द्वारा वितरित इनपुट कर प्रत्यय की रकम को किन्हीं प्राप्तिकर्ताओं के लिए किसी अन्य कारण से, जिसके अंतर्गत वह कारण भी है, कि इनपुट सेवा वितरक द्वारा दिए गलत प्राप्तिकर्ताओं को वितरित कर दिया गया था, बाद में कम कर दिया जाता है, तो प्रत्यय के घटाए जाने के लिए उपनियम (1) के खंड (अ) में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया यथाआवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होगी ।

(3) उपनियम (2) के अधीन रहते हुए, इनपुट सेवा वितरक, उपनियम (1) के खंड (5) में विनिर्दिष्ट इनपुट सेवा वितरक को प्रत्यय नोट के आधार पर ऐसे प्रत्यय के लिए हकदार प्राप्तिकर्ता के प्रति एक इनपुट सेवा वितरक बीजक जारी करेगा और इनपुट सेवा वितरक प्रत्यय नोट तथा इनपुट सेवा वितरक बीजक को उस मास के लिए, जिसमें ऐसा प्रत्यय नोट और बीजक जारी किया गया था, प्ररूप जी.एस.टी.आर. 6 में विवरणी में सम्मिलित करेगा।

40. विशेष परिस्थितियों में प्रत्यय का दावा करने की रीति—(1) स्टॉक में धारित इनपुट या स्टॉक में धारित अर्द्धपरिरूपित या परिरूपित माल में अंतर्विष्ट इनपुट पर और उक्त उपधारा के खंड (ग) और खंड (घ) के उपबंधों के अनुसार पूंजी माल पर दावा किए गए प्रत्यय पर धारा 18 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार दावा किया गया इनपुट कर प्रत्यय निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा, अर्थात्

(क) धारा 18 की उपधारा (1) के खंड (ग) और खंड (घ) के निबंधनानुसार, पूंजी माल पर इनपुट कर प्रत्यय का दावा, ऐसे पूंजी माल पर संदत्त कर को, बीजक या ऐसे अन्य दस्तावेजों, जिनके आधार पर कराधेय व्यक्ति द्वारा पूंजी माल प्राप्त किया गया था, की तारीख से,

किसी वर्ष की प्रत्येक तिमाही या उसके किसी भाग के लिए पांच प्रतिशत पाइंट तक कम करने के पश्चात्, किया जाएगा ;

(ख) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, उसके धारा 18 की उपधारा (1) के अधीन इनपुट कर प्रत्यय का उपयोग करने हेतु पात्र होने की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर, इलेक्ट्रानिक रूप से, प्ररूप जी.एस.टी. आई.टी.सी. 01 में, सामान्य पोर्टल पर, इस प्रभाव की घोषणा करेगा कि वह यथापूर्वोक्त इनपुट कर प्रत्यय का उपयोग करने का पात्र है ;

(ग) खंड (ख) के अधीन घोषणा में स्पष्टतः,--

(i) धारा 18 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन दावे की दशा में, उस तारीख से, जिसको वह अधिनियम के उपबंधों के अधीन कर संदाय के लिए दायी हुआ था, ठीक पूर्ववर्ती दिन को ;

(ii) धारा 18 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन दावे की दशा में, रजिस्ट्रीकरण प्रदाय किए जाने की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती दिन को ;

(iii) धारा 18 की उपधारा (1) के खंड (ग) के अधीन दावे की दशा में, उस तारीख से, जिसको वह धारा 9 के अधीन कर संदाय के लिए दायी हुआ था, ठीक पूर्ववर्ती दिन को ;

(iv) धारा 18 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन दावे की दशा में, उस तारीख से, जिससे रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा किए गए प्रदाय कराधेय हुए हैं, ठीक पूर्ववर्ती दिन को, यथास्थिति, स्टॉक में धारित इनपुट या स्टॉक में धारित अर्द्धपरिरूपित या परिरूपित माल में अंतर्विष्ट इनपुट पूंजी माल के संबंध में ब्यौरे विनिर्दिष्ट किए जाएंगे ।

(घ) यदि केंद्रीय कर, राज्य कर, संघ राज्यक्षेत्र कर और एकीकृत कर के मद्दे दावे का कुल मूल्य दो लाख रुपए से अधिक है तो खंड (ख) के अधीन घोषणा में दिए गए ब्यौरे किसी व्यवसायरत चार्टर्ड अकाउंटेंट या लागत लेखापाल द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित होंगे ;

(ङ) धारा 18 की उपधारा (1) के खंड (ग) और खंड (घ) के उपबंधों के अनुसार दावा किए गए इनपुट कर प्रत्यय को तत्स्थानी प्रदायकर्ता द्वारा, यथास्थिति, प्ररूप जी.एस.टी.आर. 1 या प्ररूप जी.एस.टी.आर. 4 में, सामान्य पोर्टल पर, दिए गए तत्स्थानी ब्यौरों के अनुसार सत्यापित किया जाएगा ।

(2) धारा 18 की उपधारा (6) के प्रयोजनों के लिए, पूंजी माल या संयंत्र और मशीनरी के प्रदाय की दशा में, प्रत्यय की रकम, ऐसे माल के लिए बीजक जारी करने की तारीख से, किसी वर्ष की प्रत्येक

तिमाही या उसके किसी भाग के लिए, ऐसे माल पर इनपुट कर को पांच प्रतिशत पाइंट तक कम करके, संगणित की जाएगी।

41. कारबार के विक्रय, विलयन, समामेलन, पट्टा या अंतरण पर प्रत्यय का अंतरण--(1) कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, किसी कारण से कारबार के विक्रय, विलयन, निर्विलयन, समामेलन, पट्टा या अंतरण या परिवर्तन की दशा में, इलैक्ट्रानिक रूप से, सामान्य पोर्टल पर, प्ररूप जी.एस.टी. आई.टी.सी. 02 में, अंतरिती के इलैक्ट्रानिक जमा खाते में पड़े हुए उपयोग किए गए इनपुट कर प्रत्यय के अंतरण के लिए अनुरोध के साथ कारबार के विक्रय, विलयन, निर्विलयन, समामेलन, पट्टे या अंतरण के ब्यौरे देगा :
- परंतु निर्विलयन की दशा में इनपुट कर प्रत्यय की निर्विलयन स्कीम में यथा विनिर्दिष्ट नई इकाइयों की आस्तियों के मूल्य के अनुपात में प्रभावित किया जाएगा।

(2) अंतरक किसी भी व्यवसायरत चार्टर अकाउंटेंट या लागत लेखापाल द्वारा यह प्रमाणित करते हुए कि कारबार के विक्रय, विलयन, निर्विलयन, समामेलन, पट्टा या अंतरण दायित्वों के अंतरण संबंधी विनिर्दिष्ट उपबंध के अनुसार किया गया है, जारी प्रमाणपत्र की प्रति प्रस्तुत करेगा।

(3) अंतरिती, सामान्य पोर्टल पर, अंतरक द्वारा इस प्रकार दिए गए ब्यौरों को प्रतिगृहीत करेगा और ऐसे प्रतिग्रहण पर, प्ररूप जी.एस.टी. आई.टी.सी. 02 में, विनिर्दिष्ट अनुपयोजित प्रत्यय उसके इलैक्ट्रानिक जमा खाते में जमा हो जाएगा।

(4) इस प्रकार अंतरित इनपुट और पूंजी माल को, अंतरिती द्वारा उसकी लेखा पुस्तक में सम्यक् रूप से हिसाब में लिया जाएगा।

42. इनपुटों या इनपुट सेवाओं और उनके विपर्यय के संबंध में इनपुट कर प्रत्यय के अवधारण की रीति--

(1) ऐसे इनपुटों या इनपुट सेवाओं के संबंध में, इनपुट कर प्रत्यय का, जिन्हें धारा 17 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के उपबंध लागू होने हैं, जिनका भागतः उपयोग कारबार के प्रयोजनों के लिए किया गया है और भागतः अन्य प्रयोजनों के लिए किया गया है या जिनका भागतः उपयोग कराधेय प्रदायों को, जिनके अंतर्गत शून्य दर प्रदाय भी हैं, प्रभाव देने के लिए और भागतः छूट प्राप्त प्रदायों को प्रभाव देने के लिए किया गया है, इनपुट कर प्रत्यय निम्नलिखित रीति से कारबार के प्रयोजन के लिए या प्रभावित कराधेय प्रदायों के लिए निर्धारित होगा, अर्थात् :--

(क) किसी कर अवधि में इनपुटों और इनपुट सेवाओं में अंतर्वर्तित कुल इनपुट कर 'टी' के रूप में द्योतक होगा ;

(ख) 'टी' में से इनपुट कर की रकम, जो कारबार से भिन्न प्रयोजनों के लिए अनन्य रूप से उपयोग किए जाने के लिए आशयित इनपुटों और इनपुट सेवाओं के लिए निर्धारणीय है, 'टी' के रूप में द्योतक होगी ;

- (ग) 'टी' में से इनपुट कर की रकम, जो प्रभावित छूट प्राप्त प्रदायों के लिए अनन्य रूप से उपयोग किए जाने के लिए आशयित इनपुटों और इनपुट सेवाओं के लिए निर्धारणीय है, 'टी₂' के रूप में द्योतक होगी ;
- (घ) 'टी' में से इनपुट कर की रकम, ऐसे इनपुटों और इनपुट सेवाओं के संबंध में, जिन पर धारा 17 की उपधारा (5) के अधीन प्रत्यय उपलब्ध नहीं है, 'टी₃' के रूप में द्योतक होगी ;
- (ङ) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के इलेक्ट्रॉनिक जमा खते में जमा इनपुट कर प्रत्यय की रकम 'सी₁' के रूप में द्योतक होगी और निम्नानुसार संगणित की जाएगी,--

$$सी_1 = टी - (टी_1 + टी_2 + टी_3);$$

- (च) छूट प्राप्त प्रदायों से भिन्न, किंतु शून्य दर प्रदायों सहित प्रभावित प्रदायों के लिए अनन्य रूप से उपयोग किए जाने के लिए आशयित इनपुटों और इनपुट सेवाओं के लिए निर्धारणीय इनपुट कर प्रत्यय की रकम 'टी₄' के रूप में द्योतक होगी ;
- (छ) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा, 'टी₁', 'टी₂', 'टी₃' और 'टी₄' का अवधारण और उसकी घोषणा प्ररूप जी.एस.टी.आर. 02 में बीजक स्तर पर की जाएगी ;
- (ज) खंड (छ) के अधीन इनपुट कर प्रत्यय के निर्धारण के पश्चात् बचे हुए इनपुट कर प्रत्यय को सामान्य प्रत्यय कहा जाएगा, जो 'सी₂' के रूप में द्योतक होगी और उसकी संगणना निम्नानुसार की जाएगी,--

$$सी_2 = सी_1 - टी_4 ;$$

- (झ) छूट प्राप्त प्रदायों के मद्दे निर्धारणीय इनपुट कर प्रत्यय कर रकम 'डी₁' के रूप में द्योतक होगी और निम्नानुसार संगणित की जाएगी,--

$$डी_1 = (ई + एफ) \times सी_2 ;$$

जहां,

'ई', कर अवधि के दौरान छूट प्राप्त प्रदायों का कुल मूल्य है, और

'एफ', रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के राज्य में कर अवधि के दौरान कुल आवर्त है :

परंतु जहां रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का उक्त कर अवधि के दौरान कोई आवर्त नहीं है या पूर्वोक्त सूचना उपलब्ध नहीं है, वहां 'ई/एफ' के मूल्य की संगणना, उस मास के पूर्व की, जिसके दौरान 'ई/एफ' के उक्त मूल्य की संगणना की जानी है, ऐसी अंतिम कर अवधि के, जिसके लिए ऐसे आवर्त के ब्यौरे उपलब्ध है, 'ई' और 'एफ' के मूल्यों को हिसाब में लेते हुए की जाएगी ;

स्पष्टीकरण—

इस खंड के प्रयोजनों के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि छूट प्राप्त प्रदाया का संकलित मूल्य और कुल आयत को संबिधान की सातवीं अनुसूची की सूची 1 की प्रविष्टि 84 और उक्त अनुसूची की सूची 2 की प्रविष्टि 51 और प्रविष्टि 54 के अधीन उद्धृत शुल्क या कर की रकम में से अपवर्जित किया जाएगा ;

- (ज) गैर कारबार प्रयोजनों के लिए, निर्धारण प्रत्यय की रकम को, यदि सामान्य इनपुटों और इनपुट सेवाओं का उपयोग भागतः कारबार के लिए और भागतः गैर कारबार प्रयोजनों के लिए किया जाता है, 'डी₂' के रूप में चोटक होगी और 'सी₂' के पांच प्रतिशत के बराबर होगी ;
- (ट) शेष सामान्य कर प्रत्यय कारबार के प्रयोजनों के लिए और छूट प्राप्त प्रदायों से भिन्न प्रभावित प्रदायों के लिए, किंतु इसमें शून्य दर प्रदाय सम्मिलित हैं, निर्धारित इनपुट कर प्रत्यय के लिए उपयुक्त होगा और 'सी₃' के रूप में चोटक होगा, जहां,—

$$\text{सी}_3 = \text{सी}_2 - (\text{डी}_1 + \text{डी}_2);$$

- (ठ) केंद्रीय कर, राज्य कर, संघ राज्यक्षेत्र कर और एकीकृत कर के इनपुट कर प्रत्यय के लिए रकम 'सी₃' की संगणना पृथक् रूप से की जाएगी ;
- (ड) 'डी₁' और 'डी₂' के योग के बराबर रकम को रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के आऊटपुट कर दायित्व में जोड़ा जाएगा :

परंतु रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा जहां इनपुटों और इनपुट सेवाओं से संबंधित इनपुट कर की रकम की, जिसका भागतः उपयोग कारबार से भिन्न प्रयोजन के लिए किया गया है और भागतः उपयोग प्रभावित छूट प्राप्त प्रदायों के लिए किया गया है, पहचान कर ली गई है और बीजक स्तर पर उसे पृथक् कर दिया गया है, वहां उसे क्रमशः 'टी₁' और 'टी₂' में सम्मिलित किया जाएगा और ऐसे इनपुटों और इनपुट सेवाओं पर प्रत्यय की शेष रकम को 'टी₁' में सम्मिलित किया जाएगा ।

- (2) किसी वित्तीय वर्ष के लिए उपनियम (1) के अधीन अवधारित इनपुट कर प्रत्यय की अंतिम रूप से संगणना, उस वित्तीय वर्ष के अंत के, जिससे ऐसा कर प्रत्यय संबंधित है, आगामी सितंबर मास में विवरणी देने के लिए देय तारीख से पूर्व उक्त उपनियम में विनिर्दिष्ट रीति से की जाएगी, और,—

- (क) जहां 'डी₁' और 'डी₂' के संबंध में, अंतिम रूप से संगणित संकलित रकमों, 'डी₁' और 'डी₂' के संबंध में उपनियम (1) के अधीन अवधारित संकलित रकमों से अधिक है, वहां ऐसे आधिक्य को रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की, उस मास में के आऊटपुट कर दायित्व में जोड़ दिया जाएगा, जो ऐसे वित्तीय वर्ष के अंत के, जिससे ऐसा प्रत्यय संबंधित है, आगामी सितंबर मास के अपश्चात् है, और उक्त व्यक्ति, उक्त आधिक्य रकम पर, उत्तरवर्ती वित्तीय वर्ष की एक

अप्रैल से आरंभ होने वाली संदाय की तारीख तक की अवधि के लिए धारा 50 की उपधारा

(1) में विनिर्दिष्ट दर पर ब्याज का संदाय करने का दायी होगा ; और

- (ख) जहां 'डी₁' और 'डी₂' के संबंध में, उपनियम (1) के अधीन अवधारित संकलित रकमें, 'डी₁' और 'डी₂' के संबंध में अंतिम रूप से संगणित संकलित रकमों से अधिक है, वहां रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा, ऐसे वित्तीय वर्ष के अंत के, जिससे ऐसा प्रत्यय संबंधित है, आगामी सितंबर मास के अपश्चात् किसी मास के लिए उसकी विवरणी में ऐसी आधिक्य रकम का दावा प्रत्यय के रूप में किया जाएगा ।

43. पूंजी माल और कतिपय मामलों में उसके विपर्यय के संबंध में इनपुट कर प्रत्यय के अवधारण की रीति-- (1) धारा 16 की उपधारा (3) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, ऐसे पूंजी माल के संबंध में इनपुट कर प्रत्यय, जिसे धारा 17 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के उपबंध लागू होते हैं, जिनका भागतः उपयोग कारबार के प्रयोजन के लिए और भागतः उपयोग अन्य प्रयोजनों के लिए किया गया है या भागतः उपयोग शून्य दर प्रदायों सहित प्रभावित कराधेय प्रदायों के लिए और भागतः प्रभावित छूट प्राप्त प्रदायों के लिए किया गया है, निम्नलिखित रीति में कारबार के प्रयोजनों के लिए या प्रभावित कराधेय प्रदायों के लिए निर्धारित किया जाएगा, अर्थात् :--

- (क) गैर कारबारी प्रयोजनों के लिए अनन्य रूप से प्रयुक्त या प्रयुक्त किए जाने के लिए आशयित या प्रभावित छूट प्राप्त प्रदायों के लिए प्रयुक्त या प्रयुक्त किए जाने के लिए आशयित पूंजी माल के संबंध में इनपुट कर की रकम को प्ररूप जी.एस.टी.आर. 02 में उपदर्शित किया जाएगा और उसे उसके इलैक्ट्रानिक जमा खाते में जमा नहीं किया जाएगा ;
- (ख) छूट प्राप्त प्रदायों से भिन्न, किंतु शून्य दर प्रदायों सहित प्रभावित प्रदायों के लिए प्रयुक्त या अनन्य रूप से प्रयुक्त किए जाने के लिए आशयित पूंजी माल के संबंध में इनपुट कर की रकम प्ररूप जी.एस.टी.आर. 02 में उपदर्शित की जाएगी और उसे इलैक्ट्रानिक जमा खाते में जमा किया जाएगा ;
- (ग) 'ए' के रूप में चोतक ऐसे पूंजी माल के संबंध में, जो खंड (क) और खंड (ख) के अधीन नहीं आते हैं, इनपुट कर की रकम को इलैक्ट्रानिक जमा खाते में जमा किया जाएगा और ऐसे माल का उपयोगी जीवन, ऐसे माल के बीजक की तारीख से पांच वर्ष होगा :

परंतु जहां ऐसे पूंजी माल, जो पहले खंड (क) के अधीन आते थे, बाद में इस खंड के अधीन आते हैं, वहां 'ए' का मूल्य प्रत्येक तीन मास के लिए या उसके भाग के लिए पांच प्रतिशत पाइंट की दर पर इनपुट कर को घटाकर प्राप्त किया जाएगा और 'ए' की रकम को इलैक्ट्रानिक जमा खाते में जमा किया जाएगा ;

स्पष्टीकरण : खंड (क) के अधीन घोषित पूंजी माल किसी मद को, उसकी प्राप्ति पर धारा 18 की उपधारा (4) के उपबंध लागू नहीं होंगे, यदि वह पहले इस खंड के अंतर्गत आती है।

- (घ) 'टी_क' के रूप में घोतक खंड (ग) के अधीन इलेक्ट्रानिक जमा खाते में जमा की गई 'ए' की संकलित रकम किसी कर अवधि के लिए पूंजी माल के संबंध में सामान्य प्रत्यय होंगी :

परंतु जहां कोई ऐसा पूंजी माल, जो पहले खंड (ख) के अंतर्गत आता है, वहां प्रत्येक तीन मास या उसके भाग के लिए पांच प्रतिशत पाइंट की दर पर इनपुट कर को कम करके प्राप्त 'ए' के मूल्य को 'टी_क' के संकलित मूल्य में जोड़ दिया जाएगा ;

- (ङ) सामान्य पूंजी माल पर उसके उपयोगी जीवन के दौरान किसी कर अवधि के लिए निर्धारणीय इनपुट कर प्रत्यय की रकम 'टी_क' के रूप में घोतक होगी और उसकी संगणना निम्नानुसार की जाएगी,--

$$\text{टी}_{\text{क}} = \text{टी}_{\text{क}} + 60$$

- (च) ऐसे सभी सामान्य पूंजी माल पर, जिसका उपयोगी जीवन कर अवधि के दौरान अतिशेष है, कर अवधि के प्रारंभ पर इनपुट कर प्रत्यय की रकम टी_{आर} के रूप में घोतक होगी और वह सभी पूंजी माल के लिए संकलित 'टी_क' होंगी ;

- (छ) छूट प्राप्त प्रदायों के मद्दे निर्धारणीय समान प्रत्यय की रकम 'टी_इ' के रूप में घोतक होगी और उसकी संगणना निम्नानुसार की जाएगी,--

$$\text{टी}_{\text{इ}} = (\text{ई} + \text{एफ}) \times \text{टी}_{\text{आर}}$$

जहां,--

'ई' कर अवधि के दौरान किए गए छूट प्राप्त प्रदायों का संकलित मूल्य है, और 'एफ' कर अवधि के दौरान रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का कुल आवर्त है :

परंतु जहां रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का उक्त कर अवधि के दौरान कोई आवर्त नहीं है या पूर्वोक्त जानकारी उपलब्ध नहीं है, वहां 'ई/एफ' के मूल्य की संगणना, उस मास से पहले की, जिसके दौरान 'ई/एफ' के उक्त मूल्य की संगणना की जानी है, उस अंतिम कर अवधि के, जिसके लिए ऐसे आवर्त के द्वारा उपलब्ध हैं, 'ई' और 'एफ' के मूल्यों को हिसाब में लेते हुए की जाएगी ;

स्पष्टीकरण— इस खंड के प्रयोजनों के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि छूट प्राप्त प्रदायों का संकलित मूल्य और कुल आवर्त को संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची 1 की प्रविष्टि 84 और उक्त अनुसूची की सूची 2 की प्रविष्टि 51 और प्रविष्टि 54 के अधीन उद्धृत शुल्क या कर की रकम को अपवर्जित किया जाएगा ;

- (ज) संबंधित पूंजी माल के उपयोगी जीवन की प्रत्येक कर अवधि के दौरान लागू ब्याज के साथ रकम 'टी६' को, प्रत्यय का ऐसा दावा करने वाले व्यक्ति के आऊटपुट कर दायित्व में जोड़ा जाएगा ;
- (2) केंद्रीय कर, राज्य कर, संघ राज्यक्षेत्र कर और एकीकृत कर के लिए रकम टी६ की संगणना पृथक् रूप से की जाएगी ।
44. विशेष परिस्थितियों में प्रत्यय के विपर्यय की रीति—(1) धारा 8 की उपधारा (4) और धारा 29 की उपधारा (5) के प्रयोजनों के लिए, स्टॉक में धारित अर्ध परिरूपित और परिरूपित माल में अंतर्विष्ट इनपुटों और स्टॉक में धारित पूंजी माल से संबंधित इनपुट कर प्रत्यय की रकम का अवधारण निम्नलिखित रीति से किया जाएगा, अर्थात् :—
- (क) स्टॉक में धारित इनपुटों और स्टॉक में धारित अर्ध परिरूपित और परिरूपित माल में अंतर्विष्ट इनपुटों के लिए इनपुट कर प्रत्यय की संगणना अनुपाततः ऐसे तत्स्थानी बीजकों के आधार पर की जाएगी, जिन पर रजिस्ट्रीकृत कराधेय व्यक्ति द्वारा, ऐसे इनपुटों पर प्रत्यय का उपयोग किया गया है ;
- (ख) स्टॉक में धारित पूंजी माल के लिए, किसी मास में शेष उपयोगी जीवन में अंतर्वलित इनपुट कर प्रत्यय की संगणना उपयोगी जीवन के पांच वर्ष के रूप में ग्रहण करते हुए आनुपातिक आधार पर की जाएगी ।

दृष्टांत :

पूंजी माल चार वर्ष, छह मास और पन्द्रह दिन के लिए उपयोग में रहा है ।

शेष उपयोगी जीवन, महीनों में = पांच मास, उस मास के शेष भाग पर ध्यान न देते हुए

ऐसे पूंजी माल पर लिया गया इनपुट कर प्रत्यय = सी,

शेष उपयोगी जीवन के लिए निर्धारणीय इनपुट कर प्रत्यय = $5/60$ द्वारा गुणज सी

- (2) केन्द्रीय कर, राज्य कर, संघ राज्यक्षेत्र कर और एकीकृत कर के इनपुट कर प्रत्यय के लिए उपनियम (1) में यथा विनिर्दिष्ट रकम का अवधारण पृथक् रूप से किया जाएगा ।
- (3) जहां स्टॉक में धारित इनपुटों से संबंधित कर बीजक उपलब्ध नहीं है, वहां रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति उपनियम (1) के अधीन रकम का प्राक्कलन, यथास्थिति, धारा 18 की उपधारा (4) या धारा 29 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी घटना के घटित होने की प्रभावी तारीख को माल की विद्यमान बाजार कीमत के आधार पर करेगा ।
- (4) उपनियम (1) के अधीन अवधारित रकम रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के आऊटपुट कर दायित्व का भागरूप होगी और ऐसी रकम के ब्यौरे, जहां ऐसी रकम धारा 18 की उपधारा (4) में विनिर्दिष्ट किसी घटना के संबंध में है, वहां प्ररूप जी.एस.टी. आई.टी.सी. 03 में और जहां ऐसी रकम रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण के संबंध में है, वहां प्ररूप जी.एस.टी.आर. 10 में दिए जाएंगे ।

- (5) उपनियम (3) के अनुसार दिए गए ब्यौरे किसी व्यवसायरत चार्टर अकाउंटेंट या लागत लेखापाल द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित होंगे ।
- (6) पूंजी माल के संबंध में धारा 18 की उपधारा (6) के प्रयोजनों के लिए इनपुट कर प्रत्यय की रकम का अवधारण उसी रीति में किया जाएगा, जो उपनियम (1) के खंड (ख) में विनिर्दिष्ट है और केन्द्रीय कर, राज्य कर, संघ राज्यक्षेत्र कर और एकीकृत कर के इनपुट कर प्रत्यय के लिए पृथक् रूप से रकम का अवधारण किया जाएगा ।

परंतु जहां इस प्रकार अवधारित रकम, पूंजी माल के संव्यवहार मूल्य पर अवधारित कर से अधिक है, वहां अवधारित रकम आऊटपुट कर दायित्व का भागरूप होगी और उसे प्ररूप जी.एस.टी.आर. 01 में दिया जाएगा ।

45. जॉबवर्कर को भेजे गए इनपुटों और पूंजी माल के संबंध में शत और निर्बंधन--(1) इनपुटों, अर्ध परिरूपित माल या पूंजी माल, जॉबवर्कर को प्रधान द्वारा जारी चालान के साथ भेजा जाएगा, जिसके अंतर्गत ऐसी स्थिति भी है, जहां ऐसा माल किसी जॉबवर्कर करने वाले कर्मकार को सीधे भेजा जाता है।
- (2) जॉबवर्कर के लिए प्रधान द्वारा जारी चालान में नियम 55 में विनिर्दिष्ट ब्यौरे अंतर्विष्ट होंगे ।
- (3) तिमाही के दौरान किसी जॉबवर्कर को भेजे गए माल या जॉबवर्कर से प्राप्त माल या किसी जॉबवर्कर से किसी अन्य जॉबवर्कर को भेजे गए के संबंध में चालानों के ब्यौरों को तिमाही से उत्तरवर्ती मास के पच्चीसवें दिन पर या पहले की अवधि के लिए दिए गए प्ररूप जीएसटी आईटीसी -04 में सम्मिलित किया जाएगा ।
- (4) जहां प्रधान को, धारा 143 में नियत समय के भीतर इनपुट या पूंजी माल वापस नहीं किया जाता है, यह समझा जाएगा कि ऐसे इनपुट या पूंजीमाल प्रधान द्वारा जॉबवर्कर को, उस दिन पर जब उक्त इनपुट और पूंजीमाल भेजे गए, प्रदायित किए गए थे और उक्त प्रदाय प्ररूप जीएसटी आर -1 में घोषित किया जाएगा और प्रधान, कर के साथ लागू ब्याज के संदेय के लिए दायी होगा ।

स्पष्टीकरण—इस अध्याय के प्रयोजनों के लिए,—

- (1) "पूंजी माल" पद के अंतर्गत धारा 17 के स्पष्टीकरण में यथा परिभाषित "संयंत्र और मशीनरी" भी है ;
- (2) धारा 17 की उपधारा (3) में यथा निर्दिष्ट छूट प्राप्त प्रदाय के मूल्य के अवधारण के लिए,—
- (क) भूमि और भवन के मूल्य को उसी रूप में लिया जाएगा, जैसे स्टांप शुल्क के संदाय के प्रयोजन के लिए अंगीकार किया गया है ; और
- (ख) प्रतिभूति के मूल्य को, ऐसी प्रतिभूति के विक्रय मूल्य के एक प्रतिशत के रूप में लिया जाएगा।

अध्याय 6

कर बीजक, प्रत्यय और नामे नोट

46. कर बीजक - नियम 54 के अधीन रहते हुए, रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा धारा 31 में निर्दिष्ट कर बीजक जिसमें निम्नलिखित विशिष्टियां अंतर्विष्ट हैं, जारी किए जाएंगे, अर्थात् :-

- (क) प्रदायकर्ता का नाम, पता और माल और सेवा कर पहचान संख्या;
- (ख) सोलह अक्षर से अनाधिक क्रमिक क्रम संख्यांक, एक या बहु क्रम में, जिसके अन्तर्गत वर्णमाला या संख्या या विशिष्ट वर्ण - हाइफन या डेश या स्लेस प्रतीक जैसे "-" और "/" क्रमशः और उनका कोई संयोजन, वित्तीय वर्ष के लिए यूनिक होगा
- (ग) उसके जारी करने की तारीख;
- (घ) प्राप्तिकर्ता का नाम, पता और माल और सेवाकर पहचान संख्या या विशिष्ट पहचान संख्या यदि रजिस्ट्रीकृत है;
- (ङ) प्राप्तिकर्ता का नाम पता और परिदान का पता, राज्य के नाम और उसके कोड के साथ, यदि ऐसा प्राप्तिकर्ता अरजिस्ट्रीकृत है और जहां कराधेय प्रदाय का मूल्य पचास हजार रुपये या उससे अधिक है;
- (च) प्राप्तिकर्ता का नाम और पता और परिदान के पते के लिए राज्य का नाम और उसका कोड, यदि ऐसा प्राप्तिकर्ता अरजिस्ट्रीकृत है और जहां कराधेय प्रदाय का मूल्य पचास हजार रुपए से कम है और प्राप्तिकर्ता प्रार्थना करता है कि ऐसा ब्यौरा कर बीजक में अभिलिखित किया जाए;
- (छ) माल और सेवा का नामपद्धति की सामंजस्यपूर्ण प्रणाली;
- (ज) मालों या सेवाओं का वर्णन;
- (झ) माल और ईकाई या उसके यूनिक मात्रा कोड की दशा में, मात्रा;
- (ञ) मालों या सेवाओं या दोनों की प्रदाय का कुल मूल्य;
- (ट) छूट या उपशमन को हिसाब में लेते हुए माल या सेवाओं या दोनों की प्रदाय का काराधेय मूल्य;
- (ठ) कर की दर (केन्द्रीय कर, राज्य कर, एकीकृत कर, संघ राज्य कर या सेस);
- (ड) कराधेय मालों या सेवाओं की बाबत भारित कर की रकम (केन्द्रीय कर, राज्य कर, एकीकृत कर, संघ राज्य क्षेत्र कर या सेस);
- (ढ) राज्य के नाम के साथ प्रदाय का स्थान, अन्तरराज्यीय व्यापार या वाणिज्य के क्रम में प्रदाय की दशा में;
- (ण) परिदान का पता जहां यह प्रदाय के स्थान से भिन्न है;
- (त) क्या कर विपरीत प्रभार आधार पर देय है; और
- (थ) प्रदायकर्ता या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर या डिजिटल हस्ताक्षर;

परन्तु सरकार, परिषद की सिफारिशों पर अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट कर सकेगी -

- (i) माल या सेवाओं के लिए नाम पद्धति कोड की सामंजस्यपूर्ण प्रणाली की संख्या, जो रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के वर्ग से उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की गई ऐसी अवधि के लिए उल्लेख अपेक्षित होगा; और
- (ii) रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों का वर्ग जिनसे माल और सेवाओं के लिए नामपद्धति कोड की सामंजस्यपूर्ण प्रणाली, उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की गई ऐसी अवधि के लिए अपेक्षित नहीं होगा:

परन्तु यह और कि जहां धारा 31 की उप-धारा (3) के खंड (च) के अधीन बीजक जारी किया जाना अपेक्षित है, कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति धारा 9 की उपधारा (4) के अधीन आने वाले प्रदायों के लिए मास के अंत में समेकित बीजक जारी कर सकता है, जब एक दिन में किसी प्रदायकर्ता या सभी प्रदायकर्ताओं से ऐसे प्रदायों का समुचित मूल्य पांच हजार से अधिक है।

परन्तु, यह कि माल और सेवाओं के निर्यात की दशा में बीजक में 'एकीकृत कर के संदाय पर निर्यात के लिए प्रदाय' या 'एकीकृत कर के संदाय के बिना बांड या करार या वचनबंध के अधीन निर्यात के लिए प्रदाय' जैसा भी मामला हो पृष्ठांकित होगा, और खंड (ड) में विनिर्दिष्ट ब्यौरे के बजाय, निम्नलिखित ब्यौरा अन्तर्विष्ट होगा, अर्थात्:-

- (i) प्रासिकर्ता का नाम और पता
- (ii) परिदान का पता और
- (iii) गंतव्य देश का नाम

परन्तु रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए धारा 31 की उप-धारा (3) के खंड (ख) के उपबंधों के अनुसरण में कर बीजक जारी नहीं कर सकेगा, अर्थात्:-

- (क) प्रासिकर्ता एक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति नहीं है; और
- (ख) प्रासिकर्ता से ऐसा बीजक अपेक्षित नहीं होता है और सभी ऐसी प्रदायों के संबंध में प्रत्येक दिन की समाप्ति पर ऐसी प्रदाय के लिए एकीकृत कर बीजक जारी करेगा।

47. कर बीजक जारी करने के लिए समय सीमा - नियम 46 में निर्दिष्ट कर बीजक, सेवाओं की कराधेय प्रदाय की दशा में, सेवा की प्रदाय की तारीख से तीस दिवस की अवधि के भीतर जारी की जाएगी:

परन्तु जहां सेवाओं का प्रदायकर्ता एक बीमाकर्ता है या बैंकिंग कंपनी है या वित्तीय संस्थान है जिसके अन्तर्गत एक गैर-बैंकिंग वित्तीय संघनी भी है, वह अवधि जिसके भीतर बीजक या उसके बजाय कोई अन्य दस्तावेज जारी किया जाना है, सेवाओं की प्रदाय की तारीख से पैंतालिस दिवस होगी:

परन्तु यह और कि बीमाकर्ता या बैंकिंग कंपनी या एक वित्तीय संस्थान जिसके अन्तर्गत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी भी है, या एक टेलिकाम प्रचालक या सेवा की प्रदायकर्ता का कोई अन्य वर्ग,

जैसा भी मामला हो, परिषद की सिफारिशों पर सरकार द्वारा अधिसूचित किया जा सकेगा, धारा 25 में विनिर्दिष्ट सुभिन्न व्यक्तियों के बीच सेवाओं की किरायेय प्रदाय के लिए, बीजक प्रदायकर्ता द्वारा लेखा बही में उसे अभिलिखित करने से पहले या उस समय या ऐसे त्रिमास की समाप्ति से पूर्व जिसके दौरान प्रदाय की गई थी, जारी कर सकेगा।

48. बीजक जारी करने की रीति:- (1) बीजक तीन प्रतियों में तैयार किया जाएगा, अर्थात्:-

- (क) मूल प्रति को "प्राप्तिकर्ता के लिए मूल" के रूप में चिह्नित किया जाएगा;
- (ख) दूसरी प्रति "परिवाहक के लिए द्विप्रतिक" के रूप में चिह्नित किया जाएगा; और
- (ग) तीसरी प्रति "प्रदायकर्ता के लिए तिहरा" के रूप में चिह्नित किया जाएगा।

(2) सेवाओं की प्रदाय की दशा में, निम्नलिखित रीति से, बीजक दो प्रतियों में तैयार किया जाएगा, अर्थात्:-

- (क) मूल प्रति को "प्राप्तिकर्ता के लिए मूल" के रूप में चिह्नित किया जाएगा; और
- (ख) द्वितीय प्रति को "प्रदायकर्ता के लिए द्विप्रतिक" के रूप में चिह्नित किया जाएगा।

(3) कर अवधि के दौरान जारी बीजकों की क्रम संख्या प्ररूप जीएसटी आर.01 में सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रानिक रूप से दी जाएगी।

49. प्रदाय का बिल-धारा 31 की उपधारा (3) के खंड (ग) में निर्दिष्ट प्रदाय का बिल, निम्नलिखित ब्यौरों को अन्तर्विष्ट करते हुए प्रदायकर्ता द्वारा जारी किया जाएगा, अर्थात्-

- (क) प्रदायकर्ता का नाम, पता और माल तथा सेवा कर पहचान संख्या;
- (ख) सोलह अक्षर से अनाधिक क्रमिक क्रम संख्यांक, एक या बहु क्रम में, जिसके अन्तर्गत वर्णमाला या संख्या या विशिष्ट वर्ण - हाइफन या देश या स्लेस प्रतीक जैसे "-" और "/" क्रमशः और उनका कोई संयोजन, वित्तीय वर्ष के लिए यूनिक होगा ;
- (ग) उसके जारी करने की तारीख;
- (घ) प्राप्तिकर्ता का नाम, पता और माल और सेवाकर पहचान संख्या या विशिष्ट पहचान संख्या यदि रजिस्ट्रीकृत है;
- (ङ) माल और सेवा का नामपद्धति की सामंजस्यपूर्ण प्रणाली
- (च) मालों या सेवाओं या दोनों का वर्णन;
- (छ) छूट या उपशमन को हिसाब में लेते हुए माल या सेवाओं या दोनों की प्रदाय का मूल्य;
- (ज) ; प्रदायकर्ता या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर या डिजिटल हस्ताक्षर:

परन्तु नियम 46 का परन्तुक, यथा आवश्यक परिवर्तन सहित उस नियम के अधीन जारी प्रदाय के बिल को लागू होगा

परन्तु यह और कि किसी गैर-कराधेय प्रदाय की बाबत तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिनियम के अधीन जारी किसी कर बीजक या कोई अन्य समान दस्तावेज इस अधिनियम के प्रयोजन के लिए कर बीजक के रूप में माना जाएगा ।

50. प्राप्ति बाउचर - धारा 31 की उपधारा (3) के खंड (घ) में निर्दिष्ट प्राप्ति बाउचर में निम्नलिखित विशिष्टियां अन्तर्विष्ट होगी, अर्थात्

- (क) प्रदायकर्ता का नाम, पता और माल और सेवा कर पहचान संख्या;
- (ख) सोलह अक्षर से अनाधिक क्रमिक क्रम संख्यांक, एक या बहु क्रम में, जिसके अन्तर्गत वर्णमाला या संख्या या विशिष्ट वर्ण - हाइफन या डेश या स्लेस प्रतीक जैसे "--" और "/" क्रमशः और उनका कोई संयोजन, वित्तीय वर्ष के लिए यूनिक होगा;
- (ग) उसके जारी करने की तारीख;
- (घ) प्राप्तिकर्ता का नाम, पता और माल और सेवाकर पहचान संख्या या विशिष्ट पहचान संख्या यदि रजिस्ट्रीकृत है;
- (ङ) मालों या सेवाओं का वर्णन;
- (च) अग्रिम ली गई रकम;
- (छ) कर की दर (केन्द्रीय कर, राज्य कर, एकीकृत कर, संघ राज्य कर या सेस);
- (ज) कराधेय मालों या सेवाओं की बाबत भारित कर की रकम (केन्द्रीय कर, राज्य कर, एकीकृत कर, संघ राज्य क्षेत्र कर या सेस);
- (झ) राज्य के नाम के साथ प्रदाय का स्थान, अन्तरराज्यीय व्यापार या वाणिज्य के क्रम में प्रदाय की दशा में;
- (ञ) क्या कर विपरीत प्रभार आधार पर देय है; और
- (ट) प्रदायकर्ता या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर या डिजिटल हस्ताक्षर।

परन्तु अग्रिम की प्राप्ति के समय,--

- (i) कर की दर अवधार्य नहीं है, कर 18 प्रतिशत की दर पर संदेय किया जाएगा
- (ii) प्रदाय की प्रकृति अवधार्य नहीं है, उसे अन्तरराज्यीय प्रदाय के रूप में माना जाएगा।

51. प्रतिदाय बाउचर - धारा 31 की उपधारा (3) के खंड (ङ) में निर्दिष्ट प्रतिदाय बाउचर में निम्नलिखित विशिष्टियां अंतर्विष्ट होंगी, अर्थात् :--

- (क) प्रदायकर्ता का नाम, पता और माल तथा सेवाकर पहचान नंबर ;
- (ख) एक सतत क्रम संख्या, जिसमें एक या बहुल शृंखलाओं में सोलह से अधिक कैरेक्टर नहीं होंगे, जिसमें वर्णमाला या अंकों या विशेष चिह्न-हाइफन या डैस और स्लेस अंतर्विष्ट होंगे, जिन्हें

क्रमशः "-" और "/" के रूप में और उनके किसी संयोजन के रूप में किसी वित्त वर्ष के लिए विशिष्ट रूप से चिह्नित किया जाएगा ;

- (ग) उसके जारी करने की तारीख ;
- (घ) प्राप्तिकर्ता का नाम, पता और माल तथा सेवाकर पहचान नंबर या विशिष्ट पहचान नंबर, यदि रजिस्ट्रीकृत है तो ;
- (ङ) नियम 50 के उपबंधों के अनुसार जारी प्राप्ति वाउचर का नंबर और तारीख ;
- (च) उन मालों या सेवाओं का विवरण, जिनके संबंध में प्रतिदाय किया गया है ;
- (छ) प्रतिदाय की गई रकम ;
- (ज) कर की दर (केंद्रीय कर, राज्य कर, एकीकृत कर, संघ राज्यक्षेत्र कर या उपकर) ;
- (झ) ऐसे मालों या सेवाओं के संबंध में संदत्त कर की रकम (केंद्रीय कर, राज्य कर, एकीकृत कर, संघ राज्यक्षेत्र कर या उपकर) ;
- (ञ) क्या कर विपरीत प्रभार आधार पर संदेय है ; और
- (ट) प्रदायकर्ता या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर या डिजिटल हस्ताक्षर ।

52. संदाय वाउचर - धारा 31 की उपधारा (3) के खंड (छ) में निर्दिष्ट संदाय वाउचर में निम्नलिखित विशिष्टियां अंतर्विष्ट होंगी, अर्थात् :--

- (क) प्रदायकर्ता का नाम, पता और माल तथा सेवाकर पहचान नंबर, यदि रजिस्ट्रीकृत है ;
- (ख) एक सतत क्रम संख्या, जिसमें एक या बहुल श्रृंखलाओं में सोलह से अधिक कैरेक्टर नहीं होंगे, जिसमें वर्णमाला या अंकों या विशेष चिह्न-हाइफन या डैस और स्लैस अंतर्विष्ट होंगे, जिन्हें क्रमशः "-" और "/" के रूप में और उनके किसी संयोजन के रूप में किसी वित्त वर्ष के लिए विशिष्ट रूप से चिह्नित किया जाएगा ;
- (ग) उसके जारी करने की तारीख ;
- (घ) प्राप्तिकर्ता का नाम, पता और माल तथा सेवाकर पहचान नंबर ;
- (ङ) मालों या सेवाओं का विवरण ;
- (च) संदत्त रकम ;
- (छ) कर की दर (केंद्रीय कर, राज्य कर, एकीकृत कर, संघ राज्यक्षेत्र कर या उपकर) ;
- (ज) कराधेय मालों या सेवाओं के संबंध में कर की रकम (केंद्रीय कर, राज्य कर, एकीकृत कर, संघ राज्यक्षेत्र कर या उपकर) ;
- (झ) अंतःराज्य व्यापार या वाणिज्य के प्रक्रम में प्रदाय की दशा में राज्य के नाम के साथ प्रदाय का स्थान और उसका कूट ; और

- (अ) प्रदायकर्ता या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर या डिजिटल हस्ताक्षर ।
53. पुनरीक्षित कर बीजक और प्रत्यय या नामे नोट — (1) धारा 31 में निर्दिष्ट पुनरीक्षित कर बीजक और धारा 34 में निर्दिष्ट प्रत्यय या नामे नोट में निम्नलिखित विशिष्टियां अंतर्विष्ट होंगी, अर्थात् :-
- (क) "पुनरीक्षित बीजक" शब्द, जहां लागू होता है वहां उसे स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा ;
 - (ख) प्रदायकर्ता का नाम, पता और माल तथा सेवाकर पहचान नंबर ;
 - (ग) दस्तावेज की प्रकृति ;
 - (घ) एक सतत क्रम संख्या, जिसमें एक या बहुल शृंखलाओं में सोलह से अधिक कैरेक्टर नहीं होंगे, जिसमें वर्णमाला या अंकों या विशेष चिह्न-हाइफन या डैस और स्लैस अंतर्विष्ट होंगे, जिन्हें क्रमशः "-" और "/" के रूप में और उनके किसी संयोजन के रूप में किसी वित्त वर्ष के लिए विशिष्ट रूप से चिह्नित किया जाएगा ;
 - (ङ) दस्तावेज जारी करने की तारीख ;
 - (च) प्राप्तिकर्ता का नाम, पता और माल तथा सेवाकर पहचान नंबर या विशिष्ट पहचान नंबर, यदि रजिस्ट्रीकृत है ;
 - (छ) प्राप्तिकर्ता का नाम और पता तथा राज्य और उसके कूट सहित परिदान का पता, यदि ऐसा प्राप्तिकर्ता रजिस्ट्रीकृत नहीं है तो ;
 - (ज) यथास्थिति, तत्स्थानी कर बीजक या प्रदाय के बिल की क्रम संख्या ;
 - (झ) कराधेय मालों या सेवाओं का मूल्य, कर की दर तथा यथास्थिति, प्रत्यय किए गए या प्राप्तिकर्ता के नामे डाले गए कर की रकम ; और
 - (ञ) प्रदायकर्ता या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर या डिजिटल हस्ताक्षर ।
- (2) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिसे उसे जारी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की तारीख से पूर्व किसी तारीख से रजिस्ट्रीकरण अनुदत्त किया गया है, वह रजिस्ट्रीकरण की प्रभावी तारीख से प्रभावी होने वाली कालावधि के दौरान की गई कराधेय प्रदायों के संबंध में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की तारीख तक पुनरीक्षित कर बीजक जारी कर सकेगा :
- परंतु रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति किसी प्राप्तिकर्ता को, जो अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत नहीं है, को ऐसी अवधि के दौरान की गई सभी कराधेय प्रदायों के संबंध में एकीकृत पुनरीक्षित कर बीजक जारी कर सकेगा:

परंतु यह और कि अन्तर राज्य प्रदायों की दशा में, जहां प्रदाय का मूल्य दो लाख पचास हजार रुपए से अधिक नहीं है, एकीकृत पुनरीक्षित बीजक उस राज्य में स्थित सभी प्राप्तिकर्ताओं के संबंध में, जो अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत नहीं है, पृथक् रूप से जारी किया जा सकेगा।

- (3) धारा 74 या धारा 129 या धारा 130 के उपबंधों के अनुसार संदेय किसी कर के लिए जारी कोई बीजक या नामे नोट में स्पष्ट रूप से "इनपुट कर प्रत्यय अनुज्ञेय नहीं" शब्द अंतर्विष्ट होंगे।

54. विशेष मामलों में कर बीजक -- (1) किसी इनपुट सेवा वितरक द्वारा जारी, यथास्थिति, कोई इनपुट सेवा वितरक बीजक या इनपुट सेवा वितरक प्रत्यय नोट में निम्नलिखित व्यापार अंतर्विष्ट होंगे :--

- (क) इनपुट सेवा वितरक का नाम, पता और माल तथा सेवाकर पहचान नंबर ;
- (ख) एक सतत क्रम संख्या, जिसमें एक या बहुत शृंखलाओं में सोलह से अधिक कैरेक्टर नहीं होंगे, जिसमें वर्णमाला या अंकों या विशेष चिह्न-हाइफन या डैस और स्लैस अंतर्विष्ट होंगे, जिन्हें क्रमशः "-" और "/" के रूप में और उनके किसी संयोजन के रूप में किसी वित्त वर्ष के लिए विशिष्ट रूप से चिह्नित किया जाएगा ;
- (ग) उसके जारी करने की तारीख ;
- (घ) प्राप्तिकर्ता, जिसे प्रत्यय वितरित किया गया है, का नाम, पता और माल तथा सेवाकर पहचान नंबर ;
- (ङ) वितरित प्रत्यय की रकम ; और
- (च) इनपुट सेवा वितरक या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर या डिजिटल हस्ताक्षर :

परंतु जहां इनपुट सेवा वितरक किसी बैंककारी कंपनी या वित्तीय संस्था, जिसके अंतर्गत गैर-बैंककारी वित्तीय कंपनी है, का कार्यालय है तो किसी कर बीजक में उसके स्थान पर कोई दस्तावेज शामिल होगा चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो चाहे क्रमबद्ध रूप से संख्यांकित हो या नहीं किंतु उसमें यथा उपरोक्त वर्णित सूचना अंतर्विष्ट हो।

- (2) जहां इनपुट सेवा वितरक कोई बीमांकक या कोई बैंककारी कंपनी या वित्तीय संस्था है, जिसके अंतर्गत गैर-बैंककारी वित्तीय कंपनी है, तो उक्त प्रदायकर्ता उसके स्थान पर कोई बीजक या कोई अन्य दस्तावेज जारी करेगा चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो, चाहे भौतिक रूप से या इलेक्ट्रानिकी रूप से जारी किया गया हो या उपलब्ध कराया गया हो या क्रमबद्ध रूप से संख्यांकित हो या नहीं और चाहे उसमें कराधेय सेवा के प्राप्तिकर्ता का पता अंतर्विष्ट हो या नहीं किंतु उसमें नियम 46 के अधीन वर्णित अन्य सूचना अंतर्विष्ट हो।

- (3) जहां कराधेय सेवा का प्रदायकर्ता कोई माल परिवहन अभिकरण है, जो किसी माल वाहक में सड़क द्वारा मालों के परिवहन के संबंध में सेवाओं की प्रदाय कर रहा है, उक्त प्रदायकर्ता उसके स्थान पर

चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो, कोई अन्य दस्तावेज जारी करेगा, जिसमें पारेषण का समय भाग, पारेषणकर्ता और पारेषिती का नाम, उस माल वाहक की रजिस्ट्रीकरण संख्या, जिसमें मालों का परिवहन किया जाता है, परिवहन किए जा रहे मालों के ब्यौरे मूल और गंतव्य स्थान के ब्यौरे, कर का संदाय करने के लिए दायी व्यक्ति, चाहे पारेषक या पारेषिती या माल परिवहन अभिकरण के रूप में, का माल और सेवाकर पहचान नंबर तथा अन्य सूचना, नियम 46 के अधीन यथावर्णित अन्य सूचना भी अंतर्विष्ट होगी।

- (4) जहां कराधेय सेवा का प्रदायकर्ता यात्री परिवहन सेवा की प्रदाय कर रहा है, कर बीजक में किसी भी रूप में टिकट सम्मिलित होगा, चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो, चाहे क्रमबद्ध रूप से संख्यांकित हो या नहीं और चाहे उसमें सेवा के प्राप्तिकर्ता का पता अंतर्विष्ट हो या नहीं किंतु उसमें नियम 46 के अधीन यथावर्णित अन्य सूचना अंतर्विष्ट होगी।
- (5) उपनियम (2) या उपनियम (4) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तन सहित नियम 49 या नियम 50 या नियम 51 या नियम 52 या नियम 53 के अधीन जारी दस्तावेजों को लागू होंगे।

55. बीजक जारी किए बिना मालों का परिवहन— (1) निम्नलिखित के प्रयोजनों के लिए—

तरल गैस की प्रदाय, जहां प्रदायकर्ता के कारबार के स्थान से उसको हटाए जाने के समय मात्रा ज्ञात नहीं है,

- (क) जो कार्य के लिए मालों का परिवहन,
- (ख) जॉबवर्क के लिए मालों का परिवहन,
- (ग) प्रदाय से भिन्न कारणों से मालों का परिवहन, या
- (घ) ऐसी अन्य प्रदाय, जो सरकार द्वारा अधिसूचित की जाए,

परिवहन के लिए मालों को हटाने के समय पारेषक परिदान चालान जारी कर सकेगा, जो क्रमबद्ध रूप से संख्यांकित होगा, जिसमें सोलह से अधिक करेक्टर नहीं होंगे, एक या बहुल श्रृंखलाओं में जिसमें निम्नलिखित ब्यौरे अंतर्विष्ट होंगे, अर्थात् :--

- I. परिदान चालान की तारीख और नंबर ;
- II. पारेषक का नाम, पता और माल तथा सेवाकर पहचान नंबर, यदि रजिस्ट्रीकृत है ;
- III. पारेषिती का नाम, पता और माल तथा सेवाकर पहचान नंबर या पारेषिती की विशिष्ट पहचान नंबर, यदि रजिस्ट्रीकृत है ;
- IV. नाम पद्धति की सामंजस्यपूर्ण प्रणाली का कूट और मालों के विवरण ;
- V. मात्रा (अनंतिम, जहां प्रदाय की जा रही वास्तविक मात्रा ज्ञात नहीं है) ;
- VI. कराधेय मूल्य ;

VII. कर दर और कर रकम - केंद्रीय कर, राज्य कर, एकीकृत कर, संघ राज्यक्षेत्र कर या उपकर, जहां परिवहन पारेषिती को प्रदाय के लिए है ;

VIII. अंतर राज्य संचलन की दशा में प्रदाय का स्थान ; और

IX. हस्ताक्षर ।

(2) निम्नलिखित रीति में मालों की प्रदाय की दशा में परिदान चालान को तीन प्रतियों में तैयार किया जाएगा, अर्थात् :--

(क) मूल प्रति को पारेषिती के लिए मूल के रूप में चिह्नित किया जाएगा ;

(ख) अनुकृति को परिवहनकर्ता के लिए अनुकृति के रूप में चिह्नित किया जाएगा ; और

(ग) तीसरी प्रति को पारेषणकर्ता के लिए के रूप में चिह्नित किया जाएगा ।

(3) जहां मालों का परिवहन बीजक के स्थान पर परिदान चालान पर किया जा रहा है, वहां उसे नियम 138 में विनिर्दिष्ट के अनुसार घोषित किया जाएगा ।

(4) जहां परिवहन किए जा रहे मार्ग प्राप्तिकर्ता को प्रदाय के प्रयोजन के लिए हैं, किंतु प्रदाय के प्रयोजन के लिए मालों को हटाने के समय कर बीजक जारी नहीं किया जा सका है तो प्रदायकर्ता मालों के परिदान के पश्चात् कर बीजक जारी करेगा ।

(5) जहां मालों का परिवहन सेमी नाक्ड डाउन या पूर्णतया नाक्ड डाउन स्थिति में किया जा रहा है--

(क) प्रदायकर्ता पहले पारेषण को पारेषित करने से पूर्व पूर्ण बीजक जारी करेगा ;

(ख) प्रदायकर्ता प्रत्येक पश्चातवर्ती पारेषण के लिए बीजक को निर्दिष्ट करते हुए परिदान चालान जारी करेगा ;

(ग) प्रत्येक पारेषण के साथ तत्स्थानी परिदान चालान की सम्यक्तः सत्यापित प्रतियों के साथ बीजक की भरी हुई प्रति संलग्न होगी ; और

(घ) बीजक की मूल प्रति को अंतिम पारेषण के साथ भेजा जाएगा ।

अध्याय 7

लेखे और अभिलेख

56. रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों द्वारा लेखाओं का रखाव -- (1) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति धारा 35 की उपधारा (1) में वर्णित विशिष्टियों के अतिरिक्त आयात या निर्यात या प्रदाय किए गए मालों या सेवाओं, जिन पर विपरीत प्रभार पर कर का संदाय अकृष्ट होता है, का सत्य और सही लेखा रखने के साथ सुसंगत दस्तावेज, जिसके अंतर्गत बीजक, प्रदाय के बिल, परिदान चालान, प्रत्यय नोट, नामे नोट, प्राप्त बाउचर, संदाय बाउचर तथा प्रतिदाय बाउचर हैं, रखेगा और उनका अनुरक्षण करेगा ।

- (2) धारा 10 के अधीन कर का संदाय करने वाले व्यक्ति से भिन्न प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति उसके द्वारा प्राप्त किए गए और प्रदाय किए गए मालों के संबंध में स्टॉक के लेखे रखेगा और ऐसे लेखाओं में अतिशेष, प्राप्ति, प्रदाय, खो गए माल, चोरी हो गए, नष्ट हो गए, बट्टे खाते में डाले या उपहार या निःशुल्क नमूने के रूप में दिए गए माल तथा स्टॉक के शेष, जिसके अंतर्गत कच्ची सामग्रियां, तैयार माल, स्क्रेप और उनकी छीजन सम्मिलित हैं, की विशिष्टियां सम्मिलित होंगी।
- (3) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति प्राप्त अग्रिमों, उनका संदाय और समायोजन के पृथक् लेखे रखेगा और उनका अनुरक्षण करेगा।
- (4) धारा 10 के अधीन कर का संदाय करने वाले व्यक्ति से भिन्न प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति एक लेखा रखेगा और उसका अनुरक्षण करेगा, जिसमें संदेय कर (धारा 9 की उपधारा (3) और उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसार संदेय कर सम्मिलित हैं), संगृहित और संदत्त कर, इनपुट कर, दावा किया गया इनपुट कर प्रत्यय के व्यौरों के साथ कर बीजक का रजिस्टर, प्रत्यय नोट, नामे नोट, किसी कर अवधि के दौरान जारी किया गया या प्राप्त किया गया परिदान चालान अंतर्विष्ट हैं।
- (5) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति निम्नलिखित की विशिष्टियां रखेगा,--
- (क) प्रदायकर्ताओं का नाम और पूरा पता, जिनसे उसने अधिनियम के अधीन कर से प्रभार्य मालों या सेवाओं को प्राप्त किया है ;
- (ख) उन व्यक्तियों का नाम और पूरा पता, जिनको उसने मालों या सेवाओं की प्रदाय की है, जहां इस अध्याय के नियमों के अधीन अपेक्षित है ;
- (ग) उन परिसरों का पूरा पता, जहां उसके द्वारा मालों का भंडारण किया जाता है, जिसके अंतर्गत स्थानांतरण के दौरान भंडार किए गए माल सम्मिलित हैं, के साथ उनमें भंडार किए गए स्टॉक की विशिष्टियां हैं।
- (6) यदि उपनियम (5) के अधीन घोषित स्थानों से भिन्न किसी स्थान पर किन्हीं विधिमान्य दस्तावेजों के बिना कोई करारधेय माल पाया जाता है तो समुचित अधिकारी ऐसे मालों पर संदेय कर की रकम को ऐसे अवधारित करेगा जैसे ऐसे मालों की प्रदाय रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा की गई है।
- (7) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति लेखा बहियों को और उसके रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में वर्णित अतिरिक्त कारबार के स्थान से संबंधित लेखा बहियां और ऐसी अन्य लेखा बहियों में किसी इलेक्ट्रॉनिकी युक्ति में भंडारित डाटा का कोई अन्य प्रारूप सम्मिलित है, कारबार के मूल स्थान पर रखेगा।
- (8) रजिस्ट्रों लेखाओं और दस्तावेजों में की गई किसी प्रविष्टि को मिटाया, छिपाया या उसके ऊपर नहीं लिखा जाएगा और लिपिकीय प्रकृति से भिन्न अन्यथा सभी अशुद्ध प्रविष्टियों को सत्यापन के अधीन काट दिया जाएगा तथा तत्पश्चात् सही प्रविष्टि को अभिलिखित किया जाएगा और जहां रजिस्टर

- और अन्य दस्तावेजों का अनुरक्षण इलेक्ट्रानिकी रूप में किया जाता है तो संपादित या लोप की गई प्रत्येक प्रविष्टि का लॉग रखा जाएगा।
- (9) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा मैनुअल रूप से रखी गई लेखा बहियों के प्रत्येक खंड को क्रमबद्ध रूप से संख्यांकित किया जाएगा।
- (10) जब तक कि अन्यथा साबित न हो, यदि किसी दस्तावेज, रजिस्टर या कोई लेखा बही, जो किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से संबंधित है, को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में वर्णित किसी अन्य परिसर पर पाया जाता है तो यह उपधारणा की जाएगी कि उस परिसर का उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा अनुरक्षण किया जा रहा है।
- (11) धारा 2 के खंड (5) में निर्दिष्ट प्रत्येक अभिकर्ता निम्नलिखित को उपदर्शित करते हुए लेखे रखेगा--
- (क) प्रत्येक प्रधान से ऐसे प्रधान के निमित्त मालों या सेवाओं को प्राप्त करने या प्रदाय करने के लिए उसके द्वारा पृथक्कृत: प्राप्त प्राधिकृत करने की विशिष्टियां ;
 - (ख) विशिष्टियां, जिसके अंतर्गत प्रत्येक प्रधान के निमित्त प्राप्त मालों या सेवाओं का विवरण, मूल्य और मात्रा (जहां लागू हो), सम्मिलित है ;
 - (ग) विशिष्टियां, जिसके अंतर्गत प्रत्येक प्रधान के निमित्त पूर्ति किए गए मालों या सेवाओं का विवरण, मूल्य और मात्रा (जहां लागू हो), सम्मिलित है ;
 - (घ) प्रत्येक प्रधान को प्रस्तुत लेखाओं के ब्यौरे ; और
 - (ङ) प्रत्येक प्रधान के निमित्त प्राप्त किए गए या प्रदाय किए गए मालों या सेवाओं पर संदत्त कर।
- (12) मालों का विनिर्माण करने वाला प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति मासिक उत्पादन लेखे रखेगा, जिनमें विनिर्माण में उपयोग की गई कच्ची सामग्रियों या सेवाओं के मात्रात्मक ब्यौरे तथा इस प्रकार विनिर्मित किए गए मालों के मात्रात्मक ब्यौरे, जिसके अंतर्गत उनकी छीजन और उप उत्पाद हैं, को दर्शित किया जाएगा।
- (13) सेवाओं की प्रदाय करने वाला प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति लेखाओं को रखेगा, जिसमें सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए उपयोग किए गए मालों के ब्यौरे उपयोग की गई इनपुट सेवाओं के ब्यौरे तथा प्रदाय की गई सेवाओं के ब्यौरे उपदर्शित होंगे।
- (14) कार्य संविदा का निष्पादन करने वाला प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति कार्य संविदा के लिए निम्नलिखित को उपदर्शित करते हुए पृथक् लेखे रखेगा--
- (क) उन व्यक्तियों के नाम और पते, जिनके निमित्त कार्य संविदा का निष्पादन किया जाता है ;
 - (ख) कार्य संविदा के निष्पादन के लिए प्राप्त मालों या सेवाओं का वर्णन, मूल्य और मात्रा (जहां लागू हों) ;
 - (ग) कार्य संविदा के निष्पादन के लिए उपयोजित मालों या सेवाओं का वर्णन, मूल्य और मात्रा (जहां लागू हों) ;

- (घ) प्रत्येक कार्य संविदा के संबंध में प्राप्त संदाय के ब्यौरे ; और
- (ङ) उन प्रदायकारों के नाम और पते, जिनसे उसने माल और सेवाएं प्राप्त की हैं ।
- (15) इस अध्याय के उपबंधों के अधीन अभिलेखों को इलेक्ट्रॉनिकी प्ररूप में रखा जाएगा और इस प्रकार रखे गए अभिलेखों को डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यमों से अधिप्रमाणित किया जाएगा ।
- (16) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा स्टॉक परिदान, आयक, प्रदाय और जावक प्रदाय के संबंध में रखे गए लेखे, सभी बीजकों, प्रदाय बिलों, प्रत्यय और नामे मोदे का धारा 36 में यथा उपबंधित कालावधि के लिए परिरक्षण किया जाएगा और जहां ऐसे लेखों और दस्तावेजों का अनुरक्षण मैनुअल रूप से किया जा रहा है वहां उनको रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में वर्णित कारबार के प्रत्येक संबंधित स्थान पर रखा जाएगा और वह कारबार के प्रत्येक संबंधित स्थान पर पहुंचनीय होंगे, जहां ऐसे लेखाओं और दस्तावेजों का अनुरक्षण डिजिटल रूप से किया जाता है ।
- (17) वाहक या समाशोधन और आगेषण अभिकर्ता की क्षमता में मालों की अभिरक्षा रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के निमित्त प्राप्तकर्ता को उनके परिदान या पारेषण के लिए उसके द्वारा ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के निमित्त हस्तालन किए गए ऐसे मालों के संबंध में सही और सत्य अभिलेख रखेगा तथा समुचित अधिकारी द्वारा जब और जहां अपेक्षा की जाए, उनके ब्यौरों को प्रस्तुत करेगा ।
- (18) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति मांग किए जाने पर उन लेखा बहियों को प्रस्तुत करेगा जिनकी तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन रखे जाने की उससे अपेक्षा है ।
57. इलेक्ट्रॉनिकी अभिलेखों का सृजन और अभिरक्षण -- (1) अभिलेखों के समुचित इलेक्ट्रॉनिकी बैक-अप का अनुरक्षण और परिरक्षण ऐसी रीति में किया जाएगा कि ऐसे अभिलेखों के दुर्घटनाओं या प्राकृतिक कारणों से नष्ट हो जाने की दशा में सूचना को युक्तियुक्त कालावधि के भीतर पुनः बहाल किया जा सके ।
- (2) इलेक्ट्रॉनिकी अभिलेखों का अनुरक्षण करने वाला रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति मांग किए जाने पर उसके द्वारा सम्यक्तः अधिप्रमाणित सुसंगत अभिलेखों या दस्तावेजों को हार्ड कापी या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिकी रूप से पठनीय प्ररूप में प्रस्तुत करेगा ।
- (3) जहां किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा लेखाओं और अभिलेखों का इलेक्ट्रॉनिकी रूप में भंडारण किया जाता है तो वह मांग किए जाने पर ऐसी फाइलों के पासवर्ड के ब्यौरों और पहुंच के लिए, जहां आवश्यक हो, इस्तेमाल किए गए कूटों के स्पष्टीकरण और किसी अन्य सूचना को, जो ऐसी पहुंच के लिए आवश्यक हो, के साथ ऐसी फाइलों में भंडारित सूचना की मुद्रित रूप में नमूना प्रति प्रस्तुत करेगा ।
58. गोदाम या भांडागार के स्यामी और परिवहनकर्ताओं द्वारा रखे जाने वाले अभिलेख-- (1) धारा 35 की उपधारा (2) के उपबंधों के अनुसार अभिलेखों और लेखाओं का अनुरक्षण करने के लिए अपेक्षित प्रत्येक व्यक्ति, यदि पहले ही इस अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत नहीं है तो वह अपने कारबार

- के संबंध में प्ररूप जीएसटी इनआर-01 सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रानिकी रूप में या सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किसी सुविधा केंद्र के माध्यम से ब्यौरे प्रस्तुत करेगा और प्रस्तुत ब्यौरों के विधिमान्यकरण पर एक विशिष्ट नामांकन नंबर सृजित किया जाएगा तथा उक्त व्यक्ति को संसूचित किया जाएगा ।
- (2) किसी अन्य राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में पूर्वोक्त उपनियम (1) के अधीन नामांकित व्यक्ति को राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में नामांकित समझा जाएगा ।
- (3) प्रत्येक व्यक्ति, जिसे उपनियम (1) के अधीन नामांकित किया गया है, जहां अपेक्षित हो, प्ररूप जीएसटी इनआर-01 में प्रस्तुत ब्यौरों का सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रानिकी रूप में या सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किसी सुविधा केंद्र के माध्यम से संशोधन करेगा ।
- (4) नियम 56 के उपबंधों के अधीन रहते हुए,—
- (क) मालों के परिवहन के कारबार में लगा हुआ कोई व्यक्ति परिवहन किए गए, परिदान किए गए और वहन के दौरान उसके द्वारा भंडारण किए गए मालों के अभिलेखों के साथ रजिस्ट्रीकृत पारेषक और पारेषिती का उसकी प्रत्येक शाखा में माल और सेवाकर पहचान नंबर के साथ अभिलेख रखेगा ।
- (ख) भांडागार या गोदाम का प्रत्येक स्वामी या प्रचालक उस अवधि के संबंध में, जिसमें भांडागार में विशिष्ट माल रहे, की लेखा बहियां रखेगा, जिसके अंतर्गत ऐसे मालों के पारेषण, संचलन, प्राप्ति और निपटान से संबंधित ब्यौरे हैं ।
- (5) गोदाम का स्वामी या प्रचालक मालों का भंडारण ऐसी रीति में करेगा कि उनकी मदवार या स्वामीवार पहचान की जा सके और मांग किए जाने पर समुचित अधिकारी द्वारा निरीक्षण के लिए किसी भौतिक सत्यापन को सुकर बनाएगा ।

अध्याय 8

विवरणियां

59. जायक प्रदायों के ब्यौरों को प्रस्तुत करने का प्ररूप और रीति— (1) एकीकृत माल और सेवाकर अधिनियम, 2017 की धारा 14 में निर्दिष्ट व्यक्ति से भिन्न प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिससे धारा 37 के अधीन मालों या सेवाओं की जायक प्रदायों या दोनों के ब्यौरे प्रस्तुत करना अपेक्षित है, वह ऐसे ब्यौरों को इलेक्ट्रानिक रूप में या प्ररूप जीएसटी आर-1 में सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रानिक रूप में या तो सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किसी सुविधा केंद्र के माध्यम से प्रस्तुत करेगा ।
- (2) मालों या सेवाओं या दोनों की प्रदाय के प्ररूप जीएसटी आर-1 में प्रस्तुत ब्यौरों में निम्नलिखित शामिल होंगे—
- (क) निम्नलिखित के बीजक-वार ब्यौरे—

- (ii) रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई अंतर राज्य और अंतःराज्य प्रदाय ; और
- (iii) गैर रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को दो लाख पचास हजार रुपए से अधिक बीजक मूल्य के साथ की गई अंतर राज्य प्रदाय ;
- (ख) निम्नलिखित के एकीकृत ब्यौरे--
- (क) प्रत्येक कर दर के लिए गैर-रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई अंतःराज्य प्रदाय ; और
- (ख) गैर रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को दो लाख पचास हजार रुपए के बीजक मूल्य तक के साथ की गई अंतर राज्य प्रदाय ;
- (ग) पूर्व में जारी बीजकों के लिए मास के दौरान जारी नामे नोट और प्रत्यय नोट, यदि कोई हों ।
- (3) प्रदायकर्ता द्वारा प्रस्तुत जावक प्रदायों के ब्यौरों को इलैक्ट्रॉनिक रूप में संबंधित रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों (प्राप्तिकर्ताओं) को प्ररूप जीएसटी आर-2क के भाग क, प्ररूप जीएसटी आर-4क और प्ररूप जीएसटी आर-6क के माध्यम से सामान्य पोर्टल पर प्ररूप जीएसटी आर-1 फाइल करने के लिए सम्यक् तारीख के पश्चात् उपलब्ध कराया जाएगा ।
- (4) प्राप्तिकर्ता द्वारा उसके धारा 38 के अधीन प्ररूप जीएसटी आर-2 या धारा 39 के अधीन प्ररूप जीएसटी आर-4 या प्ररूप जीएसटी आर-6 में जोड़ी गई, सही की गई या लोप की गई आवक प्रदायों के ब्यौरों को प्रदायकर्ता को इलैक्ट्रॉनिकी रूप में प्ररूप जीएसटी आर-1क के माध्यम से सामान्य पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा और ऐसा प्रदायकर्ता प्राप्तिकर्ता द्वारा किए गए उपांतरणों को या तो स्वीकार करेगा या अस्वीकार करेगा और प्रदायकर्ता द्वारा पहले प्रस्तुत प्ररूप जीएसटी आर-1 उसके द्वारा स्वीकृत उपांतरणों के परिमाण तक संशोधित हो जाएगा ।
60. आवक प्रदायों के ब्यौरों को प्रस्तुत करने का प्ररूप और रीति-- (1) एकीकृत माल और सेवाकर अधिनियम, 2017 की धारा 14 में निर्दिष्ट व्यक्ति से भिन्न प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिससे धारा 38 की उपधारा (2) के अधीन किसी कर अवधि के दौरान प्राप्त मालों या सेवाओं की आवक के ब्यौरे प्रस्तुत करना अपेक्षित है, प्ररूप जीएसटी आर-2क के भाग क, भाग ख और भाग ग में अंतर्विष्ट ब्यौरों के आधार पर ऐसे ब्यौरे तैयार करेगा जैसा कि उक्त धारा की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट है और उन्हें ऐसी अन्य आवक प्रदायों के ब्यौरों को सम्मिलित करके, यदि कोई हों, जिनकी धारा 38 की उपधारा (1) के अधीन प्रस्तुत करने की अपेक्षा है, को सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलैक्ट्रॉनिकी रूप में या तो सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किसी सुविधा केंद्र के माध्यम से प्रस्तुत करेगा ।
- (2) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति ब्यौरों, यदि कोई हों, जिनकी प्ररूप जीएसटी आर-2 में इलैक्ट्रॉनिकी रूप में धारा 38 की उपधारा (5) के अधीन प्रस्तुत करने की अपेक्षा है, प्रस्तुत करेगा ।

- (3) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति आवक प्रदायों को, जिनके संबंध में वह या तो पूर्णतया या भागतः पात्र नहीं है, को प्ररूप जीएसटी आर-2 में इनपुट कर प्रत्यय के लिए विनिर्दिष्ट करेगा जहां ऐसी पात्रता का अवधारण बीजक स्तर पर किया जा सकता है।
- (4) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति जावक प्रदायों, जो गैर-कराधेय प्रदायों से संबंधित हैं या कारबार से भिन्न प्रयोजनों के लिए हैं और जिनका प्ररूप जीएसटी आर-2 में बीजक स्तर पर अवधारण नहीं किया जा सकता है, पर अपात्र इनपुट कर प्रत्यय की मात्रा को घोषित करेगा।
- 4(क) किसी गैर-निवासी कराधेय व्यक्ति द्वारा नियम 63 के अधीन प्ररूप जीएसटी आर-5 में उसकी विवरणी में प्रस्तुत बीजकों के बयौरों को प्ररूप जीएसटी आर-2क के भाग क में प्रत्यय के प्राप्तिकर्ता को सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलैक्ट्रानिकी रूप में उपलब्ध कराया जाएगा तथा उक्त प्राप्तिकर्ता उन्हें प्ररूप जीएसटी आर-2 में सम्मिलित कर सकेगा।
- (5) किसी इनपुट सेवा वितरक द्वारा नियम 66 के अधीन प्ररूप जीएसटी आर-6 में उसकी विवरणी में प्रस्तुत बीजकों के बयौरों को प्ररूप जीएसटी आर-2क के भाग ख में प्रत्यय के प्राप्तिकर्ता को सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलैक्ट्रानिकी रूप में उपलब्ध कराया जाएगा तथा उक्त प्राप्तिकर्ता उन्हें प्ररूप जीएसटी आर-2 में सम्मिलित कर सकेगा।
- (6) किसी स्रोत पर कटौतीकर्ता द्वारा धारा 39 की उपधारा (3) के अधीन प्ररूप जीएसटी आर- 7 में कटौती किए गए कर के बयौरों को प्ररूप जीएसटी आर-2क के भाग ग में, जिसकी कटौती की गई है उसको सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलैक्ट्रानिकी रूप में उपलब्ध कराया जाएगा तथा उक्त प्राप्तिकर्ता उन्हें प्ररूप जीएसटी आर-2 में सम्मिलित कर सकेगा।
- (7) किसी ई-कामर्स प्रचालक द्वारा धारा 52 के अधीन प्ररूप जीएसटी आर- 8 में स्रोत पर संग्रहीत कर के बयौरों को प्ररूप जीएसटी आर-2क के भाग ग में संबंधित व्यक्ति को सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलैक्ट्रानिकी रूप में उपलब्ध कराया जाएगा तथा उक्त प्राप्तिकर्ता उन्हें प्ररूप जीएसटी आर-2 में सम्मिलित कर सकेगा।
- (8) प्ररूप जीएसटी आर-2 में प्रस्तुत मालों या सेवाओं या दोनों की आवक प्रदायों के बयौरों में निम्नलिखित सम्मिलित होगा—
- (क) रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों या गैर- रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त अंतर-राज्य और अंतःराज्य प्रदायों के बीजकवार बयौरे ;
- (ख) मालों और सेवाओं के किए गए आयात ; और
- (ग) प्रदायकर्ता से प्राप्त नामे नोट और प्रत्यय नोट, यदि कोई हो।
61. मासिक विवरणी प्रस्तुत करने का प्ररूप और रीति— (1) रजिस्ट्रीकृत माल और सेवाकर अधिनियम, 2017 की धारा 14 में निर्दिष्ट व्यक्ति से भिन्न प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति या कोई इनपुट सेवा वितरक या गैर-निवासी कराधेय व्यक्ति या, यथास्थिति, धारा 10 या धारा 51 या धारा 52 के अधीन कर का संदाय करने वाला व्यक्ति धारा 39 की उपधारा (1) के अधीन विनिर्दिष्ट विवरणी प्ररूप जीएसटी

- आर-3 में इलैक्ट्रानिकी रूप में या सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किसी सुविधा केंद्र के माध्यम से प्रस्तुत करेगा ।
- (2) उपनियम (1) के अधीन विवरणी के भाग क को इलैक्ट्रानिकी रूप में प्ररूप जीएसटी आर-1, प्ररूप जीएसटी आर-2 के माध्यम से प्रस्तुत सूचना के आधार पर और पूर्ववर्ती कर अवधियों के लिए अन्य दायित्वों के आधार पर सृजित किया जाएगा ।
- (3) उपनियम (1) के अधीन विवरणी प्रस्तुत करने वाला प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति धारा 49 के उपबंधों के अधीन रहते हुए कर, ब्याज, शास्ति, फीस या अधिनियम या इस अध्याय के नियमों के अधीन संदेय अन्य रकम के लिए अपने दायित्व का इलैक्ट्रानिकी रोकड़ बही को या इलैक्ट्रानिकी प्रत्यय बही को नामे डालकर निर्वहन करेगा और विवरणी के भाग ख में प्ररूप जीएसटी आर-3 में ब्यौरों को सम्मिलित करेगा ।
- (4) धारा 49 की उपधारा (6) के उपबंधों के अनुसरण में इलैक्ट्रानिकी रोकड़ बही में किसी शेष के प्रतिदाय का दावा करने वाला रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति ऐसे प्रतिदाय का प्ररूप जीएसटी आर-3 में विवरणी में भाग ख में दावा कर सकेगा और ऐसी विवरणी को धारा 54 के अधीन फाइल किया गया आवेदन समझा जाएगा ।
- (5) जहां धारा 37 के अधीन प्ररूप जीएसटी आर-1 और धारा 38 के अधीन प्ररूप जीएसटी आर-2 में ब्यौरों को प्रस्तुत करने की समय-सीमा का विस्तार किया गया है और परिस्थितियां इस प्रकार हैं कि प्ररूप जीएसटी आर-3 के स्थान पर प्ररूप जीएसटी आर-3ख में विवरणी को ऐसी रीति और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए प्रस्तुत किया जा सकेगा, जो आयुक्त द्वारा अधिसूचित की जाए ।
- 62 प्रशमन प्रदायकर्ता द्वारा त्रैमासिक विवरणियों को प्रस्तुत करने का प्ररूप और रीति—
- (1) धारा 10 के अधीन कर का संदाय करने वाला प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति प्ररूप जीएसटी आर-4क में अंतर्विष्ट ब्यौरों के आधार पर और जहां अपेक्षित हो, ब्यौरों में जोड़कर, उन्हें सही करके या उनका तोप करके प्ररूप जीएसटी आर- 4में इलैक्ट्रानिकी रूप में या तो सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किसी सुविधा केन्द्र के माध्यम से त्रैमासिक विवरणी प्रस्तुत करेगा ।
- (2) उपनियम (1) के अधीन विवरणी प्रस्तुत करने वाला प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति कर, ब्याज, शास्ति, फीस या अधिनियम या इस अध्याय के नियमों के अधीन संदेय किसी अन्य रकम के लिए अपने दायित्व का निर्वहन इलैक्ट्रानिकी रोकड़ बही के नामे डालकर करेगा ।
- (3) उपनियम (1) के अधीन प्रस्तुत विवरणी में निम्नलिखित शामिल होंगे—
- (क) रजिस्ट्रीकृत और गैर- रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त आवक प्रदायों के अंतर-राज्य और अंतर-राज्य के बीजक्यार ब्यौरें ;
- (ख) की गई जायक प्रदायों के एकीकृत ब्यौरें ;

- (4) कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिसने वित्त वर्ष के आरंभ से धारा 10 के अधीन कर संदाय करने का विकल्प लिया है, जहां अपेक्षित हो, उस अवधि से संबंधित आवक और जावक प्रदायों और नियम 59, नियम 60 और नियम 61 के अधीन विवरणी के ब्यौरे, जिसके दौरान वह व्यक्ति ऐसे ब्यौरे और विवरणियों को पश्चातवर्ती वित्त वर्ष के सितंबर मास के लिए विवरणी प्रस्तुत करने की सम्यक् तारीख या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की वार्षिक विवरणी को प्रस्तुत करने की सम्यक् तारीख, जो भी पूर्वतर हो, प्रस्तुत करने के लिए दायी था, प्रस्तुत करेगा ।
- स्पष्टीकरण— इस उपनियम के प्रयोजन के लिए यह घोषित किया जाता है कि व्यक्ति प्रदायकर्ता से उसके द्वारा प्रशमन स्कीम का विकल्प लेने से पूर्व अवधि के लिए बीजकों या नामे नोट पर इनपुट कर प्रत्यय लेने के लिए पात्र नहीं होगा ।
- (5) कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जो स्वेच्छा द्वारा प्रशमन स्कीम से हटने का विकल्प लेता है या जहां समुचित अधिकारी की पहल पर विकल्प को वापिस ले लिया जाता है वहां आवश्यकता होने पर धारा 9 के अधीन कर के संदाय के लिए प्ररूप जीएसटी आर-4 में विकल्प लेने से पूर्व अवधि से उत्तरवर्ती वित्त वर्ष के सितंबर मास को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए विवरणी प्रस्तुत करने की सम्यक् तारीख या पूर्ववर्ती वित्त वर्ष के लिए विवरणी प्रस्तुत करने की सम्यक् तारीख, जो भी पूर्वतर हो, तक के ब्यौरों को प्रस्तुत करेगा ।
63. गैर-निवासी कराधेय व्यक्ति द्वारा विवरणी प्रस्तुत करने का प्ररूप और रीति—प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत गैर-निवासी कराधेय व्यक्ति सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रानिकी रूप में या सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किसी सुविधा केन्द्र के माध्यम से प्ररूप जीएसटी आर-5 में विवरणी प्रस्तुत करेगा, जिसके अंतर्गत जावक प्रदायों और आवक प्रदायों के ब्यौरे सम्मिलित हैं तथा वह कर, ब्याज, शास्ति, फीस या इस अधिनियम के अधीन या इस अध्याय के नियमों के अधीन संदेय किसी अन्य रकम का कर अवधि के अंत से 20 दिन के पश्चात् या रजिस्ट्रीकरण अवधि की विधिमान्यता के अंतिम दिन के पश्चात् 7 दिन के भीतर, जो भी पूर्वतर हो, संदाय करेगा ।
64. ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस पहुंच या पुनः प्राप्ति सेवाएं प्रदान करने वाले व्यक्तियों द्वारा विवरणी प्रस्तुत करने का प्ररूप और रीति—भारत से बाहर किसी स्थान से भारत में किसी व्यक्ति को ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस पहुंच या पुनः प्राप्ति सेवाएं प्रदान करने वाला रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से भिन्न रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक व्यक्ति कलेंडर मास या उसके भाग के पश्चातवर्ती मास की 20 तारीख को या उससे पूर्व प्ररूप जीएसटी आर-5 में विवरणी फाइल करेगा ।
65. इनपुट सेवा वितरक द्वारा विवरणी प्रस्तुत करने का प्ररूप और रीति—प्रत्येक इनपुट सेवा वितरक प्ररूप जीएसटी आर-6 में अंतर्विष्ट ब्यौरों के आधार पर और जहां अपेक्षित हो, ब्यौरों में जोड़ने के

- पश्चात् सही करने या ब्याँरों का लोप करने के पश्चात् इलैक्ट्रानिकी रूप में प्ररूप जीएसटी आर-6 में विवरणी, जिसमें कर बीजकों के ब्याँर अंतर्विष्ट होंगे, जिन पर प्रत्यय प्राप्त किया गया है तथा जिनहें धारा 20 के अधीन जारी किया गया है, सामान्य पोर्टल के माध्यम से या तो सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किसी सुविधा केन्द्र के माध्यम से विवरणी प्रस्तुत करेगा।
66. ऐसे व्यक्ति से, जिससे स्रोत पर कर की कटौती करने की अपेक्षा है, द्वारा विवरणी प्रस्तुत करने का प्ररूप और रीति— (1) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिससे धारा 51 के अधीन स्रोत पर कर की कटौती करना अपेक्षित है (जिसे इसमें इसके पश्चात् इस नियम में कटौतीकर्ता कहा गया है) प्ररूप जीएसटी आर-7 में इलैक्ट्रानिकी रूप में सामान्य पोर्टल के माध्यम से या तो सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किसी सुविधा केन्द्र के माध्यम से विवरणी प्रस्तुत करेगा।
- (2) उपनियम (1) के अधीन कटौतीकर्ता द्वारा प्रस्तुत ब्याँरों को इलैक्ट्रानिकी रूप में प्ररूप जीएसटी आर-2क के भाग ग में प्रत्येक प्रदायकर्ता के अंश सामान्य पोर्टल पर प्ररूप जीएसटी आर-4क में प्ररूप जीएसटी आर-7 फाइल करने की सम्यक् तारीख के पश्चात् उपलब्ध कराया जाएगा।
- (3) धारा 51 की उपधारा (3) में निर्दिष्ट प्रमाणपत्र को, प्ररूप जीएसटी आर-7क के सामान्य पोर्टल द्वारा उपनियम (1) के अधीन प्रस्तुत की गई विवरणी के आधार पर इलैक्ट्रानिकी रूप में जिसकी कटौती की गई है को उपलब्ध कराया जाएगा।
67. ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से प्रदायों के विवरण को प्रस्तुत करने का प्ररूप और रीति.— (1) धारा 52 के अधीन स्रोत पर कर संग्रहीत करने के लिए अपेक्षित प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य प्रचालक या तो प्रत्यक्षतः या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र से सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्ररूप जीएसटीआर-8 में विवरण प्रस्तुत करेगा जिसमें ऐसे प्रचालक के माध्यम से किए गए प्रदायों के ब्याँर तथा धारा 52 की उप-धारा (1) की अपेक्षानुसार संग्रहीत कर की रकम अन्तर्विष्ट होगी।
- (2) उप-नियम (1) के अधीन प्रचालक द्वारा प्रस्तुत ब्याँर प्ररूप जीएसटीआर-8 के फाइल किए जाने की देय तारीख के पश्चात् सामान्य पोर्टल पर प्ररूप जीएसटीआर-2क के भाग ग में प्रत्येक प्रदायकर्ता को इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध कराई जाएगी।
68. विवरणियों के फाइल न करने वाले व्यक्तियों को सूचना.— प्ररूप जीएसटीआर-3क में सूचना ऐसे किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को इलेक्ट्रॉनिक रूप में जारी की जाएगी जो धारा 39 या धारा 44 या धारा 45 या 52 के अधीन विवरणी प्रस्तुत करने में असफल रहता है।
69. इनपुट कर प्रत्यय के दावे का सुमेलीकरण.— आवक प्रदायों, जिनके अन्तर्गत धारा 41 के अधीन अनंतिम रूप से अनुज्ञात आयात भी हैं, पर इनपुट कर प्रत्यय के दावे से सम्बन्धित निम्नलिखित

व्यौरे, प्ररूप जीएसटीआर-3 में विवरणी प्रस्तुत करने के लिए देय तारीख के पश्चात्, धारा 42 के अधीन सुमेलित होंगे-

- (क) प्रदायकर्ता की जीएसटी पहचान संख्या;
- (ख) प्राप्तकर्ता की जीएसटी पहचान संख्या;
- (ग) बीजक या नामे नोट संख्या;
- (घ) बीजक या नामे नोट तारीख; और
- (ङ) कर रकम;

परंतु जहां धारा 37 के अधीन विनिर्दिष्ट प्ररूप जीएसटीआर-1 और धारा 38 के अधीन विनिर्दिष्ट प्ररूप जीएसटीआर-2 को प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा बढ़ाई गई है वहां इनपुट कर प्रत्यय के दावे से सम्बन्धित सुमेलीकरण की तारीख भी तदनुसार बढ़ाई जाएगी:

परंतु यह और कि आयुक्त परिषद की सिफारिशों पर आदेश द्वारा इनपुट कर प्रत्यय के दावे से सम्बन्धित सुमेलीकरण की तारीख को ऐसी तारीख तक बढ़ा सकेगा जो उसमें विनिर्दिष्ट की जाए।

स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोजन के लिए यह घोषणा की जाती है कि-

- (i) प्ररूप जीएसटीआर-2 में उन बीजकों और नामे नोटों, जिन्हें संशोधन के बिना प्ररूप जीएसटीआर-2 के आधार पर प्राप्तकर्ता द्वारा स्वीकार किया गया था, की बाबत इनपुट कर प्रत्यय का दावा सुमेलित माना जाएगा यदि तत्स्थानी प्रदायकर्ता ने विधिमान्य विवरणी प्रस्तुत की है;
 - (ii) इनपुट कर प्रत्यय का दावा यथा सुमेलित माना जाएगा जब दावा किए गए इनपुट कर प्रत्यय की रकम तत्स्थानी प्रदायकर्ता द्वारा ऐसे कर बीजक या नामे नोट पर संदत्त आउटपुट कर के बराबर है या उससे कम।
70. इनपुट कर प्रत्यय की अन्तिम स्वीकृति और उसकी संसूचना- (1) धारा 42 की उप-धारा (2) में विनिर्दिष्ट किसी कर अवधि की बाबत इनपुट कर प्रत्यय के दावे की अन्तिम स्वीकृति सामान्य पोर्टल के माध्यम से प्ररूप जीएसटी एमआईएस-1 में ऐसा दावा करने वाले रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को उपलब्ध कराया जाएगा।
- (2) किसी कर अवधि की बाबत इनपुट कर प्रत्यय का दावा, जिसे बेमेल के रूप में संसूचित किया गया है किन्तु प्रदायकर्ता या प्राप्तकर्ता द्वारा परिशोधन के पश्चात्, सुमेलित पाया गया है, अन्तिम रूप से स्वीकार किया जाएगा और सामान्य पोर्टल के माध्यम से प्ररूप जीएसटी एमआईएस-1 में ऐसा दावा करने वाले व्यक्ति को इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।

71. इनपुट कर प्रत्यय के दावे की संसूचना और उसमें विसंगति का परिशोधन तथा इनपुट कर प्रत्यय दावे का उलट दिया जाना.- (1) धारा 42 की उप-धारा (3) में विनिर्दिष्ट किसी कर अयधि की बाबत इनपुट कर प्रत्यय के दावे में कोई विसंगति तथा ऐसी विसंगति के चालू रहने के कारण उक्त धारा की उप-धारा (5) के अधीन जोड़े जाने के लिए दायी आउटपुट कर के ब्यौरे प्ररूप जीएसटी एमआईएस-1 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से ऐसा दावा करने वाले प्रासिकर्ता और प्ररूप जीएसटी एमआईएस-2 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रदायकर्ता को सामान्य पोर्टल के माध्यम से उस मास, जिसमें सुमेलीकरण किया गया हो, की अन्तिम तारीख को या उससे पहले उपलब्ध करा दिए जाएंगे।
- (2) ऐसा कोई प्रदायकर्ता, जिसको उप-नियम (1) के अधीन कोई विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, उस मास, जिसमें विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, के लिए प्रस्तुत किया जाने वाले जावक प्रदायों के विवरण में उपयुक्त परिशोधन कर सकेगा।
- (3) ऐसा कोई प्रासिकर्ता, जिसको उप-नियम (1) के अधीन कोई विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, उस मास, जिसमें विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, के लिए प्रस्तुत किया जाने वाले आवक प्रदायों के विवरण में उपयुक्त परिशोधन कर सकेगा।
- (4) जहां विसंगति उप-नियम (2) या उप-नियम (3) के अधीन परिशोधित नहीं की जाती है, वहां विसंगति के विस्तार तक रकम उस मास, जिसमें विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, के उत्तरवर्ती मास के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3 में प्रस्तुत की जाने वाली उराकी विवरणी में प्रासिकर्ता के आउटपुट कर दायित्व में जोड़ी जाएगी।

स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोजन के लिए, यह घोषणा की जाती है कि-

- (i) किसी प्रदायकर्ता द्वारा परिशोधन से उसकी विधिमान्य विवरणी में जावक प्रदाय के ब्यौरों को जोड़ना या संशोधन करना अभिप्रेत है जिससे कि प्रासिकर्ता द्वारा घोषित तत्स्थानी आवक प्रदाय के ब्यौरों को सुमेलित किया जा सके;
- (ii) किसी प्रासिकर्ता द्वारा परिशोधन से आवक प्रदाय के ब्यौरों का हटाया जाना या उन्हें संशोधित किया जाना अभिप्रेत है जिससे कि प्रदायकर्ता द्वारा घोषित तत्स्थानी जावक प्रदाय के ब्यौरों को सुमेलित किया जा सके;
72. एक बार से अधिक उसी बीजक पर इनपुट कर प्रत्यय का दावा:- आवक प्रदायों के ब्यौरों में इनपुट कर प्रत्यय के दावों का दो बार किया जाना सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटी एमआईएस-1 में रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को संसूचित किया जाएगा।

73. आउटपुट कर दायित्व में कटौती के दावों का सुमेलीकरण:- आउटपुट कर दायित्व में कटौती के दावे से सम्बन्धित निम्नलिखित व्यौरे प्ररूप जीएसटीआर-3 में विवरणी प्रस्तुत करने के लिए देय तारीख के पश्चात् धारा 43 के अधीन सुमेलित किए जाएंगे:-

- (क) प्रदायकर्ता की जीएसटीआर पहचान संख्या;
- (ख) प्राप्तिकर्ता की जीएसटीआर पहचान संख्या;
- (ग) जमा पत्र संख्या;
- (घ) जमा पत्र की तारीख; और
- (ङ) कर की रकम;

परंतु जहां धारा 37 के अधीन प्ररूप जीएसटीआर-1 और धारा 38 के अधीन प्ररूप जीएसटीआर-2 को प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा बढ़ाई गई है वहां आउटपुट कर दायित्व में कटौती के दावे के सुमेलीकरण की तारीख तदनुसार बढ़ाई जाएगी:

परंतु यह और कि आयुक्त परिषद की सिफारिशों पर आदेश द्वारा आउटपुट कर दायित्व के दावे से सम्बन्धित सुमेलीकरण की तारीख को ऐसी तारीख तक बढ़ा सकेगा जो उसमें विनिर्दिष्ट की जाए।

स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोजन के लिए यह घोषणा की जाती है कि-

- (i) प्ररूप जीएसटीआर-1 में उन जमा पत्रों, जो प्ररूप जीएसटीआर-2 में बिना संशोधन के तत्स्थानी प्राप्तिकर्ता द्वारा स्वीकार किए गए थे, के जारी किए जाने के कारण आउटपुट कर दायित्व में कटौती का दावा सुमेलित माना जाएगा यदि उक्त प्राप्तिकर्ता ने विधिमान्य विवरणी प्रस्तुत की है।
- (ii) आउटपुट कर दायित्व में कटौती का दावा जहां सुमेलित समझा जाएगा जहां आउटपुट कर दायित्व की रकम दावा की गई कटौती को हिसाब में लेने के पश्चात्, उसकी विधिमान्य विवरणी में तत्स्थानी प्राप्तिकर्ता द्वारा ऐसे जमा पत्र पर स्वीकृत और उन्मोचित कटौती को हिसाब में लेने के पश्चात्, इनपुट कर दायित्व के दावे के बराबर है या उससे अधिक है।

74. इनपुट कर प्रत्यय की अन्तिम स्वीकृति और उसकी संसूचना- (1) धारा 43 की उप-धारा (2) में विनिर्दिष्ट किसी कर अवधि की बाबत आउटपुट कर दायित्व में कटौती के दावे के अन्तिम स्वीकृति सामान्य पोर्टल के माध्यम से प्ररूप जीएसटी एमआईएस-1 में ऐसा दावा करने वाले रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध कराई जाएगी।

(2) किसी ऐसी कर अवधि की बाबत आउटपुट कर दायित्व में कटौती का दावा, जिसे बेमेले दावे के रूप में संसूचित किया गया था किन्तु प्रदायकर्ता या प्राप्तिकर्ता द्वारा परिशोधन के पश्चात् सुमेलित पाया

गया है, अन्तिम रूप से स्वीकार किया जाएगा और सामान्य पोर्टल के माध्यम से प्ररूप कोई जीएसटी एमआईएस-1 में ऐसा दावा करने वाले व्यक्ति को इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।

75. आउटपुट कर दायित्व की कटौती में विसंगति की संसूचना और उसका परिशोधन तथा कटौती के दावे का उलट दिया जाना:- (1) धारा 43 की उप-धारा (3) में विनिर्दिष्ट आउटपुट कर दायित्व में कटौती के दावे में कोई विसंगति और ऐसी विसंगति के चालू रहने के कारण उक्त धारा की उप-धारा (5) के अधीन जोड़े जाने वाले आउटपुट के कर दायित्व व्यौरों प्ररूप जीएसटी एमआईएस-1 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से ऐसा दावा करने वाले रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को और प्ररूप जीएसटी एमआईएस-2 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रासिकर्ता को सामान्य पोर्टल के माध्यम से उस मास, जिसमें सुमेलीकरण किया गया हो, की अन्तिम तारीख को या उससे पहले उपलब्ध करा दिए जाएंगे।
- (2) ऐसा कोई प्रदायकर्ता, जिसको उप-नियम (1) के अधीन कोई विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, उस मास, जिसमें विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, के लिए प्रस्तुत किया जाने वाले जायक प्रदायों के विवरण में उपयुक्त परिशोधन कर सकेगा।
- (3) ऐसा कोई प्रासिकर्ता, जिसको उप-नियम (1) के अधीन कोई विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, उस मास, जिसमें ऐसी विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, के लिए प्रस्तुत किया जाने वाले जायक प्रदायों के विवरण में उपयुक्त परिशोधन कर सकेगा।
- (4) जहां विसंगति उप-नियम (2) या उप-नियम (3) के अधीन परिशोधित नहीं की जाती है, वहां विसंगति के विस्तार की रकम प्रासिकर्ता के आउटपुट कर दायित्व में जोड़ी जाएगी और इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर में से विकलित की जाएगी तथा उस मास, जिसमें विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, के उत्तरवर्ती मास के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3 में दर्शायी जाएगी।

स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोजन के लिए, यह घोषणा की जाती है कि-

- (i) किसी प्रदायकर्ता द्वारा परिशोधन से उसकी विधिमान्य विवरणी में जायक प्रदाय के व्यौरों का हटाया जाना या संशोधन करना अभिप्रेत है जिससे कि प्रासिकर्ता द्वारा घोषित तत्स्थानी जायक प्रदाय के व्यौरों को सुमेलित किया जा सके;
 - (ii) किसी प्रासिकर्ता द्वारा परिशोधन से जायक प्रदाय के व्यौरों का जोड़ा जाना या उन्हें संशोधित किया जाना अभिप्रेत है जिससे कि प्रदायकर्ता द्वारा घोषित तत्स्थानी जायक प्रदाय के व्यौरों को सुमेलित किया जा सके;
76. एक बार से अधिक आउटपुट कर दायित्व में कटौती का दावा:- जायक प्रदायों के व्यौरों में आउटपुट कर दायित्व में कटौती के लिए दावों का दो बार किया जाना सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटी एमआईएस-1 में रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को संसूचित किया जाएगा।

77. उलट दिए गए दायों का पुनः दावा करने पर संदत ब्याज का प्रतिदाय- धारा 42 की उप-धारा (9) या धारा 43 की उप-धारा (9) के अधीन प्रतिदाय किए जाने वाले ब्याज का दावा प्ररूप जीएसटीआर-3 में उसकी विवरणी में रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा किया जाएगा और उसे प्ररूप जीएसटी पीएमटी-05 में उसके इलेक्ट्रॉनिक नकद खाते में जमा किया जाएगा तथा जमा की गई रकम भविष्य में ब्याज के दायित्व के संदाय के लिए उपलब्ध होगी या कराधेय व्यक्ति धारा 54 के अधीन रकम के प्रतिदाय का दावा कर सकेगा।
78. प्रदायकर्ता द्वारा प्रस्तुत ब्यौरों सहित ई-वाणिज्य प्रचालक द्वारा प्रस्तुत ब्यौरों का सुमेलीकरण- प्ररूप जीएसटीआर-8 में यथा घोषित ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से प्रदायों से सम्बन्धित निम्नलिखित ब्यौरे प्ररूप जीएसटीआर-1 में प्रदायकर्ता द्वारा घोषित तत्स्थानी ब्यौरों के साथ सुमेलित होंगे-
- (क) प्रदाय के स्थान का राज्य; और
- (ख) शुद्ध कराधेय मूल्य:
- परंतु जहां धारा 37 के अधीन प्ररूप जीएसटीआर-1 प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा बढ़ाई गई है वहां ऊपर उल्लेखित ब्यौरों के सुमेलीकरण की तारीख तदनुसार बढ़ाई जाएगी।
- परंतु यह और कि आयुक्त, परिषद की सिफारिशों पर, आदेश द्वारा सुमेलीकरण की तारीख को उस तारीख तक बढ़ा सकेगा जो इसमें विनिर्दिष्ट की जाए।
79. ई-वाणिज्य प्रचालक और प्रदायकर्ता द्वारा प्रस्तुत ब्यौरों में विसंगति की संसूचना और उसका परिशोधन-
- (1) प्रचालक द्वारा प्रस्तुत ब्यौरों में कोई विसंगति और प्रदायकर्ता द्वारा घोषित विसंगति प्ररूप जीएसटी एमआईएस-3 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रदायकर्ता को और प्ररूप जीएसटी एमआईएस-4 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से ई-वाणिज्य प्रचालक को सामान्य पोर्टल पर उस मास, जिसमें सुमेलीकरण किया गया है, की अन्तिम तारीख को या उससे पहले उपलब्ध कराई जाएगी।
- (2) ऐसा प्रदायकर्ता, जिसको उप-नियम (1) के अधीन कोई विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, उस मास के लिए, जिसमें विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, प्रस्तुत किए जाने वाले जायक प्रदायों के विवरण में उपयुक्त परिशोधन कर सकेगा।
- (3) कोई प्रचालक, जिसको उप-नियम (1) के अधीन कोई विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, उस मास के लिए, जिसमें विसंगति उपलब्ध कराई जाती है, प्रस्तुत किए जाने वाले विवरण में उपयुक्त परिशोधन कर सकेगा।
- (4) जहां उप-नियम (2) या उप-नियम (3) के अधीन कोई विसंगति परिशोधित नहीं की जाती है, वहां विसंगति के विस्तार तक रकम उस मास, जिसमें विसंगति के ब्यौरे उपलब्ध कराए जाते हैं, से उत्तरवर्ती मास के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3 में उसकी विवरणी में प्रदायकर्ता के आउटपुट कर दायित्व

में जोड़ी जाएगी और आउटपुट कर दायित्व में ऐसा परिवर्धन तथा उस पर संदेय व्याज प्ररूप जीएसटी एमआईएस-3 में सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रदायकर्ता को उपलब्ध कराई जाएगी।

80. वार्षिक विवरणी:- (1) इनपुट सेवा वितरक से भिन्न प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, धारा 51 या धारा 52 के अधीन कर का संदाय करने वाला व्यक्ति, आकस्मिक कराधेय व्यक्ति और अनिवासी कराधेय व्यक्ति, सामान्य पोर्टल के माध्यम से या तो प्रत्यक्षतः या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से प्ररूप जीएसटीआर-9 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से धारा 44 की उप-धारा (1) के अधीन यथा विनिर्दिष्ट वार्षिक विवरणी प्रस्तुत करेगा:

परंतु धारा 10 के अधीन कर का संदाय करने वाला व्यक्ति प्ररूप जीएसटीआर-9क में वार्षिक विवरणी प्रस्तुत करेगा।

- (2) धारा 52 के अधीन स्रोत पर कर संग्रह करने के लिए अपेक्षित प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य प्रचालक प्ररूप जीएसटीआर-9ख में उक्त धारा की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट वार्षिक विवरण प्रस्तुत करेगा।
- (3) ऐसा प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिसकी किसी वित्तीय वर्ष के दौरान कुल आवर्त दो करोड़ रुपये से अधिक है, धारा 35 की उप-धारा (5) के अधीन यथा विनिर्दिष्ट अपने खातों को संपरीक्षित कराएगा और वह प्रत्यक्षतः या तो आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से या इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटीआर-9ग में संपरीक्षित वार्षिक लेखों तथा सम्यक्तः प्रमाणित समाधान विवरण की प्रति प्रस्तुत करेगा।

81. अन्तिम विवरणी.- धारा 45 के अधीन अन्तिम विवरणी प्रस्तुत करने के लिए अपेक्षित प्रत्येक व्यक्ति के लिए सामान्य पोर्टल के माध्यम से या तो प्रत्यक्षतः या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से प्ररूप जीएसटीआर-10 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से ऐसी विवरणी प्रस्तुत करेगा।

82. विशिष्ट पहचान संख्या रखने वाले व्यक्तियों के आवक प्रदायों के ब्यौरे:- (1) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति, जिसे विशिष्ट पहचान संख्या जारी की गई है और वह अपने आवक प्रदायों पर संदत करों के प्रतिदाय का दावा करता है, या तो प्रत्यक्षतः सामान्य पोर्टल के माध्यम से या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से ऐसे प्रतिदाय दावे के लिए आवेदन के साथ प्ररूप जीएसटीआर-11 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से कराधेय माल या सेवाओं या दोनों के ऐसे प्रदायों के ब्यौरे प्रस्तुत करेगा।

- (2) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति, जिसे संदत करों के प्रतिदाय से भिन्न प्रयोजनों के लिए विशिष्ट पहचान संख्या जारी की गई है, कराधेय माल या सेवाओं या दोनों के आवक प्रदायों के ब्यौरे, जिनकी कोई प्ररूप जीएसटीआर-11 में उचित अधिकारी द्वारा अपेक्षा की जाए, प्रस्तुत करेगा।

83. माल और सेवा कर व्यवसायी से सम्बन्धित उपबंध:- (1) प्ररूप जीएसटी पीसीटी-01 में आवेदन किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा जीएसटी व्यवसायी के रूप में अभ्यावेशन के लिए या तो प्रत्यक्षतः सामान्य पोर्टल के

माध्यम से या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया जा सकेगा जो -

- (क) (i) भारत का नागरिक है;
- (ii) स्वस्थ चित्त का व्यक्ति है;
- (iii) दिवाला के रूप में न्यायनिर्णीत नहीं है;
- (iv) सक्षम न्यायालय द्वारा सिद्ध दोष नहीं ठहराया गया है:-
- (ख) जो किन्हीं निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो, अर्थात्:-
- (i) वह किसी राज्य सरकार के वाणिज्यिक कर विभाग या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड, राजस्व विभाग, भारत सरकार का सेवानिवृत्त अधिकारी है, जो सरकार के अधीन अपनी सेवा के दौरान, दो वर्ष से अन्यून अवधि तक द्वितीय श्रेणी राजपत्रित अधिकारी की पंक्ति से अनिम्नतर पंक्ति के पद पर कार्य कर चुका था; या
- (ii) उसे पांच वर्ष से अन्यून अवधि के लिए विद्यमान विधि के अधीन कर व्यवसायी के रूप में अभ्यावेशित किया गया है;
- (ग) उसने-
- (i) स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री या उसके समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण की है जो तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा स्थापित भारतीय विश्वविद्यालय से वाणिज्य, विधि, बैंककारी, जिसके अन्तर्गत उच्चतर लेखा परीक्षा या व्यवसाय प्रशासन या व्यवसाय प्रबंधन भी है, में डिग्री रखता हो;
- (ii) किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विदेशी विश्वविद्यालय की डिग्री परीक्षा, जो उप-खंड (i) में उल्लिखित डिग्री परीक्षा के समतुल्य है, उत्तीर्ण की हो; या
- (iii) इस प्रयोजन के लिए परिशुद्ध की सिफारिश पर सरकार द्वारा अधिसूचित कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो; या
- (iv) जिसने निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई परीक्षा उत्तीर्ण की हो, अर्थात्:-
- (क) भारतीय चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट संस्थान की अन्तिम परीक्षा; या
- (ख) भारतीय लागत लेखाकार संस्थान की अन्तिम परीक्षा; या
- (ग) भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान की अन्तिम परीक्षा।

- (2) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट आवेदन की प्राप्ति पर, इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी, ऐसी जांच, जो वह आवश्यक समझे, करने के पश्चात्, या तो आवेदक को जीएसटी व्यवसायी के रूप में अभ्यावेशित करेगा और प्ररूप जीएसटी पीसीटी-02 में उस आशय का प्रमाणपत्र जारी करेगा या जहां यह पाया जाता है कि आवेदक माल या सेवा कर व्यवसायी के रूप में अभ्यावेशित किए जाने के लिए अर्हित नहीं है वहां उसके आवेदन को नामंजूर करेगा।

- (3) उप-नियम (2) के अधीन किया गया अभ्यावेशन उसके रद्द किए जाने तक विधिमान्य होगा:

परंतु जीएसटी व्यवसायी के रूप में अभ्यावेशित कोई व्यक्ति अभ्यावेशित बने रहने के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि वह ऐसी अवधियों में और ऐसे प्राधिकारी द्वारा, जो परिषद की सिफारिश पर आयुक्त द्वारा अधिसूचित की जाएं, संचालित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर लेता है:

परंतु यह और कि ऐसा कोई व्यक्ति, जिस पर उप-धारा (1) के खंड (ग) के उपबंध लागू होते हैं, अभ्यावेशित बने रहने के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि वह नियत तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर उक्त परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर लेता है।

- (4) यदि कोई जीएसटी व्यवसायी इस अधिनियम के अधीन किसी कार्यवाही के सम्बन्ध में अवचार का दोषी पाया जाता है तो प्राधिकृत अधिकारी ऐसे अवचार के विरुद्ध उसे प्ररूप जीएसटी पीसीटी-03 में कारण बताने की सूचना देने के पश्चात् प्ररूप जीएसटी पीसीटी-04 में आदेश द्वारा उसे सुने जाने का युक्तियुक्त अवसर दिए जाने के पश्चात् यह निर्देश दे सकेगा कि वह अब से आगे जीएसटी व्यवसायी के रूप में कार्य करने के लिए धारा 48 के अधीन निरर्हित होगा।

- (5) ऐसा कोई व्यक्ति, जिसके विरुद्ध उप-नियम (4) के अधीन आदेश किया जाता है, ऐसे आदेश के जारी किए जाने की तारीख से तीस दिन के भीतर, ऐसे आदेश के विरुद्ध आयुक्त को अपील कर सकेगा।

- (6) कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, अपने विकल्प पर, प्ररूप जीएसटी पीसीटी-05 में सामान्य पोर्टल पर किसी जीएसटी व्यवसायी को प्राधिकृत कर सकेगा या, किसी भी समय, प्ररूप जीएसटी पीसीटी-05 में ऐसे प्राधिकार को वापस ले सकेगा और इस प्रकार प्राधिकृत जीएसटी व्यवसायी ऐसे कार्य करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा जो प्राधिकार की अवधि के दौरान उक्त प्राधिकार में उपदर्शित हो।

- (7) जहां रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित विवरण उसके द्वारा प्राधिकृत जीएसटी व्यवसायी द्वारा प्रस्तुत किया गया है, वहां पुष्टि, ई-मेल या एसएमएस पर रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से मांगी जाएगी और जीएसटी व्यवसायी द्वारा प्रस्तुत विवरण सामान्य पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को उपलब्ध कराया जाएगा:

परंतु जहां रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, ऐसे विवरण के प्रस्तुत किए जाने की अन्तिम तारीख तक पुष्टि के लिए किए गए अनुरोध का उत्तर देने में असफल रहता है वहां यह समझा जाएगा कि उसने जीएसटी व्यवसायी द्वारा प्रस्तुत विवरण की पुष्टि कर दी है।

- (8) जीएसटी व्यवसायी किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की ओर से किन्हीं या सभी निम्नलिखित क्रिया-कलापों को आरम्भ कर सकता है, यदि उसे निम्नलिखित को करने के लिए उसके द्वारा प्राधिकृत किया गया हो-

- (क) जावक और आवक प्रदायों के ब्यौरे प्रस्तुत करना;
- (ख) मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक या अन्तिम विवरणी प्रस्तुत करना;
- (ग) इलेक्ट्रॉनिक नकद खाते में प्रत्यय के लिए निक्षेप करना;
- (घ) प्रतिदाय के लिए दावा फाइल करना; और
- (ङ) रजिस्ट्रीकरण के संशोधन या रद्दकरण के लिए आवेदन फाइल करना;

परंतु जहां प्रतिदाय के लिए दावे से सम्बन्धित कोई आवेदन या रजिस्ट्रीकरण के संशोधन या रद्दकरण के लिए कोई आवेदन रजिस्टर्ड व्यक्ति द्वारा प्राधिकृत जीएसटी व्यवसायी द्वारा प्रस्तुत किया गया है वहां पुष्टि रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से मांगी जाएगी और उक्त व्यवसायी द्वारा प्रस्तुत आवेदन सामान्य पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को उपलब्ध कराया जाएगा तथा ऐसे आवेदन पर तब तक अगली कार्यवाई नहीं की जाएगी जब तक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति उसके लिए अपनी सहमति नहीं दे देता है।

- (9) जीएसटी व्यवसायी के माध्यम से अपनी विवरणी प्रस्तुत करने के लिए विकल्प देने वाला कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति-

- (च) किसी जीएसटी व्यवसायी को उसकी विवरणी तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए प्ररूप जीएसटी पीसीटी-05 में अपनी सहमति देगा;
- (छ) जीएसटी व्यवसायी द्वारा तैयार किए गए किसी विवरण के प्रस्तुतिकरण को पुष्ट करने से पहले सुनिश्चित करेगा कि विवरणी में उल्लिखित तथ्य सत्य और सही हैं।

- (10) जीएसटी व्यवसायी-

- (ज) सम्यक तत्परता के साथ विवरण तैयार करेगा; और
- (झ) उसके द्वारा तैयार किए गए विवरणों पर अपने डिजिटल हस्ताक्षर करेगा या इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपने प्रत्यायक का प्रयोग करते हुए सुत्यापित करेगा।

- (11) किसी अन्य राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में अभ्यावेशित जीएसटी व्यवसायी को उप-नियम (8) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में अभ्यावेशित के रूप में समझा जाएगा।

84. हाजिरी के प्रयोजनों के लिए शर्तें-(1) कोई व्यक्ति किसी प्राधिकारी के समक्ष किसी रजिस्ट्रीकृत या अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की ओर से इस अधिनियम के अधीन किसी कार्यवाही के सम्बन्ध में जीएसटी व्यवसायी के रूप में उपस्थित होने के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि वह नियम 83 के अधीन अभ्यावेशित नहीं कर दिया गया हो।
- (2) किसी प्राधिकारी के समक्ष इस अधिनियम के अधीन किसी कार्यवाही में रजिस्ट्रीकृत या अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की ओर से उपस्थित होने वाला जीएसटी व्यवसायी ऐसे प्राधिकारी के समक्ष, प्ररूप जीएसटी पीसीटी-05 में ऐसे व्यक्ति द्वारा दिए गए प्राधिकार की प्रति, यदि अपेक्षित हो, प्रस्तुत करेगा।

अध्याय-9

कर का संदाय

85. इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर:-

- (1) धारा 49 की उप-धारा (7) के अधीन विनिर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर सामान्य पोर्टल पर कर, ब्याज, शास्ति, विलम्ब फीस या कोई अन्य रकम का संदाय करने के लिए दायी प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्ररूप जीएसटी पीएमटी-01 में बनाया रखा जाएगा और उसके द्वारा संदेय सभी रकम उक्त रजिस्टर में से विकलित की जाएंगी।
- (2) व्यक्ति के विनिर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर में से निम्नलिखित विकलित किया जाएगा-
- (क) उक्त व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत विवरणी के अनुसार कर, ब्याज, विलम्ब फीस के लिए संदेय कोई रकम या संदेय कोई अन्य रकम;
- (ख) अधिनियम के अधीन किन्हीं कार्यवाहियों के अनुसरण में समुचित अधिकारी द्वारा यथा अवधारित या उक्त व्यक्ति द्वारा यथा अभिनिश्चित संदेय कर, ब्याज, शास्ति की रकम या कोई अन्य रकम;
- (ग) धारा 42 या धारा 43 या धारा 50 के अधीन बेमेल के परिमाणस्वरूप संदेय कर और ब्याज की रकम;
- (घ) ब्याज की कोई ऐसी रकम, जो समय-समय पर प्रोद्भूत हो।
- (3) धारा 49 के अधीन उपबंधों के रहते हुए, किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा उसकी विवरणी के अनुसार प्रत्येक दायित्व का संदाय नियम 86 के अनुसार रखे गए इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाता या नियम 87 के अनुसार रखे गए इलेक्ट्रॉनिक नकद खाता में से विकलित करके किया जाएगा और तदनुसार उसे इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर में जमा किया जाएगा।

- (4) धारा 51 के अधीन कटौती की गई रकम या धारा 52 के अधीन संग्रहीत रकम या विपरीत प्रमाण आधार पर संदेय रकम या धारा 10 के अधीन संदेय रकम, इस अधिनियम के अधीन व्याज, शास्ति, फीस या कोई अन्य रकम नियम 87 के अनुसार रखे गए इलेक्ट्रॉनिक नकद खाते में से विकलित करके संदत्त की जाएगी और तदनुसार उसे इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर में जमा किया जाएगा।
- (5) इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर में से विकलित कोई रकम अपील प्राधिकरण या अपील अधिकरण या न्यायालय द्वारा प्रदान किए गए अनुतोष की सीमा तक घटा दी जाएगी और तदनुसार इलेक्ट्रॉनिक कर दायित्व रजिस्टर में जमा की जाएगी।
- (6) अधिरोपित या अधिरोपित किए जाने के लिए दायी शास्ति की रकम, यथास्थिति, भागतः या पूर्णतः घटा दी जाएगी, यदि कराधेय व्यक्ति कारण बताओ सूचना या मांग आदेश में विनिर्दिष्ट कर, व्याज और शास्ति का संदाय करता है और उसे तदनुसार इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर में जमा किया जाएगा।
- (7) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति अपने इलेक्ट्रॉनिक दायित्व खाते में किसी विसंगति के दिखाई पड़ने पर उसे प्ररूप जीएसटी पीएमटी-04 में सामान्य पोर्टल के माध्यम से मामले में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले अधिकारी को संसूचित करेगा।

86. इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाता-

धारा

- (1) इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाता सामान्य पोर्टल पर अधिनियम के अधीन इनपुट कर प्रत्यय के लिए पात्र प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के लिए प्ररूप जीएसटी पीएमटी-04 में बनाया रखा जाएगा और इस अधिनियम के अधीन इनपुट कर प्रत्यय का प्रत्येक दावा उक्त खाते में जमा किया जाएगा।
- (2) इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाता धारा 49 के उपबंधों के अनुसार किसी दायित्व के उन्मोचन की सीमा तक विकलित किया जाएगा।
- (3) जहां रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति ने धारा 54 के उपबंधों के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते से किसी अनुपयोजित रकम के प्रतिदाय का दावा किया है वहां दावे की सीमा तक रकम उक्त रजिस्टर में विकलित की जाएगी।
- (4) यदि इस प्रकार फाइल किया गया प्रतिदाय, पूर्णतः या भागतः अस्वीकार कर दिया जाता है, अस्वीकृति की सीमा तक उप-नियम (3) के अधीन विकलित रकम प्ररूप जीएसटी पीएमटी-03 में किए गए आदेश द्वारा समुचित अधिकारी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते में पुनः जमा की जाएगी।

- (5) इस अध्याय के नियमों में यथा उपबंधित के सिवाय, किन्हीं भी परिस्थितियों में इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते में प्रत्यक्षतः कोई प्रविष्टि नहीं की जाएगी।
- (6) कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, अपने इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते में कोई विसंगति दिखाई पड़ने पर, उसे प्ररूप जीएसटी पीएमटी-04 में सामान्य पोर्टल के माध्यम से मामले में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले अधिकारी को संसूचित करेगा।
- स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोजन के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि प्रतिदाय नामंजूर समझा जाएगा, यदि अपील अन्तिम रूप से नामंजूर कर दी जाती है या यदि दावाकर्ता समुचित अधिकारी को एक वचन दे देता है कि वह अपील फाइल नहीं करेगा।

87. इलेक्ट्रॉनिक नकद खाता -

- (1) धारा 49 की उप-धारा (1) के अधीन इलेक्ट्रॉनिक नकद खाता ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्ररूप जीएसटी पीएमटी-05 में रखा जाएगा जो जमा की गई रकम को जमा करने के लिए और कर, ब्याज, शास्ति, फीस या किसी अन्य रकम के लिए उससे संदाय को विकलित करने के लिए सामान्य पोर्टल पर कर, ब्याज, शास्ति, विलम्ब फीस या किसी अन्य रकम का संदाय करने का दायी है।
- (2) कोई व्यक्ति या उसकी ओर से कोई व्यक्ति सामान्य पोर्टल पर प्ररूप जीएसटी पीएमटी-06 में चालान तैयार करेगा और कर, ब्याज, शास्ति, फीस या किसी अन्य रकम के लिए उसके द्वारा जमा की जाने वाली रकम के ब्यौरे प्रविष्ट करेगा।
- (3) उप-नियम (2) के अधीन निक्षेप निम्नलिखित ढंगों में से किसी ढंग के माध्यम से किया जाएगा, अर्थात्:-
- (i) प्राधिकृत बैंकों के माध्यम से इंटरनेट बैंकिंग;
 - (ii) प्राधिकृत बैंक के माध्यम से क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड;
 - (iii) किसी बैंक से राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण या वास्तविक समय सकल परि-निर्धारण;
 - (iv) नकद, चेक या डिमांड ड्राफ्ट द्वारा चालान, प्रति कर अवधि दस हजार रुपए तक निक्षेपों के लिए प्राधिकृत बैंकों के माध्यम से काउंटर संदाय पर:
- परंतु काउंटर संदाय पर के मामले में प्रति चालान दस हजार रुपये तक निक्षेप के लिए निर्बंधन निम्नलिखित द्वारा किए जाने वाले निक्षेप को लागू नहीं होगा:-

- (क) सरकारी विभागों या व्यक्तियों द्वारा किया जाने वाला कोई अन्य निक्षेप, जो इस निमित्त आयुक्त द्वारा अधिसूचित किया जाए;
- (ख) किसी व्यक्ति से, चाहे वह रजिस्ट्रीकृत हो या नहीं, परादेय शोध्यों, जिनके अन्तर्गत जंगम या स्थावर संपत्तियों की कुर्की या विक्रय के माध्यम से की गई वसूली भी है;
- (ग) किसी अन्वेषक या प्रवर्तन क्रिया-कलाप के दौरान नकद, चेक या डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से संगृहीत रकमों के लिए या किसी तदर्थ निक्षेप के लिए समुचित अधिकारी या कोई प्राधिकृत अन्य अधिकारी:
- परंतु यह और कि सामान्य पोर्टल पर तैयार किए गए प्ररूप जीएसटी पीएमटी-06 में चालान पन्द्रह दिन की अवधि के लिए वैध होगा।
- स्पष्टीकरण: इस उप-नियम के प्रयोजन के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि चालान में उपदर्शित किसी रकम का संदाय करने के लिए, ऐसे संदाय की बाबत संदेय कमीशन, यदि कोई हो, ऐसा संदाय करने वाले व्यक्ति द्वारा वहन किया जाएगा।
- (4) किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा, जो अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत नहीं है, किया जाने वाला अपेक्षित संदाय सामान्य पोर्टल के माध्यम से तैयार किए गए अस्थायी पहचान संख्या के आधार पर किया जाएगा।
- (5) जहां संदाय किसी बैंक से राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण या वास्तविक समय सकल निपटान ढंग के माध्यम से किया जाता है वहां अनिवार्य प्ररूप सामान्य पोर्टल पर चालान के साथ तैयार किया जाएगा और उसे उस बैंक को, जहां से संदाय किया जाना है, प्रस्तुत किया जाएगा: परंतु अनिवार्य प्ररूप चालान किए जाने की तारीख से पंद्रह दिन की अवधि के लिए वैध होगा।
- (6) प्राधिकृत बैंकों में बनाए गए सम्बद्ध सरकारी खाते में रकम के सफल प्रत्यय पर, चालान पहचान संख्या संग्राही बैंक द्वारा तैयार की जाएगी और उसे चालान में उपदर्शित किया जाएगा।
- (7) संग्राही बैंक से चालान पहचान संख्या के प्राप्त हो जाने पर उक्त रकम ऐसे व्यक्ति के इलेक्ट्रॉनिक नकद खाते में जमा कर दी जाएगी जिसकी ओर से निक्षेप किया गया है और सामान्य पोर्टल इस आशय की रसीद उपलब्ध कराएगा।
- (8) जहां सम्बद्ध व्यक्ति या उसकी ओर से जमा करने वाले व्यक्ति का बैंक खाते में से विकलन किया जाता है किन्तु कोई चालान पहचान संख्या तैयार नहीं की जाती है या तैयार की जाती है किन्तु सामान्य पोर्टल को संसूचित नहीं की जाती है तो वहां उक्त व्यक्ति सामान्य पोर्टल के माध्यम से

प्ररूप जीएसटी पीएमटी-07 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से बैंक या इलेक्ट्रॉनिक गेटवे को अभ्यावेदन कर सकेगा जिसके माध्यम से निक्षेप की पहल की गई थी।

- (9) धारा 51 के अधीन कटौती की गई या धारा 52 के अधीन संग्रहीत की गई और ऐसे रजिस्ट्रीकृत कराधेय व्यक्ति से, जिससे, यथास्थिति, उक्त रकम की कटौती की गई थी या संग्रहीत की गई थी, प्ररूप जीएसटीआर-02 में दावा की गई कोई रकम नियम 87 के उपबंधों के अनुसार उसके इलेक्ट्रॉनिक नकद खाते में जमा की जाएगी।
- (10) जहां किसी व्यक्ति ने इलेक्ट्रॉनिक नकद खाते से किसी रकम के प्रतिदाय का दावा किया है, वहां उक्त रकम इलेक्ट्रॉनिक नकद खाते में से विकलित की जाएगी।
- (11) यदि इस प्रकार दावा किया गया प्रतिदाय पूर्णतः या भागतः नामंजूर कर दिया जाता है तो उप-नियम (10) के अधीन विकलित रकम नामंजूर के विस्तार तक प्ररूप जीएसटी पीएमटी-03 में किए गए आदेश द्वारा समुचित अधिकारी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक नकद खाते में जमा की जाएगी।
- (12) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, अपने इलेक्ट्रॉनिक नकद खाते में कोई विसंगति दिखाई पड़ने पर, उसे प्ररूप जीएसटी पीएमटी-04 में सामान्य पोर्टल के माध्यम से मामले में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले अधिकारी को संसूचित करेगा।

स्पष्टीकरण: प्रतिदाय नामंजूर किया हुआ समझा जाएगा यदि अपील को अन्तिम रूप से नामंजूर कर दिया जाता है।

स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोजन के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि प्रतिदाय को नामंजूर किया हुआ समझा जाएगा, यदि अपील को अन्तिम रूप से नामंजूर कर दिया जाता है या यदि दावेदार समुचित अधिकारी को वचन देता है कि वह अपील फाइल नहीं करेगा।

88. प्रत्येक संव्यवहार के लिए पहचान संख्या.- (1) विशिष्ट पहचान संख्या, यथास्थिति, इलेक्ट्रॉनिक नकद या प्रत्यय खाते में प्रत्येक विकलन या प्रत्यय के लिए सामान्य पोर्टल पर तैयार की जाएगी।
- (2) किसी दायित्व के उन्मोचन से सम्बन्धित विशिष्ट पहचान संख्या इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर में तत्स्थानी प्रविष्टि में उपदर्शित की जाएगी।
 - (3) विशिष्ट पहचान संख्या उप-नियम (2) के अन्तर्गत आने वाले कारणों से भिन्न कारणों के लिए इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर में प्रत्येक प्रत्यय के लिए सामान्य पोर्टल पर तैयार की जाएगी।

अध्याय-10

प्रतिदाय

89. कर, ब्याज, शास्ति, फीस या किसी अन्य रकम के प्रतिदाय के लिए आवेदन.-

- (1) धारा 55 के अधीन जारी की गई अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले व्यक्तियों के सिवाय, कोई व्यक्ति, जो किसी कर, ब्याज, शास्ति, फीस या उसके द्वारा संदत्त किसी अन्य रकम के प्रतिदाय से भिन्न भारत के बाहर निर्यातित माल पर संदत्त एकीकृत कर के प्रतिदाय का दावा करता है, या तो प्रत्यक्षतः सामान्य पोर्टल के माध्यम से या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से प्ररूप जीएसटी आरएफडी-01 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से आवेदन फाइल कर सकेगा:

परन्तु धारा 49 की उप-धारा (6) के उपबंधों के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक नकद खाते में अतिशेष से सम्बन्धित प्रतिदाय के लिए कोई दावा, यथास्थिति, प्ररूप जीएसटीआर-3 या प्ररूप जीएसटीआर-4 या प्ररूप जीएसटीआर-7 में सुसंगत कर अवधि के लिए प्रस्तुत विवरणी के माध्यम से किया जा सकेगा:

परन्तु यह और भी कि विशेष आर्थिक जोन यूनिट या विशेष आर्थिक जोन विकासकर्ता को प्रदायों की बाबत, प्रतिदाय के लिए आवेदन-

- (क) जोन के विनिर्दिष्ट अधिकारी द्वारा यथा पृष्ठांकित प्राधिकृत संक्रियाओं के लिए विशेष आर्थिक जोन में ऐसे माल को पूर्णतया स्वीकार किए जाने के पश्चात् माल के प्रदायकर्ता द्वारा;
- (ख) जोन के विनिर्दिष्ट अधिकारी द्वारा यथा पृष्ठांकित प्राधिकृत संक्रियाओं के लिए सेवाओं की प्राप्ति के बारे में ऐसे साक्ष्य के साथ सेवाओं के प्रदायकर्ता द्वारा फाइल किया जाएगा।

परन्तु यह भी कि निर्यात के रूप में समझे जाने वाले प्रदाय के बाबत, आवेदन निर्यात समझे जाने वाले प्रदाय के प्राप्तकर्ता द्वारा फाइल किया जाएगा:

परन्तु यह भी कि किसी रकम का प्रतिदाय, रजिस्ट्रेशन के समय धारा 27 के अधीन उसके द्वारा जमा किए गए अग्रिम कर में से आवेदक द्वारा संदेय कर के समायोजन के पश्चात् उसके द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले अपेक्षित अंतिम विवरणी में दावा की जाएगी।

- (2) उप नियम (1) के अधीन आवेदन, प्ररूप जीएसटी आरएफडी-01 के उपाबंध-1 में निम्नलिखित दस्तावेजी साक्ष्यों में जो लागू हों, यह स्थापित करने के लिए कि आवेदक को प्रतिदाय देय है, में से किसी के साथ, होगा:-

- (क) आदेश की निर्देश संख्या और प्रतिदाय के रूप में दावा की गई धारा 107 की उप धारा (6) और धारा 112 की उप धारा(8) में विनिर्दिष्ट रकम के संदाय की निर्देश संख्या या ऐसी प्रतिदाय जो समुचित अधिकारी या किसी अपीलीय प्राधिकारी या अपीलीय अधिकरण या न्यायालय के आदेश के परिणामिक हो, द्वारा पारित आदेश की प्रति;
- (ख) ऐसा कथन जिसमें संख्या और पोत पत्र की तारीख या निर्यात पत्र और सुसंगत निर्यात बीजक की संख्या तथा तारीख होगी, उस दशा में जहां माल के निर्यात के संबंध में प्रतिदाय है;
- (ग) ऐसा कथन जिसमें बीजक की संख्या और तारीख तथा यथा स्थिति सुसंगत बैंक वसूली प्रमाण पत्र या विदेश आवक विप्रेषणादेश प्रमाण पत्र हैं, उस दशा में जहां प्रतिदाय सेवाओं के निर्यात के लिए है;
- (घ) ऐसा कथन जिसमें नियम 46 में यथा प्रदत्त बीजक की संख्या और तारीख उप धारा(1) के दूसरे परन्तुक में विनिर्दिष्ट पृष्ठांकन के संबंध में साक्ष्य के साथ है उस दशा में जहां विशेष आर्थिक जोन ईकाई या किसी विशेष आर्थिक जोन विकासकर्ता को माल के प्रदाय के लिए है;
- (ङ) ऐसा कथन जिसमें बीजक की संख्या और तारीख, उप नियम (1) के दूसरे परन्तुक में विनिर्दिष्ट के पृष्ठांकन के विषय में साक्ष्य तथा विशेष आर्थिक जोन अधिनियम, 2005 के अधीन यथापरिभाषित प्राधिकृत प्रचालकों के लिए प्रदायकर्ता के प्राप्तकर्ता किए गए संदाय का ब्यौरा उसके सबूत के साथ, उस दशा में जहां प्रतिदाय विशेष आर्थिक जोन ईकाई या किसी विशेष आर्थिक जोन विकासकर्ता को सेवाओं के प्रदाय के लिए है;
- (च) इस आशय की घोषणा कि विशेष आर्थिक जोन ईकाई या विशेष आर्थिक जोन विकासकर्ता ने माल या सेवाओं या दोनों के प्रतिदायकर्ता द्वारा संदत्त करके इनपुट कर प्रत्यय को प्राप्त नहीं किया है, उस दशा में प्रतिदाय जहां विशेष आर्थिक जोन ईकाई या किसी विशेष आर्थिक जोन विकासकर्ता को माल या सेवाओं के प्रदाय के लिए है;
- (छ) ऐसा कथन जिसमें बीजक की संख्या और तारीख इस निमित्त अधिसूचित किए जाने वाले ऐसे अन्य साक्ष्य के साथ है, उस दशा में जहां प्रतिदाय निर्यात समझे जाने वाले के बाबत है;
- (ज) प्ररूप जीएसटी आरएफडी 01 के उपबन्ध-1 में कोई कथन जिसमें प्राप्त तथा कर अवधि के दौरान जारी बीजकों की संख्या और तारीख है, उस दशा में जहां दावा धारा 54 की उप धारा (3) के अधीन किसी अप्रयुक्त इनपुट कर प्रत्यय के संबंध में है और जहां प्रत्यय शून्य दर

या पूर्णतः छूट प्राप्त प्रदायों से भिन्न है निर्गम प्रदाय पर कर की दर से उच्चतर होने के कारण इनपुट पर कर की दर के लेखा के संबंध में संचित किए जा चुके हैं;

- (झ) अंतिम निर्धारण आदेश की निर्देश संख्या और उक्त आदेश की प्रति उस दशा में जहां प्रतिदाय अनंतिम निर्धारण को अंतिम रूप देने के संबंध में उत्पन्न होता है;
- (ञ) अंतर-राज्य प्रदाय के रूप में समझे गए संचयवहारों के व्यौरों को दर्शित करता हुआ ऐसा कथन लेकिन जो पश्चात्तयर्ती रूप से अंतर-राज्य प्रदाय माना गया है ;
- (ट) ऐसा कथन जो कर के अधिक संदाय के संबंध में दावे की रकम के व्यौरों प्रदर्शित करता हो;
- (ठ) इस आशय की घोषणा कि कर का भाग, ब्याज या प्रतिदाय के रूप में दावा की गई कोई अन्य रकम किसी अन्य व्यक्ति को नहीं दी गई है, उस दशा में जहां प्रतिदाय की रकम दो लाख रुपए से अधिक नहीं है ;

परंतु यह कि घोषणा धारा 54 की उपधारा (8) के खंड (क) या खंड (ख) या खंड (ग) या (घ) या खंड (च) के अधीन आने वाले मामलों के संबंध में की जानी अपेक्षित नहीं है;

- (ड) प्रारूप जीएसटी आरएफडी - 01 के उपाबंध -2 में प्रमाण-पत्र जो किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट या लागत एकाउंटेंट द्वारा इस आशय में जारी किया जाएगा कि कर का भाग, ब्याज या प्रतिदाय के रूप में दावा की गई अन्य कोई रकम किसी अन्य व्यक्ति को नहीं दी गई है उस दशा में जहां दावा किए गए प्रतिदाय की रकम दो लाख रुपए से अधिक हो;

परंतु यह कि घोषणा धारा 54 की उपधारा (8) के खंड (क) या खंड (ख) या खंड (ग) या (घ) या खंड (च) के अधीन आने वाले मामलों के संबंध में की जानी अपेक्षित नहीं है;

स्पष्टीकरण - इस नियम के प्रयोजनों के लिए -

- (i) धारा 54 की उपधारा (8) के खंड (ग) में निर्दिष्ट प्रतिदाय की दशा में पद "बीजक" से धारा 31 के उपबंधों को पुष्ट करने वाला बीजक अभिप्रेत है ;
- (ii) जहां कर की रकम प्राप्तकर्ता से वसूल की जा चुकी है तो यह समझा जाएगा कि कर का भार वास्तविक उपभोक्ता पर चला गया है ।
- (3) जहां आवेदन इनपुट कर प्रत्यय के प्रतिदाय से संबंधित है वहां इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय बही ऐसे दावा किए गए प्रतिदाय की रकम के बराबर आवेदक द्वारा विकलित किया जाएगा ।
- (4) माल या सेवा या दोनों के शून्य-दर प्रदाय की दशा में एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 13) की धारा 16 की उपधारा (3) के उपबंधों के अनुसरण में बचन-पत्र के बंध या पत्र के

अधीन कर के संदाय के बिना इनपुट कर प्रत्यय का प्रतिदाय निम्नलिखित फार्मूले के अनुसार प्रदान किया जाएगा।

प्रतिदाय रकम = (माल के शून्य दर प्रदाय का व्यापार आवर्त + सेवा के शून्य दर प्रदाय का व्यापार आवर्त) x सकल आई टी सी + समायोजित कुल व्यापार आवर्त

जहां :

- (अ) "प्रतिदाय रकम" से अधिकतम प्रतिदाय जो अनुज्ञेय है, अभिप्रेत है ;
 - (आ) "शुद्ध आईटीसी" से सुसंगत अवधि के दौरान इनपुट और आवक सेवाओं पर लिया गया इनपुट कर प्रत्यय अभिप्रेत है ;
 - (इ) "माल के शून्य दर प्रदाय का टर्नओवर" से बचन-पत्र के बंध या पत्र के अधीन कर के संदाय बिना सुसंगत अवधि के दौरान किए गए माल के शून्य दर प्रदाय का मूल्य अभिप्रेत है ;
 - (ई) सेवा के शून्य दर प्रदाय का व्यापारआवर्त" से बचन-पत्र के बंध या पत्र के अधीन कर के संदाय बिना सुसंगत अवधि के दौरान किए गए सेवा के शून्य दर प्रदाय का मूल्य अभिप्रेत है जो निम्नलिखित रीति में संगणित किया जाएगा अर्थात्,
 "सेवा के शून्य दर प्रदाय, सेवा के शून्य दर प्रदाय के लिए सुसंगत अवधि के दौरान प्राप्त किए गए संदायों का योग है और सेवा के शून्य दर प्रदाय जहां प्रदाय पूरा किया जा चुका है जिसके लिए संदाय अग्रिम में किसी अवधि के पूर्व सेवा के शून्य दर प्रदाय के लिए प्राप्त अग्रिमों द्वारा सुसंगत अवधि के लिए कटौती की जा चुकी है जिसके लिए सेवा का प्रदाय उस सुसंगत अवधि के दौरान पूरा नहीं किया गया है;
 - (उ) "समायोजित कुल व्यापारआवर्त" से धारा 2 की उपधारा (112) के अधीन यथा परिभाषित राज्य या संघ राज्य क्षेत्र में सुसंगत अवधि के दौरान शून्य दर प्रदायों से भिन्न छूट प्रदायों के मूल्य को छोड़कर व्यापारआवर्त अभिप्रेत है ;
 - (ऊ) "सुसंगत अवधि" से वह अवधि अभिप्रेत है जिसके लिए दावा किया गया है ।
- (5) विपरीत शुल्क ढांचा के संबंध में इनपुट कर प्रत्यय का प्रतिदाय निम्नलिखित फार्मूलों के अनुसार प्रदान किया जाएगा अधिकतम प्रतिदाय रकम : (व्युत्क्रमित दर के माल के प्रदाय की आवर्त) x शुद्ध आईटीसी + समायोजित कुल आवर्त) - ऐसे व्युत्क्रमित दर के माल के प्रदाय पर संदेय कर

स्पष्टीकरण : इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए पद "शुद्ध आईटीसी और समायोजित कुल व्यापारआवर्त" से वह अर्थ समनुदेशित है जो उपनियम (4) में उनके लिए हैं।

90. अभिसूचीकृति-- (1) जहां आवेदन इलेक्ट्रानिक ढंग से प्रतिदाय के लिए दावे से संबंधित है वहां

एक प्ररूप जीएसटी आरएफडी-02 में पावती समान पोर्टल पर इलैक्ट्रॉनिक रूप से आवेदक को उपलब्ध कराई जाएगी जिसमें प्रतिदाय के लिए दावे को फाईल करने की तारीख स्पष्ट रूप से इंगित की जाएगी और धारा 54 की उपधारा (7) में विनिर्दिष्ट समय अवधि फाईल करने की ऐसी तारीख से गिनी जाएगी।

- (2) ऐसा प्रतिदाय के लिए आवेदन जो इलैक्ट्रॉनिक नकद बही से प्रतिदाय के लिए दावे से भिन्न है समुचित अधिकारी को अग्रेषित किया जाएगा जो उक्त आवेदन के फाईल करने की 15 दिन की अवधि में इसकी पूर्णता के लिए आवेदन की संवीक्षा करेगा और जहां नियम 89 में उपनियम (2) (3) और (4) की शर्तों के अनुसार पूर्ण पाया जाता है तो प्ररूप जीएसटी आरएफडी-02 में एक पावती आवेदक को समान पोर्टल इलैक्ट्रॉनिक के माध्यम से आवेदक को उपलब्ध करा दी जाएगी जिसमें प्रतिदाय का दावा फाईल करने की तारीख स्पष्ट रूप से इंगित की जाएगी और धारा 54 की उपधारा (7) में विनिर्दिष्ट अवधि का समय से फाईल करने की ऐसी तारीख से गिना जाएगा।
 - (3) जहां कोई कमियां संज्ञान में आई हैं यहां समुचित अधिकारी आवेदक को प्ररूप जीएसटी आरएफडी-03 में समान पोर्टल से इलैक्ट्रॉनिक माध्यम से कमियों को संसूचित करेगा, ऐसी कमियों को सुधारने के बाद नए प्रतिदाय आवेदन को फाईल करने की उससे अपेक्षा करेगा।
 - (4) जहां कमियां प्ररूप जीएसटी आरएफडी-03 में केंद्रीय माल और सेवाकर नियम के अधीन संसूचित की जा चुकी हैं वहां उनको उपधारा (3) के अधीन संसूचित कमियों सहित इस नियम के अधीन भी संसूचित किया समझा जाएगा।
91. अनंतिम प्रतिदाय को प्रदान करना-- (1) धारा 54 की उपधारा (6) के उपबंधों के अनुसार अनंतिम प्रतिदाय इस दशा के अध्यक्षीन प्रदान किया जाएगा कि प्रतिदाय का दावा करने वाला व्यक्ति कर अवधि जिससे संबंधित प्रतिदाय का दावा किया है कर तुरंत पूर्ववर्ती पांच वर्ष की किसी अवधि के दौरान इस अधिनियम या ऐसे किसी विद्यमान विधि के अधीन किसी अपराध के लिए अभियोजित नहीं किया गया है और जहां कर का अपवंचन दो सौ पचास लाख रुपए से अधिक है।
- (2) समुचित अधिकारी, दावों की संवीक्षा के पश्चात और उसके समर्थन में प्रस्तुत साक्ष्यों तथा प्रथमदृष्ट्या यह समाधान हो जाने पर कि उपनियम (1) के अधीन प्रतिदाय के रूप में दावा की गई रकम और धारा 54 की उपधारा (6) के उपबंधों के अनुसरण में आवेदक की शोध्य है, प्ररूप जीएसटी आरएफडी-04 में नियम 90 के उपनियम (1) और (2) के अधीन पावती की तारीख से सात दिन से अनधिक अवधि में अनंतिम आधार पर उक्त आवेदक को शोध्य प्रतिदाय की रकम की मंजूरी का आदेश करेगा।
 - (3) समुचित अधिकारी, उपनियम (2) के अधीन मंजूर रकम के लिए प्ररूप जीएसटी आरएफडी-05 में संदाय सूचना जारी करेगा और उसको उसके रजिस्ट्रेशन विशिष्टियों के निर्दिष्ट तथा प्रतिदाय के लिए आवेदन में यथा विनिर्दिष्ट आवेदक के किसी बैंक खाते में इलैक्ट्रॉनिक रूप से प्रत्यय करेगा।

92. **प्रतिदाय मंजूरी आदेश --** (1) जहां आवेदन की परीक्षा करने पर समुचित अधिकारी का समाधान हो जाता है कि धारा 54 की उपधारा (5) के अधीन प्रतिदाय शोध्य है और आवेदक को संदेय है ; तो वह प्ररूप जीएसटी आरएफडी-06 में प्रतिदाय की रकम जिसका वह हकदार है की मंजूरी का आदेश करेगा; यदि कोई, धारा 54 की उपधारा (6) के अधीन अनंतिम आधार पर उसको प्रतिदाय किया जा चुका है तो अधिनियम या अन्य किसी विद्यमान विधि के अधीन किसी बकाया मांग के विरुद्ध रकम समायोजित की जाएगी और शेष रकम प्रतिदाय योग्य होगी :

परंतु यह कि उस दशा में जहां प्रतिदाय की रकम इस अधिनियम या अन्य किसी विद्यमान विधि के अधीन किसी बकाया मांग के विरुद्ध पूर्णतः समायोजित हो गई है तो समायोजन के ब्यौरे का आदेश प्ररूप जीएसटी आरएफडी-07 के भाग क में जारी किया जाएगा ।

- (3) जहां समुचित अधिकारी लिखित रूप में अभिलिखित किए जाने वाले कारणों के लिए समाधान हो गया है, कि प्रतिदाय के रूप में दावा की गई रकम का पूरा या कोई हिस्सा स्वीकार्य नहीं है या आवेदक को संदेय नहीं है, वह प्ररूप जीएसटी आरएफडी-08 में एक नोटिस आवेदक को जारी करेगा, उस नोटिस की प्राप्ति के पंद्रह दिनों की अवधि के भीतर प्ररूप जीएसटी आरएफडी-09 में उत्तर देने की अपेक्षा है और उत्तर पर विचार करने के बाद, प्ररूप जीएसटी आरएफडी-06 में एक आदेश करने के लिए, राशि की मंजूरी पूरे या भाग में वापसी या उक्त वापसी के दावे को खारिज कर दिया है और उक्त आदेश इलेक्ट्रानिक रूप में आवेदक को उपलब्ध कराया जाएगा और उप-नियम (1) के उपबंधों को यथा आवश्यक परिवर्तन के सहित प्रतिदाय की सीमा तक लागू कर आवेदन करने की अनुमति दी जाएगी

परंतु यह यह कि आवेदक को सुनवाई का अवसर दिए बिना प्रतिदाय के लिए कोई आवेदन खारिज नहीं किया जाएगा ।

- (4) जहां समुचित अधिकारी का समाधान हो जाता है कि उप-नियम (1) या उप-नियम (2) के अधीन प्रतिदाय धारा 54 की उप-धारा (8) के अधीन देय है, जो वह प्ररूप जीएसटी आरएफडी-06 में आदेश करेगा और प्ररूप जीएसटी आरएफडी-05 में संदाय सूचना जारी करेगा तथा उसे उसके रजिस्ट्रीकृत विशिष्टियों विवरण में निर्दिष्ट और प्रतिदाय के लिए यथाविनिर्दिष्ट किसी भी बैंक खाते में इलेक्ट्रानिक रूप से प्रत्यय किया जाएगा ।

- (5) जहां समुचित अधिकारी का समाधान हो जाता है कि उप-नियम (1) या उप-नियम (2) के अधीन प्रतिदाय की रकम धारा 54 के उप-धारा (8) के अधीन आवेदक को देय नहीं है तो वह प्ररूप जीएसटी आरएफडी-06 में आदेश करेगा और प्ररूप जीएसटी आरएफडी-05 में प्रतिदाय की रकम उपभोक्ता कल्याण कोष में प्रत्यय की जाने की सूचना जारी करेगा।

93. अस्वीकृत प्रतिदाय दावे की रकम का प्रत्यय - (1) जहां नियम 90 की उप-नियम (3) के अधीन किसी भी कमी को सूचित किया गया है, वहां नियम 89 के उप-नियम (3) के अधीन विकलित की गई रकम को इलेक्ट्रानिक प्रत्यय बही में पुनः प्रत्यय कर दिया जाएगा।
- (2) जहां किसी प्रतिदाय के रूप में दावा की गई कोई रकम नियम 92 के अधीन या तो पूरी तरह या आंशिक रूप से खारिज कर दी गई है, तो खारिज की सीमा तक विकलित की गई रकम, प्ररूप जीएसटी पीएमटी-03 में खारिज किए गए आदेश द्वारा इलेक्ट्रानिक प्रत्यय बही में पुनः प्रत्यय कर दी जाएगी।

स्पष्टीकरण.- इन नियमों के प्रयोजन के लिए कोई प्रतिदाय खारिज या समझा जाएगा यदि अपील अंतिम रूप से खारिज कर दी गई है या दावाकर्ता ने समुचित प्राधिकारी को लिखित में वचनपत्र दे दिया है कि वह अपील फाइल नहीं करेगा।

94. विलंबित प्रतिदायों पर ब्याज मंजूरी आदेश-- जहां धारा 56 के अधीन आवेदक को कोई ब्याज शोध्य है और संदेय योग्य है तो समुचित अधिकारी प्ररूप जीएसटी आरफडी-05 में संदाय सूचना के साथ एक आदेश जिसमें प्रतिदाय की रकम जो विलंबित है, विलंब की अवधि जिसके लिए ब्याज संदेय है और संदेय ब्याज की रकम विनिर्दिष्ट करते हुए आदेश करेगा तथा ब्याज की ऐसी रकम रजिस्ट्रकरण विशिष्टियों में निर्दिष्ट और प्रतिदाय के लिए आवेदन में यथाविनिर्दिष्ट बैंक के खातों में से किसी को इलेक्ट्रानिक रूप से प्रत्यय किया जाएगा।

95. कतिपय व्यक्तियों के लिए कर का प्रतिदाय-- (1) धारा 55 के अधीन जारी अधिसूचना के अनुसार अपने आंतरिक प्रदायों पर उसके द्वारा संदत्त कर का प्रतिदाय के दावे के लिए पात्र कोई व्यक्ति प्रतिदाय के लिए प्ररूप जीएसटी आरएफडी-10 में प्रतिदाय के लिए प्रत्येक तिमाही में एक बार समान पोर्टल पर इलेक्ट्रानिक रूप से चाहें सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित साहयता केन्द्र के माध्यम से प्ररूप जीएसटीआर-11 में माल या सेवाओं या दोनों के आंतरिक प्रदायों के कथन सहित प्ररूप जीएसटीआर-1 में तत्स्थानी प्रदायकर्ताओं द्वारा आंतरिक प्रदायों के कथन के आधार पर तैयार रूप में आवेदन करेगा।

- (2) प्रतिदाय के लिए आवेदन की प्राप्ति की पावती प्ररूप जीएसटी आरएफडी-02 जारी की जाएगी।

- (3) आवेदक द्वारा संदत्त कर का प्रतिदाय उपलब्ध होगा यदि--

(क) माल या सेवा या दोनों के आंतरिक प्रदायों का एक कर बीजक के विरुद्ध रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से प्राप्त हुआ है और पांच हजार रुपए से अधिक संदत्त कर को छोड़कर यदि कोई है एकल कर बीजक के अधीन आने वाले प्रदाय का मूल्य;

(ख) आवेदक का नाम और माल और सेवाकर संख्यांक या विशिष्ट पहचान संख्यांक कर बीजक में निर्दिष्ट है; और

(ग) ऐसे अन्य निर्बंधन या दशाएं जो अधिसूचना में विनिर्दिष्ट हैं पूरी करता हो ।

(4) नियम 92 के उपबंध यथाआवश्यक परिवर्तनों के अधीन इस नियम के अधीन प्रतिदाय की मंजूरी और संदाय को लागू होंगे ।

(5) जहां व्यक्त उपबंध संधि या अन्य अंतरराष्ट्रीय करार है जिसमें राष्ट्रपति या भारत सरकार पक्षकार है इस अध्याय के उपबंधों से असंगत है तो ऐसी संधि या अंतरराष्ट्रीय करार लागू होगा ।

96. भारत के बाहर निर्यात किए गए माल पर एकीकृत कर का प्रतिदाय—

(1) किसी निर्यातकर्ता द्वारा फाइल किए गए पोतपत्र को भारत के बाहर, निर्यात किए गए माल पर संदत एकीकृत प्रतिदाय के लिए आवेदन समझा जाएगा और ऐसा आवेदन केवल तब फाइल किया गया समझा जाएगा जब :-

(क) निर्यात माल का वहन करने वाले प्रवहन का भारसाधक व्यक्ति सम्यक् रूप से पोत पत्रों या निर्यात पत्रों की संख्या और तारीख वाली कोई निर्यात माल सूची या निर्यात रिपोर्ट फाइल करता है ; और

(ख) आवेदक ने यथास्थिति प्ररूप जीएसटी आर-3 या प्ररूप जीएसटी आर-3ख में विधिमान्य विवरणी दी है ।

(2) प्ररूप जीएसटी आर-1 में अन्तर्विष्ट सुसंगत निर्यात बीजकों के ब्यौरों को सामान्य पोर्टल द्वारा इलैक्ट्रानिक रूप से सीमाशुल्क द्वारा अभिहित सिस्टम पर परेषित किया जाएगा और उक्त सिस्टम इलैक्ट्रानिक रूप से सामान्य पोर्टल को ऐसी एूटि पारेषित करेगा कि उक्त बीजकों के अन्तर्गत आने वाले माल का भारत से बाहर निर्यात किया गया है ।

(3) सामान्य पोर्टल से यथास्थिति प्ररूप जीएसटी आर-3 या प्ररूप जीएसटी आर-3ख में विधिमान्य विवरणी देने के संबंध में सूचना प्राप्त होने पर सीमाशुल्क द्वारा अभिहित सिस्टम प्रतिदाय के दावे के लिए कार्यवाही करेगा और प्रत्येक पोत पत्र या निर्यात पत्र के संबंध में संदत एकीकृत कर के बराबर रकम को इलैक्ट्रानिक रूप से आवेदक के रजिस्ट्रीकरण विशिष्टियों में वर्णित और सीमाशुल्क प्राधिकारियों को यथा सूचित उसके बैंक खाते में जमा की जाएगी।

(4) प्रतिदाय के दावे को वहां विधारित कर दिया जाएगा, जहां,--

(क) केन्द्रीय कर, राज्य कर, संघ राज्यक्षेत्र कर अधिकारिता आयुक्त से धारा 54 की उपधारा (10) या उपधारा (11) के उपबंधों के अनुसार प्रतिदाय का दावा करने वाला व्यक्ति के प्रति

देय संदाय को विधारित करने के लिए कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है ; या

(ख) सीमाशुल्क उचित अधिकारी ने यह अवधारित किया है कि माल का निर्यात सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के उपबंधों के उल्लंघन में किया गया है ।

- (5) जहां उपनियम (4) के खंड (क) उपबंधों के अनुसार प्रतिदाय विधारित किया जाता है वहां सीमाशुल्क स्टेशन का एकीकृत कर उचित अधिकारी आवेदक और यथास्थिति, केन्द्रीय कर अधिकारिता आयुक्त, राज्य कर अधिकारिता आयुक्त या संघ राज्यक्षेत्र कर अधिकारिता आयुक्त को सूचित करेगा और ऐसी सूचना की एक प्रति सामान्य पोर्टल को पारेषित करेगा।
- (6) उपनियम (5) के अधीन सूचना के पारेषण पर, यथास्थिति, केन्द्रीय कर उचित अधिकारी, राज्य कर उचित अधिकारी या संघ राज्यक्षेत्र कर उचित अधिकारी प्ररूप जीएसटी आरएफडी-07 के भाग ख में आदेश पारित करेगा।
- (7) जहां आवेदक उपनियम (4) के खंड (क) के अधीन विधारित रकम के प्रतिदाय का हकदार हो गया है वहां यथास्थिति, संबंधित केन्द्रीय कर अधिकारिता अधिकारी, राज्य कर अधिकारिता अधिकारी या संघ राज्यक्षेत्र कर अधिकारिता अधिकारी जीएसटी आरएफडी-06 में आदेश पारित करने पश्चात् प्रतिदाय के लिए कार्यवाही करेगा।
- (8) सरकार, माल के ऐसे वर्ग के लिए जो इस निमित्त अधिसूचित किया जाए भुटान को निर्यात पर, भुटान सरकार को एकीकृत कर के प्रतिदाय का संदाय कर सकेगी और भुटान सरकार को ऐसा प्रतिदाय संदत्त किया जाता है वहां निर्यातकर्ता एकीकृत कर के किसी प्रतिदाय का संदाय नहीं करेगा।

96 क. बंधपत्र या परिवचनपत्र के अधीन माल या सेवाओं के निर्यात पर संदत्त एकीकृत कर का प्रतिदाय—

- (1) एकीकृत कर का संदाय किए बिना निर्यात के लिए माल या सेवाओं के प्रदाय के विकल्प का उपभोग करने वाला कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, निर्यात से पहले, अधिकारिता आयुक्त को,—
 - (क) यदि माल का भारत के बाहर निर्यात नहीं किया जाता है तो निर्यात के लिए बीजक जारी करने की तारीख से तीन मास की समाप्ति के पश्चात् पंद्रह दिन की अवधि के भीतर ; या
 - (ख) यदि निर्यातकर्ता को यदि ऐसी सेवाओं का भुगतान संपरिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्त नहीं होता है तो एक वर्ष की समाप्ति के पश्चात् पंद्रह दिन की अवधि के भीतर या ऐसी और अवधि के भीतर जो आयुक्त द्वारा अनुज्ञात की जाए,

धारा 50 की उपधारा (1) के अधीन विनिर्दिष्ट ब्याज के साथ देय कर का संदाय करने के लिए स्वयं को बाध्यकर बनाने हेतु प्ररूप जीएसटी आरएफडी-11 में बंधपत्र या परिवचन पत्र देगा।

- (2) सामान्य पोर्टल पर दिए गए प्ररूप जीएसटीआर-1 में अंतर्विष्ट निर्यात बीजकों के ब्यौरे इलेक्ट्रॉनिक रूप से सीमा शुल्क द्वारा अभिहित सिस्टम को पारेषित किए जाएंगे और यह संपुष्टि कि उक्त बीजकों के अंतर्गत आने वाला माल का भारत से बाहर निर्यात किया गया है, इलेक्ट्रॉनिक रूप से, उक्त सिस्टम से सामान्य पोर्टल को पारेषित की जाएगी।

- (3) जहां उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर माल का निर्यात नहीं किया जाता है और रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति उक्त उप नियम में उल्लिखित रकम का संदाय करने में असफल रहता है वहां बंधपत्र या परिवचनपत्र के अधीन यथा अनुज्ञात निर्यात को तुरंत वापस ले लिया जाएगा और रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से, धारा 79 के उपबंध के अनुसार उक्त रकम की वसूली की जाएगी।
- (4) उप नियम (3) के निबंधनानुसार वापस लिए गए बंधपत्र या परिवचन पत्र के अधीन यथा अनुज्ञात निर्यात को रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा देय रकम का संदाय करते ही तुरंत पुनःस्थापित कर दिया जाएगा।
- (5) सरकार, अधिसूचना द्वारा ऐसी शर्तें और रक्षोपाय विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिनके अधीन किसी बंधपत्र के स्थान पर परिवचन पत्र दिया जा सकेगा।
- (6) उपनियम (1) के उपबंध, यथा आवश्यक परिवर्तन सहित किसी विशेष आर्थिक जोन के विकासकर्ता या किसी विशेष आर्थिक जोन इकाई को एकीकृत कर का संदाय किए बिना शून्य दर पर माल या सेवाओं या दोनों के प्रदाय के संबंध में लागू होंगे

97. उपभोक्ता कल्याण निधि--

- (1) उपभोक्ता कल्याण निधि को सभी प्रत्यय नियम 92 के उपनियम (5) के अधीन किए जाएंगे।
- (2) कोई रकम निधि को प्रत्यय किए जाने के लिए आदेशित या समुचित प्राधिकारी, अपीलीय प्राधिकारी, अपीलीय अधिकरण या न्यायालय के आदेशों द्वारा किसी दायाकर्ता को संदेय के रूप में निदेशित की जा चुकी है, निधि से संदत्त की जाएगी।
- (3) धारा 58 की उपधारा (1) के अधीन उपभोक्ता कल्याण निधि से रकम का कोई प्रयोग उपभोक्ता कल्याण निधि लेखा से विकलन और खाते जिसमें रकम को प्रयोग के लिए अंतरित किया जाना है, में प्रत्यय द्वारा किया जाएगा।
- (4) सरकार, आदेश द्वारा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य सचिव और ऐसे अन्य सदस्यों जिनको ठीक समझे, सहित स्थायी समिति का गठन करेगी और समिति उपभोक्ताओं के लिए उपभोक्ता कल्याण निधि को विकलित धन के समुचित प्रयोग के लिए सिफारिश करेगी।
- (5) समिति जब आवश्यक हो बैठक करेगी किंतु तीन मास में एक बार से कम नहीं।
- (6) कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) या तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के उपबंधों के अधीन रजिस्ट्रीकृत कोई अभिकरण या संगठन जो उपभोक्ता कल्याण क्रियाकलापों में तीन वर्षों से लगा हुआ है जिसमें ग्राम या मंडल या उपभोक्ताओं के सहकारी स्तर समिति विशेषतः महिला, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति या औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) में परिभाषित कोई उद्योग जो भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुशंसित हो और पांच वर्षों से जीव्य और उपयोगी क्रियाकलापों में लगा हुआ है, जिसके द्वारा बहुउपयोग के उत्पादों के लिए मानक चिन्ह के विरचन के

महत्वपूर्ण योगदान किया गया है या किया जाना है, सरकार या राज्य सरकार उपभोक्ता कल्याण निधि से अनुदान देने के लिए आवेदन करेगी।

परन्तु अंतिम अधिनिर्णय के पश्चात्, शिकायतकर्ता होने के नाते उपभोक्ता विवाद में किये गए विधिक खर्चों के पुनर्भुगतान के लिए आवेदन कर सकते हैं।

- (7) उपभोक्ता कल्याण निधि से अनुदान के लिए सभी आवेदन, आवेदक द्वारा सदस्य सचिव को किए जाएंगे लेकिन समिति किसी आवेदन पर तब तक विचार नहीं करेगी जब तक सदस्य सचिव सारभूत व्यौरों की जांच न कर ले और विचार करने के पश्चात् अनुशंसा न दे दे।

(8) समिति को शक्तियाँ होंगी-

- (क) किसी आवेदक को अपने समक्ष, सरकार द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत व्यक्ति के समक्ष ऐसी पुस्तकों, लेखों, दस्तावेजों, लिखतों या आवेदक की अभिरक्षा या नियंत्रण में माल को जैसा आवश्यक हो आवेदन के समुचित मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगी।
- (ख) किसी आवेदक को परिसर जिसमें उपभोक्ता कल्याण के लिए क्रियाकलापों का होने का दावा किया गया है, और किया जाना बताया गया है का सम्यक् रूप से केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार, यथास्थिति सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारी को प्रवेश और निरीक्षण के लिए अनुमति देने की अपेक्षा कर सकेगी ;
- (ग) आवेदकों के संपरीक्षित लेखाओं को अनुदान के समुचित प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए ले सकेगी;
- (घ) किसी आवेदक से किसी चूक के या उसके भाग पर किसी सारभूत सूचना के छिपाने की दशा में समिति को मंजूर अनुदान के एकमुश्त प्रतिदाय के लिए अपेक्षा कर सकेगी और इस अधिनियम के अधीन अभियोजित कर सकेगी ;
- (ङ) इस अधिनियम के उपबंधों के अनुसरण में किसी आवेदक से शोध्य रकम वसूल कर सकेगी ;
- (च) किसी आवेदक या आवेदकों के वर्ग से आवर्तित रिपोर्ट जो अनुदान के समुचित प्रयोग को दर्शित करती हो को प्रस्तुत करने को कह सकेगी ;
- (छ) तात्थ्यिक असंगतताओं या सारभूत विशिष्टियों में त्रुटि होने पर उसके समक्ष प्रस्तुत किसी आवेदन को खारिज कर सकेगी ;
- (ज) किसी आवेदक को अनुदान के द्वारा उसकी वित्तीय प्राप्ति और उसके काम के अधीन क्रियाकलापों की प्रकृति की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित करने के पश्चात् प्रदत्त वित्तीय सहायता का दुरुपयोग नहीं होगा न्यूनतम वित्तीय सहायता देने की सिफारिश कर सकेगी ;
- (झ) लाभकारी और सुरक्षित सैक्टरों जहाँ उपभोक्ता कल्याण निधि का विनिधान किया जाना है को पहचान कर तदनुसार सिफारिश करेगी ;
- (ञ) किसी आवेदक के उपभोक्त कल्याण क्रियाकलापों की अवधि के लिए अपेक्षित दशाओं को शिथिल कर सकेगी ;

- (ट) उपभोक्ता कल्याण निधि के प्रबंधन, प्रशासन और संपरीक्षा के लिए दिशानिर्देश बना सकेगी ।
- (9) केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण परिषद् और भारतीय मानक ब्यूरो, माल और सेवाकर परिषद् को उपभोक्ता कल्याण निधि से होने वाले व्यय के प्रयोजन के लिए परियोजनाओं या प्रस्तावों पर विचार करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देशों की सिफारिश कर सकेगी ।

अध्याय 11

निर्धारण और संपरीक्षा

98. अनंतिम निर्धारण - (1) धारा 60 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अधीन अनंतिम आधार पर कर के संदाय के लिए आवेदन करने वाला प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किए गए सुविधा केन्द्र के माध्यम से कोमन पोर्टल पर प्ररूप जीएसटी एसएमटी 01 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपने आवेदन के समर्थन में दस्तावेजों के साथ आवेदन करेगा ।
- (2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन की प्राप्ति पर उचित अधिकारी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से स्वयं उपस्थित होने या अपने आवेदन की समर्थन में अतिरिक्त जानकारी या दस्तावेज प्रस्तुत करने की अपेक्षा करते हुए प्ररूप जीएसटी एसएमटी 02 में नोटिस जारी करेगा और आवेदक प्ररूप जीएसटी एसएमटी 03 में नोटिस का जवाब फाइल करेगा ।
- (3) उचित अधिकारी अनंतिम आधार पर कर का संदाय अनुज्ञात करते हुए प्ररूप जीएसटी एसएमटी 04 में आदेश जारी करेगा जिसमें अनंतिम आधार पर वह मूल्य या दर या दोनों दर्शित करते हुए निर्धारण अनुज्ञात किया जाना है तथा वह रकम जिसके लिए बंधपत्र निष्पादित किया जाना है और वह प्रतिभूति जो दी जानी है जो बंधपत्र के अधीन आने वाली रकम के 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी ।
- (4) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति धारा 60 की उपधारा (2) के उपबन्धों के अनुसार प्ररूप जीएसटी एसएमटी 05 में एक बंधपत्र उपधारा (3) के अधीन यथा अवधारित रकम के लिए बैंक प्रत्यभूति के रूप में प्रतिभूति के साथ निष्पादित करेगा :

परन्तु केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम या एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम के अधीन उचित अधिकारी को प्रस्तुत किया गया बंध पत्र इस अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन किया गया बंधपत्र समझा जाएगा ।

स्पष्टीकरण— इस नियम के प्रयोजनों के लिए "रकम" पद में संयवहार के संबंध में संदेय एकीकृत कर, केन्द्रीय कर, राज्य कर या संघ राज्यक्षेत्र कर की रकम और उपकर सम्मिलित होगा ।

- (5) उचित अधिकारी धारा 60 की उपधारा (3) निर्धारण को अंतिम रूप देने के लिए अपेक्षित जानकारी और अवलेखों को मांगने के लिए प्ररूप जीएसटी एसएमटी 06 में नोटिस जारी करेगा और प्ररूप जीएसटी एसएमटी 07 में अंतिम निर्धारण आदेश जारी करेगा जिसमें रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा संदेय या लौटाए जाने वाली कोई रकम यदि कोई हो, विनिर्दिष्ट होगी।
- (6) आवेदक उपनियम (5) के अधीन आदेश जारी करने के पश्चात् उपनियम (4) के अधीन प्रस्तुत प्रतिभूति को निर्मुक्त करने के लिए प्ररूप जीएसटी एसएमटी 08 में आवेदन फाइल कर सकेगा।
- (7) उचित अधिकारी यह सुनिश्चित करने के पश्चात् कि उपनियम (5) में विनिर्दिष्ट रकम आवेदक द्वारा संदत्त कर दी गई है, उपनियम (4) के अधीन दी गई प्रतिभूति को निर्मुक्त करेगा और उपनियम (6) के अधीन आवेदन की प्राप्ति के सात कार्य दिवसों की अवधि के भीतर प्ररूप जीएसटी एसएमटी 09 में एक आदेश जारी करेगा।
99. विवरणियों की संवीक्षा - (1) जहाँ रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत कोई विवरणी संवीक्षा के लिए चयन की जाती है वहां उचित अधिकारी धारा 61 के उपबंधों के अनुसार उसकी संवीक्षा उसे उपलब्ध जानकारी के सन्दर्भ अनुसार करेगा और किसी विसंगति की दशा में वह उक्त व्यक्ति को प्ररूप जीएसटी एसएमटी 10 में नोटिस जारी करेगा और उसको ऐसी विसंगति के बारे में जानकारी देगा तथा नोटिस की तमिल की तारीख से तीस दिन के भीतर उससे स्पष्टीकरण मांगेगा और कर, ब्याज की रकम और ऐसी विसंगति के सम्बन्ध में संदेय अन्य किसी रकम का मात्रांकन करेगा।
- (2) उपनियम (1) के अधीन जारी नोटिस में वर्णित विसंगति को रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति स्वीकृत कर सकेगा और ऐसी विसंगति से उद्धृत कर, ब्याज या किसी अन्य रकम का संदाय करेगा और उचित अधिकारी को प्ररूप जीएसटी एसएमटी 11 में विसंगति के लिए स्पष्टीकरण देगा या उसे सूचित करेगा।
- (3) जहाँ उपनियम (2) के अधीन प्रस्तुत जानकारी या रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण स्वीकार्य पाया जाता है वहां उचित अधिकारी प्ररूप जीएसटी एसएमटी 12 में तदनुसार उसे सूचित करेगा।
100. कतिपय मामलों में निर्धारण -- (1) धारा 62 की उपधारा (1) के अधीन किया गया निर्धारण का आदेश प्ररूप जीएसटी एसएमटी 13 में जारी किया जाएगा।
- (2) उचित अधिकारी धारा 63 के उपबंधों के अनुसार कराधेय व्यक्ति को प्ररूप जीएसटी एसएमटी 14 में नोटिस जारी करेगा जिसमें वे आधार अन्तर्विष्ट होंगे जो सर्वोत्तम निर्णय के आधार पर निर्धारण में प्रस्तावित हैं और ऐसे व्यक्ति को अपना उत्तर देने के लिए पन्द्रह दिन का समय अनुज्ञात करने के पश्चात् प्ररूप जीएसटी एसएमटी 15 में आदेश जारी करेगा।

- (3) धारा 64 की उपधारा (1) के अधीन संक्षिप्त निर्धारण का आदेश प्ररूप जीएसटी एसएमटी 16 में जारी किया जाएगा ।
- (4) धारा 64 की उपधारा (2) में निर्दिष्ट व्यक्ति प्ररूप जीएसटी एसएमटी 17 में संक्षिप्त निर्धारण को वापस लेने के लिए आवेदन फाइल कर सकेगा ।
- (5) धारा 64 की उपधारा (2) के अधीन आवेदन के अस्वीकार होने या यथास्थिति, वापस लेने का आदेश प्ररूप जीएसटी एसएमटी 18 में जारी किया जाएगा ।
101. संपरीक्षा - (1) धारा 65 की उपधारा (1) के अधीन संपरीक्षा की अवधि एक वित्तीय वर्ष या उसका गुणक होगी ।
- (2) जहां धारा 65 के उपबंधों के अनुसार किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की संपरीक्षा करने का विनिश्चय किया जाता है वहां उचित अधिकारी प्ररूप जीएसटी एडीटी - 1 में नोटिस उक्त धारा की उपधारा (3) के उपबंधों के अनुसार जारी करेगा ।
- (3) उचित अधिकारी जो रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के अभिलेखों और लेखा बहियों की संपरीक्षा करने के लिए प्राधिकृत है, अधिकारियों की टीम और उसके साथ के पदधारियों की सहायता से वह दस्तावेज सत्यापित करेगा जिसके आधार पर लेखा बहियां अनुरक्षित की जाती हैं और अधिनियम तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन प्रस्तुत विवरणी और कथन, अवतर्त की सत्यता, दावा की गई छूटें और कटौतियां, मालों की प्रदाय या सेवाओं या दोनों के संबंध में लागू कर की दर, उपयोग और उपयोजित इनपुट कर प्रत्यय, दावा किया गया प्रतिदाय और अन्य सुसंगत मुद्दे तथा उसके संपरीक्षा टिप्पणों में अभिलेख और प्रेक्षण प्रस्तुत करेगा ।
- (4) उचित अधिकारी रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को विसंगतियां यदि कोई हों के बारे में सूचित कर सकेगा और उक्त व्यक्ति अपना उत्तर फाइल कर सकेगा तथा उचित अधिकारी दिए गए उत्तर पर विचार करने के पश्चात् संपरीक्षा के निष्कर्षों को अंतिम रूप देगा ।
- (5) संपरीक्षा के समाप्त होने पर उचित अधिकारी प्ररूप जीएसटी एडीटी -2 में धारा 65 की उपधारा (6) के उपबंधों के अनुसार रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को संपरीक्षा के निष्कर्षों के बारे में सूचित करेगा ।
102. विशेष संपरीक्षा (1) जहां धारा 66 के उपबंधों के अनुसार विशेष संपरीक्षा करने की अपेक्षा है वहां उक्त धारा में निर्दिष्ट अधिकारी प्ररूप जीएसटी एडीटी - 3 में एक निदेश जारी करेगा जिसमें वह रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को उक्त निदेश में विनिर्दिष्ट चार्टर्ड अकाउंटेंट या कोस्ट अकाउंटेंट द्वारा अभिलेखों की संपरीक्षा करवाने का निदेश देगा ।
- (2) विशेष संपरीक्षा के समाप्त होने पर रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को प्ररूप जीएसटी एडीटी - 4 में विशेष संपरीक्षा के निष्कर्षों के बारे में सूचित किया जाएगा ।

अध्याय 12

अग्रिम विनिर्णय

103. अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के सदस्यों की अर्हता और नियुक्ति केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार, अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के सदस्य के रूप में संयुक्त आयुक्त की पंक्ति के किसी अधिकारी को नियुक्ति करेगी।
104. अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण को आवेदन करने का प्रारूप और रीति—(1) धारा 97 की उपधारा (1) के अधीन अग्रिम विनिर्णय प्राप्त करने के लिए कोई आवेदन सामान्य पोर्टल पर प्रारूप जीएसटी एआरए-1 में किया जाएगा और उसके साथ पांच हजार रुपये की फीस संलग्न होगी जो धारा 49 में विनिर्दिष्ट रीति में जमा की जाएगी।
- (2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट आवेदन, उसमें अंतर्विष्ट सत्यापन और ऐसे आवेदन के साथ संलग्न सभी सुसंगत दस्तावेज नियम 26 में विनिर्दिष्ट रीति में हस्ताक्षरित होंगे।
105. प्राधिकरण द्वारा सुनाए गए अग्रिम विनिर्णय की प्रतियों का प्रमाणीकरण—अग्रिम विनिर्णय की प्रति को, अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के किसी सदस्य द्वारा उसके मूल की सही प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित किया जाएगा।
106. अग्रिम विनिर्णय अपील प्राधिकरण को अपील का प्रारूप और रीति—(1) आवेदक द्वारा, धारा 98 की उपधारा (6) के अधीन जारी अग्रिम विनिर्णय के विरुद्ध कोई अपील सामान्य पोर्टल पर प्रारूप जीएसटी एआरए-2 में की जाएगी और उसके साथ दस हजार रुपये की फीस संलग्न होगी जो धारा 49 में विनिर्दिष्ट रीति में जमा की जाएगी।
- (2) धारा 98 की उपधारा (6) के अधीन जारी अग्रिम विनिर्णय के विरुद्ध अपील सामान्य पोर्टल पर प्रारूप जीएसटी एआरए-3 में धारा 100 में निर्दिष्ट संबंधित अधिकारी या अधिकारित अधिकारी को की जाएगी और अपील फाइल करने के लिए उक्त अधिकारी द्वारा कोई फीस संदेय नहीं होगी।
- (3) उपनियम (1) या उपनियम (2) में निर्दिष्ट अपील, उसमें अंतर्विष्ट सत्यापन और ऐसी अपील के साथ संलग्न सभी सुसंगत दस्तावेजों को,—
- (क) संबंधित अधिकारी या अधिकारिता वाले अधिकारी की दशा में, ऐसे अधिकारी द्वारा लिखित में प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा ; और
- (ख) किसी आवेदक की दशा में, नियम 26 में विनिर्दिष्ट रीति से, हस्ताक्षरित होंगे।
107. प्राधिकारी द्वारा सुनाए गए अग्रिम विनिर्णय की प्रतियों की प्रमाणीकरण-- अग्रिम विनिर्णय अपील प्राधिकारी द्वारा सुनाए गए और सदस्य द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित अग्रिम विनिर्णय की प्रति,-
- (क) आवेदक और अपीलार्थी को ;
- (ख) केन्द्रीय कर और राज्यकर या संघ राज्यक्षेत्र कर के संबंधित अधिकारी को ;
- (ग) केन्द्रीय कर और राज्यकर या संघ राज्यक्षेत्र कर के अधिकारिता वाले अधिकारी को ; और
- (घ) प्राधिकरण को,
- अधिनियम की धारा 101 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसार भेजी जाएगी।

अध्याय 13

अपील और पुनरीक्षण

108. अपील प्राधिकारी को अपील.— (1) धारा 107 की उपधारा (1) के अधीन अपील प्राधिकारी को अपील प्ररूप जीएसटी एपीएल - 1 में सुसंगत दस्तावेजों के साथ इलेक्ट्रॉनिक रूप से या अन्यथा फाइल की जाएगी जैसा आयुक्त द्वारा अधिसूचित किया जाए और अपीलार्थी को तत्काल अनंतिम अभिस्वीकृति जारी की जाएगी।
- (2) प्ररूप जीएसटी एपीएल - 1 में यथा अन्तर्दिष्ट अपील के आधार और सत्यापन का प्ररूप नियम 26 में विनिर्दिष्ट रीति में हस्ताक्षरित किया जाएगा।
- (3) विनिश्चय या अपील आदेश की अभिप्रमाणित प्रति उपनियम (1) के अधीन अपील फाइल करने के सात दिन के भीतर प्रस्तुत की जाएगी और अंतिम अभिस्वीकृति जिसमें अपील संख्या दर्शित होगी प्ररूप जीएसटी एपीएल - 2 में अपील प्राधिकारी द्वारा या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किया जाएगा :

परन्तु जहां विनिश्चय या अपील आदेश की अभिप्रमाणित प्रति प्ररूप जीएसटी एपीएल - 1 को फाइल करने के सात दिन के भीतर प्रस्तुत किए जाते हैं वहां अपील फाइल करने की तारीख अनंतिम अभिस्वीकृति जारी करने की तारीख होगी और जहां उक्त प्रति सात दिन के पश्चात् प्रस्तुत की जाती है, वहां अपील फाइल करने की तारीख उक्त प्रति प्रस्तुत करने की तारीख होगी।

स्पष्टीकरण— इस नियम के उपबंधों के लिए, अपील को तभी फाइल किया गया माना जाएगा जब अपील संख्या दर्शित करते हुए अंतिम अभिस्वीकृति जारी की जाती है।

109. अपील प्राधिकारी को आवेदन.— (1) अधिनियम की धारा 107 की उपधारा (2) के अधीन प्ररूप जीएसटी एपीएल - 3 में अपील प्राधिकारी को आवेदन इलेक्ट्रॉनिक रूप से या अन्यथा प्रस्तुत किया जायेगा जैसा आयुक्त द्वारा अधिसूचित किया जाए।
- (2) विनिश्चय या अपील आदेश की अभिप्रमाणित प्रति, उपनियम (1) के अधीन आवेदन फाइल करने के सात दिन के भीतर प्रस्तुत की जाएगी और अपील प्राधिकारी द्वारा या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अपील संख्या दी जाएगी।
110. अपील अधिकरण को अपील.— (1) धारा 112 की उपधारा (1) के अधीन प्ररूप जीएसटी एपीएल - 5 में सुसंगत दस्तावेज के साथ अपील अधिकरण को अपील इलेक्ट्रॉनिक रूप से या अन्यथा जैसा रजिस्ट्रार द्वारा अधिसूचित किया जाए, सामान्य पोर्टल पर प्रस्तुत किया जाएगा और अपीलार्थी को तत्काल अनंतिम अभिस्वीकृति जारी की जाएगी।
- (2) अधिनियम की धारा 112 की उपधारा (5) के अधीन प्ररूप जीएसटी एपीएल - 6 में अपील अधिकरण को तिर्यक आक्षेपों पर ज्ञापन या तो इलेक्ट्रॉनिक रूप या अन्यथा प्रस्तुत किया जाएगा जैसा रजिस्ट्रार द्वारा अधिसूचित किया जाए।
- (3) अपील और तिर्यक आक्षेपों पर ज्ञापन नियम 26 में विनिर्दिष्ट रीति में हस्ताक्षरित किया जाएगा।

- (4) विनिश्चय या अपील आदेश की अभिप्रमाणित प्रति, उपनियम (5) के अधीन विहित शुल्क के साथ उपनियम (1) के अधीन आवेदन फाइल करने के सात दिन के भीतर रजिस्ट्रार को प्रस्तुत की जाएगी और तत्पश्चात् अंतिम अभिस्वीकृति जिसमें अपील संख्या दर्शित होगी रजिस्ट्रार द्वारा प्ररूप जीएसटी एपीएल - 2 में जारी की जाएगी :

परन्तु जहां विनिश्चय या अपील आदेश की अभिप्रमाणित प्रति प्ररूप प्ररूप जीएसटी एपीएल - 5 को फाइल करने के सात दिन के भीतर प्रस्तुत किए जाते हैं वहां अपील फाइल करने की तारीख अंतिम अभिस्वीकृति जारी करने की तारीख होगी और जहां उक्त प्रति सात दिन के पश्चात् प्रस्तुत की जाती है, वहां अपील फाइल करने की तारीख उक्त प्रति प्रस्तुत करने की तारीख होगी ।

स्पष्टीकरण— इस नियम के प्रयोजनों के लिए, अपील को तभी फाइल किया गया माना जाएगा जब अपील संख्या दर्शित करते हुए अंतिम अभिस्वीकृति जारी की जाती है ।

- (5) अपील फाइल करने या अपील प्रत्यावर्तन करने की फीस प्रत्येक एक लाख रुपए के कर या अन्तर्वलित इनपुट कर प्रत्यय या अन्तर्वलित कर या इनपुट कर प्रत्यय के अन्तर अथवा अपील किए गए आदेश में अवधारित जुर्माना ,फीस या शास्ति की रकम के लिए अधिकतम पच्चीस हजार रुपए के अध्याधीन ,एक हजार रुपए होगी ।

- (6) धारा 112 की उपधारा (10) में निर्दिष्ट त्रुटियों को सुधारने के लिए अपील अधिकरण के समक्ष प्रस्तुत आवेदन के लिए कोई फीस नहीं होगी ।

111. अपील अधिकरण को आवेदन.-- (1) धारा 112 की उपधारा (3) के अधीन प्ररूप जीएसटी एपीएल- 7 में अपील अधिकरण को कोमन पोर्टल पर इलेक्ट्रानिक रूप से अपील की जाएगी ।

- (2) विनिश्चय या अपील आदेश की अभिप्रमाणित प्रति, उपनियम (1) के अधीन आवेदन फाइल करने के सात दिन के भीतर प्रस्तुत की जाएगी और रजिस्ट्रार द्वारा अपील संख्या दी जाएगी।

112. अपील प्राधिकारी या अपील अधिकरण के समक्ष अतिरिक्त साक्ष्य प्रस्तुत करना

- (1) अपीलार्थी द्वारा निम्नलिखित परिस्थितियों के सिद्धाय ,यथास्थिति ,न्यायनिर्णयन प्राधिकारी या अपील प्राधिकारी के समक्ष कार्यवाहियों के दौरान उसे द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य से भिन्न कोई साक्ष्य चाहे मौखिक हो या दस्तावेजी ,अपील प्राधिकारी या अपील अधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करना अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ,अर्थात् :--

- (क) जहां यथास्थिति ,न्यायनिर्णयन प्राधिकारी या अपील प्राधिकारी ने साक्ष्य स्वीकार करने से इंकार कर दिया है जो स्वीकृत किए जाने चाहिए थे ; या

- (ख) जहाँ यथास्थिति, न्यायनिर्णयन प्राधिकारी या अपील प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत करने के लिए साक्ष्य मंगवाए गए थे किन्तु अपीलार्थी पर्याप्त कारणों से उन्हें प्रस्तुत करने में असफल रहा ; या
- (ग) जहाँ यथास्थिति, न्यायनिर्णयन प्राधिकारी या अपील प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत करने के लिए अपील के आधार पर सुसंगत कोई साक्ष्य मंगवाए गए थे किन्तु अपीलार्थी पर्याप्त कारणों से उन्हें प्रस्तुत करने में असफल रहा ; या
- (घ) जहाँ यथास्थिति, न्यायनिर्णयन प्राधिकारी या अपील प्राधिकारी ने अपीलार्थी को अपील के आधार पर सुसंगत कोई साक्ष्य प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर दिए बिना आदेश किया ।
- (2) उपनियम (1) के अधीन कोई साक्ष्य स्वीकार नहीं किया जाएगा यदि अपील प्राधिकारी या अपील अधिकरण अभिलेख में लिखित रूप में उसे स्वीकार करने के कारण अभिलेखबद्ध नहीं करता है ।
- (3) उपनियम (1) के अधीन कोई साक्ष्य नहीं लिया जाएगा यदि अपील प्राधिकारी या अपील अधिकरण या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अधिकारी निम्नलिखित के संबंध में पर्याप्त अवसर अनुज्ञात नहीं किया जाता है :--
- (क) अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य या दस्तावेज का परीक्षण या किसी गवाह की प्रतिपरीक्षा ; या
- (ख) उपनियम (1) के अधीन अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के खंडन में कोई साक्ष्य या गवाह प्रस्तुत करना ।
- (4) इस नियम में अन्तर्विष्ट कोई बात अपील प्राधिकारी या अपील अधिकरण की अपील को निपटाने में उसे समर्थ बनाने के लिए किसी दस्तावेज को प्रस्तुत करने या किसी गवाह के परीक्षण को निदेशित करने की उसकी शक्ति पर कोई प्रभाव नहीं डालेगी ।
113. अपील प्राधिकारी या अपील अधिकरण का आदेश.-- (1) अपील प्राधिकारी धारा 107 की उपधारा (11) के अधीन अपने आदेश के साथ प्ररूप जीएसटी एपीएल- 4 में स्पष्ट रूप से दर्शित करते हुए कि मांग की अंतिम रकम की पुष्टि हो गई है, आदेश का संक्षिप्त सार जारी करेगा ।
- (2) अधिकारिता अधिकारी प्ररूप जीएसटी एपीएल -4 में स्पष्ट रूप से दर्शित करते हुए कि मांग की अंतिम रकम की पुष्टि अपील अधिकरण द्वारा हो गई है, आदेश का संक्षिप्त सार जारी करेगा ।
114. उच्च न्यायालय को अपील.-- (1) धारा 117 की उपधारा (1) के अधीन उच्च न्यायालय को अपील प्ररूप जीएसटी एपीएल-8 में फाइल की जाएगी ।
- (2) प्ररूप जीएसटी एपीएल-8 में यथा अन्तर्विष्ट अपील के आधार और सत्यापन का प्ररूप नियम 26 में विनिर्दिष्ट रीति में हस्ताक्षरित किया जाएगा ।

115. न्यायालय द्वारा मांग की पुष्टि.-- अधिकारिता अधिकारी प्ररूप जीएसटी एपीएल-4 में स्पष्ट रूप से दर्शित करते हुए कि मांग की अंतिम रकम की पुष्टि यथास्थिति, उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय द्वारा हो गई है, कथन जारी करेगा।
116. अपराधिकृत प्रतिनिधि के कदाचरण के लिए निर्हता.-- जहां अधिनियम की धारा 116 की उपधारा (2) के खंड (ख) या खंड (ग) के अधीन निर्दिष्ट व्यक्ति से भिन्न कोई प्राधिकृत प्रतिनिधि मामले की जांच करने पर अधिनियम के अधीन किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में कदाचरण का दोषी पाया जाता है, यहां आयुक्त उसे सुनवाई का एक अवसर देने के पश्चात् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत होने से निर्हरित कर देगा।

अध्याय 14 संक्रमणकालीन उपबंध

117. नियत दिन पर स्टॉक में रखे माल पर किसी विद्यमान विधि के अधीन कर या शुल्क प्रत्यय का अग्रेषण-- (1) धारा 140 के अधीन इनपुट कर के प्रत्यय को लेने का अधिकार प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति नियत दिन के नब्बे दिन के भीतर प्ररूप जीएसटी टीआरएएन -1 में सम्यक् रूप से हस्ताक्षर कर समान पोर्टल पर जिसमें पृथक् रूप से इनपुट कर प्रत्यय की रकम धारा 140 के स्पष्टीकरण 2 में यथा परिभाषित उपयुक्त शुल्क और करों के जिसका वह उक्त धारा के उपबंधों के अधीन हकदार है पृथक् रूप से विनिर्दिष्ट करते हुए इलेक्ट्रॉनिक रूप से घोषणा प्रस्तुत करेगा :

परंतु यह कि आयुक्त परिषद् की सिफारिश पर नब्बे दिन से अनधिक और अवधि द्वारा नब्बे दिन की अवधि की सीमा बढ़ा सकेगा।

परन्तु, धारा 140 की उप-धारा (1) के अधीन दावा होने की दशा में आवेदन में पृथक्, विनिर्दिष्ट होगा--

- (i) आवेदक द्वारा केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम की धारा 3, धारा 5 की उपधारा (3), धारा 6 और 6क और धारा 8 उपधारा (8) के अधीन किए गए दावों का मूल्य;
 - (ii) आवेदक द्वारा उपखंड (1) में निर्दिष्ट दावों के समर्थन में प्रस्तुत प्रारूप सी या एफ में की गई घोषणाओं का क्रम संख्यांक और मूल्य और केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरण और आवर्तन) नियम, 1957 के नियम में विनिर्दिष्ट प्रारूप इ या एच या प्रारूप एक;
- (2) उपनियम (1) के अधीन प्रत्येक घोषणा में--
- (क) धारा 140 की उपधारा (2) के अधीन दावे की दशा में नियत दिन पर पूंजी माल के प्रत्येक मद की बाबत निम्नलिखित विशिष्टियां पृथक् रूप से विनिर्दिष्ट की जाएंगी--

- (i) नियत दिन तक प्रत्येक विद्यमान विधि के अधीन इनपुट कर प्रत्यय के माध्यम से लभ्य या प्रयुक्त कर या शुल्क की रकम ; और
- (ii) नियत दिन तक प्रत्येक विद्यमान विधि के अधीन इनपुट कर प्रत्यय के माध्यम से अभी तक लभ्य या प्रयुक्त किए जाने वाले कर या शुल्क की रकम ;
 - (ख) उपधारा (3) या उपधारा (4) के खंड (ख) या उपधारा (6) के अधीन दावे की दशा में नियत दिन पर रखे स्टॉक का ब्यौरा पृथक रूप से विनिर्दिष्ट किया जाएगा ;
 - (ग) धारा 140 की उपधारा (5) के अधीन दावे की दशा में निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत किए जाएंगे, अर्थात् :--
 - (i) प्रदायकर्ता का नाम, क्रम संख्यांक और प्रदायकर्ता द्वारा बीजक को जारी करने तारीख या कोई दस्तावेज जिसके आधार पर इनपुट कर का प्रत्यय विद्यमान विधि के अधीन अनुज्ञेय था ;
 - (ii) माल या सेवा का वर्णन और मूल्य;
 - (iii) माल की दशा में मात्रा और उस पर इकाई या इकाई मात्रा कोड;
 - (iv) पात्र कर और शुल्क की रकम यथास्थिति मूल्य वर्धित कर जो प्रदायकर्ता द्वारा माल या सेवाओं के बाबत प्रभारित किया गया है ; और
 - (v) वह तारीख जिसको माल या सेवाओं की रसीद प्राप्तकर्ता के खाते की पुस्तकों में प्रविष्ट की गई है।
- (3) प्ररूप जीएसटी टीआरएफन -1 में आवेदन में विनिर्दिष्ट प्रत्यय की रकम, कॉमन पोर्टल पर प्ररूप जीएसटी पीएमटी-2 में रखे गए आवेदक के इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय बही को प्रत्ययित की जाएगी ।
- (4) (अ) (i) पंजीयत व्यक्ति, ऐसे माल का स्टॉक रखता है जिस पर राज्य में उसके विक्रय के प्रथम बिंदु पर कर अदा किया जा चुका है और राज्य में जिसका पश्चातवर्ती विक्रय कर के अधीन नहीं है और जिसके संबंध में वेट के भुगतान के साक्ष्य का, कोई दस्तावेज अधिपत्य में नहीं है धारा 140 की उपधारा (3) के परंतुक के अनुसार नियत दिन पर स्टॉक में धारित माल पर इनपुट कर प्रत्यय का उपभोग करने के लिये अनुज्ञात किया जाएगा;
- (ii) उप-धारा (i) में निर्दिष्ट प्रत्यय ऐसे माल पर अनुज्ञात की जाएगी जिस माल के नियत तारीख के पश्चात प्रदाय पर, राज्य कर आकर्षित होता हो और ऐसी प्रदाय पर देय राज्य कर का भुगतान किये जाने के पश्चात प्रत्यय किया जाएगा।

परन्तु, जहाँ ऐसे माल पर एकीकृत कर संदत है क्रेडिट की रकम ऐसे कर के 50% की दर से अनुज्ञात की जाएगी।

- (iii) यह योजना नियत तारीख से कर की छः कालावधियों के लिए उपलब्ध होगी।
- (ब) राज्य कर की ऐसी जमा निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर उपयोग की जावेगी, यथा:-
 - (i) ऐसा माल मध्यप्रदेश वेट अधिनियम, 2002(2002 का संख्यांक 20) के अधीन कर से पूर्णतः छूट प्राप्त नहीं था।
 - (ii) ऐसे माल के उपापन के लिए दस्तावेज रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के पास उपलब्ध है।
 - (iii) इस स्कीम का लाभ उठाने वाला रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति उपनियम (2) के खंड (ख) के अनुसरण में उसके द्वारा रखे माल का ब्यौरा प्ररूप जीएसटी टीआरएन -2 में छहः कर अवधियों के प्रत्येक के अंत पर जिसके दौरान स्कीम कर अवधि के दौरान प्रभावित माल की ऐसे माल के प्रदाय के ब्यौरे इंगित करते हैं कथन प्रस्तुत करेगा ;
 - (iv) अनुज्ञात प्रत्यय की रकम समान पोर्टल पर प्ररूप जीएसटी पीएमटी-2 में रखे गए आवेदक के इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय बहि को प्रत्ययित की जाएगी; और
 - (v) माल का स्टॉक जिसका प्रत्यय उपलब्ध है, इस प्रकार भंडारित है कि यह रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा आसानी से पहचाना जा सकता है।

118. धारा 142 की उपधारा (11) के खंड (ग) के अधीन की जाने वाली घोषणा-

प्रत्येक व्यक्ति जिस पर धारा 142 की उपधारा (11) के खंड (ग) के उपबंध लागू हैं नियत दिन के नब्बे दिन की अवधि में प्ररूप जीएसटी टीआरएन -1 में प्रदाय का अनुपात जिसको नियत दिन २ पूर्व मूल्य वर्धित कर या सेवा कर संदत्त किया जा चुका लेकिन प्रदाय नियत तारीख के बाद किया गया है और उस पर अनुज्ञेय इनपुट कर प्रत्यय की घोषणा प्रस्तुत करेगा।

119. मालिक और जॉब-वर्कर/अभिकर्ता द्वारा धारित स्टॉक की घोषणा -- प्रत्येक व्यक्ति जिस पर धारा 141 या धारा 142 की उपधारा (14) के उपबंध लागू होते हैं, नियत दिन से 90 दिवस के भीतर प्ररूप जीएसटी टीआरएन -1 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा जिसमें, उसके द्वारा नियत दिवस पर धारित इनपुट, अर्द्ध तैयार माल या तैयार माल का स्टॉक जहाँ तक लागू हो, विनिर्दिष्ट होगा।

120. अनुमदन के आधार पर भेजे माल के ब्यौरे-- प्रत्येक व्यक्ति विद्यमान विधि के अधीन अनुमोदन पर गल भेजना है और जिसको धारा 142 की उपधारा (12) लागू हैं नियत दिन के नब्बे दिन के भीतर प्ररूप जीएसटी टीआरएन -1 के अनुमोदन पर भेजे गए ऐसे माल के ब्यौरे प्रस्तुत करेगा ।

121. गलतरूप से प्राप्त किए गए प्रत्यय की वसूली-- उपनियम 97 के उपनियम (3) के अधीन प्रत्यय की गई रकम सत्यापित की जाएगी और धारा 73 या धारा 74 के अधीन कार्यवाहियां यथास्थिति चाहें वह पूर्णतः या आंशिक रूप से किसी गलत तरीके से प्राप्त किसी प्रत्यय के बाबत शुरू की जाएंगी ।

अध्याय 15

मुनाफा खोरी-रोधी नियम, 2017

122. प्राधिकरण का गठन.-- प्राधिकरण परिषद् द्वारा नामनिर्देशित निम्नलिखित से मिलकर बनेगा--
- (क) अध्यक्ष जिसने भारत सरकार के सचिव की श्रेणी के समतुल्य पदधारण किया है या किया हो
- (ख) चार तकनीकी सदस्य जो राज्य कर आयुक्त या केन्द्रीय कर आयुक्त हैं या रहा है या जिसने विद्यमान विधि के अधीन समतुल्य पद धारण किया है या किया हो
123. स्थायी समिति और छानबीन समिति का गठन:--(1) परिषद्, राज्य और केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा नामनिर्दिष्ट, ऐसे अधिकारियों से मिलकर मुनाफाखोरी रोधी स्थायी समिति का गठन कर सकेगी ।
- (2) राज्य स्तरीय छानबीन समिति राज्य सरकारों द्वारा प्रत्येक राज्य में गठित की जाएगी, जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी--
- (क) आयुक्त द्वारा नामनिर्देशित किया गया, राज्य सरकार का कोई अधिकारी और
- (ख) मुख्य आयुक्त द्वारा नामनिर्देशित किया गया, केन्द्रीय सरकार का कोई अधिकारी ।
124. प्राधिकरण के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति, वेतन, भत्ते और सेवा की अन्य निबंधनों और शर्तें--:
- (1) अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति, केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थायी समिति जिसका गठन परिषद्/बोर्ड द्वारा प्रयोजन के लिए किया गया है, की सिफारिशों पर होगी ।
- (2) अध्यक्ष को 2,25,000 (नियत) मासिक वेतन संदत्त किया जाएगा और अन्य भत्ते और फायदे यथाग्राह्य हैं जैसे कि केन्द्रीय सरकार में पदधारण किए अधिकारी को समान वेतन में दिए जा रहे हैं।
- परंतु यह कि जहां कोई सेवानिवृत्त अधिकारी अध्यक्ष के रूप में चयनित होता है उसे रुपये 2,25,000/- का मासिक वेतन में से पेंशन की रकम घटाकर संदत्त किया जाएगा ।
- (3) तकनीकी सदस्य को 2,05,400 (नियत) मासिक वेतन संदत्त किया जाएगा और वह भत्ते क्लालने का हकदार होगा जैसे कि भारत सरकार के समूह 'क' पदधारित अधिकारी को समान वेतन में ग्राह्य है ।
- परंतु यह कि जहां कोई सेवानिवृत्त अधिकारी तकनीकी सदस्य के रूप में चयनित होता है उसे रुपये 2,05,400/- का मासिक वेतन में से पेंशन की रकम घटाकर संदत्त किया जाए ।
- (4) अध्यक्ष, उस तारीख से जिससे उन्होंने कार्यभार संभाला है, से दो वर्ष की अवधि के लिए पदधारण करेगा या जब तक कि वह पैंसठ वर्ष की आयु का नहीं हो जाता, जो भी पहले हो और पुनः नियुक्ति के लिए पात्र होगा।
- परंतु यह कि कोई भी व्यक्ति अध्यक्ष के रूप में चयनित नहीं होगा, यदि उसकी आयु बासठ वर्ष की हो चुकी है ।

- (5) प्राधिकरण का तकनीकी सदस्य, उस तारीख से जिससे उन्होंने कार्यभार संभाला है, से दो वर्ष की अवधि के लिए पदधारण करेगा या जब तक कि वह पैंसठ वर्ष की आयु का नहीं हो जाता, जो भी पहले हो और पुनःनियुक्ति के लिए पात्र होगा।

परंतु यह कि कोई भी व्यक्ति तकनीकी सदस्य के रूप में चयनित नहीं होगा यदि उसकी आयु बासठ वर्ष की हो चुकी है।

125. प्राधिकरण का सचिव-- बोर्ड के अधीन रक्षोपाय अपर महानिदेशक, प्राधिकरण का सचिव होगा।

126. पद्धति और प्रक्रिया अवधारित करने की शक्ति-- प्राधिकरण यह अवधारण करने के लिए कि क्या माल या सेवाओं के प्रदाय पर कर की दर में कटौती या इनपुट कर प्रत्यय पर फायदे, मूल्य में कटौती की अनुरूपता द्वारा रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से प्राप्तिकर्ता को पहुंच रहे हैं, पद्धति और प्रक्रिया को अवधारित कर सकता है।

127. प्राधिकरण के कर्तव्य-- (1) प्राधिकरण का कर्तव्य होगा कि यह अवधारित करे कि क्या किसी माल या सेवाओं के प्रदाय पर कर की दर में कटौती या इनपुट कर प्रत्यय के फायदे, मूल्य में कटौती की अनुरूपता द्वारा प्राप्तिकर्ता को पहुंच रहे हैं;

- (2) प्राधिकरण का कर्तव्य होगा कि यह उस रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की पहचान करे जो माल या सेवाओं के प्रदाय पर कर में कटौती के फायदे या इनपुट कर प्रत्यय के फायदे, मूल्यों में कटौती की अनुरूपता से प्राप्तिकर्ता को नहीं पहुंचा रहा है;

- (3) प्राधिकरण का यह कर्तव्य होगा कि--

(क) वह मूल्यों में कटौती का आदेश दे;

(ख) प्राधिकरण का यह कर्तव्य होगा कि यह मूल्यों में कटौती की अनुरूपता से होने वाली रकम के समकक्ष रकम, उच्च दर पर रकम संग्रहित करणे की तारीख से वापिस करने की तारीख तक अठारह प्रतिशत की दर पर ब्याज सहित प्राप्तिकर्ता को वापिस करने का आदेश दे; या वसूली की रकम वापस नहीं की गई है, यथास्थिति उस दशा में जहां पात्र व्यक्ति वापस की गई रकम पर दावा नहीं करता है या पहचान नहीं हुई है और धारा 57 में निर्दिष्ट निधि में समान रूप से जमा करेगा।

(ग) अधिनियम के अधीन यथाविहित शास्ति अधिरोपित करना; और

(घ) अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकरण को रद्द करना।

128. स्थायी समिति और छानबीन समिति द्वारा आवेदन का परीक्षण-- (1) स्थायी समिति, किसी हितबद्ध पक्षकार या आयुक्त या किसी अन्य व्यक्ति से, उनके द्वारा ऐसी विनिर्दिष्ट रूप और रीति में लिखित आवेदन की प्राप्ति के दो माह की अवधि के भीतर, आवेदन में उपबंधित साक्ष्य की यथार्थता और यथायोग्यता का परीक्षण करेगी जिससे यह अवधारित किया जा सके कि क्या आवेदक का दावा कि किसी माल या सेवा के प्रदाय में कर की दर में कटौती या इनपुट कर प्रत्यय का फायदा, मूल्यों में कटौती की अनुरूपता से प्राप्तिकर्ता तक नहीं पहुंच पाया है, दावे के समर्थन के लिए क्या प्रथम दृष्टया साक्ष्य है।

- (2) स्थानीय प्रकृति के मामलों पर हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त सभी आवेदनों का प्रथमतः राज्य स्तरीय छानबीन समिति और छानबीन समिति द्वारा किया जाएगा, यह समाधान होने पर कि प्रदायकर्ता ने धारा 171 के उपबंधों का उल्लंघन किया है, उसकी सिफरिशों सहित आवेदन को स्थायी समिति के पास अग्रिम कार्यवाही के लिए अग्रेषित करेगा।
129. आरंभ और कार्यवाहियों के परिचालन के सिद्धांत--: (1) जहां स्थायी समिति ने अपना समाधान कर लिया है कि वहां दिखाने के प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि प्रदायकर्ता द्वारा माल और सेवाओं के प्रदाय पर कर की दर में कटौती का फायदा या इनपुट कर प्रत्यय का फायदा, मूल्यों में कटौती की अनुरूपता से प्राप्तिकर्ता तक नहीं पहुंच पाया है, मामले को व्यौरवार अन्वेषण के लिए रक्षोपाय महानिदेशालय को निर्दिष्ट करेगी।
- (2) रक्षोपाय महानिदेशालय अन्वेषण संचालित करेगा और क्या माल या सेवाओं के किसी प्रदाय पर कर की दर में कोई कटौती या इनपुट कर प्रत्यय पर फायदा, मूल्यों में कटौती की अनुरूपता से प्राप्तिकर्ता तक पहुंचा है, आवश्यक साक्ष्य संग्रहित करेगा।
- (3) रक्षोपाय महानिदेशालय, अन्वेषण के आरंभ से पूर्व, हितबद्ध पक्षकारों को सूचना जारी करेगा, जिसमें अन्य बातों के साथ निम्नलिखित यथायोग्य सूचना अंतर्विष्ट है, अर्थात् --:
- (क) माल या सेवाओं का विवरण जिसके संदर्भ में कार्यवाहियां आरंभ की गई हैं;
- (ख) तथ्यों के विवरण का सार जिस पर आरोप आधारित है;
- (ग) हितबद्ध व्यक्तियों और अन्य व्यक्तियों को जिनके पास उनके उत्तर के लिए कार्यवाहियों से संबंधित सूचना हो सकती है अनुज्ञात समय-सीमा।
- (4) रक्षोपाय महानिदेशालय ऐसे अन्य व्यक्तियों जो मामले में ऋजु जांच के लिए उपयुक्त संमझे गए हैं, को सूचना जारी कर सकेगा।
- (5) रक्षोपाय महानिदेश, उसके समक्ष कार्यवाहियों में भाग ले रही किसी एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को दिए गए साक्ष्यों को उपलब्ध करवाएगा।
- (6) रक्षोपाय महानिदेशालय स्थायी समिति से निर्देश की प्राप्ति से तीन मास की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि जो आगे तीन मास की अवधि से अनधिक हो के लिए स्थायी समिति से यथा अनुज्ञात लिखित में दिए गए कारणों द्वारा अन्वेषण पूर्ण करेगा और अन्वेषण के पूर्व होने पर, सुसंगत अभिलेखों के साथ उनके निष्कर्ष की एक रिपोर्ट प्राधिकरण को सौंपेगा।
130. सूचना की गोपनीयता--: (1) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (2005 का 22) की धारा 11 के उपबंध, नियम 129 के उपनियम (3) और (5) और नियम 133 के उपनियम (2) में अन्य बातों के साथ अंतर्विष्ट होते हुए भी, किसी जानकारी के स्पष्टीकरण को जो सूचना गोपनीयता के आधार पर यथा आवश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी।
- (2) रक्षोपाय महानिदेशालय, पक्षकार जो गोपनीयता के आधार पर जानकारी दे रहे हैं से गैर-गोपनीय सार देने की अपेक्षा कर सकेगा और यदि, ऐसी जानकारी देने वाले पक्षकार की यह राय है कि ऐसी जानकारी का सार नहीं किया जा सकता, ऐसे पक्षकार रक्षोपाय महानिदेशालय को, कि क्यों सार करना संभव नहीं है के कारणों का विवरण प्रस्तुत कर सकते हैं;

131. अन्य अभिकरणों या कानूनी प्राधिकरणों के साथ सहयोग--: जहां रक्षोपाय महानिदेशालय ठीक समझे, अपने कर्तव्यों के निर्वहन में किसी अन्य अभिकरण या कानूनी प्राधिकरण की राय मांग सकता है ।
132. साक्ष्य देने और दस्तावेज पेश करने के लिए व्यक्तियों को समन करने की शक्ति: (1) रक्षोपाय उपबंधित, उसी रीति में महानिदेशालय को किसी व्यक्ति को समन करने की शक्ति प्रयोग करने के लिए या धारा 70 के अधीन कोई अन्य चीज के लिए आवश्यक है, के लिए उचित अधिकारी समझा जाए और सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1980 का 5) के उपबंधों के अधीन सिविल न्यायालय की दशा में यथा जांच की शक्ति होगी ।
- (2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट सभी ऐसी जांच, भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860का 45) की धारा 228 और 193 के अर्थ के अंतर्गत "न्यायिक कार्यवाहियां" समझी जाएं ।
133. प्राधिकरण का आदेश--
- (1) प्राधिकरण, रक्षोपाय महानिदेशालय से रिपोर्ट प्राप्ति की तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर अवधारित करेगा कि क्या रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों ने माल या सेवाओं के प्रदाय पर कर की दर में कटौती या इनपुट कर प्रत्यय के फायदे, मूल्यों में कटौती की अनुरूपता से प्राप्तिकर्ता तक पहुंचाए हैं।
- (2) जहां ऐसे हितबद्ध पक्षकारों से लिखित में कोई प्रार्थना प्राप्त होती है, प्राधिकरण द्वारा हितबद्ध पक्षकारों को सुनने का एक अधिसूचना प्रदान करेगा ।
- (3) जहां प्राधिकरण यह अवधारित करता है कि रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति ने माल या सेवाओं के प्रदाय पर कर की दर में कटौती या इनपुट कर प्रत्यय को मूल्यों में कटौती की अनुरूपता से प्राप्तिकर्ता नहीं पहुंचाया है, प्राधिकरण :--
- (क) मूल्यों में कटौती का आदेश कर सकेगा;
- (ख) प्राप्तिकर्ता को, मूल्यों में कटौती की अनुरूपता से होने वाली रकम के समकक्ष रकम, उच्च दर पर रकम संग्रहित करने की तारीख से वापिस करने की तारीख तक अठारह प्रतिशत की दर पर ब्याज सहित, वापिस करने का आदेश दे सकेगा; या उस दशा में जहां पात्र व्यक्ति वापिस की रकम प्राप्त करने के लिए उपलब्ध नहीं है, खंड (ख) के अधीन वापिस नहीं की गई रकम की वसूली का आदेश दे सकेगा और उसे धारा 57 में निर्दिष्ट निधि में निक्षेप करेगा
- (ग) अधिनियम के अधीन यथाविहित शास्ति का अधिरोपण; और
- (घ) अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण ।

134. बहुमत द्वारा विनिश्चय.-- यदि प्राधिकरण के सदस्यों की राय किसी बिंदु पर भिन्न है, बिंदु बहुमत की राय अनुसार विनिश्चित होगा
135. रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा अनुपालना.-- इन नियमों के अधीन प्राधिकरण द्वारा पारित किसी आदेश की अनुपालना तुरंत रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा की जाएगी, जिसके न होने पर, यथास्थिति एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम या केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम या संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर अधिनियम या अपने-अपने राज्यों के राज्य माल और सेवा कर अधिनियम के अनुसार रकम वसूलने की कारवाई आरंभ की जाएगी ।
136. आदेश की मानीटरी.-- प्राधिकरण, उसके द्वारा पारित आदेश के क्रियान्वयन को मानीटर करने के लिए किसी केन्द्रीय कर, राज्य कर या संघ राज्य क्षेत्र कर प्राधिकरण की अपेक्षा कर सकता है ।
137. प्राधिकरण की अवधि.-- परिषद्, उस तारीख से जब से अध्यक्ष ने कार्यभार संभाला था, से दो वर्ष के पश्चात अस्तित्वहीन हो जाएगी, जब तक कि परिषद् अन्यथा सिफारिश न करे ।

स्पष्टीकरण: इस अध्याय के प्रयोजन के लिए,

- (क) "प्राधिकरण" से नियम 122 के अधीन गठित राष्ट्रीय मुनाफाखोरी रोधी प्राधिकरण अभिप्रेत है;
- (ख) "समिति" से नियम 123 के उपनियम (1) के निबंधनों में परिषद् द्वारा गठित मुनाफाखोरी रोधी स्थायी समिति अभिप्रेत है;
- (ग) "हितबद्ध पक्षकार" जिसके अंतर्गत--
क. कार्यवाहियों के अधीन माल और सेवाओं के प्रदायकर्ता ; और
ख. कार्यवाहियों के अधीन माल और सेवाओं के प्राप्तिकर्ता ;
- (घ) "छानबीन समिति" से नियम 123 के उपनियम (2) के निबंधनों में गठित राज्य स्तरीय छानबीन समिति अभिप्रेत है ।

अध्याय 16

ई-वे नियम

138. ई-वे नियम-- सरकार, ऐसे समय तक जब तक कि ई-वे बिल प्रणाली परिषद् द्वारा विकसित और अनुमोदित नहीं की जाती है, अधिसूचना द्वारा उन दस्तावेजों को विनिर्दिष्ट कर सकेगी जिन्हें उस व्यक्ति द्वारा जो प्रवहण जिसमें माल का परेषण किया जा रहा है, संचलन या अभिवहन भंडारण में माल ले जाने के दौरान अपने पास रखेगा ।

प्ररूप जीएसटी आईटीसी-01
[नियम 40(1) देखें]

धारा 18 की उपधारा (1) के अधीन इनपुट कर प्रत्यय के दावे की घोषणा

निम्नलिखित के अधीन दावा	
धारा 18 (1)(क)	<input type="checkbox"/>
धारा 18 (1)(ख)	<input type="checkbox"/>
धारा 18 (1)(ग)	<input type="checkbox"/>
धारा 18 (1)(घ)	<input type="checkbox"/>

[illegible]

*यदि बीजक की पहचान करना संभव नहीं है, पहले प्राप्त बीजक के सिद्धांत का अनुसरण किया जा सकेगा

8. धारा 18 (1) (ग) या धारा 18 (1) (घ) के अधीन दावा

ऐसे इनपुट के स्टाक, ऐसे अर्धपरिरूपित माल या परिरूपितमाल और पूंजीमाल में, जिन पर इनपुट टैक्स प्रत्यय का दावा किया गया है, अंतर्विष्ट इनपुट के व्योरे

अनुक्रमिक	प्रदायकर्ता का जीएसटीआईएन/सीएस/मूल्य वर्धित कर के अधीन रजिस्ट्रीकरण	बीजक */ प्रवेश पत्र		स्टाक में धारित इनपुट, स्टॉक में धारित अर्धपरिरूपित माल या परिरूपित माल में अंतर्विष्ट इनपुट, पूंजी माल का विवरण	इकाई परिमाण कोड (यूक्यू सी)	परिमाण	मूल्य (नामे नोट/साबपत्र द्वारा यथा समायोजित)	दावा किए गए इनपुट कर के प्रत्यय की रकम (रु.)				
		सं.	तारीख					केन्द्रीय कर	राज्य कर	संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
8 (क) स्टॉक में धारित इनपुट												

प्ररूप जीएसटी आईटीसी -02
[नियम - 41(1) देखें]

धारा 18 की उपधारा (3) के अधीन किसी कारबार के विक्रय, विलयन, निर्वलयन, समामेलन, पट्टा या अंतरण की दशा में इनपुट कर प्रत्यय के अंतरण की घोषणा

1.	अंतरक का जीएसटीआईएन	
2.	अंतरक का विधिक नाम	
3.	व्यापार का नाम, यदि कोई हो	
4.	अंतरिती का जीएसटीआईएन	
5.	अंतरिती का विधिक नाम	
6.	व्यापार का नाम, यदि कोई हो	

7. अंतरित किए जाने वाले इनपुट कर प्रत्यय के ब्यौरे

कर	उपलब्ध सुमेलित इनपुट कर प्रत्यय की रकम	अंतरित की जाने वाली सुमेलित इनपुट कर प्रत्यय की रकम
1	2	3
केन्द्रीय कर		
राज्य कर		
संघ राज्यक्षेत्र कर		
ऐकीकृत कर		
उपकर		

8. प्रमाणित करने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट या लागत लेखापाल की विशिष्टियां

(क) प्रमाणपत्र जारी करने वाली फर्म का नाम

(ख) प्रमाणित करने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट/लागत लेखापाल का नाम

(ग) सदस्यता संख्यांक

(घ) अंतरक को प्रमाणपत्र जारी करने की तारीख

(ङ) संलग्नक (प्रमाणपत्र अपलोड करने का विकल्प)

9. सत्यापन

मैं _____ एतद् द्वारा, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सत्य और सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर _____

नाम _____

पदनाम/प्रास्थिति _____

तारीख --- दिन/मास/वर्ष _____

प्ररूप जीएसटी आईटीसी -03
[नियम - 44(4) देखिए]

धारा 18 की उपधारा (4) के अधीन विपर्यय इनपुट कर प्रत्यय की सूचना/स्टाक में धारित इनपुट, स्टाक में धारित अर्धपरिरूपित और परिरूपित माल में अंतर्विष्ट इनपुट पर कर के संदाय की घोषणा

1. जीएसटीआईएन	
2. विधिक नाम	
3. व्यापार का नाम, यदि कोई हो	
4(क). संरचना स्कीम के विकल्प के लिए फाइल किए गए आवेदन के ब्यारे	(i) आवेदन संदर्भ संख्या (एआरएन)
केवल धारा 18 (4) के लिए लागू	(ii) फाइल करने की तारीख
4(ख). तारीख जिससे छूट प्रभावी होगी	
केवल धारा 18 (4) के लिए लागू	

5. स्टाक में धारित इनपुट, स्टाक में धारित अर्धपरिरूपित और परिरूपित माल में अंतर्विष्ट इनपुट और पूंजी माल के स्टॉक के ब्यारे जिन पर धारा 18(4) के अधीन इनपुट कर प्रत्यय का संदाय किया जाना अपेक्षित है

अनुक्रमिक	प्रदायक की का जीएसटी आईएन/ सीएस/ मूल्य वर्धित कर के अधीन रजिस्ट्री करण	*बीजक प्रवेश पत्र		स्टाक में धारित इनपुट, स्टॉक में धारित अर्धपरिरूपित माल या परिरूपित माल में अंतर्विष्ट इनपुट और पूंजी माल का विवरण	इकाई परिमाण कोड (यूएल सी)	परिमाण	मूल्य** (नाम नोट/ जमा खाता द्वारा समायोजित)	दावा किए गए इनपुट कर प्रत्यय की रकम (रु.)				
		सं.	तारीख					केन्द्रीय कर	राज्य कर	संघ राज्यसेवा कर	एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

[illegible]

* (1) यदि बीजक की पहचान करना संभव नहीं है, पहले प्राप्त बीजक के सिद्धांत का अनुसरण किया जा सकेगा

(2) यदि कतिपय इनपुट के लिए बीजक उपलब्ध नहीं हैं तो मूल्य का प्राक्कलन अधिभावी बाजार कीमत के आधार पर किया जाएगा।

** पूर्ण माल का मूल्य किसी वर्ष की प्रति तिमाही या बीजक की तारीख से उसके किसी भाग के पांच प्रतिशत को घटाकर बीजक मूल्य होगा।

6. संदेय और संदत्त इनपुट कर प्रत्यय की रकम (सारणी 5 के आधार पर)

अनुक्रमांक	विवरण	संदेय कर	नकद / जमा खाता द्वारा संदाय	विकलन प्रविष्टि संख्या	संदत्त इनपुट कर प्रत्यय की रकम				
					केन्द्रीय कर	राज्य कर	संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	केन्द्रीय कर		नकद खाता						
			जमा खाता						
2.	राज्य कर		नकद खाता						
			जमा खाता						
3.	संघ राज्यक्षेत्र कर		नकद खाता						
			जमा खाता						
4.	एकीकृत कर		नकद खाता						
			जमा खाता						
5.	उपकर		नकद खाता						
			जमा खाता						

7. सत्यापन

में एतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सत्य और सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

5. कार्य कर्मकार से वापिस प्राप्त या कार्य-संकर्म के कारवार स्थान से बाहर भेजे गए इनपुट/पूँजी माल का ब्यौरा

जीएसटीआईएन/बरजिस्ट्रीकृत कार्य-कर्मकार के मामले में व्यवस्था	अन्य कार्य कर्मकार से वापिस प्राप्त/भेजा गया/कार्य कर्मकार के परिसर से प्रदायित	मूल चालान संख्या	मूल चालान तारीख	यदि अन्य कार्य कर्मकार को भेजा गया था, चालान ब्यौरा		कार्य कर्मकार के परिसर से प्रदायित की दशा में बीजक का ब्यौरा		विवरण	यूक्यूसी	परिमाण	करायेय मूल्य	
				संख्या तारीख	जीएसटीआईएन /बरजिस्ट्रीकृत कार्य-कर्मकार के मामले में व्यवस्था	संख्या तारीख						
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

6. सत्यापन

मैं, एतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई सूचना मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

हस्ताक्षर

स्थान: प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

तारीख: पदनाम/प्रास्थिति:.....

प्ररूप जीएसटी ईएनआर-01

[नियम 58(1) देखिए]

धारा 35(2) के अधीन नामांकन के लिए आवेदन

[केवल अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के लिए]

1. विधिक नाम

	व्यापार नाम, यदि कोई हो			
	स्थायी खाता संख्या (पैन)			
	आधार (केवल संबद्ध स्वत्वधारिता के मामले में लागू)			
2.	नामांकन का प्रकार			
	परिवाहक <input type="radio"/> गोदाम स्वामी/प्रचालक <input type="radio"/> डांगार स्वामी/प्रचालक <input type="radio"/> शीतागार स्वामी/प्रचालक <input type="radio"/>			
3.	कारबार का गठन (कृपया समुचित चयन करें)			
	(एक) स्वत्वधारिता <input type="radio"/>	(दो) भागीदारी <input type="radio"/>		
	(तीन) हिन्दू अविभक्त कुटुंब <input type="radio"/>	(चार) प्राइवेट लिमिटेड कंपनी <input type="radio"/>		
	(पांच) पब्लिक लिमिटेड कंपनी <input type="radio"/>	(छह) सोसाइटी/क्लब/न्यास/व्यक्तियों का संगम <input type="radio"/>		
	(सात) सरकारी विभाग <input type="radio"/>	(आठ) पब्लिक सेक्टर उपक्रम <input type="radio"/>		
	(नौ) असीमित कंपनी <input type="radio"/>	(दस) सीमित दायित्व भागीदारी <input type="radio"/>		
	(ग्यारह) स्थानीय प्राधिकारी <input type="radio"/>	(बारह) कानूनी निकाय <input type="radio"/>		
	(तेरह) विदेशी लिमिटेड दायित्व भागीदारी <input type="radio"/>	(चौदह) रजिस्ट्रीकृत विदेशी कंपनी (भारत में) <input type="radio"/>		
	(पंद्रह) अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें) <input type="radio"/>			
4.	राज्य का नाम			जिला
5.	अधिकारिता के ब्यौरे			
	केन्द्र			राज्य
6.	कारबार प्रारंभ करने की तारीख			
7.	कारबार का मुख्य स्थान की विशिष्टियां			
(क)	पता	अ		
	भवन सं०./फ्लैट सं०.			तल सं०.
	परिसर/भवन			सड़क/गली
	शहर/नगर/परिक्षेत्र/ग्राम			जिला
	तलुका/ब्लाक			
	राज्य			पिन कोड
	अक्षांश			देशांतर (रेखांश)

(ख)	संपर्क सूचना				
कार्यालय ई-मेल पता		कार्यालय टेलीफोन नं०	एसटीडी		
मोबाइल नं०		कार्यालय फैक्स नं०	एसटीडी		
(ग)	परिसर का स्वरूप				
स्वामित्व	पट्टे पर	किराए पर	सम्मति	अंशित	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)
(घ)	ऊपर उल्लिखित परिसर पर किए जा रहे क्रियाकलाप के कारबार की प्रकृति				
भांडागार/डिपो	<input type="radio"/>	गोदाम	<input type="radio"/>	खुदरा कारबार	
कार्यालय/विक्रय कर्मचारी	<input type="radio"/>	शीतागार	<input type="radio"/>	परिवहन सेवाएं	
अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	<input type="radio"/>				
8.	कारबार के अतिरिक्त स्थान और ब्यौरे	कारबार के अतिरिक्त स्थान (स्थानों) के लिए जोड़े यदि कोई हो (मद 7(क), (ख), (ग) और (घ) के अनुसार वही सूचना भरें)			
9.	बैंक खाते के ब्यौरे				

कारबार के संचालन के लिए आवेदक द्वारा अनुरक्षित कुल बैंक खाता संख्या (10 तक बैंक खातों की रिपोर्ट की जाए)	
---	--

बैंक खाते का ब्यौरा 1

खाता संख्या																			
खाता का प्रकार	आईएफएस सी																		
बैंक का नाम																			
शाखा का पता	स्वतः भरा जाना चाहिए (संपादकीय रूप में)																		

टिप्पण : और खाते जोड़ें

10.	स्वत्वधारी/सभी भागीदार/कर्ता/प्रबंध निदेशक और पूर्णकालिक निदेशक/संगमों की समिति प्रबंध के सदस्य/न्यासियों के बोर्ड आदि के ब्यौरे।
-----	---

विशिष्टियां	पहला नाम	मध्य नाम	अंतिम नाम
नाम			
फोटो			
पिता का नाम			
जन्म की तारीख	तारीख/मास/वर्ष	लिंग	<पुरुष, स्त्री, अन्य>
मोबाइल नं०		ई-मेल पता	
टेलीफोन नं०, एसटीडी सहित			
पदनाम/प्रास्थिति		निदेशक पहचान संख्या (यदि कोई हो)	

स्थायी खाता संख्या (पैन)		आधार सं०	
क्या आप भारत के नागरिक हैं ?	हां/ नहीं	पासपोर्ट सं०. (विदेशियों के मामले में)	
निवास का पता :			
भवन सं०/फ्लैट सं०		तल सं०	
परिसर/भवन		सड़क/गली	
शहर/नगर/परिक्षेत्र/ग्राम		जिला	
ब्लाक/तलुका		पिन कोड	
राज्य		जिप कोड	
देश (केवल विदेशी के मामले में)			

11.	प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के ब्यौरे		
विशिष्टियां	पहला नाम	मध्य नाम	अंतिम नाम
नाम			
फोटो			
पिता का नाम			
जन्म की तारीख	तारीख/मास/वर्ष	लिंग	<पुरुष, स्त्री, अन्य >
मोबाइल सं०		ई-मेल पता	
टेलीफोन सं०, एसटीडी सहित			
पदनाम /प्रास्थिति		निदेशक पहचान संख्या (यदि कोई हो)	
स्थायी खाता संख्या (पैन)		आधार सं०	
क्या आप भारत के नागरिक हैं ?	हां/ नहीं	पासपोर्ट सं०. (विदेशियों के मामले में)	

भारत में निवास का पता			
भवन सं०/फ्लैट सं०		तल सं०	
परिसर/भवन का नाम		सड़क/गली	
ब्लाक/तलुका			
शहर/नगर/परिक्षेत्र/ग्राम		जिला	
राज्य		पिन कोड	

12.	सम्मति
<p>मैं, प्रमाणीकरण के प्रयोजन के लिए यूआईडीएआई से मेरे ब्यौरे अभिप्राप्त करने के "माल और सेवा कर नेटवर्क" के लिए सम्मति दिए गए प्ररूप में उपबंधित आधार संख्या पर आधारित पहले भरे गए आधार संख्या के धारक के ओर से हूँ। "माल और सेवा कर नेटवर्क" ने मुझे सूचना दी है कि पहचान आधार धारक के पहचान विधिमान्यता के लिए केवल उपयोगी होगा और प्रमाणांकन के प्रयोजन के लिए केन्द्रीय पहचान झूटा कोप के साथ साझा किया जाएगा।</p>	

13. अपलोड किए गए दस्तावेजों की संख्या (पहचान और पता की सबूत)

14. सत्यापन

मैं एतद्वारा सत्यनिष्ठा पूर्वक प्रतिज्ञान करत हूँ और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई सूचना मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास से सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

हस्ताक्षर

स्थान :

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम.....

तारीख :

पदनाम/प्रास्थिति

कार्यालय उपयोग के लिए -

नामांकन सं०.

तारीख

6. शून्य दर से प्रदाय और समझा गया निर्यात

प्राप्तकर्ता का जीएसटी आईएन	बीजक ब्यौरे			बिल लदान/निर्यात का बिल		एकीकृत कर		
	संख्या	तारीख	मूल्य	संख्या	तारीख	दर	कराधेय मूल्य	रकम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
6क. निर्यात								
6ख. एस ईजेड ईआई या एस ई जेड विकासकर्ता को की गई प्रदाय								
6ग. समझा गया निर्यात								

7. सारणी 5 में आने वाली प्रदाय से भिन्न अपंजीकृत व्यक्तियों को कराधेय प्रदाय (शुद्ध नामे नोट और साखपत्र)

कर की दर	कुल कराधेय मूल्य	रकम			
		एकीकृत	केन्द्रीय कर	राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र	उपकर
1	2	3	4	5	6
7अ. अन्तरराज्यिक प्रदाय					
7क (1). एकीकृत दर वार सार्वजनिक प्रदाय [ई-वाणिज्य प्रचालक टीसीएस संबंधी प्रदाय सहित]					
7क (2) 7 आ (1) में प्रदाय से हर उल्लिखित किया गया, टीसीएस संबंधी ई-वाणिज्य प्रचालन के माध्यम से की गई प्रदाय सहित					
ई-वाणिज्य प्रचालन का जी एस टी आई एन					
7ख. अन्तरराज्यिक प्रदाय, जहां बीजक मूल्य 2.5 लाख रु0 तक है (दर वार)					
7ख (1). प्रदाय का स्थान (राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र का नाम)					
7आ (2). 7 आ (1) में उल्लिखित प्रदाय से बाहर, ई-वाणिज्य प्रचालन के माध्यम से की गई प्रदाय (प्रचालक वार, दर वार)					
ई-वाणिज्य प्रचालन का जी एस टी आई एन					

8. शून्य दर, छूट-प्राप्त और गैर जीएसटी बाह्य प्रदाय

विवरण	शून्य दर प्रदाय	शून्य छूट-प्राप्त दर/गैर जी एस टी से भिन्न प्रदाय	गैर-जीएसटी प्रदाय
1	2	3	4
8क. पंजीकृत व्यक्तियों को अन्तरराज्यिक प्रदाय			
8ख. पंजीकृत व्यक्तियों को अन्तरराज्यिक प्रदाय			
8ग. अपंजीकृत व्यक्तियों को अन्तरराज्यिक प्रदाय			
8घ. अपंजीकृत व्यक्तियों को अन्तरराज्यिक प्रदाय			

[illegible]

कर की दर	कुल कराधेय मूल्य	रकम			
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6
कर कालावधि जो ब्यौरे के लिए पुनरीक्षित किए जा रहे हैं					
10क. अन्तरराज्यिक प्रदाय (टीसीएस के संबंधी ई-वाणिज्य प्रचालन के माध्यम से की गई प्रदाय सहित) (दर वार)					
10क. (1) 10क में उल्लिखित प्रदाय से बाहर, टी सी एस से संबंधी ई-वाणिज्य प्रचालन के माध्यम से की गई प्रदाय का मूल्य (प्रचालक वार, दर वार)					
ई-वाणिज्य प्रचालक का जी एस टी आई एन					
10ख. अंतरराज्यिक प्रदाय [टी सी एस से सम्बन्धी ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से की गई प्रदाय सहित] (कर वार)					
प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)					
10ख (1) में उल्लेखित प्रदाय से बाहर टी सी एस से सम्बन्धी ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से की गई प्रदाय का मूल्य (प्रचालक वार, दर वार)					
ई-वाणिज्य प्रचालन का जी एस टी आई एन					

दर	कुल अग्रिम प्राप्त/समयोजित	प्रदाय का स्थान (राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र का)	रकम			
			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7
I चालू कर अवधि के लिए सूचना						
11क. कर अवधि में अग्रिम रकम की प्राप्ति जिसके लिए बीजक नहीं जारी किया गया (कर रकम को इनपुट कर दायित्व को जाड़ा जाएगा)						
11क (1). अन्तरराज्यिक प्रदाय (कर वार)						
11क (2). अन्तरराज्यिक प्रदाय (कर वार)						

11ख. पूर्वतर कर अवधि में अग्रेम रकम की प्राप्ति और सारणी संख्या 4,5,6 और 7 में दिखाये गये कर अवधि में प्रदाय के विरुद्ध समायोजन										
11ख. (1). अन्तरराज्यिक प्रदाय (कर वार)										
11ख (2). अन्तरराज्यिक प्रदाय (कर वार)										
II पूर्वतर कर अवधि के लिए जी एस टी आर-1 विवरणी में सारणी सं० 11 (1) में दी गई सूचना का संशोधन [पुनरीक्षित सूचना देना]										
माह							क्रम सं० (चयन) में दी गई सूचना से सम्बन्धित संशोधन	11क(1)	11क(2)	11ख(1) 11ख(2)

12. बाह्य प्रदाय का एच एस एन-वार संक्षिप्त विवरण

क्रम संख्या	एच एस एन	विवरण (वैकल्पिक, यदि एच एस एन प्रदान किया गया हो)	यू क्यू सी	कुल परिमाण	कुल मूल्य	कुल कराधेय	रकम			
							एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

13. कर कालावधि के दौरान जारी किए गये दस्तावेज

क्रम संख्या	दस्तावेज की प्रकृति	क्रम सं०		कुल संख्या	रद्द	शुद्ध जारी किया गया
		से	तक			
1	2	3	4	5	6	7
1	बाह्य प्रदाय के लिये बीजक					
2	अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से आवक प्रदाय के लिए बीजक					
3	पुनरीक्षित बीजक					
4	नाम नोट					
5	साखपत्र					
6	प्राप्ति वाउचर					
7	भुगतान वाउचर					
8	वापसी वाउचर					
9	जॉब वर्क के लिए चालान वितरण					
10	अनुमोदन पर प्रदाय के लिए वितरण चालान					
11	द्रव गैस की दशा में वितरण चालान					
12	प्रदाय से भिन्न मामलों में वितरण चालान (क्रम सं० 9 से 11 को छोड़कर)					

सत्यापन

मैं, एतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई सूचना मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है और उत्पाद कर पर दायित्व में किसी कटौती की दशा में उसके फायदे प्रदाय करने वाले प्राप्तिकर्ता को पहुँचे/पहुँचाए जाएंगे।

स्थान

हस्ताक्षर

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

पदनाम/प्रास्थिति

1. प्रयुक्त शब्द:

- क. जीएसटीआईएन: माल और सेवा कर पहचान संख्या
- ख. यूआईएन: यूनिक पहचान संख्या
- ग. यूक्यूसी: यूनिक परिमाण कोड
- घ. एचएसएन: नाम पद्धति की सामंजस्यपूर्ण प्रणाली
- ड. पीओएस: प्रदाय का स्थान (अपने अपने राज्य/संघ राज्यक्षेत्र)
- च. बी से बी: एक पंजीकृत व्यक्ति से दूसरे पंजीकृत व्याक्ति को
- छ. बी से सी: पंजीकृत व्यक्ति से अपंजीकृत व्यक्ति को

2. जीएसटी आर-1 के ब्यौरे मास की 10 तारीख को उत्तरवर्ती सुसंगत कर अवधि में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

3. करदाता का सम्मिलित आवर्त ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष और चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही के लिए सारणी 3 की प्रारंभिक सूचना में प्रकाशित किया जाएगा। यह सूचना केवल प्रथम वर्ष में करदाता द्वारा प्रस्तुत किए जाने की अपेक्षा की जायेगी। पश्चातवर्ती विवरणियों में तिमाही आवर्त सूचना नहीं आयेगी। पश्चातवर्ती वर्षों में सम्मिलित आवर्त स्वतः वासित कहे जाएंगे।

4. कर अवधि से सम्बंधित बीजक स्तर की सूचना सभी प्रदाय के लिए प्रकाशित होनी चाहिए जो निम्नलिखित है--:

(एक) सभी बी से बी प्रदायों के लिए (चाहे अंतरराज्यिक या अंतःराज्यिक हो) बीजक स्तर के ब्यौर दर कर, साथ ही साथ प्रतिवर्ती प्रकार संबंधी प्रदाय और ई वाणिज्य प्रचारक से जो प्रावित है सारणी 4 में अपलोड किया जाना चाहिए इन प्रवर्गों में जावक प्रदाय सूचना सारणी पृथक दी जाएगी।

(दो) सभी अंतरराज्यिक बी से सी प्रदाय के लिए, जहां बीजक मूल्य 2,50,000/- रु से अधिक है (बी से सी बृहद बीजक स्तर के ब्यौरे दरद्वारा सारणी 5 में अपलोड किया जाना चाहिए; और

(तीन) सभी बी से सी प्रदाय (चाहे अंतरराज्यिक या अंतःराज्यिक हो) जहां बीजक मूल्य 2,50,000 रु तक हो प्रदाय का राज्यवार संक्षिप्त विवरण, दरवार-, सारणी 7 में अपलोड किया जाना चाहिए।

5. सारणी 4 में जाने वाली सूचना जो बी से बी प्रदाय से सम्बंधित है :

(एक) क. प्रतिवर्ती प्रभार से भिन्न/ई-वाणिज्य प्रचारक, दर-वार के माध्यम के किए गए प्रदाय

सारणी 4क में आएगा ;

ख. प्रतिवर्ती प्रभार, दर-वार से सम्बंधी प्रदाय सारणी 4ख में आएगा; और

ग. इस अधिनियम की धारा 52 के अधीन, कर, संग्रहण से संबंधित ई-वाणिज्य प्रचारक के माध्यम से किए गए प्रदाय सारणी 4ग में आएगा।

दो. यहां वह केवल प्रासिकर्ता के स्थान से भिन्न है तो प्रदाय का स्थान होगा।

6. ख से ग बृहद बीजक की सूचना और सूचना जो सारणी 4 के समरूप होगी वें सारणी 5 में आएंगी इस सारणी में प्रदाय के स्थान पीओएस का स्तंभ आज्ञापक है।

7. सारणी 6 में वह सूचना आएगी जो निम्नलिखित से संबंधित है:

(एक) भारत से बाहर निर्यात

(दो) विशेष आर्थिक जोन, ईकाई / और विशेष आर्थिक जोन विकासकर्ता को प्रदाय

(तीन) समझे गए निर्यात।

8. सारणी 6 में पोत परिवहन पत्र और उसकी तारीख के बारे में सूचना दिया जाना आवश्यक है। फिर भी, यदि पोत परिवहन पत्र उपलब्ध नहीं है, तो भी सारणी 6 में ही सूचना देना होगा। लेकिन उक्त बीजक से संबंधित किसी प्रतिदाय/छूट से पूर्व कर कालावधि में, सारणी 9 में संशोधन के संबंध में, जिसके ब्यौरे उपलब्ध हों, सूचना के माध्यम से अद्यतन किया जा सकता है। पोत परिवहन पत्र के ब्यौरे पत्तन कोड (छः अंक) के साथ 13 अकों में दिये जाएंगे, जो पोत परिवहन पत्र की संख्या द्वारा अनुसारित किया जाएगा।

9. विशेष आर्थिक जोन द्वारा डी टी ए को प्रवेश पत्र के आवरण के बिना किया गया कोई भी प्रदाय, जी एस टी आर-1 में विशेष आर्थिक क्षेत्र द्वारा की गई रिपोर्ट अपेक्षित है, प्रवेशपत्र के आवरण पर विशेष आर्थिक इकाई द्वारा किए गए प्रदाय को जैसा कि जी एरा टी आर-2 में आयातित है, उसके जीएसटी आर-2 में डी टी ए ईकाई द्वारा रिपोर्ट किया जाएगा। सेवाओं के प्रदाय से संबंध में आई जीएसटी के संदाय के लिए दायित्व का सृजन इस सारणी से किया जाएगा।

10. निर्यात संव्यवहारों के मामले में प्रासिकर्ता का जीएसटीआईएन वहां नहीं होगा, अतः यह रिक्त रहेगा।

11. निर्यात संव्यवहारों को, जीआईजीएसटी (बंधपत्र/वचनबंध पत्र के अधीन) के संदाय के बिना प्रभावित हुए उन्हें सारणी 6क और 6ख में "0" कर रकम शीर्षक के अधीन रिपोर्ट करना आवश्यक है।

12. कराधेय प्रदाय के बारे निम्नलिखित सूचना सारणी 7 में दी जाएगी :

(एक) बी से सी प्रदाय (चाहे वह अन्तरराज्यिक या अन्तराज्यिक हो) जिसका बीजक मूल्य 2,50,000 रु0 तक हो ;

(दो) विशिष्ट कर अवधि में बनाये रखे गए नामे नोट/साखपत्र का शुद्ध कराधेय मूल्य और पूर्ववर्ती कर अवधियों से संबंधित सूचना, जिसे पूर्व में रिपोर्ट नहीं किया गया था, उसे सारणी 10 में रिपोर्ट किया जाएगा। यदि आवश्यक हुआ तो नकारात्मक मूल्य इस सारणी में उल्लिखित किया जा सकता है।

(तीन) इस अधिनियम की धारा 52 के अधीन कर संग्रहण से संबंधी ई-वाणिज्य प्रचालक से प्रभावित संव्यवहार जिसे प्रचालकवार और दर वार प्रावधानित किया गया है ;

(चार) खेत पर कर संग्रहण से संबंधी ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से किए गए प्रदायों सहित कुल अंतःराज्यिक प्रदाय, दर वार सारणी 7 अ(1) में आते हैं, और कुल प्रदाय से बाहर खेत पर कर संग्रहण से संबंधी ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से किए गए प्रदाय सारणी 7 अ(2) में आते हैं, जो सारणी 7 अ(1) में रिपोर्ट किए जाएंगे।

(पांच) खेत पर कर संग्रहण से संबंधी ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से किए गए प्रदायों सहित कुल अंतःराज्यिक प्रदाय, दर वार सारणी 7 आ(1) में आते हैं, और कुल प्रदाय से बाहर खेत पर कर संग्रहण से संबंधी ई-वाणिज्य प्रचालक के माध्यम से किए गए प्रदाय सारणी 7 अ(2) में आते हैं, जो सारणी 7 आ(1) में रिपोर्ट किए जाएंगे ; और

(छह) राज्य वार और दर वार सूचना सारणी 7आ में आयेगी।

13. सारणी 9 में निम्नलिखित सूचना आएगी :

(एक) सारणी 4 में रिपोर्ट की गई बी से बी प्रदायों का संशोधन, सारणी 5 में रिपोर्ट की गई बी से सी बृहद् प्रदाय और सारणी 6 में रिपोर्ट किए गए अंतर्ग्रस्त निर्यातों/ विशेष आर्थिक जोन ईकाई या विशेष आर्थिक जोन विकासकर्ता/ समझे गए निर्यात से सम्मिलित प्रदाय ;

(दो) दर वार दी गई सूचना ;

(तीन) जारी किए गए नामे नोट /जमापत्र की मूलतः सूचना और इसके संशोधन, जो पूर्वतर कर अवधियों में प्रकाशित किए गये थे, भी आते हैं। जब सूचना प्रस्तुत की जा रही हो, तब मूलतः नामे नोट /साखपत्र, बीजक के ब्यौरे प्रथम तीन स्तंभों में उल्लिखित किए जाएंगे, जब नामे नोट/ साखपत्र का पुनरीक्षण किया जा रहा हो, तब मूलतः नामे नोट/ साखपत्र के ब्यौरे इस सारणी में प्रथम तीन स्तंभों में उल्लिखित किए जाएंगे ;

(चार) यदि वह केवल प्राप्तकर्ता के स्थान से भिन्न है, तो प्रदान करने का स्थान (पीओएस) होगा ;

(पांच) जारी किए गए बीजकों से संबंधित कोई भी नामे नोट/साखपत्र विद्यमान विधि के अधीन नियत दिन के पूर्व सारणी में भी प्रकाशित की गई थी; और

(छह) केवल निर्यात संव्यवहार संशोधन के मामले में पोत परिवहन पत्र प्रदान करने के लिए;

14. सारणी 10, सारणी 9 के समरूप है लेकिन बी से सी प्रदायों से संबंधित संशोधन सूचना सारणी 7 में रिपोर्ट की गई है

15. कर कालावधि में अग्रिम प्राप्ति, दर कर से संबंधित सूचना और अपने-अपने प्रदाय के स्थान के साथ संदत्त कर सारणी 11 अ में आते हैं। अग्रिम प्राप्ति पर संशुद्ध कर के समायोजन के लिए और चालू कर कालावधि में जारी किए गए बीजकों के लिए पूर्वतर कर अवधि में जारी किए गए बीजकों के लिए पूर्वतर कर अवधि में प्रकाशित की गई सारणी 11 ख में सूचना भी सम्मिलित करता है। केवल यदि उसी कर अवधि में, जिसमें अग्रिम प्राप्त किया गया था, बीजक जारी नहीं किया गया है, तो अग्रिम से संबंधित सूचना के ब्यौरे प्रस्तुत किए जाएंगे।

16. प्रदायों का संक्षिप्त विवरण, जो विशिष्टियां एच एस एन कोड से प्रभावित है, केवल संक्षिप्त विवरण सारणी में प्रकाशित किया जाएगा। ऐसे करदाताओं के लिए जिसकी वार्षिक आवर्त 1.5 करोड़ तक है, उसके लिए यह वैकल्पिक होगा, परंतु उन्हें मालों के विवरण की सूचना उपलब्ध कराना आवश्यक होगा।

17. ऐसे करदाताओं के लिए जिनका पूर्वतर वर्ष में वार्षिक आवर्त 1.5 करोड़ ₹0 से 5.00 करोड़ ₹0 तक था, उन्हें दो अंकीय स्तर में, और ऐसे करदाताओं के लिए, जिनका वार्षिक आवर्त 5.00 करोड़ ₹0 से अधिक था, उन्हें चार अंकीय स्तर में एच एस एन कोड की रिपोर्ट करना आज्ञापक होगा।

स्वतः प्रारूपित प्रदायों के व्यौरें
(प्रारूप जी एस टी आर 2, जी एस टी आर 4 या जी एस टी आर 6)

वर्ष				
माह				

नाम		
1.	जी एस टी आई एन	
2.	(अ) संजीकृत व्यक्ति का विधिक नाम	
	(आ) व्यापार नाम, यदि कोई हो	

[illegible]

प्राप्तकर्ता का जी एस टी आई एन	बीजक के व्यर्थें			एकीकृत कर		
	संख्या	तारीख	मूल्य	दर	करायेय मूल्य	कर रकम
1	2	3	4	5	6	7
4क. विशेष आर्थिक जोन ईकाई या विशेष आर्थिक जोन विकासकर्ता को की गई प्रदाय						
4ख. समझे गये निर्यात						

5. बाबू अबधि के दौरान जारी किए गये नाम नोट, जमापत्र (उसके संशोधन सहित)										कर की रकम			
मूल दस्तावेज में न्यौरे			दस्तावेज के पुनरीक्षित न्यौरे या मूलतः नामे नोट/साखपत्र के न्यौरे				दर	करायेज मूल्य	प्रदाय का स्थान (राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र का नाम)	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
जी एस टी आई एन	संख्या	तारीख	जी एस टी आई एन	संख्या	तारीख	मूल्य				11	12	13	14
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10				

मैं, एतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई सूचना मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है और उत्पाद कर पर दायित्व में किसी कटौती की दशा में उसके फायदे प्रदाय करने वाले प्राप्तिकर्ता को पहुंचाए/पहुंचाए जाएंगे।

हस्ताक्षर
प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

पदनाम/प्रास्थिति

माल और सेवाओं की आवक प्रदाय के व्यौरें

वर्ष				
माह				

[illegible]

(सभी सारणियों के लिए रकम रुपये में)

[illegible]

4. प्रतिवर्ती प्रभार संदत्त किये जाने वाले कर की आवक प्रदाय

[illegible]

प्रदायकर्ता का जी एस टी आई एन	प्रवेश पत्र के ब्यौरे			दर	कराधेय मूल्य	रकम		जहां इनपुट/पूँजी माल (संयंत्र और मशीनरी सहित) आई टी सी के लिए अपात्र हैं	आई टी सी उपलब्ध की रकम	
	संख्या	तारीख	मूल्य			एकीकृत कर	उपकर		एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
5क. आयात										
5ख. विशेष आर्थित जाने से प्राप्ति										
पत्तन कोड + प्रवेश पत्र की संख्या = 13 अंक						निर्धारणीय मूल्य				

[illegible]

7. एकीकृत कराधेय व्यक्ति से प्राप्त प्रदाय और अन्य छूट/शून्य दर/गैर जी एस टी से प्राप्त प्रदाय

विवरण	प्राप्ति से प्रदायों का मूल्य			
	एकीकृत कराधेय व्यक्ति	प्रदाय से छूट	शून्य दर से प्रदाय	गैर जी एस टी प्रदाय
1	2	3	4	5
7क. अन्तरराज्यिक प्रदाय				
7ख. राज्यांतरिक प्रदाय				

8. प्राप्त आईएसडी प्रत्यय

आईएसडी का जीएसटीआईएन	आईएसडी दस्तावेज विवरण		आईएमडी प्रत्यय				पात्र आईटीसी की रकम			
	संख्या	तारीख	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
8क. आईएसडी बीजक										
8ख. आईएसडी जमापत्र										

8 प्राप्त टीडीएस और टीसीएस प्रत्यय

कटौती कर्ता का जीएसटीआईएन / ई-वाणिज्यिक आपरेटर का जीएसटीआईएन	राकल मूल्य	त्रिजिरी वागसी	कुल कीमत	रकम		
				एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
1	2	3	4	5	6	7
9क. टीडीएस						
9ख. टीसीएस						

10. प्रदाय का प्राप्ति के खाते में अग्रिम संदेय /अग्रिम समायोजन का एकीकृत विवरण

दर	सकल अग्रिम संदेय	प्रदाय का स्थान (राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र का नाम)	रकम			
			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7
(ग) चालू माह की जानकारी						
10क.	संदेय कर में प्रभावी प्रदाय के उत्क्रम के लिए संदेय अग्रिम रकम (आउटपुट कर दायित्व में जोड़ा जाने वाला कर की रकम)					

10ख (1). राज्यांतरिक प्रदाय (दर बार)							
1क (2). अंतरराज्यिक प्रदाय (दर बार)							
10ख. अग्रिम राशि जिस पर कर पहले की अवधि में भुगतान किया गया था, लेकिन चालान वर्तमान अवधि में प्राप्त हो गया है (ऊपरसारणी 4 में परिलक्षित)							
10ख (1). राज्यांतरिक प्रदाय (दर बार)							
10ख (2). अंतरराज्यिक प्रदाय (दर बार)							
II पूर्व माह में सारणी संख्या 10 (1) में तैयार जानकारी का संशोधन (तैयार पुनरीक्षित जानकारी)							
माह			क्र.सं. में तैयार जानकारी से संबंधित संशोधन (चयन)	10अ(1)	10अ(2)	10आ(1)	10आ(2)

11. इनपुट कर प्रत्यय उल्टाव/वापस लेना

आईटीसी के उत्क्रमण के लिए विवरण	आउटपुट दायित्व से जोड़ा या कम करने के लिए	आईटीसी की रकम			
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6
अ. वर्तमान कर अवधि के लिए जानकारी					
(क) नियम 37(2) के संदर्भ में राशि	जोड़ा जाए				
(ख) नियम 39(1)(ख) (ii) के संदर्भ में राशि	जोड़ा जाए				
(ग) नियम 42(1)(ड) के संदर्भ में राशि	जोड़ा जाए				
(घ) नियम 43(1)(ड) के संदर्भ में राशि	जोड़ा जाए				
(ङ) नियम 42(2)(क) के संदर्भ में राशि	जोड़ा जाए				
(च) नियम 42(2)(ख) के संदर्भ में राशि	कम किया जाए				
(छ) आईटीसी के उत्क्रमण के बाद भुगतान की गई राशि के कारण	कम किया जाए				
(ज) कोई अन्य दायित्व (विनिर्दिष्ट करें)				
ब. किसी पूर्व विवरणी में क्रम संख्या क परसारणी संख्या 11 में तैयार जानकारी का संशोधन					
माह में प्रस्तुत जानकारी के संबंध में संशोधन किया गया है					
जानकारी जो आप संशोधन करना चाहते हैं निर्दिष्ट करें (ड्रॉप डाउन)					

12. बेमेल और अन्य कारकों के लिए सार्वजनिक कर में रकम का घटाया जाना और जोड़ा जाना

विवरण		सार्वजनिक दायित्व से जोड़ा जाना या कम किया जाना	रकम			
			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1		2	3	4	5	6
(क)	बेमेल / बीजक का डुप्लीकेट / नामेनोट्स पर दावा किया गया आईटीसी	जोड़ना				
(ख)	बेमेल जमापत्र पर कर दायित्व	जोड़ना				
(ग)	बेमेल बीजक / नामेनोट्स के सुधार के कारण पुनः दावा	कम करें				
(घ)	बेमेल जमापत्र के सुधार के कारण पुनः दावा	कम करें				
(ङ)	पिछले कर अवधि से नकारात्मक कर दायित्व	कम करें				
(च)	पूर्व में कर अवधि में अग्रिम पर देय कर और वर्तमान कर अवधि में की गई प्रदाय पर कर के साथ समायोजित	कम करें				

13. आवक प्रदाय का एचएसएन सारांश

संख्या	एचएसएन	विवरण (वैकल्पिक यदि एचएसएन तैयार है)	यूक्सूची	कुल मात्रा	कुल मूल्य	कुल कर योग्य मूल्य	रकम			
							एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा पूर्वक प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कोई भी बात छिपाई नहीं गई है।

स्थान:

तारीख:

हस्ताक्षर.....

अधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

पदनाम / स्थिति

अनुदेश-

1. प्रयोग की गई शर्तें:

(क) जीएसटीआईएन: माल और सेवा कर पहचान संख्या

(ख) यूआईएन: विशिष्ट पहचान संख्या

(ग) यूक्सूची: यूनिट मात्रा कोड

(घ) एचएसएन: नामकरण की प्रणाली

(ङ) स्थिति: (प्रदाय की जगह) संबंधित राज्य

(च) बी से बी: एक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से दूसरे रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति तक

(छ) बी से सी: रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को

2. सारणी 3 और 4 की जानकारी प्राप्त करने के लिए

(एक) जीएसटीआर-2क में प्राप्त स्वतः बनाए गए व्यौरे पर आधारित जीएसटीआर-2 में उपलब्ध किए जाने के लिए जीएसटीआर-1 में प्रदायकर्ता द्वारा रिपोर्ट की गई गई कर की अवधि से संबंधित दर वार बीजक स्तरीय आवक प्रदाय जानकारी

(दो) सारणी 3 में प्रतिप्रदाय प्रभार को प्रभावित करने वाले के सिवाय आवक प्रदाय को पकड़ने वाले और प्रतिप्रदाय प्रभार को आवक प्रदाय को पकड़ने वाला

(तीन) प्राप्तकर्ता कर दाता के पास स्वतः जानने वाली जानकारी पर कार्य करने के लिए निम्नलिखित विकल्प है:

(क) स्वीकार करना,

(ख) अस्वीकार,

(ग) उपान्तरण यदि प्रदायकर्ता द्वारा प्रदान की गई जानकारी गलत है, या

(घ) कार्रवाई के लिए लंबित लेन (यदि सामान या सेवाएं प्राप्त नहीं हुई हैं) देन रखें-

(चार) कार्रवाई करने के बाद, प्राप्तकर्ता करदाता का यह उल्लेख करना होगा कि क्या वह प्रत्यय का लाभ लेने के लिए पात्र है या नहीं और अगर वह प्रत्यय का लाभ लेने के योग्य है, तो बीजक में उल्लिखित कर के खिलाफ पात्र प्रत्यय की राशि दर्ज की जानी चाहिए;

(पांच) प्राप्तकर्ता करदाता भी बीजक जोड़ सकता है प्रतिपक्ष प्रदायकर्ता द्वारा अपलोड नहीं किया है (यदि उसका बीजक पर कब्जा है और माल या सेवाओं का प्राप्त हुआ है;

(छह) सारणी 4 क को स्वतः तैयार किया जाना है;

(सात) प्राप्तकर्ता कर दाता द्वारा बीजक को जोड़ने के मामले में, प्रदायका स्थान (पीओएस) प्रदाय के मामले को छोड़कर सदैव रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से प्राप्त है, जहां यह बीजक के स्थान से भिन्न है के लिए अपेक्षित है;

(आठ) बीजककर्ता के पास प्रतिप्रदाय के प्रभार से होने वाले बीजकों के अतिरिक्त स्वतः बनने वाले बीजक को स्वीकार करने का विकल्प होगा जब अधिनियम की धारा 12 या धारा 13 के निर्बंधन में प्रदाय के समय उत्पन्न होता है

(नौ) प्राप्तकर्ता कर दाता को स्तंभ संख्या 12 में घोषित करना आवश्यक है कि क्या आवक प्रदाय इनपुट या इनपुट सेवाओं या पूंजीगत माल है है। (पौधे और मशीनरी सहित)

3. किसी एसईजेड यूनिट द्वारा प्रदाय किए जाने का साथ-साथ भारत के बाहर माल पूंजीगत/माल के आयात से संबंधित विवरण को सारणी 5 में प्राप्तकर्ता कर दाता द्वारा रिपोर्ट किया जाता है।

4. प्राप्तकर्ता को बिल की प्रविष्टि की जानकारी प्रदान करने के लिए छह अंक पोर्ट कोड और प्रविष्टि संख्या के सात अंकों का बिल सम्मिलित है।

5. सारणी 5 में कर योग्य मूल्य का अर्थ सीमा शुल्क प्रयोजनों के लिए मूल्यांकन योग्य मान है जिस पर आईजीएसटी की गणना की जाती है (आईजीएसटी मूल्य के साथ निर्दिष्ट सीमा शुल्क पर लगाया जाता है। आयात के मामले में, जीएसटीआईएन प्राप्तकर्ता कर दाता का होगा।

6. नाम या जमापत्र की मूल संशोधित जानकारी /के साथसाथ-सारणी 3, 4 और 5 में पहले कर की अवधि में दी गई, दरवार-, सूचना संशोधन करने के लिए सारणी 6 में है निर्यात लेनदेन के मामले में जीएसटीआईएन प्रदान नहीं किया जाता है।

7. सारणी 7 सकल मूल्य स्तर पर जानकारी लेता है।

8. सारणी 3 के समान सारणी 8 के समान विकल्प उपलब्ध नहीं है और आईएसडी द्वारा वितरण के रूप में प्रत्यय -को प्राप्तकर्ता इकाई के लिए उपलब्ध कराया जाएगा और इसके लिए पात्रता के साथ (चाहे पात्र या अयोग्य) साथ इसे फिर से आईटीसी के रूप में योग्य रकम के साथ-साथ निर्धारित करने की अपेक्षा होगी

9. टीडीएस और टीसीएस प्रत्यय सारणी 9 में स्वतः बनाई जाएगी। विक्री वापसी और शूद्ध मूल्य कॉलम सारणी 9 में स्रोत पर कर के कटौती के मामले में लागू नहीं हैं।

10. आवक प्रदाय सारणी 3, सारणी 4 और सारणी 8 से पात्र प्रत्यय को प्ररूप जीएसटीआर-3 में अपनी विवरणी की प्रस्तुत करने पर इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाता बही में भरी जाएगी।

11. प्राप्तकर्ता इसके उपयोग पर अर्थात् व्यावसायिक उद्देश्य या गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए-निर्भर होते हुए एक बीजक पर आईटीसी से कम पर दावा कर सकता है।

12. प्रतिप्रदाय प्रभार प्रदाय से संबंधित अग्रिम भुगतान की जानकारी और जारी किए गए कर के समायोजन सहित बीजक द्वारा दिया गया कर सारणी 10 में सूचित किया जाना चाहिए।

13. तत्काल पूर्ववर्ती कर अवधि के जीएसटीआर-3 के फाइल करने के कारण बेमेल के सुधार के कारण सार्वजनिक दायित्व में कमी के साथ-साथ बेमेल के कारण अतिरिक्त दायित्व को प्राप्त करने सारणी 12 में दिया जाएगा।

14. एचएसएन के रिपोर्टिंग का मानदंड जीएसटीआर-1 में रिपोर्ट के अनुसार होगा।

[नियम 60(1) देखें]

(जीएसटी आर 1, जीएसटी आर 5, जीएसटी आर -6 जीएसटी आर -7 और जीएसटी आर -8 से)

वर्ष				
माह				

[illegible]

3. प्रतिवर्ती प्रभार को प्रभावित करने वाले प्रदाय के सिवाय रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से प्राप्त आवक प्रदाय

[illegible]

4. रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से प्राप्त आवक प्रदाय जिस पर प्रतिप्रदाय प्रभार पर कर देय है

[illegible]

5. चालू कर अवधि के दौरान प्राप्त अतिशेष/जमापत्र (उसके संशोधनों सहित)

मूल दस्तावेज के ब्यौरे			दस्तावेजों के पुनरीक्षित ब्यौरे या मूल अतिशेष के प्रत्यय ब्यौरे				दर	कर योग्य मूल्य	कर की रकम				प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)
जीएसटी आईएन	संख्या	तारीख	जीएसटी आईएन	संख्या	तारीख	मूल्य			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14

भाग-ख

6. प्राप्त आईएसडी प्रत्यय (उसके संशोधनों सहित)

आईएसडी का जीएसटी आईएन	आईएसडी का दस्तावेज ब्यौरे		अंतर्वलित आईटीसी रकम			
	संख्या	तारीख	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7
आईएसडी बीजक - पात्र आईटीसी						
आईएसडी बीजक - अपात्र आईटीसी						
आईएसडी जमापत्र - पात्र आईटीसी						
आईएसडी जमापत्र - अपात्र आईटीसी						

भाग-ग

7. प्राप्त टीडीएस और टीसीएस प्रत्यय (उसके संशोधनों सहित)

कटौतीकर्ता का जीएसटी आईएन / ई-वाणिज्यिक आपरेटर का जीएसटीआईएन	प्राप्त रकम/सकल मूल्य	बिक्री वापसी	कुल कीमत	रकम		
				एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
1	2	3	4	5	6	7
7अ. टीडीएस						
7आ. टीसीएस						

वर्ष				
मास				

1.	जीएसटी आईएन																		
2.	(क)	रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का विधिक नाम																	
	(ख)	व्यापार नाम यदि कोई हो																	

(सभी सारणी के लिए रकम रुपए में)

3. आवर्त		
संख्या 1	आवर्त का प्रकार 2	रकम 3
(एक)	कर योग्य [शून्य दर के अलावा]	
(दो)	कर के भुगतान पर शून्य दर प्रदाय	
(तीन)	कर के भुगतान के बिना शून्य दर प्रदाय	
(चार)	समझा गया निर्यात	
(पांच)	छूट प्राप्त	
(छह)	शून्य दर	
(सात)	गैर जीएसटी प्रदाय	
	कुल	

4.1 अंतरराज्यीय प्रदाय (महीने के लिए शुद्ध प्रदाय)

4.1 अंतरराज्यीय प्रदाय (महीने के लिए शुद्ध प्रदाय)			
दर	कर योग्य मूल्य	कर की रकम	
		एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4
क. कर योग्य प्रदाय) प्रतिवर्ती प्रभार और शून्य दर प्रदाय के सिवाय ((दर कर वार)			
ख. प्रदाय प्राप्तकर्ता द्वारा देय प्रतिवर्ती प्रभार कर को आकर्षित करने वाली प्रदाय			
ग. एकीकृत कर के भुगतान के साथ शून्य दर प्रदाय			
घ. क में उल्लिखित प्रदाय से बाहर, टीसीएस को प्रभावित करने वाले ई-वाणिज्य ऑपरेटर के माध्यम से प्रदाय का मूल्य (दर वार)			
- ई. क वाणिज्य ऑपरेटर के जीएसटी आईएन			

4.2 अंतर-राज्य की प्रदाय (महीने के लिए शुद्ध प्रदाय)

दर	कर योग्य मूल्य	कर की रकम
----	----------------	-----------

		केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5
क. कर योग्य प्रदाय) प्रतिवर्ती प्रभार] (कर दर के अनुसार[
ख. प्रतिवर्ती प्रभार को प्रभावित करने वाली प्रदाय-प्रदाय के प्राप्तकर्ता द्वारा देय कर				
ग. क में उल्लिखित प्रदाय से बाहर, टीसीएस को प्रभावित करने वाले ई-वाणिज्य ऑपरेटर के माध्यम से प्रदाय का मूल्य (दर वार)				
ई. वाणिज्य ऑपरेटर के जीएसटी आईएन				

4.3 सार्वजनिक प्रदाय के संबंध में किए गए संशोधनों का कर प्रभावितता

दर	कुल भिन्नता मूल्य	कर की रकम			
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6
(I) राज्यांतरिक प्रदाय					
क. कर योग्य प्रदाय (प्रतिवर्ती प्रभार और एकीकृत दरों के भुगतान के साथ शून्य दर प्रदाय के अलावा) (दर वार)					
ख. शून्य दर प्रदाय एकीकृत कर के भुगतान के साथ (दर वार)					
ग. क में उल्लिखित प्रदाय के बाहर, टीसीएस को प्रभावित करने वाले ई-वाणिज्य ऑपरेटर के माध्यम से की जाने वाली प्रदाय का मूल्य					
(II) अंतरराज्यिक प्रदाय					
क. कर योग्य प्रदाय (प्रतिवर्ती प्रभार के अलावा) (दर वार)					
ख. क में उल्लिखित प्रदाय के बाहर, टीसीएस को प्रभावित करने वाले ई-वाणिज्य ऑपरेटर के माध्यम से की जाने वाली प्रदाय का मूल्य					

5. प्रतिवर्ती प्रभार को प्रभावित करने वाली आवक प्रदाय जिसके अंतर्गत आयात सेवाएं हैं (शुद्ध अग्रिम समायोजन)

5अ. आवक प्रदाय जिस पर प्रतिवर्ती प्रभार के आधार पर कर देय है

कर की दर	कर योग्य मूल्य	कर की रकम			
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6
(एक) आवक अंतरराज्यिक प्रदाय (दर वार)					
(दो) आवक राज्यांतरिक प्रदाय (दर वार)					

5आ. प्रतिवर्ती प्रभार को प्रभावित करने वाले प्रदाय के संबंध में संशोधनों का कर प्रभावितता

कर की दर	भिन्नता के आधार पर कर योग्य मूल्य	कर की रकम			
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6
(एक) आवक अंतरराज्यिक प्रदाय (दर वार)					
(दो) आवक राज्यांतरिक प्रदाय (दर वार)					

6. इनपुट कर प्रत्यय

आवक कर योग्य प्रदाय पर आईटीसी जिसके अंतर्गत आईएसडी से प्राप्त आयात और आईटीसी है (शुद्ध नामे नोट/जमापत्र)

विवरण	कर योग्य मूल्य	कर की रकम				आईटीसी की रकम			
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(एक) चालू कर अवधि के दौरान प्राप्त प्रदाय और नामेनोट / जमापत्र के कारण									
(क) इनपुट									
(ख) इनपुट सेवाओं									
(ग) पूजीमाल									
(दो) संशोधनों के कारण (पहले के कर अवधि में प्रस्तुत विवरण)									
(क) इनपुट									
(ख) इनपुट सेवाओं									
(ग) पूजीमाल									

7. बैमेल और अन्य कारणों के लिए सार्वजनिक कर में रकम का जोड़ा जाना और घटाया जाना

विवरण		सार्वजनिक दायित्व से जोड़ा जाना अथवा घटाया जाना	रकम			
			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1		2	3	4	5	6
(क)	बीजक/नामे नोट के बैमेल/ दोहराव पर दावाकृत आईटीसी	जोड़ना				
(ख)	बैमेल नामे नोट्स पर कर दायित्व	जोड़ना				
(ग)	बैमेल बीजक / नामे नोट्स के सुधार पर पुनः दावा	कम करें				
(घ)	बैमेल जमापत्र के सुधार पर पुनः दावा	कम करें				
(ङ)	पिछले कर अवधि से नकारात्मक कर देयता	कम करें				
(च)	पहले कर अवधि में अग्रिम पर देय कर और चालू कर	कम करें				

	अवधि में की गई प्रदाय पर कर के साथ समायोजन				
(ख)	इनपुट कर प्रत्यय उत्क्रमण / पुनः दावा	झीड़ें / कम			

8. कुल कर देयता

कर की दर	कर योग्य मूल्य	कर की रकम			
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6
8क सार्वजनिक प्रदाय पर					
8ख प्रतिवर्ती प्रभार प्रभावित करने वाला आवक प्रदाय					
8ग इनपुट कर प्रत्यय के कारण प्रतिवर्ती/पुनः दावा					
8घ. बेमेल / सुधार / अन्य कारणों के कारण					

9. टीडीएस और टीसीएस का प्रत्यय

		रकम		
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
1		2	3	4
(क)	टीडीएस			
(ख)	टीसीएस			

10. ब्याज दायित्व (----- तारीख को ब्याज)

निम्नलिखित के स्थान पर	बैमेल पर सार्वजनिक दायित्व	बैमेल बीजक पर दावाकृत आईटीसी	रिवर्सल आईटीसी के कारण	अनुचित आधिक्य दावा या आधिक्य को कम करना धारा 50(3) का निर्देश	बैमेल के सुधार पर प्रत्यय ब्याज	ब्याज दायित्व को आगे बढ़ाना	कर के देय में विलंब	कुल ब्याज दायित्व
1	2	3	4	5	6	7	8	9
(क) एकीकृत कर				-				
(ख) केन्द्रीय कर				-				
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर								
(घ) उपकर								

11. विलंब फीस

निम्नलिखित के स्थान पर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
1	2	3
विलंब फीस		

भाग-ब

12. देय और संदत्त कर

विवरण	देय कर मूल्य	नगद में देय	आईटीसी के माध्यम से देय				देय कर
			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8
(क) एकीकृत कर							
(ख) केन्द्रीय कर							
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर							
(घ) उपकर							

13. देय और संदत्त किया जाने वाला ब्याज, विलंब फीस और अन्य रकम

विवरण	देय रकम	संदत्त रकम
1	2	3
(एक) निम्नलिखित के स्थान पर ब्याज		
(क) एकीकृत कर		
(ख) केन्द्रीय कर		
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर		
(घ) उपकर		
(दो) विलंब फीस		
(क) केन्द्रीय कर		
(ख) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर		

14. इलेक्ट्रॉनिक रोकड़ खाता से दावाकृत प्रतिदाय

विवरण	कर	ब्याज	शास्ति	शुल्क	अन्य	प्रत्यय प्रविष्टि संख्या
1	2	3	4	5	6	7
(क) एकीकृत कर						
(ख) केन्द्रीय कर						
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर						
(घ) उपकर						
बैंक खाता विवरण (नीच करें)						

15. कर/देय ब्याज के लिए इलेक्ट्रॉनिक रोकड़/प्रत्यय खाता में की गई प्रविष्टियां (कर के संदाय और विवरणी को सौंपे जाने के पश्चात् बनाया जाना)

विवरण	नगद में देय कर	आईटीसी के द्वारा देय कर				ब्याज	विलंब शुल्क
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर		
1	2	3	4	5	6	7	8
(क) एकीकृत कर							
(ख) केन्द्रीय कर							
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर							
(घ) उपकर							

सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा पूर्वक प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई सूचना मेरे ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कोई भी बात छिपाई नहीं गई है।

हस्ताक्षर.....

स्थान:

अधिकृत हस्ताक्षरी का न.....

तारीख:

पदनाम / स्थिति

अनुदेश:-

1. प्रयुक्त शब्द:-

(क) जीएसटीआईएम - माल और सेवा कर पहचान संख्या

(ख) टीडीएस - स्रोत पर कर कटौती

(ग) टीसीएस - स्रोत पर कर संग्रहण

2. जीएसटी आर-3 को केवल तभी सृजित किया जा सकेगा जब कर अवधि के जीएसटी आर-1 और जीएसटी आर-2 फाईल कर दिये गये हों।

3. कर दाता के इलैक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर, इलैक्ट्रॉनिक खातें और इलैक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते को कर दाता द्वारा जीएसटी आर के सृजन पर अद्यतन किया जा सकेगा।

4. जीएसटीआर -1, जीएसटीआर-1अ और जीएसटी आर-2 के आधार पर जो एसटीआर-3 का भाग अ स्वतः ही भर जायेगा।

5. जीएसटी आर-3 का भाग-आ इलैक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते और नकद खाते में उपलब्ध प्रत्यय के उपयोग द्वारा कर, ब्याज, विलंब फीस आदि के संदाय से संबंधित है।

6. सारणी 1 में बाह्य प्रदाय से संबंधित कर दायित्व बीजकों, नामें/जमा पत्रों और प्राप्त अग्रिम का शुद्ध है।

7. सारणी 4.1 में शून्य की दर से कर का संदाय किये बिना किए गए प्रदाय शामिल नहीं होगी।

8. सारणी 4.3 में प्रतिवर्ती प्रभार के आधार पर किए गए मूल प्रदायों का संशोधन शामिल होगा।

9. सारणी 5 में आगम प्रदाय पर प्रतिवर्ती प्रभार के कारण कर दायित्व बीजकों, नामें/जमा पत्रों, संदत्त अग्रिम और पूर्व के अग्रिम पर संदत्त कर के समायोजन का शुद्ध है।

10. इनपुट कर प्रत्यय का उपयोग धारा 49 के उपबंधों के अनुसरण में किया जाना चाहिए।

11. पूर्ण दायित्व के उन्मोचन किये बिना फाईल किये गये जीएसटी आर-3 को विधिमान्य विवरणी के रूप में नहीं माना जायेगा।

12. यदि करदाता ने एक ऐसी विवरणी फाईल की है जो पूर्व में या उसके बाद विधिमान्य नहीं थी, वह बाकी दायित्व का उन्मोचन करना चाहता है, तो उसे जीएसटी आर-3 के भाग आ को दोबारा फाईल करना पड़ेगा।

13. नकद खाते से प्रतिदाय के लिये केवल तभी दावा किया जा सकेगा जब उस कर अवधि के लिय दायित्व संबंधी सभी विवरणीयों का उन्मोचन हो गया हो।

14. सारणी 14 के माध्यम द्वारा नकद खाते से दावाकृत प्रतिदाय का परिणाम जीएसटी आर-3 फाईल करने पर इलैक्ट्रॉनिक नकद खाते में किसी नामें की प्रविष्टि होगी।

य
प्ररूप जीएसटी आर-3क
[नियम 68 देखिए]

संदर्भ सं०:

तारीख:

सेवा में,

_____ जीएसटीआईएन

----- नाम

_____ पता

विवरणी फाइल नए करने के लिए धारा 46 के अधीन विवरणी का व्यक्तिक्रम करने वाले को सूचना

कर अवधि-

विवरणी का प्रकार-

एक रजिस्ट्रीकृत कर दाता होने के कारण आपसे अपेक्षा है कि निर्धारित अवधि तक उपरोक्त कर अवधि के लिए किए गए या प्राप्त किए गए प्रदायों के लिए कर-दायित्व के परिणाम स्वरूप उनका उन्मोचन करने के लिए विवरणी प्रस्तुत करें

1. इसलिए आप से निवेदन है कि 15 दिन के अन्दर उक्त विवरणी प्रस्तुत करें जिसके असफल होने पर इस कार्यालय में उपलब्ध संबंधित सामग्री के आधार पर अधिनियम की धारा 62 के अधीन कर दायित्व का निर्धारण किया जाएगा। कृपया नोट करें कि इस प्रकार निर्धारित कर के अतिरिक्त आप अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार ब्याज और शास्ति का भी संदाय करने के लिए दायी होंगे।
2. कृपया नोट करें कि दायित्व निर्धारण के लिए ओर कोई संसूचना जारी नहीं की जाएगी।
3. यदि आप के द्वारा निर्धारण आदेश के जारी होने से पूर्व उपरोक्त निर्देशित विवरणी फाइल कर दी गई है तो सूचना को वापिस लिया माना जाएगा।

या

रजिस्ट्रीकरण के रद्द होने पर अन्तिम विवरणी फाइल न करने के लिए धारा 46 के अधीन विवरणी का व्यक्तिक्रम करने वाले को सूचना

रदकरण आदेश संख्या --

तारीख ---

आवेदन संदर्भ संख्या -

तारीख-

2. यह नोटिस किया गया है कि आप ने निर्धारित तारीख तक अंतिम विवरणी फाइल नहीं की गई है।

3. इसलिए आप से निवेदन है कि 15 दिन के अन्दर अधिनियम की धारा 45 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट अंतिम विवरणी प्रस्तुत करें जिसके असफल होने पर इस कार्यालय में उपलब्ध या संग्रहित संबंधित सामग्री के आधार पर अधिनियम के उपबंधों के अनुसरण में उपरोक्त कर अवधि के लिए के कर दायित्व का अवधारण किया जाएगा। कृपया नोट करें कि इस प्रकार निर्धारित कर के अतिरिक्त आप अधिनियम के उपबंधों के अनुसार ब्याज और शास्ति का भी संदाय करने के लिए दायी होंगे।

4. यदि आप के द्वारा निर्धारण आदेश के जारी होने से पूर्व उपरोक्त विवरणी फाइल कर दी गई है तो सूचना को वापिस लिया माना जाएगा।

नाम

पदनाम

प्ररूप जीएसटीमार ... 3ख

[नियम 61(5) देखें]

[illegible]

3.1 विपर्यय प्रभारों के प्रति दायी आवश्यक प्रदायों और आवश्यक प्रदाय के व्योरे

प्रदाय/विपरीत	जावक कराधेय मूल्य	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ कर	उपकर
1	2	3	4	5	6
(क) जावक कराधेय प्रदाय (शून्य दर पर, शून्यांक दर पर और छूट प्राप्त से भिन्न)					
(ख) जावक कराधेय प्रदाय (शून्यांक दर पर)					
(ग) अन्य जावक प्रदाय (शून्य दर पर, छूट प्राप्त)					
(घ) जावक प्रदाय (विपर्यय प्रभारों के प्रति दायी)					
(ङ) गैर-जीएसटी जावक प्रदाय					

3.2 ऊपर 3.1(क) में दर्शित प्रदायों के लिए, बरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों, सम्मिश्रित कारागृह व्यक्तियों और यूआईएन धारकों को किए गए अन्तरराष्ट्रिय प्रदायों के बारे में

	प्रदाय का स्थान (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र)	कुल कराधेय मूल्य	एकीकृत कर की रकम
1	2	3	4
वरजिस्तीकृत व्यक्तियों को किया गया प्रदाय			
सम्मिश्रित कराधेय व्यक्तियों को किया गया प्रदाय			
यूआईएन धारक को किया गया प्रदाय			

4. पात्र आईटीसी

व्यक्ति	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5
(अ) उपलब्ध आईटीसी (पूर्ण रूप में या उसका कोई भाग)				
(1) माल का आयात				
(2) सेवाओं का आयात				
(3) विपर्यय प्रचारों के प्रति दायी आवक प्रदाय (उपरोक्त 1 और 2 से भिन्न)				
(4) आईएसटी से आवक प्रदाय				
(5) अन्य सभी आईटीसी				
(ब) विपर्यय आईटीसी				
(1) सीजीएसटी नियम के नियम 42 और नियम 43 के अनुसार				
(2) अन्य				
(स) उपलब्ध शुद्ध आईटीसी (अ) - (ब)				
(द) अपात्र आईटीसी				
(1) धारा 17(5) के अनुसार				
(2) अन्य				

5. सूट प्राप्त, शून्यांक दर पर और गैर-जीएसटी आवक प्रदायों का मूल्य

प्रदायों की प्रकृति	अन्तरराज्यिक प्रदाय	अन्तःराज्यिक प्रदाय
1	2	3
किसी प्रदायकर्ता से सम्प्लित स्कीम के सूट प्राप्त और शून्यांक दर पर प्रदाय		
गैर-जीएसटी प्रदाय		

6.1 कर का संदाय

विवरण	संदाय कर	आईटीसी के माध्यम से संदाय				संदाय कर टीडीएस/टीसीएस	नकद में संदाय कर/उपकर	व्याज	विसम्ब शुल्क
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
एकीकृत कर									
केन्द्रीय कर									
राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर									
उपकर									

6.2 टीडीएस/टीसीएस प्रत्यय

व्यक्ति	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
1	2	3	4
टीडीएस			
टीसीएस			

सत्यापन (प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा)

मैं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ और यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

अनुदेश:

- करायेय प्रदायों का मूल्य = बीजकों का मूल्य + नामेनोटों का मूल्य - जमा पत्रों का मूल्य + अग्रिमों का मूल्य, जिसके लिए उसी मास में बीजक जारी किए गए हैं - बीजकों के लिए समायोजित अग्रिमों का मूल्य
- समायोजित होने वाले बीजकों के प्रतिकूल अग्रिमों के साथ-साथ उनका समायोजन किया जाए तथा पृथक रूप में दर्शित न किया जाए।
- किन्हीं व्यौरों में संशोधन का समायोजन किया जाए तथा पृथक रूप में दर्शित न किया जाए।

{नियम 62 देखें}

प्रशमन उद्बहण को चुनने वाले रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के लिए तिमाही विवरणी

वर्ष				
तिमाही				

[illegible]

4. आवक प्रदाय जिसमें वे प्रदाय भी सम्मिलित हैं जिन पर प्रतिप्रदाय प्रभार पर कर का संदाय किया जाना है

[illegible]

5. सारणी 4, में पूर्व कर अवधियों के लिए विवरणियों में किए गये आवक प्रदायों के ब्यौरों का संशोधन (नामनोट / जमापत्र और उनके क्रमशः संशोधनों को सम्मिलित करते हुये)

मूल बीजक के ब्यौरे			बीजक के पुनरीक्षित ब्यौरे				दर	कराधेय मूल्य	रकम				प्रदाय का स्थान (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र का नाम)
जीएसटीआईएन	संख्या	तारीख	जीएसटीआईएन	संख्या	तारीख	मूल्य			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
5 अ - प्रदाय (पूर्व विवरणियों के सारणी 4 में दी गई सूचना) यदि पूर्व में दिये गये ब्यौरे गलत थे ।													
5 ब - नामें नोट/जमा पत्र मूल रूप में													
5 स - नामें नोट/जमा पत्र (पूर्व कर अवधियों में दिये गये नामें नोट/जमापत्रों का संशोधन)													

6. जावक प्रदायों पर कर (अग्रिम और वापिस किया गया माल का शुद्ध)

कर की दर	आवर्तन	प्रशमन कर की रकम	
		केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर
1	2	3	4

7. सारणी 6 में पूर्व कर अवधियों के लिए विवरणियों में दिये गए जावक प्रदाय के ब्यौरों में संशोधन

तिमाही	दर	मूल ब्यौरे			पुनरीक्षित ब्यौरे		
		आवर्तन	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	आवर्तन	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर
1	2	3	4	5	6	7	8

8. प्रदाय की प्राप्ति के कारण संदत्त अग्रिम/समायोजित अग्रिम का एकीकृत विवरण

दर	सकल संदत्त अग्रिम	प्रदाय का स्थान (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र का नाम)	रकम			
			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7
(एक) - चालू तिमाही की जानकारी						
8अ- कर अवधि में विपर्यय प्रभार प्रदाय के लिए संदत्त अग्रिम रकम (कर रकम को निर्गम कर दायित्व में जोड़ा जाएगा)						
8अ (1). पूरे राज्य में प्रदाय (दर वार)						
8अ (2). अन्तर-राज्यीय प्रदाय (दर वार)						
8 ब. अग्रिम रकम जिस पर पूर्व की अवधि में कर का संदाय किया गया था किन्तु बीजक चालू अवधि (उपरोक्त सारणी 4 में निर्देशित) में प्राप्त हुआ है। (कर रकम को निर्गम के दायित्व में से घटाया जाएगा)						
8ब (1). पूरे राज्य में प्रदाय (दर वार)						
8ब (2). अन्तर-राज्यीय प्रदाय (दर वार)						
(दो) किसी पूर्व तिमाही के लिए सारणी संख्या 8(1) में दी गई जानकारी में संशोधन						
वर्ष	तिमाही	धारा सं० (चुनें) में दी गई सूचना से संबंधित संशोधन	8अ (1)	8अ (2)	8ब (1)	8ब (2)

9. प्राप्त टीडीएस प्रत्यय

जीएसटीआई एन का कटौती कर्ता	सकल मूल्य	रकम	
		केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर
1	2	3	4

10. संदेय और संदत्त कर

विवरण	संदेय कर रकम	संदत्त कर रकम
1	2	3
(क) एकीकृत कर		
(ख) केन्द्रीय कर		
(ग) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर		
(घ) उपकर		

11. संदेय और संदत्त ब्याज, विलंब फीस [आदि]

विवरण	संदेय कर रकम	संदत्त कर रकम
1	2	3
(एक) निम्नलिखित से ब्याज -		
(क) एकीकृत कर		
(ख) केन्द्रीय कर		
(ग) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर		
(घ) उपकर		
(दो) विलंब फीस		
(क) केन्द्रीय कर		
(ख) राज्य / संघ राज्य क्षेत्र कर		

12. इलेक्ट्रानिक नकद खाते से दावाकृत प्रतिदाय

विवरण	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	नामे प्रविष्टि सं०
1	2	3	4	5	6	7
(क) एकीकृत कर						
(ख) केन्द्रीय कर						
(ग) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर						
(घ) उपकर						

बैंक खाता विवरण (नीचे खींचें)				
-------------------------------	--	--	--	--

13. कर / ब्याज संदाय के लिए नकद खाते में नामें प्रविष्टियां

[कर का संदाय और विवरणी जमा करने के पश्चात् भरा जाए]

विवरण	नकद में संदत्त कर	ब्याज	विलंब फीस
1	2	3	4
(क) एकीकृत कर			
(ख) केन्द्रीय कर			
(ग) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर			
(घ) उपकर			

सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा पूर्वक प्रतिज्ञा करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त दी गई जानकारी मेरे जान एवं विश्वास में सत्य और ठीक है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर.....

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम.....

पदनाम/प्रास्थिति.....

स्थान

तारीख

अनुदेश :-

1. प्रयुक्त शब्द:

(क) जी एस टी आई एन: माल और सेवा कर पहचान संख्या

(ख) टी डी एस: स्रोत पर कटौती

2. जी एस टी आर-4 में ब्यौरे संबंधित कर अवधि के उत्तरवर्ती माह की 11वीं और 18वीं तारीख के बीच दिए जाने चाहिए।

3. ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष और चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के लिए कर दाता का संकलित आवर्तन सारणी 3 में प्रारंभिक सूचना में रिपोर्ट किया जाएगा यह सूचना केवल पहले वर्ष में कर दाता द्वारा दी जानी अपेक्षित होगी और उत्तरवर्ती वर्षों में स्वतः भरी जाना चाहिए।

4. सारणी-4, आवक प्रदायों से संबंधित जानकारी का दर वार प्रग्रहण :

(एक) सारणी-4अ, प्रतिवर्ती प्रभार से भिन्न रजिस्ट्रीकृत प्रदायकर्ता से आवक प्रदाय का प्रग्रहण। यह जानकारी जी एस टी आर-1 और जी एस टी आर-5 में प्रदायकर्ता द्वारा रिपोर्ट कि गई जानकारी से स्वतः भरी जाएगी ;

(दो) सारणी-4ब, यह प्रतिवर्ती प्रभार से संबंधित रजिस्ट्रीकृत प्रदायकर्ताओं से आवक प्रदाय का प्रग्रहण। यह जानकारी जी एस टी आर-1 में प्रदायकर्ता द्वारा रिपोर्ट कि गई जानकारी से स्वतः भरी जाएगी ;

(तीन) सारणी-4स, अरजिस्ट्रीकृत प्रदायकर्ता से प्रदायों के प्रग्रहण के लिए ;

(चार) सारणी-4द, सेवा के आयात के प्रग्रहण के लिए ;

(पांच) कर प्राप्तकर्ता को स्वतः भरे गए बीजकों/ प्रतिवर्ती प्रभार से संबंधित अतिरिक्त बीजकों को स्वीकार करने का विकल्प केवल तभी होगा जब अधिनियम की धारा 12 या 13 की शर्तों में व्युत्पन्न प्रदाय के समय होगा ; और

(छः) प्रदाय का स्थान (पी.ओ.एस) केवल तब यदि वह प्राप्तकर्ता की अवस्थिति से भिन्न है ;

5. सारणी 5, दर-वार, पूर्व कर अवधियों में दी गई सूचना का संशोधन और प्राप्त नाम या जमा पत्र की मूल संशोधित जानकारी के प्रग्रहण के लिए है। प्रदाय के स्थान को केवल तभी रिपोर्ट किया जाना है जब वह प्राप्तकर्ता की अवस्थिति से भिन्न है। मूल नाम/जमा पत्र की जानकारी देते समय, बीजक के ब्यौरे का पहले तीन कॉलमों में उल्लेख किया जाएगा। किसी नामेनोट/जमा पत्र का पुनरीक्षण देते समय, मूल नाम/जमा पत्र के ब्यौरे का इस सारणी के प्रथम तीन कॉलमों में उल्लेख किया जाएगा।

6. सारणी 6, आवक प्रदायों, जिसमें अग्रिम और चालू कर अवधि के दौरान वापिस किये गये माल का शुद्ध भी सम्मिलित है, के ब्यौरे के प्रग्रहण के लिए है।

7. सारणी 7, पूर्ववर्ती विवरणियों की सारणी 6 में रिपोर्ट किये गये गलत ब्यौरे के संशोधन के ब्यौरे के प्रग्रहण के लिए है।

8. प्रतिवर्ती प्रभार प्रदायों से संबंधित संदत्त अग्रिम और इस पर संदत्त कर की जानकारी जिसमें जारी बीजकों के सापेक्ष समायोजन भी सम्मिलित है को सारणी 8 में रिपोर्ट किया जाएगा।

9. टीडीएस प्रत्यय सारणी - 9 में स्वतः भरा होगा।

प्ररूप जीएसटी आर-4अ
[नियम 59(3) और 66(2) देखें]

समझौता उद्घरण का विकल्प चुनने वाले रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के स्व-प्रारूपित ब्यौरे
(जीएसटी आर-1, जीएसटी आर-5 और जीएसटी आर-7 से स्व-प्रारूपित)

वर्ष				
तिमाही				

1.	जीएसटीआईएन																			
2.	(क)	रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का विधिक नाम																		
	(ख)	व्यापार का नाम, यदि कोई हो																		

3. रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से प्राप्त आवक प्रदाय जिसमें प्रतिवर्ती प्रभार वाले प्रदाय भी सम्मिलित हैं

प्रदायकर्ता का जीएसटीआईएन	बीजक के ब्यौरे			दर	कराधेय मूल्य	कर की रकम				प्रदाय का स्थान (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र का नाम)
	सं.	तारीख	मूल्य			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3अ. रजिस्ट्रीकृत प्रदायकर्ता (प्रतिवर्ती प्रभार वाले प्रदायों से भिन्न) से प्राप्त आवक प्रदाय										
3ब. रजिस्ट्रीकृत प्रदायकर्ता (प्रतिवर्ती प्रभार वाले) से प्राप्त आवक प्रदाय										

4. चालू अवधि के दौरान प्राप्त नामेनोट/जमा पत्र (इसमें उसके संशोधन भी सम्मिलित है)

मूल दस्तावेज के ब्यौरे			दस्तावेज के पुनरीक्षित ब्यौरे या मूल नामेनोट/जमा पत्र के ब्यौरे				दर	कराधेय मूल्य	कर की रकम				प्रदाय का स्थान (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र का नाम)
जीएसटीआईएन	संख्या	तारीख	जीएसटीआईएन	संख्या	तारीख	मूल्य			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14

5. प्राप्त टीडीएस प्रत्यय

कटौतीकर्ता की जीएसटीआईएन	सकल मूल्य	कर की रकम	
		केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
1	2	3	4

प्ररूप जीएसटी आर-5
(नियम 63 देखें)

अनिवासी कराधेय व्यक्ति के लिए विवरणी

7. सारणी 6 में वर्णित प्रदायों से भिन्न अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को कराधेय प्रदाय (शुद्ध नामे नोट और जमापत्र)

कर की दर	कुल कराधेय मूल्य	रकम			
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6
7अ. अंतरराज्यिक प्रदाय (एकीकृत, दर वार)					
7ब. अंतरराज्यिक प्रदाय जहां बीजक का मूल्य 2.5 लाख रुपए तक है (दर वार)					
प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)					

8. सारणी 5 और सारणी 6 में पूर्ववर्ती दर अवधियों के लिए विवरणियों में दिए गए कराधेय जावक प्रदायों के व्यौरों का संशोधन [जिसमें नामेनोट/जमापत्र और उनके संशोधन भी सम्मिलित है]

मूल दस्तावेज के व्यौरे			दस्तावेज के पुनरीक्षित व्यौरे या मूल नामेनोट/जमापत्र के व्यौरे				दर	कराधेय मूल्य	रकम				प्रदाय का स्थान (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र का नाम)
जीएसटीआईएन	सं.	तारीख	जीएसटीआईएन	सं.	तारीख	मूल्य			एकीकृत रकम	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
8अ. यदि पूर्व में दिए गए बीजक व्यौरे गलत थे													
8ब. नामेनोट / जमापत्र (मूल)													
8स. नामेनोट/जमापत्र [पूर्ववर्ती कर अवधियों में दिए गए नामेनोट/जमापत्रों का संशोधन]													

9. सारणी 7 में पूर्ववर्ती कर अवधियों के लिए दिए गए अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को कराधेय जावक प्रदायों का संशोधन

कर की दर	कुल कराधेय मूल्य	रकम			
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6
कर अवधि जिसके लिए व्यौरों को पुनरीक्षित किया जाना है					
9अ. अंतरराज्यिक प्रदाय [दर वार]					
9ब. अंतरराज्यिक प्रदाय [दर वार]					
प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)					

10. कुल कर दायित्व

कर की दर	कराधेय मूल्य	कर की रकम			
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ	उपकर

				राज्यक्षेत्र कर	
1	2	3	4	5	6
10अ. जावक प्रदाय के मद्दे					
10ब. सारणी 4 में नकारात्मक होने से अंतरीय आईटीसी के मद्दे					

11. संदेय और संदत्त कर

विवरण	संदेय कर	नकद में संदाय	आईटीसी के माध्यम से संदाय		संदत्त कर
			एकीकृत कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6
(क) एकीकृत कर					
(ख) केन्द्रीय कर					
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर					
(घ) उपकर					

12. ब्याज, विलंब फीस और कोई अन्य संदेय और संदत्त रकम

विवरण	संदेय रकम	संदत्त रकम
1	2	3
(एक) ब्याज के मद्दे		
(क) एकीकृत कर		
(ख) केन्द्रीय कर		
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर		
(घ) उपकर		
(दो) विलंब फीस के मद्दे		
(क) केन्द्रीय कर		
(ख) राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर		

13. इलैक्ट्रानिक जमा खाते से दावा किया गया प्रतिदाय

विवरण	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	विकलन प्रविष्टि सं.
1	2	3	4	5	6	7
(क) एकीकृत कर						
(ख) केन्द्रीय कर						
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर						
(घ) उपकर						
बैंक खाते के ब्यौरे (नीचे दें)						

14. कर/ब्याज संदाय के लिए इलैक्ट्रानिक नकद/जमाखाते में विकलन प्रविष्टियां [कर का संदाय करने और विवरणी प्रस्तुत करने के पश्चात् बनाया गया]

विवरण	नकद में संदत्त कर	आईटीसी के माध्यम से संदत्त कर		ब्याज	विलंब शुल्क
		एकीकृत कर	उपकर		
1	2	3	4	5	6
(क) एकीकृत कर					

(ख) केन्द्रीय कर					
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर					
(घ) उपकर					

सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सत्य और सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

स्थान प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर
 तारीख प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

अनुदेश :- पदनाम/प्रास्थिति.....

1. प्रयुक्त किए गए पद:

- (क) जीएसटीआईएन : माल और सेवा का पहचान संख्या
- (ख) यूआईएन : विशिष्ट पहचान संख्या
- (ग) यूक्यूसी : इकाई मात्रा कोड
- (घ) एचएसएन : नामपद्धति सामंजस्यपूर्ण प्रणाली।
- (ङ) पी ओ एस : प्रदाय का स्थान (संबंधित राज्य)
- (च) बी से बी : एक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से अन्य रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को
- (छ) बी से सी : रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को

2. जीएसटी आर-5 अनिवासी कराधेय व्यक्ति को लागू होगा और यह एक मासिक विवरणी है।
3. जीएसटी आर-5 में की विवरणियां सुसंगत कर अवधि के उत्तरवर्ती माह की 20 तारीख तक या रजिस्ट्रीकरण की अंतिम तारीख से सात दिन के भीतर, इनमें से जो भी पूर्वतर हो, दी जानी होगी।
4. सारणी-3 में माल के आयात के ब्यौरे प्रवेश पत्रवार मिलकर बनेंगे और करदाता को माल के ऐसे आयात पर उपयुक्त आईटीसी की रकम विनिर्दिष्ट करनी होगी।
5. प्रासिकर्ता को प्रवेशपत्र की जानकारी उपलब्ध करानी होगी जिसमें छह अंकीय पत्तन कोड और सात अंकीय प्रवेशपत्र संख्यांक सम्मिलित है।
6. सारणी 4 में ऐसे माल के आयात का संशोधन सम्मिलित होगा, जिन्हें पूर्ववर्ती कर अवधि की विवरणियों में घोषित किया गया है।
7. माल और सेवाओं के लिए पृथक् रूप से कर अवधि संबंधित बीजक स्तरीय सूचना दर वार निम्नलिखित रूप में रिपोर्ट की जाएगी :
 - i. सभी बी से बी प्रदायों के लिए (चाहे अंतरराज्यिक हो या अंतःराज्यीय), बीजक स्तरीय ब्यौरे सारणी 5 में अपलोड किए जाएंगे;
 - ii. सभी अंतरराज्यिक बी से सी प्रदायों के लिए, जहां बीजक मूल्य रु. 2,50,000/- से अधिक है (बी से सी अधिक हैं) बीजक स्तरीय ब्यौरे सारणी 6 में दिए जाएंगे; और
 - iii. सभी बी से सी प्रदायों के लिए (चाहे अंतरराज्यिक हो या अंतःराज्यीय) जहां बीजक मूल्य रु. 2,50,000/- तक है, प्रदायों का राज्य वार सारांश सारणी 7 में दर्ज किया जाएगा।
8. सारणी 8 में संशोधनों के संबंध में सम्मिलित होगा -
 - एक - पूर्ववर्ती कर की अवधि में घोषित बी से बी जावक प्रदाय;
 - दो - पूर्ववर्ती कर अवधि में रिपोर्ट किए गए बी से सी अंतरराज्यिक बीजक, जहां बीजक मूल्य 2.5 लाख रु. से अधिक है; और

तीन- मूल नामेनोट और जमापत्र के ब्यौरे और उसके संशोधन।

9. सारणी 9 में अंतरराज्यिक प्रदायों से भिन्न बी से सी जावक प्रदायों के संबंध में संशोधन होंगे, जहां बीजक मूल्य रु. 250000/- से अधिक है।

10. सारणी 10 चालू कर अवधि में घोषित जावक प्रदायों के मद्दे और चालू कर अवधि में माल के आयात में संशोधन के मद्दे नकारात्मक आईटीसी कर दायित्व के रूप में सम्मिलित होगी।

जीएसटीआर - 5 प्रस्तुत करने पर, सिस्टम कर दायित्व की संगणना करेगा और आईटीसी उसे संबंधित खाते में पोस्ट करेगा।

प्ररूप जीएसटी आर-5क
(नियम 64 देखिए)

ऑनलाइन जानकारी और डाटा बेस अभिगमन का प्रदाय या भारत में गैर कराधेय व्यक्ति से भारत से बाहर अवस्थित व्यक्ति द्वारा पुनः प्राप्ति सेवाओं के ब्यौरे

1. प्रदायकर्ता का जीएसटीआईएन -
2. (क) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का विधिक नाम-
(ख) व्यापार का नाम, यदि कोई हो -
3. विवरणी फाइल करने वाले भारत के प्राधिकृत प्रतिनिधि का नाम -
4. अवधि: मास - वर्ष -
5. भारत में उपभोक्ताओं से की गई कराधेय जावक प्रदाय

(रकम, रुपए में)

प्रदाय का स्थान (राज्य / संघ राज्यक्षेत्र)	कर की दर	कराधेय मूल्य	एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4	5

5क. भारत में गैर कराधेय व्यक्तियों से कराधेय जावक प्रदाय के संशोधन

(रकम, रूपए में)

माह	प्रदाय का स्थान (राज्य / संघराज्य क्षेत्र)	कर की दर	कराधेय मूल्य	एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4	5	6

6. ब्याज, शास्ति या किसी अन्य रकम की संगणना

क्र०. सं०.	विवरण	शोध्य कर की रकम	
		एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4
1.	ब्याज		
2.	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
	कुल		

7. कर, ब्याज, विलंब फीस और संदेय और सदत्त कोई अन्य रकम

क्र०. सं०.	विवरण	संदेय रकम		विकलन प्रविष्टि सं०	संदत्त रकम	
		एकीकृत कर	उपकर		एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7
1.	कर उत्तरदायित्व (सारणी 5 और 5क पर आधारित)					
2.	ब्याज (सारणी 6 पर आधारित)					
3.	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					

सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कोई बात छुपाई नहीं गई है।

हस्ताक्षर

स्थान

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

तारीख

पदनाम /प्रास्थिति

[नियम 65 देखें]

वर्ष				
मास				

[illegible]

(सभी सारणी के लिए एकम रु० में)

[illegible]

विवरण	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5
(क) वितरण के लिए उपलब्ध कुल आई टी सी				
(ख) पात्र आई टी सी० की रकम				
(ग) अपात्र आई टी सी की रकम				

यदि प्राप्तिकर्ता अरजिस्ट्रीकृत हो तो प्राप्तिकर्ता/राज्य का जी एस टी आई एन	आई एस डी बीजक		आई एस डी द्वारा आई टी सी का वितरण			
	सं०	तारीख	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7
5क. पात्र आई सी टी की रकम का वितरण						
5ख. अपात्र आई सी टी की रकम का वितरण						

6. सारणी सं० 3 में पूर्वतर विवरणियों में दी गई जानकारी में संशोधन

आरंभिक व्यौरे			पुनरीक्षित व्यौरे									
प्रदायकता का जी एस टी आई एन	सं०	तारीख	प्रदायकता का जी एस टी आई एन	बीजक/नामे नोट/जमापत्र के व्यौरे			दर कराधेय मूल्य		कर का रकम			
				सं०	तारीख	मूल्य			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
6क. किसी पूर्वतर अवधि में सारणी 3 में जो गलत जानकारी दी गई थी												
6ख. नामे नोट/प्राप्त जमापत्र [आरंभिक]												
6ग. नामे नोट/जमापत्र [संशोधन]												

7. कर अवधि में वितरित हुए इनपुट कर प्रत्यय बेमेल और सुधार

विवरण	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	उपकर
1	2	3	4	5
7क. इनपुट कर प्रत्यय बेमेल				
7ख. बेमेल के सुधार पर सुधार किए गए इनपुट कर प्रत्यय				

8. सारणी सं० 6 और 7 में दिए गए (+/-) इनपुट कर प्रत्यय का वितरण

प्राप्त कर्ता का जी एस टी आई एन	आई एस डी प्रत्यय सं०		आई एस डी बीजक		आई एस डी द्वारा इनपुट कर का वितरण			
	सं०	तारीख	सं०	तारीख	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9
8क. पात्र आई टी सी की रकम का वितरण								
8ख. अपात्र आई टी सी की रकम का वितरण								

9. गलत प्राप्तिकर्ता को वितरित आई टी सी का पुनः वितरण

आरंभिक इनपुट कर प्रत्यय का वितरण				सही प्राप्तिकर्ता को इनपुट कर प्रत्यय का पुनः वितरण							
आरंभिक प्राप्तिकर्ता का जी एस टी आई एन	आई एस डी बीजक व्यौरा		आई एस डी जमापत्र		नया प्राप्तिकर्ता का जी एस टी आई एन	आई एस डी बीजक		पुनः वितरित इनपुट कर प्रत्यय			
	सं०	तारीख	सं०	तारीख		सं०	तारीख	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य कर	उपकर

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
9क. पात्र आई टी सी की रकम का वितरण											
9ख. अपात्र आई टी सी की रकम का वितरण											

10. विलंब फीस

महदे	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	नामे प्रविष्टि सं०
1	2	3	4
विलंब फीस			

11. इलेक्ट्रॉनिक नकद खाता से दावा किया गया प्रतिदाय

विवरण	फीस	अन्य	नामे प्रविष्टि सं०
1	2	3	4
(क) केन्द्रीय कर			
(ख) राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर			
बैंक खाते का ब्यौरे (नीचे उतरना)			

सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कोई बात छुपाई नहीं गई है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

स्थान

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

तारीख

पदनाम /प्रास्थिति

अनुदेश :-

1. प्रयुक्त शब्द :-

- (क) जी एस टी आई एन :- माल और सेवा कर पहचान संख्या
 (ख) आई एस डी :- इनपुट सेवा वितरक
 (ग) आई टी सी - इनपुट कर प्रत्यय

2. जी एस टी आर-6 उत्तरवर्ती कर अवधि के केवल 10 मास पश्चात् और 13 मास पहले जी एस टी आर-6 फाइल की जा सकती है।
3. आई एस डी ब्यौरे जी एस टी आर-6 के फाइल किए जाने पर रजिस्ट्रीकृत प्राप्तिकर्ता यूनिट को जी एस टी आर-2क के भाग ख के अनुसार आई एस डी ब्यौरे देने होंगे।
4. आई एस डी में कोई प्रतिवर्ति प्रभार नहीं देना होगा। यदि आई एस डी प्रतिवर्ति प्रभार प्रदाय लेना चाहता है तो आई एस डी उस दशा में आई एस डी को सामान्य कर दाता के रूप में पृथक से रजिस्टर कराना होगा।
5. आई एस डी में विलंब फीस और केवल कोई अन्य दायित्व देना होगा
6. आई एस डी उसी कर अवधि में, जिसमें आवक प्रदाय प्राप्त किया गया है अपनी यूनिट से पात्र और अपात्र आई टी सी दोनों का वितरण करना है।
7. अपात्र आई टी सी धारा 17(5) के अनुसार किए गए प्रदाय के संबंध में होगा।
8. जी एस टी आर-1 और जी एस टी आर-6 के बीच बेमेल दायित्व को आई एस डी से जोड़ना होगा और आगे आई एस डी करदाता को अपने अपने रजिस्ट्रीकृत प्राप्तिकर्ता इकाइयों से पूर्वतर वितरित आई टी सी से कम करके आई एस डी जमापत्र जारी करना होगा।
9. बेमेल दायित्व के संबंध में सारणी 7 को सिस्टम द्वारा भरा जाएगा।
10. सारणी 11 के माध्यम से नकद खाता से दावाकृत प्रतिदाय इलेक्ट्रानिक नकद खाता में एक विकलन प्रविष्टि का परिणाम होगा।

प्रदाय के स्वतः प्रारूपित प्ररूप के ब्यौरे
(जीएसटी आर-1 से स्वतः प्रारूपित)

वर्ष				
मास				

[illegible]

(सभी सारणी के लिए रकम रु० में)

[illegible][illegible]

स्त्रोत पर काटे गए कर की विवरणी

वर्ष				
मास				

[illegible]

(सभी सारणी के लिए रकम रु० में)

जिसकी कटौती की गई है का जी एस टी आई एन	जिसकी कटौती की गई है की संदत्त रकम जिससे कर काटा गया है।	स्त्रोत पर काटे गये कर की रकम		
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
1	2	3	4	5

4. किसी पूर्वतर कर अवधि के संबंध में स्रोत पर काटे गए कर के व्यौरों का संशोधन

आरंभिक ब्यौरे			पुनरीक्षित ब्यौरे				
मास	जिसकी कटौती की गई है का जी एस टी आई एन	जिसकी कटौती की गई है की संदत्त रकम जिससे कर काटा गया है	जिसकी कटौती की गई है का जी एस टी आई एन	जिसकी कटौती की गई है का जी एस टी आई एन	स्त्रोत पर काटा गया कर की रकम		
					एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
1	2	3	4	5	6	7	8

5. स्त्रोत और संदत्त पर कर कटौती

विवरण	कर कटौती की रकम	संदत रकम
1	2	3
(क) एकीकृत कर		
(ख) केन्द्रीय कर		
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर		

6. संदेय और संदत्त ब्याज, विलंब फीस

विवरण	संदेय रकम	संदत्त रकम
1	2	3
(एक) टी डी एस के मद्दे ब्याज के संबंध में		
(क) एकीकृत कर		
(ख) केन्द्रीय कर		
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर		
(दो) विलंब फीस		
(क) केन्द्रीय कर		
(ख) राज्यसंघ/ राज्यक्षेत्र कर		

7. इलैक्ट्रानिक नकद खाता से दावाकृत प्रतिदाय

विवरण	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	प्रविष्टि सं०
1	2	3	4	5	6	7
(क) एकीकृत कर						
(ख) केन्द्रीय कर						
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर						
बैंक खाते का ब्यौरे (नीचे करें)						

8. टीडीएस / ब्याज संदाय हेतु इलैक्ट्रानिक नकद खाते में विकलन प्रविष्टियां (कर के संदाय और विवरणी के प्रस्तुत किए जाने के पश्चात् भरा हुआ) ।

विवरण	नगर में संदत्त कर	ब्याज	विलंब फीस
1	2	3	4
(क) एकीकृत कर			
(ख) केन्द्रीय कर			
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर			

सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

स्थान

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर.....

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

१

तारीख

पदनाम /प्रास्थिति

अनुदेश :-

1. प्रयुक्त शब्द :-

(क) जी एस टी आई एन : माल और सेवा कर पहचान संख्या

(ख) टीडीएस :- स्रोत पर कर कटौती

2. कर कटौती के ब्यौरे को अभिग्रहण करने के लिए सारणी 3।
3. सारणी 4 पूर्व कर अवधियों में उपबंधित जानकारी के संशोधन को अंतर्विष्ट करेगा।
4. दायित्व के पूर्ण संदाय के बिना विवरणी फाइल नहीं की जा सकती।

प्ररूप जीएसटी आर-7क
(नियम 66(3) देखें)
स्रोत पर कर कटौती का प्रमाण पत्र

1. टीडीएस प्रमाणपत्र सं० -
2. कटौतीकर्ता का जीएसटीआईएन -
3. कटौतीकर्ता का नाम -
4. जिसकी कटौती की गई है का जीएसटीआईएन -
 (क) जिसकी कटौती की गई है का विधिक नाम -
 (ख) व्यापार का नाम, यदि कोई है -
6. कर अवधि जिसमें जीएसटी आर-7 में के लिए लेखा और कर कटौती--
7. कर कटौती की प्रदाय रकम के ब्यौरे—

मूल्य जिस पर कर कटौती है	स्रोत पर कर कटौती की रकम (रुपए में)		
	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
1	2	3	4

हस्ताक्षर -

नाम -

पदनाम -

कार्यालय -

स्रोत पर कर संग्रहण के लिए विवरण

वर्ष				
मास				

[illegible]

(सभी सारणी के लिए रकम रुपए में)

प्रदायकर्ता का जीएसटी आईएन	टीसीएस को आकर्षित की गई प्रदाय के ब्याँरे			स्रोत पर संग्रहीत कर की रकम		
	की गई प्रदाय का सकल मूल्य	प्रदाय वापसी का मूल्य	टीसीएस के लिए दायी कुल रकम	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
1	2	3	4	5	6	7
3क. रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से की गई प्रदाय						
3ख. अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से की गई प्रदाय						

[illegible]

5. ब्याज के ब्यार				
के मद्दे	व्यतिक्रम में रकम	ब्याज की रकम		
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर
1	2	3	4	5
टीसीएस रकम का देर से संदाय				

विवरण	संदाय कर	संदत्त रकम
1	2	3
एकीकृत कर		
केन्द्रीय कर		
राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर		

7. संदेय और संदत्त ब्याज

विवरण	संदेय ब्याज की रकम	संदत्त रकम
1	2	3
(क) एकीकृत कर		
(ख) केन्द्रीय कर		
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर		

8. इलेक्ट्रॉनिक नकद खाता से दावाकृत प्रतिदाय

विवरण	कर	ब्याज	शास्ति	अन्य	नामे प्रविष्टि संख्या
1	2	3	4	5	6
(क) एकीकृत कर					
(ख) केन्द्रीय कर					
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर					
बैंक खाते के ब्यौरे (नीचे करें)					

9. संदेय टीसीएस / ब्याज के लिए नकद खाता में नामे प्रविष्टि [कर के संदाय और विवरणी को प्रस्तुत करने के पश्चात् भरा जाए]

विवरण	नकद में संदत्त कर	ब्याज
1	2	3
(क) एकीकृत कर		
(ख) केन्द्रीय कर		
(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर		

सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कुछ भी नहीं छिपाना गया है।

स्थान : प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर
 तारीख : प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम
 पदनाम/प्रास्थिति

अनुदेश -

1. प्रयुक्त शब्द -

(क) जीएसटीआईएन :- माल और सेवा कर पहचान संख्यांक

(ख) टीसीएस :- स्रोत पर संग्रहीत कर

2. कोई ईकॉमर्स ऑपरेटर केवल - तब जीएसटी आर-8 फाइल कर सकेगा जब पूरा टी सी एस दायित्व निर्वहन कर लिया हो।

3. टी सी एस दायित्व का सारणी 3 और सारणी 4 के आधार पर संगणित की जाएगी।

4. इलेक्ट्रॉनिक नगद खाता से केवल तभी प्रतिदाय का दावा किया जा सकता है जब उस कर अवधि के लिए सभी टीसीएस उन्मोचित किया गया हो।

5. उक्त खाता से दावाकृत प्रतिदाय के लिए नगद खाता से विकलित की जाएगी।

6. स्रोत पर संग्रहीत कर की रकम जीएसटी आर-8 के फाइल किए जाने पर कर दाता के जीएसटी आर-2 के भाग ग से किया जाएगा।

7. प्रदायकर्ता जीएसटीआर-1 से ब्यौरे का मिलान प्रदायकर्ता के जीएसटीआईएन के स्तर पर किया जाएगा।

प्ररूप जीएसटीआर-11

[नियम 82 देखें]

विशिष्ट पहचान संख्यांक (यूआईएन) वाले व्यक्तियों द्वारा प्रदाय आवक का विवरण

वर्ष				
माह				

1	यू आई एन																			
2.	यू आई एन वाले व्यक्ति का नाम																			

3. प्राप्त प्रदाय आवक के ब्यौरे

(सभी सारणी के लिए रकम रुपये में)

प्रदायकर्ता का जीएसटी आईएन	बीजक / नामे नोट/जमापत्र के ब्यौरे			दर	कराधेय मूल्य	कर की रकम			
	संख्या	तारीख	मूल्य			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
3क. प्राप्त बीजक									
3ख. प्राप्त नामे नोट/जमापत्र									

4. प्रतिदाय रकम

एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4
बैंक खाते के ब्यौरे (नीचे करें)			

सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कुछ भी नहीं छिपाया गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

स्थान :

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

तारीख:

पदनाम/प्रास्थिति

अनुदेश- :

1. प्रयुक्त शब्द: -

क. जीएसटीआई एन :- माल और सेवा कर पहचान संख्यांक

ख. यूआईएन :- विशिष्ट पहचान संख्यांक

2. यूआईएन धारक को त्रैमासिक आधार पर प्रतिदाय दावा करने के लिए जीएसटी आर-11 फाइल करना होगा या अन्यथा जब कभी समुचित अधिकारी द्वारा फाइल करना अपेक्षित होगा।

3. जीएसटीआईआर-11 की सारणी 3 जीएसटीआर-1 से आबंटित होगी।

4. यू आई एन धारक को जीएसटी आर-11 में किन्हीं ब्यौरों को जोड़ने या उपांतरण करने की अनुमति नहीं होगी।

प्ररूप जीएसटी पीसीटी - 1

/नियम 83(1) देखें/

माल और सेवा कर व्यवसायी के रूप में नामांकन के लिए आवेदन

भाग - अ

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र - ▽

जिला - ▽

(i)	माल और सेवा कर व्यवसायी का नाम (स्थायी खाता संख्या पेन में यथा उल्लेखित)	
(ii)	स्थायी खाता संख्या (पेन)	
(iii)	ई-मेल पता	
(iv)	मोबाइल नं.	

टिप्पण - उपरोक्त दी गई जानकारी भाग -आ को भरने की कार्यवाही से पहले ऑनलाइन सत्यापन के अधीन है।

भाग - आ

1.	नामांकन प्राधिकारी	केन्द्र राज्य	<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>
2.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र		
3.	आवेदन की तारीख		
4.	नामांकन की मांग करने वाले :	(1) सी ओ पी धारित चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट (2) सी ओ पी धारित कंपनी सचिव (3) सी ओ पी धारित लागत और प्रबंधन अकाउन्टेन्ट (4) अधिवक्ता (5) वाणिज्य में स्नातक या स्नाकोत्तर उपाधि (6) बैंकिंग में स्नातक या स्नाकोत्तर उपाधि (7) कारबार प्रशासन में स्नातक या स्नाकोत्तर उपाधि (8) कारबार प्रबंधन में स्नातक या स्नाकोत्तर उपाधि (9) किसी विदेशी विश्वविद्यालय की परीक्षा की उपाधि (10) सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारीगण	
5.	सदस्यता संख्या		
5.1	सदस्यता का प्रकार (नीचे करने पर चुने गए संस्थान के आधार पर परिवर्तन होगा।		
5.2	नामांकन/सदस्यता की तारीख		
5.3	सदस्यता की विधिमाम्यता अवधि		

6	बार में रजिस्ट्रीकृत अधिवक्ता (बार काउंसिल का नाम)	/
6.1	बार द्वारा दी गई रजिस्ट्रीकरण संख्या	
6.2	रजिस्ट्रीकरण की तारीख	
6.3	तक विधिमान्य	
7	सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारीगण	केन्द्रीय/राज्य सरकार से सेवानिवृत्त
7.1	सेवानिवृत्ति की तारीख	
7.2	सेवानिवृत्ति के समय धारित पद का पदनाम	ए जी कार्यालय द्वारा जारी किए गए पेंशन प्रमाणपत्र की या सेवानिवृत्त का साक्ष्य देने वाला किसी अन्य दस्तावेज की स्कैन की गई प्रति
8.	आवेदन का ब्यौरा	
8.1	स्थायी खाता संख्या के अनुसार पूरा नाम	
8.2	पिता का नाम	
8.3	जन्म की तारीख	
8.4	फोटो	
8.5	लिंग	
8.6	आधार	<वैकल्पिक>
8.7	स्थायी खाता संख्या	< भाग अ से पूर्व में भरा हुआ>
8.8	मोबाइल नम्बर	<भाग अ से पूर्व में भरा हुआ>
8.9	लैंडलाइन नम्बर	
8.10	ई-मेल पता	< भाग अ से पूर्व में भरा हुआ >
9.	वृत्तिक पता	(कोई तीन आवश्यक होंगे)
9.1	भवन सं./फ्लैट सं./द्वार सं.	
9.2	तल सं.	
9.3	परिवार/भवन का नाम	
9.4	सड़क/मार्ग गली	
9.5	परिक्षेत्र/क्षेत्र/ग्राम	
9.6	जिला	
9.7	राज्य	
9.8	पिन कोड	
10.	योग्यता के ब्यौरे	
10.1	अर्हक उपाधि	
10.2	विश्वविद्यालय/संस्थान की मान्यता	न
<p>सहमति</p> <p>मैं, आधार सं. < प्ररूप में उपबंधित आधार सं. पर आधारित पूर्व में भरा हुआ> में धारक की ओर से प्रमाणीकरण के प्रयोजन के लिए यू आई डी ए आई से मेरा ब्यौरे प्राप्त करने की "माल और सेवा कर नेटवर्क" को सहमति देता हूँ। "माल और सेवा कर नेटवर्क" ने मुझे सूचित किया है कि पहचान सूचना का उपयोग केवल आधार धारक की पहचान की विधिमान्यता के लिए किया जाएगा और केवल प्रमाणीकरण के प्रयोजन हेतु केन्द्रीय पहचान आंकड़ा कोष के साथ साझा किया जाएगा।</p> <p>सत्यापन</p> <p>मैं सत्यनिष्ठा पूर्वक प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है तथा इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।</p>		
	स्थान	< डीएससी आवेदक के ई-हस्ताक्षर/ईवीसी>
	तारीख	< आवेदक का नाम>

अभिस्वीकृति

आवेदन संदर्भ संख्या (एआरएन) -

आपने सफलतापूर्वक आवेदन भर दिया है:

जीएसटीआईएन, यदि उपलब्ध है:

विधिक नाम:

प्ररूप सं. :

प्ररूप विवरण:

फाइल करने की तारीख:

फाइल करने का समय:

केन्द्रीय अधिकारिता:

राज्य अधिकारिता:

जिसके द्वारा फाइल किया गया:

अस्थायी संदर्भ संख्या, (टीआरएन) यदि कोई है:

स्थान:

यह एक संयंत्र जनित अभिस्वीकृति है और जिस पर कोई हस्ताक्षर अपेक्षित नहीं है।

टिप्पण - आवेदन की प्रास्थिति को जीएसटी पोर्टल पर डेस बोर्ड पर "आवेदन प्रास्थिति खोज" के माध्यम से देखा जा सकेगा।

प्ररूप जीएसटी पीसटी - 02

[नियम 83(2) देखें]

माल और सेवा कर व्यवसायी का नामांकन प्रमाणपत्र

1.	नामांकन संख्या	
2.	स्थायी खाता संख्या	
3.	माल और सेवा कर व्यवसायी का नाम	
4.	पता और संपर्क सूचना	
5.	जीएसटीपी के अनुसार नामांकन की तारीख	
तारीख		नामांकन प्राधिकारी का नाम
		नाम और पदनाम
		केन्द्र/राज्य

प्ररूप जीएसटी पीसटी - 03

[नियम 83(4) देखें]

संदर्भ सं.

तारीख

सेवा में,

नाम

आवेदक का पता

जीएसटी व्यवसायी की नामांकन सं.

निरर्हता के लिए कारण बताओ सूचना

यह मेरी अवस्था में आया है कि आप अवचार के दोषी हैं, जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है -

1.

2.

एतद् द्वारा आपको कारण बताओ सूचना दी जाती है कि उपरोक्त कथित कारणों के लिए क्यों नहीं आपको प्रदान किया गया नामांकन प्रमाणपत्र अस्वीकार कर दिया जाए। आपसे निवेदन है कि अपना जवाब इस सूचना की प्राप्ति की तारीख से <15> दिनों के अन्दर अद्योहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करें।

☐ (तारीख)..... (समय)..... पर अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित हों।

यदि आप नियत तारीख के भीतर उत्तर देने में असफल रहते हों या नियत तारीख और समय पर वैयक्तिक सुनवाई हेतु उपस्थित होने में असफल रहते हों; तो मामले को उपलब्ध अभिलेखों तथा गुणागुण अनुसार एक पक्षीय रूप से विनिश्चित कर दिया जाएगा।

हस्ताक्षर

नाम

(पदनाम)

प्ररूप जीएसटी पीसटी - 04

[नियम 83(4) देखें]

संदर्भ सं.

तारीख-

सेवा में

नाम

पता

नामांकन सं.

जीएसटी व्यवसायी के रूप में नामांकन की अस्वीकृति का आदेश

यह, कारण बताओ सूचना -----तारीख के जवाब में आपके उत्तर -----तारीख के संदर्भ में है।

☐ जहां कारण बताओ सूचना का कोई उत्तर नहीं दिया गया है; या

☐ जहां आप नियत दिन पर सुनवाई हेतु उपस्थित नहीं हुए हैं; या

☐ जहां अद्योहस्ताक्षरी ने सुनवाई के समय आपके उत्तर एवं निवेदनों का परीक्षण कर लिया है और उनकी यह राय है कि निम्नलिखित कारणों से आपका नामांकन रद्द किए जाने का दायी है।

1.

2.

आपके नामांकन रद्दकरण की प्रभावी तारीख ----- <<दिन/मास/वर्ष>> है।

हस्ताक्षर

नाम

(पदनाम)

प्ररूप जीएसटी पीसीटी - 05

[नियम 83(6) देखें]

माल और सेवा कर व्यवसायी के प्राधिकरण/प्राधिकरण का वापस लिया जाना

सेवा में

प्राधिकृत अधिकारी

केन्द्रीय कर/राज्य कर।

भाग - अ

महोदय/महोदया

मैं/हम एतद् द्वारा (स्वत्वधारी का नाम, /सभी साझीदार / कर्ता / प्रबंधन निदेशक और पूर्णकालिक निदेशक/संगम एसोसिएशन की प्रबंधन समिति के सदस्य/न्यासियों का बोर्ड आदि) -

1. *सत्यनिष्ठापूर्वक प्राधिकृत करते हैं,
2. *<<जीएसटीआईएन>> सम्बन्धित.....(विधिक नाम) की ओर से निम्नलिखित गतिविधियों को करने के लिए धारा 48 के साथ पठित नियम 83 के प्रयोजन के लिए नामांकन संख्या से सम्बन्धित..... (माल और सेवा कर व्यवसायी का नाम).....का प्राधिकरण वापस लेते हैं।

अनुक्रमांक	गतिविधियों की सूची	जांच बॉक्स
1.	जावक और आवक प्रदायों का ब्यौरा प्रस्तुत करना	
2.	मासिक, तिमाही, वार्षिक या अंतिम विवरणी प्रस्तुत करना	
3.	इलेक्ट्रॉनिक नकद खाते में प्रत्यय के लिए निष्पन्न करना	
4.	प्रतिदाय के दावे के लिए कोई आवेदन दाखिल करना	
5.	रजिस्ट्रीकरण के संशोधन या रद्दकरण के लिए कोई आवेदन दाखिल करना	

2.(माल और सेवा कर व्यवसायी का नाम) की सहमति इसके साथ संलग्न है।*

*जो भी लागू न हो उसे काट दें।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर
नाम
पदनाम/प्रास्थिति

तारीख
स्थान

भाग - ब

माल और सेवा कर व्यवसायी की सहमति

मैं <<माल और सेवा कर व्यवसायी का नाम>> <नामांकन संख्या> केवल जी एस टी आई एन.....(विधिक नाम).....द्वारा विनिर्दिष्ट गतिविधियों के संबंध में जी एस टी आई एन.....(विधिक नाम).....की ओर से माल और सेवा कर व्यवसायी के रूप में कार्य करने की सत्यनिष्ठापूर्वक सहमति प्रदान करता हूँ।

हस्ताक्षर

नाम

नामांकन सं.

तारीख

सितम्बर की विवरणी के दाखिल करने के पश्चात् मिलान का परिणाम (20 अक्टूबर तक दाखिल किया जाए)

माह	प्रतिष्ठ संख्या / वीजक / नामपत्र / जमापत्र के सतिमय पत्र			आई टी सी / निर्गम दायित्व			ब्याज		
	तारीख	संख्या	करायेय मुख्य	एकीकृत	केन्द्रीय	राज्य/संघ	राज्य	केन्द्रीय	राज्य

अ. अन्तिम रूप से स्वीकृत इनपुट कर प्रत्यय

अ.1 सितम्बर माह के उन बीजकों, नामे और जमापत्रों के ब्यारे, जिनका मिलान किया गया है

1	सितम्बर						शून्य		
2	सितम्बर						शून्य		

अ.2 अगस्त माह के उन बीजकों, नामे और जमापत्रों के ब्यारे, जो 20 सितम्बर तक दाखिल की गई अगस्त माह की विवरणी से मेल पाये गये हैं लेकिन 20 अक्टूबर तक दाखिल की गई सितम्बर माह की विवरणी में परिशुद्धी कर ली गई थी

1	अगस्त						शून्य		
2	अगस्त						शून्य		

अ.3 जुलाई माह और उससे पहले के, लेकिन पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के अर्ध से पूर्व नहीं, के उन बीजकों, नामे और जमापत्रों के ब्यारे, जो संदेय हो गये हैं लेकिन शुभक प्रदायकता/प्राप्तकर्ता ने 20 अक्टूबर तक दाखिल की गई सितम्बर माह तक अपनी विवरणी में तत्सम्बन्धी दस्तावेजों का ब्यारा सम्मिलित कर लिया है और सुधार को ब्याज के प्रतिदाय के साथ अनुज्ञात किया गया है।

1	माह						प्रतिदाय		
2	माह						प्रतिदाय		

ब. 1 अक्टूबर तक दाखिल की गई सितम्बर हेतु विवरणी में दायित्व की वृद्धि की ओर अग्रसर होने वाले बेल/अनुप्रतिपा

आ.1 जुलाई माह के उन बीजकों, नामे और जमापत्रों के ब्यारे, जो 20 अगस्त तक दाखिल किये गये जुलाई माह की विवरणी में मेल पाए गए हैं लेकिन बेल को 20 सितम्बर तक दाखिल की गई अगस्त माह की विवरणी में परिशुद्ध नहीं किया था और जो 20 अक्टूबर तक दाखिल की जाने वाली सितम्बर माह की विवरणी में संदेय हो गया है

1	जुलाई						दो माह		
2	जुलाई						दो माह		

ब.2 अगस्त माह के उन बीजकों, नामे और जमापत्रों के ब्यारे, जो अनुकृति के रूप में पाए गए हैं और जो 20 अक्टूबर तक दाखिल की जाने वाली सितम्बर माह की विवरणी में संदेय हो गया है

1	अगस्त						एक माह		
2	अगस्त						एक माह		

ब. 3 अगस्त माह के उन बीजकों, नामे और जमापत्रों के ब्यारे, जहां धारा 42/43 के अतिक्रमण में किया गया सुधार प्रतिवर्तन था और जो 20 अक्टूबर तक दाखिल की जाने वाली सितम्बर की विवरणी में संदेय हो गया है

प्ररूप जीएसटी पीएमटी - 01

(नियम 85(1) देखिए)

रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर

(भाग I : दायित्व से संबंधित विवरणी)

(सामान्य पोर्टल पर संधारित किया जाए)

जीएसटी आईएन
 नाम (विधिक)
 व्यापार का नाम, यदि कोई हो
 कर अवधि
 अधिनियम-केन्द्रीय कर/राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर/एकीकृत कर/उपकर/समस्त

(रुपए में रकम)

अनुक्रमिक	तारीख (दिन/माह/ वर्ष)	संदर्भ सं०	उन्मोचित दायित्व के लिए उपयोग का खाता	विवरण संख्या प्रकीर्ण (डीआर) (संदेश) // [प्रत्यय (सीआर) (संदत्त)]	संयवहार का प्रकीर्ण विवरण (डीआर) (संदेश) // [प्रत्यय (सीआर) (संदत्त)]	विकसित/जमा की गई रकम (केन्द्रीय कर/राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर/एकीकृत कर/उपकर/कुल)						अतिशेष (संदेश)						
						विकसित/जमा की गई रकम (केन्द्रीय कर/राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर/एकीकृत कर/उपकर/कुल)						अतिशेष (संदेश)						
						कर	व्याज	शान्ति	फीस	अन्य	कुल	कर	व्याज	शान्ति	फीस	अन्य	कुल	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	

टिप्पणः---

- विवरणी और संदायों के देय प्रोद्भूत सभी दायित्व इस खाते में उसी के सामने अभिलिखित किए जाएंगे।
- शीर्ष विवरण के अधीन - समेकन, रजिस्ट्रीकरण के रद्दीकरण के लिए विकल्प के कारण दायित्व भी इस भाग में समाविष्ट किए जाएंगे। कर अवधि के ऐसे दायित्व रजिस्टर में भरे जाएंगे जिसमें यथास्थिति, आवेदन या आदेश की तारीख पर आती हो।
- विवरणी अधिविमान्य के रूप में मानी जाएगी यदि अंतिम शेष सकारात्मक है। विकलन (संदेश रकम) से प्रत्यय (रकम संदत्त) कम कर के शेष लिखी जाएगी।
- उपकर से अभिप्रेत है, माल और सेवा कर (राज्यों के लिए प्रतिकर) अधिनियम, 20:7 के अधीन उद्धृत/हित उपकर।

[illegible]

1. विवरणी से संबंधित दायित्वों से निम्न प्रदूषित समस्त दायित्व इस खाले में अभिलिखित किया जाएगा । संयंबवहार का पूर्ण विवरण तदुसार अभिलिखित किया जाएगा ।
2. दायित्वों के प्रतिफल नकद या प्रत्यय खाते से किये गये समस्त संदाय तदुसार अभिलिखित किए जाएंगे ।
3. अपील के निमिषत्र, परिशोधन, प्रतिवर्तन, पुनर्विलोकन आदि के कारण संदेय रकम में कमी या वृद्धि यहाँ प्रतिबिंबित की जाएगी ।
4. एकल मांग आईडी के लिए नकारात्मक अतिशेष आ सकते हैं यदि अपील अनुज्ञात मागतः अनुज्ञात की जाती है, समस्त अंतिम अतिशेष तक सकारात्मक हो सकेगा ।
5. विशिष्ट मांग आईडी के लिए पूर्ण निशेष का प्रतियाय का दावा किया जा सकता है यदि अपील अनुज्ञात की जाती है, तब ही समस्त अतिशेष, प्रतिफल प्रतिदाय के समायोजन के अध्यक्षीन समुचित अधिकारी द्वारा किसी दायित्व के प्रतिफल होगा ।
6. इस भाग में अंतिम अतिशेष पर विवरण दाखिल करते पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।
7. अधिनियम या नियमों में विनिर्दिष्ट समय के भीतर या कारण बताओ सूचना के पन्नाह किये गये संदाय के आधार पर शांति की रकम में कमी स्वतः हो जाएगी ।
8. कारण बताओ सूचना के प्रतिफल या सौख्यिक रूप से किया गया कोई अन्य संदाय प्रत्यय या नकद खाते के माध्यम से संदाय करने पर किसी समय में किया गया संदाय रजिस्टर में दर्शित किया जाएगा । विकसन और प्रत्यय की प्रविष्टि एकसाथ सूचित की जाएगी ।

(नियम 86(1) देखिए)

जीएसटी आईएन
नाम (विधिक)
व्यापार नाम, यदि कोई हो
अवधि..... सेतक (दिन/माह/वर्ष)
अधिनियम-केन्द्रीयकर /पाण्य कर/संव राण्यक्षेत्र/एकीकृत कर/उपकर/समस्त

[illegible]

अनंतिम प्रत्यय का अतिशेष

अनुक्रमांक	कार की अवधि	केन्द्रीय कर	राज्य कर	संघ राज्यक्षेत्र कर	एकितृत कर	उपकर	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8

देनेत प्रत्यय (प्रतिवर्ती से निष्पत्ति)

अनुक्रमांक	कर की अवधि	देनेत प्रत्यय की रकम				
		केन्द्रीय कर	राज्य कर	संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	कुल
1	2	3	4	5	6	7
						8

टिप्पण---

1. विवरणी के अनुसार प्रत्ययों के प्रकार, विलयन के कारण प्रत्यय पूर्व-विवरणीकरण आगत आदि के कारण प्रत्यय, प्रशमन स्वीम, संक्रमण इत्यादि, से विकल्प के सम्मुख के लिए प्रत्यय खाते में प्रतिनिधित्व होगा।
2. विवरण में प्रत्यय (जीएसटी आर-3, जीएसटी आर 6 आदि) के खाते सम्मिलित होंगे और विवरणी या मांग आदि से संबंधित दाखिल के प्रति उसकी उपयोगिता है। खाते से दावा किए गए प्रतिदाय विकसित किया जाएगा और यदि दावा अस्वीकार किया जाता है तब अस्वीकार की सीमा तक खाते के लिए पीछे प्रत्याशित किया जाएगा।

प्रारूप जीएसटी पीएसटी - 03

(नियम 86(4) और 87(11) के लिए)

दावा प्रतिदाय की अस्वीकृति पर नकद या प्रत्यय की रकम के पुनः प्रत्यय के लिए आदेश

संदर्भ संख्या.

तारीख -

1. जीएसटीआईएल -
2. नाम (विविध) -
3. व्यापार का नाम, यदि कोई हो-
4. पता -
5. अवधि / कर अवधि जिससे प्रत्यय संबंधित है, यदि कोई हो-
6. खाता जिससे विकल्प से प्रतिदि के दावा प्रतिदाय के लिए किया गया था--
7. विकल्प प्रविष्टि संख्या और तारीख -
8. आवेदन संदर्भ संख्या और तारीख -
9. संख्या और आदेश की तारीख जिससे प्रतिदाय अस्वीकार किया गया था-
10. प्रत्यय की रकम

से तक
(नकद / प्रत्यय खाता)

अनुक्रमांक	अधिनियम (केन्द्रीय कर / राज्य कर / संघ राज्यक्षेत्र कर / एकीकृत कर / उपकर)	प्रत्यय की रकम (रुपये)				
		व्याज	शक्ति	कीमत	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7
						8

हस्ताक्षर
नाम
अधिकारी का पदनाम

टिप्पण---

1. "केन्द्रीय कर" का अभिप्राय केन्द्रीय माल और सेवा कर से है, "राज्य कर" का अभिप्राय राज्य माल और सेवा कर से है, "संघ राज्यक्षेत्र कर" का अभिप्राय संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर से है, "एकीकृत कर" का अभिप्राय एकीकृत माल और सेवा कर से है, और "उपकर" का अभिप्राय माल तथा सेवा कर (राज्यों को प्रतिकर) से है।

प्ररूप जीएसटी पीएमटी - 05

(नियम 87(1) देखिए)

इलेक्ट्रॉनिक नकद खाता

(सामान्य पोर्टल पर संचालित किया जाए)

जीएसटी आईएन/अस्थायी आईडी

नाम (विविध)

व्यापार नाम, यदि कोई हो

अवधि..... से तक (दिन/माह/वर्ष)

स्थान प्राप्ति/स्थापित/अस्थापित

अधिनियम-केंद्रीय कर/राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर/एकीकृत कर/उपकर/समस्त

(रुपए में रकम)

क्रम सं०	नियेष की तारीख/ माह/ वर्ष	नियेष का समय	रिपोर्ट तारीख (बैंक द्वारा)	संदर्भ सं०	कर की अवधि, यदि कोई हो	विवरण	संव्यवहार प्रकार [विकलन (डीआर) प्रत्यय (सीआर)]	विकलित/प्रत्यय रकम (केन्द्रीय कर/राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर/एकीकृत कर/उपकर/कुल)				अतिशेष (केन्द्रीय कर/राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर/एकीकृत कर/उपकर/ कुल)							
								कर	व्याज	शान्ति	फीस	अन्य	कुल	कर	व्याज	शान्ति	फीस	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20

टिप्पण---

1. संदर्भ संख्या जिसमें वीआरएन (बैंक संदर्भ संख्या) विकलन प्रविष्टि संख्या, आदेश संख्या यदि कोई हो और टीडीएस और टीडीसी प्रत्यय के मामले में विवरणी की अभिस्वीकृति संख्या सम्मिलित है।
2. कर की अवधि, किसी विकलन के लिए यदि लागू हो, संख्या अभिलिखित किया जाएगा, अन्यथा स्थान छोड़ा जाएगा।
3. लोत पर कटौतीकर्ता का माल और सेवा कर पहचान संख्या (जीएसटी आईएन), चालान पहचान संख्या (सीआईएन) जिसके प्रतिकूल निशेष किया गया है और दायित्व के प्रकार जिसके लिए विकलन किया गया है, शीर्षक "विभेद" के अधीन भी अभिलिखित किया जाएगा।
4. आवेदन की संख्या, यदि कोई, कारण बताओं सूचना, मांग आईडी, अपील के लिए पूर्व निशेष या किसी दायित्व के लिए शीर्षक "विभेद" के अधीन अभिलिखित किया जाएगा।
5. खाते से दावाकृत प्रतिदाय या कोई विकलन किसी दायित्व के प्रतिकूल अभिलिखित किया जाएगा।

प्ररूप जीएसटी पीएमटी - 04

(नियम 85(7), 86(6) और 87(12) देखें)

इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय छाता/नकद छाता/दायित्व रजिस्टर में विरोध की संसूचना के लिए आवेदन

1.	जीएसटीआईएन
2.	नाम (विविध)
3.	व्यापार का नाम, यदि कोई हो
4.	वित्त के लिए विरोध देखा गया है, मैं <input type="checkbox"/> प्रत्यय छाता <input type="checkbox"/> नकद छाता <input type="checkbox"/> दायित्व रजिस्टर
5.	छाता/रजिस्टर विरोध के ब्यौरे
	तारीख
	कर का प्रकार
	केन्द्रीय कर
	राज्य कर
	संघ राज्यक्षेत्र कर
	एकीकृत कर
	उपकर
6.	कारण, यदि कोई
7.	सत्यापन मैं सत्यापित करने से घोषणा करता हूँ कि मेरी सर्वोत्तम जानकारी या विश्वास के अनुसार ऊपर दी गई सूचना सही और पूर्ण है। हस्ताक्षर स्थान : तारीख : प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम पदनाम/प्राप्ति

टिप्पण---"केन्द्रीय कर" का अभिप्राय केन्द्रीय माल और सेवा कर है, "राज्य कर" का अभिप्राय राज्य माल और सेवा कर है, "संघ राज्यक्षेत्र कर" का अभिप्राय संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर है और "उपकर" का अभिप्राय माल तथा सेवा कर (राज्यों को प्रतिकर) है।

6. निक्षेप का समय और तारीख, बैंक द्वारा रिपोर्टिंग के रूप में सीआईए सूचन की तारीख और समय है।

7. "केन्द्रीय कर" का अभिप्राय केन्द्रीय माल और सेवा कर है, "राज्य कर" का अभिप्राय राज्य माल और सेवा कर अभिप्राय है, "संघ राज्यक्षेत्र कर" का अभिप्राय संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर है और "उपकर" का अभिप्राय माल तथा सेवा कर (राज्यों को प्रतिकर) है।

रूप जीएसटी पीएमटी - 06

(नियम 87(2) देखिए)

माल और सेवा कर के निक्षेप के लिए चालान

सीपीआईएन	<<सूचना प्रभुति के पश्चात् स्वतः नृजित	तारीख << चालान जारी	चालान अवसान की तारीख
----------	--	---------------------	----------------------

जीएसटीआईएन	<<भग गया/स्वतः वासित>	ई-मेल पता	<<स्वतः वासित>
नाम (विधिक)	<<स्वतः वासित>>	मोबाइल नं०.	<<स्वतः वासित>
पता	<<स्वतः वासित>>		
निक्षेप के ब्यौरे (सभी माल रूप में)			
सरकार	मुख्य शीर्ष	लघु शीर्ष	
	केन्द्रीय कर	कर	कुल
भारत सरकार	(---)	शास्ति	अन्य
	एकीकृत कर	फीस	
	(---)		
	उपकर		
	(---)		
	उप योग		
राज्य (नाम)	राज्य कर		
	(---)		
संघ राज्यक्षेत्र (नाम)	संघ राज्यक्षेत्र		
	कर (---)		
कुल चालान रकम			
कुल रकम, शब्दों में			
संदाय का ढंग (सुसंगत भाग सक्रिय होगा जब विशिष्ट रूप में चयन किया जाए)			

☐ अतिरिक्त पटल (ओटीसी)

बैंक (जहां नकद या लिखत निक्षेप किए जाने के लिए प्रस्तावित है)

लिखत के ब्यौरे

<input type="checkbox"/> नकद	<input type="checkbox"/> बैंक	<input type="checkbox"/> मांग ड्राफ्ट
------------------------------	-------------------------------	---------------------------------------

☐ ई-संदाय

(यह ई-संदाय के सभी ढंग सम्मिलित होगा जैसे सीडी/डीसी और नेट बैंकिंग करताता इसमें एक चयन करे।)

<input type="checkbox"/> नेफ्ट/आरटीजीएस	
प्रेषण बैंक	जीएसटी
फायदाग्राही का नाम	< सीपीआईएन >
फायदाग्राही लेखा संख्या (सीपीआईएन)	भारतीय रिजर्व बैंक
फायदाग्राही का नाम	आरबीआई का आईएफएससी
फायदाग्राही बैंक का भारतीय वित्तीय प्रणाली कोड (आईएफएससी)	
रकम	

टिप्पण : संदाय करते समय व्यक्ति द्वारा संदत्त प्रभारों के लिए पृथक् रूप से हो।

निक्षेपकर्ता का विशिष्टियां

नाम	
पदनाम/प्रास्थिति (प्रबंधक, भागीदार, आदि)	
हस्ताक्षर	
तारीख	संदत्त चालान सूचना
जीएसटीआईएन	
करदाता का नाम	
बैंक का नाम	
रकम	
बैंक अभिलेखीकृति संख्या (बैंक के पटल पर)	
निक्षेपित बैंक/ बैंक के डीडी	
सीआईएन	

संदाय की तारीख	
बैंक अभिलेखीकृति संख्या (बैंक के पटल पर)	
निक्षेपित बैंक/बैंक के डीडी	

टिप्पण—एनईएफटी/आरटीजीएस संदाय के लिए यूनिक संव्यवहार संख्या से अभिप्राय है।

प्ररूप जीएसटी पीएमटी-07

(निम्न 87(8) देखिए)

संदाय से संबंधित सूचना विवेक के लिए आवेदन

1.	जीएसटीआईएन				
2.	नाम (विधिक)				
3.	व्यापार नाम, यदि कोई हो				
4.	सामान्य पोर्टल से चलान के सृजन की तारीख				
5.	सामान्य पोर्टल पहचान संख्या (सीपीआईएन)				
6.	संदाय का माध्यम (केवल एक को चिह्नित करें)	नेट बैंकिंग <input type="checkbox"/>	सीसी/डीसी <input type="checkbox"/>	एनईएफटी/आरटीजीएस <input type="checkbox"/>	ओटीसी <input type="checkbox"/>
7.	लिखित ब्यौरा, केवल ओटीसी संदाय हेतु	चैक/ड्राफ्ट सं०	तारीख	बैंक/शाखा जिससे निकाला गया	
8.	बैंक का नाम जिसके माध्यम से संदाय किया गया है				
9.	उस तारीख को जिसको विकसन/सुव्यस्थीकरण किया गया है				
10.	संदर्भ बैंक सं० (बीआरएन)/ यीटीआर संख्या, यदि कोई हो				
11.	संदाय गेटवे का नाम (सीसी/डीसी)	केन्द्रीय कर	राज्य कर	संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर
12.	संदाय विवरण				
13.	सत्यापन (प्राधिकृत हस्ताक्षरी द्वारा) मैं सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ कि इस घोषणा में दी गई जानकारी सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है।	हस्ताक्षर प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम पदनाम/प्रास्थिति.....			
	स्थान				
	तारीख				

टिप्पण -

1. आवेदक करदाता के लिए अर्थ है वहाँ उसके लेखा से विकलित रकम संदत होने के लिए आशयित है किन्तु सीआईएन सामान्य पोर्टल के लिए बैंक द्वारा संप्रेषित किया जाता है किन्तु संबंधी बैंक द्वारा रिपोर्ट किया गया है।
2. विकसन के 24 घंटे के भीतर आवेदन फाइल किया जा सकेगा, संप्रेषित नहीं किया गया है।
3. सामान्य पोर्टल संबंध बैंक से परिवाद अग्रेषित करेगा और व्ययित व्यक्ति को सूचन देगा।
4. "केन्द्रीय कर" का अभिप्राय केन्द्रीय माल और सेवा कर है, "संघ राज्यक्षेत्र कर" का अभिप्राय संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर है, "एकीकृत कर" का अभिप्राय एकीकृत माल और सेवा कर अभिप्राय है और "उपकर" का अभिप्राय माल तथा सेवा कर (राज्यों के प्रतिकर) है।

प्ररूप – जीएसटी-आरएफडी-01
[नियम 89(') देखिए]

प्रतिदाय के लिए आवेदन

चयन – रजिस्ट्रीकृत/आकस्मिक/अरजिस्ट्रीकृत/अनिवासी कराधेय व्यक्ति

1. जीएसटीआईएन/अस्थायी आईडी:
2. विधिक नाम :
3. व्यापार नाम, यदि कोई हो :
4. पता :
5. कर अवधि : <दिन/मास/वर्ष> से <दिन/मास/वर्ष>
6. दावा किया गया प्रतिदाय की रकम :

अधिनियम	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	कुल
केन्द्रीय कर						
राज्य कर						
संघ राज्यक्षेत्र कर						
एकीकृत कर						
उपकर						
कुल						

7. प्रतिदाय दावा के लिए आधार (नीचे से चयन करें) :

- (क) इलेक्ट्रानिक के नकद खाता में अधिक अतिशेष :
- (ख) माल/सेवाओं के निर्यात कर के प्रदाय के साथ :
- (ग) निर्यात माल सेवाएं – कर के संदाय के लिए उदरहणार्थ, इनपुट कर प्रत्यय संचित
- (घ) निर्धारण/अनंतिम निर्धारण/अपील/कोई अन्य आदेश के कारण—

(i) आदेश के प्रकार, उसका चयन :

निर्धारण/अनंतिम निर्धारण/अपील आदेश

(ii) निम्नलिखित ब्यौरे उल्लिखित करें,--

1. आदेश संख्या ;
2. आदेश की तारीख <कलेंडर>
3. प्राधिकारी का आदेश जारी करना
4. संदाय संदर्भ संख्या (प्रतिदाय के रूप दावे के लिए रकम)

(यदि आदेश प्रणाली के भीतर जारी किया जाता है, तब 1,2,3,4 स्वतः वासित)

(ङ) विपर्यस्त कर ढांचा के लिए इनपुट कर प्रत्यय संचित (धारा 54(3)) के परन्तुक के खंड (ii)

(च) विशेष आर्थिक जोन इकाई/विशेष आर्थिक विकासकर्ता या समझे गए निर्यात प्राप्तक के लिए गए प्रदाय पर-

(i) प्रदायकर्ता/प्राप्तिकर्ता के प्रकार चयन करें--

1. विशेष आर्थिक जोन इकाई के लिए प्रदायकर्ता
2. विकासकर्ता विशेष आर्थिक जोन के लिए प्रदायकर्ता
3. समझा गया निर्यात की प्राप्ति।

(छ) प्रदाय पर संदत्त कर जिसे उपबंधित नहीं किया गया है, या तो पूर्णतः या भागतः और जिसके लिए वीजक जारी किया गया है।

(ज) राज्यांतरिक पर संदत्त कर पर जिसे अन्तराज्यिक और विपर्ययेन धारित किया जाए।

(i) कर की अधिकता संदाय, यदि कोई हो

(झ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)

8. बैंक लेखा के ब्यौरे (रजिस्ट्रीकृत करदाता के मामले में आरसी से स्वतः वासित)

(क) बैंक खाता संख्या

(ख) बैंक का नाम

(ग) बैंक खाता प्रकार

(घ) खाता धारक का नाम

(ङ) बैंक शाखा का पता

(च) भारतीय विस्तीय प्रणाली कोड (आईएफएससी)

(छ) मैगनेटिक इंक करेक्टर रिकॉगनाइजेशन (एमआईसीआर)

9. क्या धारा 54(4) के आवेदक द्वारा स्वयं घोषणा है, यदि लागू हो हां नहीं ☐ ☐

घोषणा (धारा 54(3)(ii))

मैं तदनुसार घोषणा करता हूँ कि निर्यातित माल किसी निर्यात शुल्क के लिए कोई विषय नहीं है, मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि माल या सेवाएं दोनों पर कोई प्रतिदाय प्राप्य नहीं है और कि मैंने प्रदाय पर संदत्त कर एकीकृत कर जिसकी बाबत प्रतिदाय दावा किया गया है, के प्रतिदाय हेतु दावा नहीं किया है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम/प्रास्थिति

घोषणा (धारा 54(3)(ii))

मैं घोषणा करता हूँ कि आवेदन में किए गए दावा इनपुट कर प्रत्यय का प्रतिदाय दरों पर शून्य के लिए उपयोजित माल या सेवाओं पर प्राप्य किया था या पूर्णतः छूट जो प्रदाय करता है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम/प्रास्थिति

स्वयं-घोषणा (नियम 89 देखें)

मैं/हम..... (आवेदक) जिसके पास माल या सेवा कर पहचान संख्या/अस्थायी आईडी..... सत्यानिष्ठा से प्रतिज्ञान और प्रमाणित करता हूँ/करते हैं और प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि कर, ब्याज या उसकी अवधि से तक के लिए कर, ब्याज, या कोई अन्य रकम के बारे में रुपए के लिए उसकी कोटि प्रतियां की बाबत आवेदन प्रतिदाय में दावा किया गया है, ऐसे कर और ब्याज की घटना किसी व्यक्ति द्वारा पारित नहीं किया गया है।

(आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए जाने के लिए यह घोषणा अपेक्षित नहीं है जो मध्य प्रदेश माल एवं सेवा कर नियम 96 के अधीन जिन्होंने प्रतिदाय के लिए दावा कर रहा है)।

10 सत्यापन

मैं/हम (करदाता का नाम) तदनुसार सत्यानिष्ठा प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है और कोई बात छिपाया नहीं गया है।

मैं घोषणा करता हूँ कि इस लेखा पर उसके द्वारा पहले कोई प्राप्त नहीं किया गया है।

स्थान

प्राधिकारी का हस्ताक्षर

तारीख

(नाम)

पदनाम/प्रास्थिति

टिप्पण—माल और सेवा कर प्रतिदाय के नियम 89 के उपनियम (4) के अधीन पृथक कथन फाइल नहीं किया गया है।

कथन 1:

(टिप्पण—सभी कथन, करदाता विवरणी तत्स्थानी से स्वतः वासित है, भरे जाने के लिए ईजीएम/ईबीआरसी जैसे बीजकों के लिए चयन करें, यदि विवरणी में पहले नहीं भरा गया था)

उपाबंध-1

मध्य प्रदेश माल एवं सेवा कर नियम 89(2)(ज) के अधीन संख्या और बीजक की संख्या और तारीख अन्तर्विष्ट करने वाला कथन आवक प्रदाय के लिए:

जीएसटी आर-2 के अनुसार (सारणी 4) :

.....कर अवधि

जीएसटी आईएन रजिस्ट्रीकृत प्रदायकर्ता का नाम	बीजक के ब्यौरे							राज्य (वैर-रजिस्ट्रीकृत प्रदायकर्ता के मामले में)	एकीकृत कर		केंद्रीय कर		राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर		उपर		स्तंभ 17	स्तंभ 18	स्तंभ 19	स्तंभ 20/21/22/23				
	संख्या	तारीख	मूल्य	माल/सेवाएं (जी/एस)	एचएसएन	कराधेय मूल्य	यूएनसीटीवाई		दर रकम. (%)	दर रकम (%)	दर रकम (%)	दर रकम (%)	दर रकम (एनए)	रकम.										
1	2	3	4	5	6	7	24क	24ख	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23

स्तंभ 17: पीओएस (अभियुक्त स्थिति से केवल यदि भिन्न हो)

स्तंभ 18: उपदर्शित करे यदि प्रदाय प्रतिवर्ती प्रभार्य आकर्षित किया जाता है। (हां/नहीं)

स्तंभ 19: इनपुट कर प्रत्यय की पात्रता जैसे (इनपुट/पूजी माल/इनपुट सेवाएं/कोई नहीं)

स्तंभ 20/21/22/23: इनपुट कर प्रत्यय की रकम जो उपलब्ध है।

बाह्य प्रदाय :

जीएसटी आर-2 के अनुसार (सारणी 5) :

..... कर अवधि

जीएसटी आईएस/ यूआईएन	बीजक के ब्यौरे										एकीकृत कर		केन्द्रीय कर		राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर			उपकर		स्तंभ 16	स्तंभ 17	स्तंभ 18	स्तंभ 19	स्तंभ 20	स्तंभ 21	स्तंभ 22
	सं०	तारीख	मूल्य	माल/सेवाएं (जी/एस)	एचएसएन	कराधेय मूल्य	यूएससी क्यूटीआई	दर	रकम.	दर	रकम	दर	रकम	दर	रकम.											
								(%)	रकम.	(%)	रकम	(%)	रकम	(एनए)	रकम.											
1	2	3	4	5	6	7	23ख	23क	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22			

स्तंभ 16: पीओएस (केवल यदि प्राप्तिकर्ता के अवस्थित से भिन्न हो)

स्तंभ 17: क्या विशेष आर्थिक जोन/विशेष आर्थिक जोन विकासकर्ता के लिए की गई प्रदाय (हां/नहीं)

स्तंभ 18: विशेष आर्थिक जोन/विशेष आर्थिक जोन विकासकर्ता के लिए की गई प्रदाय हेतु विकल्प (एकीकृत कर के साथ/एकीकृत कर के बिना)

स्तंभ 19: माना गया निर्यात (हां/नहीं)

स्तंभ 20: क्या प्रतिवर्ती प्रभार से संबंधित है (हां/नहीं)

स्तंभ 21: क्या यह बीजक अनंतिम आधार पर कर संदत्त किया है (हां/नहीं)

स्तंभ 22: ई-वाणिज्य प्रचालक (यदि लागू हो) के माल और सेवा कर पहचान संख्या (जीएसटीआईएन)

स्थान

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

तारीख

(नाम)

पदनाम/प्रास्थिति

कथन 2:

नियम 89 के उपनियम 2(ख) और (ग) के अधीन आवेदन के मामले में कथन :

कर के संदाय के साथ निर्यात :

.....: कर अवधि

बीजक										लदान बिल/ निर्यात का बिल			कर संदाय विकल्प		एकीकृत कर		क्या अनंतिम आधारों पर यह बीजक संदत्त कर पर है (हां/नहीं)	ईजीएम के ब्यौरे		बीआरसी/ एफआईआरसी	
सं०	तारीख	मूल्य	माल/ सेवाएं (जी/एस)	एचएसएन	सं०	तारीख	करायेय मूल्य	पतन कोड	सं०	तारीख	एकीकृत कर के साथ	एकीकृत कर के बिना	दर (%)	रकम	संदर्भ सं०	तारीख	सं०	तारीख			
1	2	3	4	5	15क	15ख	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15C	15D	15E	15F		

(*लदान बिल और ईजीएम जो आज्ञापक है—माल के मामले में ; बीआरसी/ एफआईआरसी के ब्यौरे, आज्ञापक है—सेवाओं के मामले में)

स्थान

तारीख

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

(नाम)

पदनाम/प्रास्थिति

कथन 3:

कर के संदाय के बिना निर्यात :

कर अवधि

बीजक										सदान बिल/निर्यात का बिल			कर संदाय विकल्प		एकीकृत कर		क्या बीजक पर कर अनंतिम आधार पर संदत्त है (हां/नहीं)	ईजीएम के बारे		बीआरसी/ एफआईआरसी	
सं०	तारीख	मूल्य	माल/ सेवाएं (जी/एस)	एचएसएन	यूसूसी	स्प्रीवाई	कराधेय मूल्य	पतन कोड	सं०	तारीख	एकीकृत कर के साथ	एकीकृत कर के बिना	दर (%)	सं०	तारीख	सं०	तारीख	सं०	तारीख		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20		

(सदान बिल और ईजीएम-माल के मामले में आपक है;

बीआरसी/ एफआईआरसी के ब्यारे आपक है-सेवाओं के मामले में)

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

स्थान

(नाम)

तारीख

पदनाम/प्रास्थिति

कथन 4:

नियम 89, उपनियम 2(घ) और (ङ) के अधीन आवेदन के मामले में कथन:
विशेष आर्थिक जोन/विकासकर्ता के प्रदायकर्ता द्वारा प्रतिदाय:
जीएसटीआर-1 सारणी 5

कर अवधि

जीएसटी आईएस/ यूआईएन	बीजक के ब्यौरे										एकीकृत कर		केन्द्रीय कर		राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर		उपकर		स्तंभ 16	स्तंभ 17	स्तंभ 18	स्तंभ 19	स्तंभ 20	स्तंभ 21	स्तंभ 22	एआरआई	प्रति की तारीख	संदाय के ब्यौर	
	सं0 तारीख	मूल्य	माल/सेवाएं (जी/एस)	एचएसएन मूल्य	करायेय मूल्य	यूएसटी म्यूटीबाई	दर (%)	रकम: (एनए)	दर रकम (%)	दर रकम (%)	दर रकम (%)	दर रकम (%)	रकम: (एनए)	स्तंभ 16	स्तंभ 17	स्तंभ 18	स्तंभ 19	स्तंभ 20	स्तंभ 21	स्तंभ 22	सं0 तारीख	संदर्भ सं0	तारीख	23अ	23ब				
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23ग	23घ	23ङ	23च	23छ		

स्तंभ 16: पीओएस (केवल यदि अभिग्राही स्थिति से मिला हो)

स्तंभ 17: क्या विशेष आर्थिक जोन/विशेष आर्थिक विकासकर्ता के लिए प्रदाय की गई है (हां/नहीं)

स्तंभ 18: क्या विशेष आर्थिक जोन/विशेष आर्थिक विकासकर्ता (एकीकृत कर के साथ/एकीकृत कर के बिना) के लिए कर विकल्प प्रदाय किया जाता है।

स्तंभ 19: समझा गया निर्यात (हां/नहीं)

स्तंभ 20: क्या विपर्यस्त, क्या प्रदाय विपर्यस्त परिवर्तन संबंधी है। (हां/नहीं)

स्तंभ 21: क्या अनंतिम आधार पर इस बीजक कर पर संदत्त किया गया है। (हां/नहीं)

स्तंभ 22: ई-वाणिज्य प्रचालक का माल और सेवा कर पहुंचान संख्या (जीएसटीआईएन) (यदि लागू)

स्तंभ 23 सी/डी: एआईआरआई (निर्यात को हाटने के लिए आवेदन)

स्तंभ 23 ई: विशेष आर्थिक जोन/विकासकर्ता द्वारा प्राप्ति की तारीख (गोदाम प्रमाणपत्र के अनुसार)

स्तंभ 23 एफ/जी: संदाय प्राप्ति के ब्यौरे

(* माल के मामले में: विशेष आर्थिक जोन/विकासकर्ता द्वारा एआई और प्राप्ति का तारीख;

सेवा में प्राप्त संदाय की विशिष्टियां आजापक है)

सेवा के मामले में: प्राप्त किए संदाय की विशिष्टियां आजापक है।

जीएसटीआर 5—सारणी 6

कर अवधि

स्तंभ 1	बीजक के ब्योरे					एकीकृत कर केन्द्रीय कर			राज्य कर/संव राज्यक्षेत्र कर			उपकर		स्तंभ स्तंभ स्तंभ स्तंभ				एआरई		प्राप्ति की तारीख		संदाय के ब्योरे	
	सं०	तारीख	मूल्य सेवाएं (जी/एस)	मात्रा/एचएसएन यूएससी	कूटीबाई मूल्य	दर (%)	रकम (%)	दर	रकम (%)	दर	रकम (%)	दर	रकम	16	17	18	19	20	सं० तारीख	21ग	21घ	21ङ	21छ
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21ग	21घ	21ङ	21छ

स्तंभ 1: माल और सेवा कर पहचान संख्या/यूनिक पहचान संख्या/गैर-रजिस्ट्रीकृत प्राप्तिकर्ता (विशेष आर्थिक जोन/विकासकर्ता के लिए प्रदायकर्ता)

स्तंभ 16: पीओएस केवल यदि प्राप्तिकर्ता की अवस्थिति से विभिन्न

स्तंभ 17: क्या विशेष आर्थिक जोन/विशेष आर्थिक विकासकर्ता के लिए प्रदाय की गई है (हां/नहीं)

स्तंभ 18: विशेष आर्थिक जोन/विशेष आर्थिक विकासकर्ता (एकीकृत कर के साथ/एकीकृत कर के बिना) के लिए कर विकल्प प्रदाय किया जाता है।

स्तंभ 19: समझा गया निर्यात (हां/नहीं)

स्तंभ 20: क्या अंतिम आधार पर इस बीजक कर पर संदत्त किया गया है। (हां/नहीं)

स्तंभ 21 सी/डी: एआरई (निर्यात को हाटने के लिए आवेदन)

स्तंभ 21 ई: विशेष आर्थिक जोन/विकासकर्ता (गोदाम प्रमाणपत्र के अनुसार) द्वारा प्राप्ति की तारीख

स्तंभ 21 एफ/जी: संदाय प्राप्ति के ब्योरे

(* माल के मामले में: विशेष आर्थिक जोन/विकासकर्ता द्वारा एआरई और प्राप्ति का तारीख;

सेवा में प्राप्त संदाय की विशिष्टियां आजापक है)

सेवा के मामले में: प्राप्त किए संदाय की विशिष्टियां आजापक हैं।

स्थान
तारीख

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का हस्ताक्षर

(नाम)

पदनाम/प्राप्ति

कथन 5:

नियम 39 के उपनियम (21/छ) के बधीन आवेदन के मामले में कथन:

समझे गए निर्यातों की ईओय/प्राप्तकर्ता द्वारा प्रतिदाय:

कर अवधि

जीएसटी आईएस/नैर-रजिस्ट्रीकृत प्रदाय का नाम	बीजक के ब्यौरे						राज्य (नैर-रजिस्ट्रीकृत के मामले में) :				एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर		संभ संभ संभ				एआईई	प्राप्ति की तारीख						
	सं०	तारीख	मूल्य सेवाएं (जी/एस)	मास/एचएसएन	करायेय मूल्य	सूक्ष्मसी मूल्य	सूक्ष्मसी स्टीवाई	राज्य (नैर-रजिस्ट्रीकृत के मामले में) :						रकम (%)	रकम (%)	रकम (%)	रकम (एनए)	रकम	संभ संभ संभ								
								रकम (%)	रकम (%)	रकम (%)									रकम (एनए)			रकम	रकम (%)	रकम (%)	रकम (%)	रकम (एनए)	रकम
1	2	3	4	5	6	7	24क	24ख	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24ग	24घ	24ङ

संभ 17: पीओएस (केवल यदि प्राप्तकर्ता की अवस्थिति से भिन्न हो)
 संभ 18: उपदर्शित करे यदि प्रदाय प्रतिवर्ती परिवर्तन से संबंधित है (हां/नहीं)
 संभ 19: इनपुट कर प्रत्यय की पात्रता जैसे (इनपुट/पूजी माल/इनपुट सेवाएं/कोई नहीं)
 संभ 20/21/22/23: इनपुट कर प्रत्यय की रकम उपलब्ध
 संभ 24 सी/डी: एआईआई (निर्यात हटान के लिए आवेदन)
 संभ 24 ई: विशेष आर्थिक जोन/विकासकर्ता (गोदाम प्रमाणपत्र के अनुसार) द्वारा प्राप्ति की तारीख
 (* माल के मामले में: एआईआई और विशेष आर्थिक जोन/विकासकर्ता द्वारा प्राप्ति जो आजापक हो:)

स्थान
 तारीख
 (नाम)
 पदनाम/प्रास्थिति

कथन 6:

नियम 89(2)(अ) के अधीन फाइल किए गए आवेदन के मामले में
 धारा 77(1) के अधीन प्रतिदाय - अनुचित संग्रहीत कर और संदत्त

आदेश ब्यौरे (धारा 77(1) और (2) के अनुसरण में जारी: आदेश सं०: आदेश तारीख:

जीएसटी आईएस/ यूआईएन (बी 2सी के मामले में)	राज्यांतरित/अन्तरराज्यिक पूर्व के रूप में संबन्धित अर्थात् के बारे										संबन्धित जिसके लिए अन्तरराज्यिक/राज्यांतरित प्रदाय पश्चातवर्ती धारित किए गए थे				
	बीजक के बारे			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	प्रदाय का स्थान (केवल यदि प्राप्तिकर्ता से भिन्न की प्राप्ति)	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य कर/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	प्रदाय का स्थान (केवल यदि प्राप्तिकर्ता से भिन्न की प्राप्ति)		
	सं०	तारीख	मूल्य												
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	

कथन: 7

नियम 89(2)(ट) के अधीन फाईल किया आवेदन के मामले में कथन

कर के अधिक संदाय खाते पर प्रतिदाय

क्रम सं.	कर	विवरणी का	विवरणी फाईल	दायित्व रजिस्टर में उपलब्ध अधिक रकम
----------	----	-----------	-------------	-------------------------------------

	अवधि	संदर्भ सं०	करने की तारीख	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8

उपाबंध-2

(नियम 89(2)(ड) देखें)

प्रमाणपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है किकर अवधि के लिए.....माल और सेवा कर पहचान संख्या/अस्थायी आई डी, मैसर्स..... (आवेदक का नाम) द्वारा(शब्दों में) आई एन आर दावे के प्रतिदाय के संबंध में कर और ब्याज का आपतन किसी अन्य व्यक्ति ने पारित नहीं किया है। यह प्रमाणपत्र आवेदन द्वारा विशेष रूप से अनुरोधन दिए गए लेखा पुस्तकों और अन्य संबंधित अभिलेखों और विवरणियों के परीक्षण के आधार पर है।

चार्टर्ड आकाउन्टेन्ट/लागत लेखाकार के हस्ताक्षर:

नाम:

सदस्य संख्या:

स्थान:

तारीख:

यह प्रमाणपत्र आवेदक द्वारा अधिनियम की धारा 54 की उपधारा (8) के खंड (क) या खंड (ख) या खंड (ग) या खंड (ड.) या खंड (च) के अधीन प्रतिदाय दावा दिया जाना अपेक्षित नहीं है।

प्ररूप जीएसटी आरएफडी- -02
/नियम 90(2) और 95(2) देखें/

अभिस्वीकृति

प्रतिदाय के लिए आपका आवेदन का <आवेदन संदर्भ संख्या> के विरुद्ध अभिस्वीकृत कर लिया गया है।

अभिस्वीकृति संख्या :

अभिस्वीकृति की तारीख:

जी एस टीआई एन /यू आई एन/ अस्थायी आई डी, यदि उपलब्ध है:

आवेदक का नाम:

प्ररूप सं. :

प्ररूप विवरण:

अधिकारिता (समुचित निशान लगाएं) :

केन्द्रीय

राज्य/

संघ राज्य क्षेत्र :

द्वारा भरा गया

प्रतिदाय आवेदन ब्यौरा	
कर अवधि	
फाइल करने की तारीख और समय	
प्रतिदाय के लिए कारण	

दावाकृत प्रतिदाय की रकम

	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	कुल
केन्द्रीय कर						
राज्य कर						
यू टी कर						
एकीकृत कर						
उपकर						
कुल						

टिप्पण 1: आवेदन की प्रास्थिति जी एस टी प्रणाली पोर्टल पर ट्रेक आवेदन प्रास्थिति <प्रतिदाय> के माध्यम से आवेदन संदर्भ संख्या दर्ज करने से देखी जा सकती है।

टिप्पण 2: यह एक प्रणाली उत्पन्न अभिस्वीकृति है और इसमें हस्ताक्षर अपेक्षित नहीं है।

प्ररूप जीएसटी आरएफडी 03

/नियम 90(3) देखें/

ऊनता का ज्ञापन

संदर्भ सं. :

तारीख: <दिन /मास /वर्ष >

सेवा में

_____ (माल और सेवा कर पहचान संख्या/यूनिक पहचान संख्या /अस्थायी आई डी)

_____ (नाम)

_____ (पता)

विषय: प्रतिदाय आवेदन संदर्भ सं. (ए आर एन.....तारीख<दिन /मास /वर्ष >..... के
संबंध में

महोदय/महोदया

यह अधिनियम की धारा 54 के अधीन फाइल किए गए आपके उपरोक्त वर्णित आवेदन के संदर्भ में है।
आपके आवेदन की संवीक्षा करने पर, निम्नलिखित कतिपय कमियां नोटिस की गई हैं :-

क्रम सं.	विवरण (प्रतिदाय आवेदन के छूटने के कारण को चयन करें।
1.	<बहुचयन विकल्प >
2.	
	अन्य<टेक्सट बुक > { कारण मास्टर' से चयनित कारण के सिवाय कोई अन्य कारण}

आपको सलाह दी जाती है कि उपरोक्त कमियों के शुद्धिकरण के पश्चात, एक नया प्रतिदाय आवेदन फाइल करें।

तारीख:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

स्थान:

उचित अधिकारी का नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

प्ररूप जीएसटी आरएफडी- -04

/नियम 91(2) देखें/

मंजूरी आदेश सं. :

तारीख: <दिन /मास /वर्ष >

सेवा में

_____ (माल और सेवा कर पहचान संख्या

_____ (नाम)

_____ (पता)

अनंतिम प्रतिदाय आदेश

प्रतिदाय आवेदन संदर्भ सं. (ए आर एन)..... तारीख तारीख: <दिन /मास /वर्ष >

अभिस्वीकृति सं..... तारीख..... <दिन /मास /वर्ष >

महोदय /महोदया,

प्रतिदाय के लिए आपके उपरोक्त वर्णित आवेदन के संदर्भ में, निम्नलिखित रकम अनंतिम आधार पर

आपको स्वीकृत की जाती है :

क्रम सं.	विवरण	केन्द्रीय कर	राज्य कर	संघ राज्य क्षेत्र कर	ऐकीकृत कर	उपकर
(i)	दावाकृत प्रतिदाय की रकम					
(ii)	दावाकृत रकम का 10% प्रतिदाय के रूप में (बाद में स्वीकृत किया जाएगा)					
(iii)	बकाया रकम (i-ii)					
(iv)	स्वीकृत प्रतिदाय की रकम					
	बैंक विवरण					
(v)	आवेदन के अनुसार बैंक खाता संख्या					
(vi)	बैंक का नाम					
(vii)	बैंक /शाखा का पता					
(viii)	आई एफ एस सी					
(ix)	एम आई सी आर					

तारीख:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

स्थान:

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-05

/नियम 91(3), 92(4), 92(5) और 94 देखें/

संदाय सलाह

संदाय सलाह सं.

तारीख: <दिन /मास /वर्ष >

सेवा में, <केन्द्रीय> पी ए ओ /खजाना / आई बी आई / बैंक

प्रतिदाय स्वीकृति आदेश सं.

आदेश तारीख.....<दिन /मास /वर्ष >.....

जी एस टीआई एन /यू आई एन/ अस्थायी आई डी <

नाम: <

प्रतिदाय रकम (आदेश के अनुसार) :

	केन्द्रीय कर	राज्य कर	यू टी कर	एकीकृत कर	उपकर
नेट स्वीकृत प्रतिदाय रकम					
बिलंब प्रतिदाय पर ब्याज					
कुल					

	बैंक का ब्यौरा	
(i)	आवेदन के अनुसार बैंक खाता संख्या	
(ii)	बैंक का नाम	
(iii)	बैंक /शाखा का नाम और पता	
(iv)	आई एफ एस सी	
(v)	एम आई सी आर	

तारीख:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

स्थान:

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

सेवा में

.....(जी एस टी आई एन /यू आई एन/ अस्थायी आई डी)

.....(नाम)

.....(पता)

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-06

/नियम 92 (1), 92(3), 92(4), 92(5) और 96(7) देखें/

आदेश सं.

तारीख: <दिन/मास/वर्ष>

सेवा में,

..... (जी एस टीआई एन/यू आई एन/अस्थायी आई डी)

.....(नाम)

.....(पता)

कारण बताओ नोटिस संख्या (यदि लागू हो)

अभिस्वीकृति संख्या

तारीख:.....<दिन/मास/वर्ष>.....

स्वीकृत प्रतिदाय/ अस्वीकृत आदेश

महोदय/महोदया,

यह अधिनियम की धारा 54 के अधीन प्रतिदाय के लिए आपके उपरोक्त वर्णित आवेदन के संदर्भ में
/*प्रतिदाय पर ब्याज*/ आपके आवेदन का परीक्षण करने पर आपको मंजूर प्रतिदाय की रकम बकाया (जहां
लागू है) के समायोजन के पश्चात् की जाएगी, जो निम्नलिखित है :-

क्रम सं.	विवरण	केन्द्रीय कर	राज्य कर	यू टी कर	एकीकृत कर	उपकर
(i)	दावाकृत प्रतिदाय/ब्याज की रकम					
(ii)	अनंतिम आधार पर मंजूर प्रतिदाय (आदेश सं.....तारीख.....) (यदि लागू हों)					
(iii)	प्रतिदाय रकम अग्राह्य >> < कारण उल्लेख कीजिए> < बहु-कारण अनुशेष है>					
(iv)	संदाय किए जाने वाली सकल रकम(1-2-3)					

(v)	विद्यमान विधि के अधीन या अधिनियम के अधीन बकाया मांग के विरुद्ध (यदि कोई हो) समायोजित रकम मांग अदेश सं.....तारीख.....अधिनियम अवधि <पंक्ति के साथ बहु पंक्तियों को संभव हो जोड़ें >					
(vi)	नेट संदाय की जाने वाली रकम					

*जो लागू न हो उसे काट दें।

*1. मैं, अधिनियम[@] की धारा 56 के अधीन / अधिनियम की धारा 54 की उपधारा (5) के अधीन माल और सेवा कर पहचान संख्या रखने वाले मैसर्स.....को आई एन आर.....की रकम की मंजूरी देता हूँ।

@ जो लागू न हो उसे काट दें।

(क) और रकम को उसके द्वारा उसके आवेदन में विनिर्दिष्ट बैंक खाता में संदाय किया गया है

(ख) रकम को उपरोक्त तालिका के क्रम संख्या 5 पर विनिर्दिष्ट बकाया की वसूली को समायोजित किया गया है।

(ग)रुपए की रकम को उपरोक्त तालिका के क्रम संख्या 6 पर विनिर्दिष्ट बकाया की वसूली को समायोजित किया है और शेष.....रुपए की रकम को उसके द्वारा उसके आवेदन में विनिर्दिष्ट बैंक खाता में संदाय कर दिया गया है।

*जो लागू न हो उसे काट दें।

*2 मैं, अधिनियम की धारा (.....) की उपधारा (.....) के अधीन उपभोक्ता कल्याण निधि को आई एन आर.....की रकम जमा करता हूँ।

*3 मैं, अधिनियम की धारा (.....) की उपधारा (.....) के अधीन माल और सेवा कर पहचान संख्या रखने वाले मैसर्स.....को आई एन आर.....की रकम को निरस्त करता हूँ।

* जो लागू न हो उसे काट दें।

तारीख:

स्थान:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-07
/नियम 92(1), 92(2), 96(6) देखें/

संदर्भ सं.

तारीख: <दिन /मास /वर्ष >

सेवा में,

..... (माल और सेवा कर पहचान संख्या /यूनिक पहचान संख्या /अस्थायी आई डी सं.)

.....नाम

.....(पता)

अभिस्वीकृति संख्या

तारीख:.....<दिन /मास /वर्ष >.....

मंजूरी प्रतिदाय के पूर्ण समायोजन के लिए आदेश
भाग - क

महोदय/महोदया,

उपरोक्त यथानिर्दिष्ट आपके प्रतिदाय आवेदन के संदर्भ में और आपको मंजूर किए गए प्रतिदाय की रकम के विरुद्ध और दी गई सूचना या फाइल किए गए दस्तावेज बकाया मांग के विरुद्ध पूर्ण रूप से समायोजित कर दिया गया है जो ब्यौरे के अनुसार निम्नलिखित है:-

	प्रतिदाय गणना	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य कर	यू टी कर	उपकर
(i)	दावाकृत प्रतिदाय की रकम					
(ii)	अनंतिम आधार पर नेट मंजूर प्रतिदाय					
(iii)	अस्वीकृत अग्राह्य प्रतिदाय रकम <<कारण उल्लेख कीजिए >>					
(iv)	प्रतिदाय अनुज्ञेय (i-ii-iii)					
(v)	विद्यमान विधि के अधीन या इस विधि के अधीन बकाया मांग (आदेश सं.....के अनुसार) के विरुद्ध समायोजित प्रतिदाय मांग आदेश सं..... तारीख..... <बहु-पंक्तियों में दी जा सकती है>					
(vi)	प्रतिदाय रकम का शेष	शून्य	शून्य			शून्य

मैं, यह आदेश देता हूँ कि उपरोक्त यथादर्शित दावाकृत अनुज्ञेय प्रतिदाय की रकम इस अधिनियम के अधीन विद्यमान विधि के अधीन बकाया मांग के विरुद्ध पूर्ण रूप से समायोजित कर ली जाए। इस आवेदन का निपटारा अधिनियम की धारा (.....) की उपधारा (.....) के अधीन उपबंधों के अनुसार जारी किया गया है।

या

भाग- ख

प्रतिदाय रोकने के लिए आदेश

उपरोक्त यथानिर्दिष्ट आपके प्रतिदाय आवेदन के संदर्भ में और आपको मंजूर किए गए प्रतिदाय रकम के विरुद्ध और दी गई सूचना या फाइल किए गए दस्तावेज निम्नलिखित कारणों से रोक दिए गए हैं जिसका व्यौरा निम्न प्रकार से है :-

प्रतिदाय आदेश सं. :						
आदेश दारी करने की तारीख:						
	प्रतिदाय गणना	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य कर	यू टी कर	उपकर
i.	मंजूर प्रतिदाय की रकम					
ii.	रोके गए प्रतिदाय की रकम					
iii.	अनुज्ञेय प्रतिदाय की रकम					

प्रतिदाय रोकने के लिए कारण

<<पाठ>>

मैं, यह आदेश देता हूँ कि उपरोक्त यथादर्शित दावाकृत अनुज्ञेय प्रतिदाय की रकम इस अधिनियम के अधीन उपरोक्त वर्णित कारणों के लिए रोक दी गई। यह आदेश इस अधिनियम की धारा (.....) उपधारा (.....) के अधीन उपबंधों के अनुसार जारी किया गया है

तारीख:

स्थान:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-08

/नियम 92(3) देखें/

प्रतिदाय के लिए आवेदन अस्वीकार करने के लिए नोटिस

एस सी एन सं.

तारीख: <दिन/मास/वर्ष>

सेवा में,

..... (माल और सेवा कर पहचान संख्या /यूनिक पहचान संख्या /अस्थायी आई डी सं.)

.....नाम

.....(पता)

अभिस्वीकृति संख्या

तारीख:.....<दिन/मास/वर्ष>.....

आवेदन संदर्भ संख्या

यह अधिनियम की धारा 54 के अधीन फाइल किए गए प्रतिदाय के लिए आपके उपरोक्त वर्णित आवेदन का संदर्भ है। परीक्षण करने पर, यह पाया गया है कि, प्रतिदाय आवेदन निम्नलिखित कारणों के कारण अस्वीकार करने योग्य है:-

क्रम सं.	विवरण (उल्लेख छोड़े जाने से प्रतिदाय का अग्राह्य के कारणों का चयन)	अग्राह्य रकम
(i)		
(ii)		
(iii)	अन्य { 'कारण मास्टर' में उल्लिखित कारणों को छोड़ कर कोई अन्य कारण }	

आपको उन कारणों को बताए जाने के लिए कहा गया है जो उपरोक्त विनिर्दिष्ट रकम के परिमाण उपरोक्त कथित कारणों के लिए आपके प्रतिदाय दावे को अस्वीकार क्यों न कर दिया जाए।

- आपको यह निदेशित किया जाता है कि इस नोटिस के तामील होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर इस नोटिस का उत्तर दिया जाए।
- आपको यह भी निदेशित किया जाता है कि आप तारीख/मास वर्ष समय पर अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित हों।

यदि आप नियत तारीख के भीतर उत्तर दिए जाने में असफल होते हो या नियत तारीख और समय पर निजी सुनवाई के लिए उपस्थित होने में असफल होने की दशा में उपलब्ध अभिलेखों और गुणागुण के आधार पर एक तरफा विनिश्चय किया जाएगा।

तारीख:

स्थान:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-09 .
/नियम 92(3) देखें/

कारण बताओं नोटिस का उत्तर

तारीख: <दिन /मास /वर्ष >

1.	नोटिस का संदर्भ संख्या		जारी करने की तारीख	
2.	जी एस टी-आई एन / यू आई एन			
3.	कारबार का नाम, (विधिक)			
4.	व्यापार का नाम, यदि कोई हो			
5.	नोटिस का उत्तर			
6.	अपलोड दस्तावेजों की सूची			
7.	<p>सत्यापन मैं,.....सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूं और घोषणा करता हूं कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है। प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर नाम..... पदनाम / प्रास्थिति.....</p> <p>स्थान तारीख: <दिन /मास /वर्ष ></p>			

स्थान:

तारीख:

प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

(नाम)

पदनाम / प्रास्थिति

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-10

/नियम 95(1) देखें/

संयुक्त राष्ट्र का कोई विशिष्ट अभिकरण या कोई बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान और संगठन, कान्सुलेट या विदेशी राज्यों के दूतावास द्वारा प्रतिदाय के लिए आवेदन

1. यूनिक पहचान संख्या :
2. नाम :
3. पता :
4. कर अवधि (तिमाही) : दिन /मास /वर्ष सेतक
<दिन /मास /वर्ष >
5. दावा प्रतिदाय की रकम <आई एन आर ><शब्दों में>

	रकम
केन्द्रीय कर	
राज्य कर	
संघ राज्य क्षेत्र कर	
एकीकृत कर	
उपकर	
कुल	

6. बैंक खाते का ब्यौरा:

- (क) बैंक खाता संख्या
- (ख) बैंक खाते का प्रकार
- (ग) बैंक का नाम
- (घ) खाता धारक / संचालक का नाम
- (ङ) बैंक शाखा का पता

(च) आई एफ एस सी

(छ) एम आई सी आर

7. संदर्भ संख्या और दिए गए प्ररूप जी एस टी आर-11 की तारीख

8. सत्यापन

मैं,>दूतावास /अंतर्राष्ट्रीय संगठन का नाम> का प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणी करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

यह कि हम सरकार द्वारा अधिसूचित संयुक्त राष्ट्र का विशिष्ट अभिकरण बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान और संगठन, कान्सुलेट या विदेशी राज्यों के दूतावास कोई अन्य व्यक्ति विशिष्ट व्यक्तियों का वर्ग के रूप में ऐसे प्रतिदाय दावा के पात्र हैं।

स्थान:

तारीख:

प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

(नाम)

पदनाम / प्रास्थिति

प्ररूप जीएसटी एसएमटी-01
{नियम 98(1) देखें}
धारा 60 के अधीन अंतिम निर्धारण के लिए आवेदन

1. जीएसटीआईएन

2. नाम

3. पता

4. उस वस्तुसेवा/ का विवरणजि/सके लिए कर की दरमूल्यांकन/ का अवधारण किया जाना है ।								
क्र.सं.	एचएसएन	वस्तु का नाम	कर की दर				मूल्यांकन	मासिक औसत
			केन्द्रीय कर	राज्य.शा.सं/ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर		
1	2	3	4	5	6	7	8	9
5. अंतिम निर्धारण कर की मांग करने के लिए कारण								
6. फाईल किये गये दस्तावेज								

7.सत्यापन-

मैं-----सत्यनिष्ठा पूर्वक यह कथन करता हूँ और घोषणा करता हू कि यहां उपरोक्त में दी गई सूचना मेरे ज्ञान विश्वास से सत्य और सही है तथा उसमें से कुछ भी छिपाया नहीं गया है ।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

नाम

पदनामप्रास्थिति/

तारीख-----

प्ररूप जीएसटी एसएमटी-02
{नियम 98(2) देखें}

संदर्भ सं०

तारीख:

सेवा में

जीएसटी आईएन-----

नाम-----

पता-----

आवेदन संदर्भ सं०-----

तारीख -----

अंतिम निर्धारण के लिए अतिरिक्त सूचनादस्तावेजो/स्पष्टीकरण/ को मांगने हेतु सूचना ।

कृपया उपरोक्त संदर्भित आवेदन का संदर्भ ले । अंतिम निर्धारण के लिए आपकी प्रार्थना का निरीक्षण करते समय यह पाया गया है कि निम्नलिखित सूचनादस्तावेज/ इस प्रक्रिया के लिए अपेक्षित है -

<< पाठ >>

अतः आप से निवेदन है कि इस सूचना की तारीख से 15 दिन की अवधि के भीतर सूचनादस्तावेज/ का उपबंध करें जिससे कि यह कार्यालय इस मामले में कोई विनिश्चय करने में समर्थ हो सके । कृपया नोट करें कि यदि नियत तारीख तक कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है तो आपका आवेदन, आपको और संदर्भ किए बिना नामंजूर किए जाने का दायी होगा ।

आप से निवेदन है कि << तारीख-----समय-----स्थल >> पर व्यक्तिगत सुनवाई के लिए अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत हों ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्ररूप जीएसटी एसएमटी- 03
{नियम 98(2) देखें}
अतिरिक्त सूचना मांगने के लिए सूचना का उत्तर

1. जीएसटीआईएन		
2. नाम		
3. उस सूचना का विवरण जिसके द्वारा अतिरिक्त सूचना मांगी गई	सूचना सं०	सूचना तारीख
4. उत्तर		
5. फाईल किये गये दस्तावेज		

6. सत्यापन

मैं-----सत्यनिष्ठापूर्वक यह कथन करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि यहां उपरोक्त में दी गई सूचना मेरे ज्ञान विश्वास से सत्य और सही है तथा उसमें से कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

नाम

पदनामप्रास्थिति/

तारीख-----

प्ररूप जीएसटी एसएमटी-04

{नियम 98(3) देखें}

संदर्भ सं०

तारीख

सेवा में

जीएसटी आईएन-----

नाम-----

पता-----

आवेदन संदर्भ सं०-----

तारीख -----

अंतिम निर्धारण का आदेश

यह अंतिम निर्धारण के आपके निवेदन के समर्थन में सूचनादस्तवेजों/ को प्रस्तुत करने, उपरोक्त लिखित आवेदन तथा उत्तर तारीख----- के संदर्भ में है। आपके आवेदन और उत्तर का निरीक्षण करने पर, अंतिम निर्धारण को निम्नलिखित रूप में अनुज्ञात किया गया है -

<< पाठ >>

अंतिम निर्धारण-----तारीख तक और विहित रूप विधान में बंधपत्र------(माध्यम) के प्ररूप में --
-----रूपये की रकम की प्रतिभूति देने के अध्येधीन अनुज्ञात किया जाता है।

कृपया नोट करें कि यदि बंधपत्र और प्रतिभूति नियम तारीख के भीतर नहीं दी जाती है, अंतिम निर्धारण आदेश को अकृत और शून्य माना जाएगा जैसे कि ऐसा कोई आदेश पारित ही न हुआ हो।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्ररूप जीएसटी एसएमटी-05

{नियम 98(4) में देखिए}

प्रतिभूति देना

1. जीएसटीआईएन					
2. नाम					
3. आदेश जिसके द्वारा प्रतिभूति को विहित किया गया है				आदेश क्रमांक	आदेश की तारीख
4. दी गई प्रतिभूति के ब्यौरे					
अनुक्रमांक	प्रकार	संदर्भ सं०/ नामे प्रविष्टि सं० (नगद संदाय के लिए)	तारीख	रकम	बैंक का नाम
1	2	3	4	5	6

टिप्पण: बैंक गारंटी और बंधपत्र की हार्ड प्रति आदेश में वर्णित तय तारीख को या उससे पूर्व प्रस्तुत करनी होगी।

5. घोषणा--

- (एक) ऊपर वर्णित बैंक गारंटी उन माल या सेवाओं के प्रदाय पर अंतरीय कर को सुरक्षित करने के लिए दी गई है जो मैं/ हम अनंतिम आधार पर कर संदाय करने को अनुज्ञात किया गया है।
- (दो) मैं बैंक गारंटी का इसके अवसान से पूर्व नवीनीकरण कराने का वचन देता हूँ। यदि मैं / हम ऐसा करने में असफल रहते हैं तो विभाग को बैंक से बैंक गारंटी के विरुद्ध संदाय प्राप्त करने की छूट होगी।
- (तीन) ऐसे मामलों में हम अनंतिम निर्धारण को अंतिम रूप देने के लिए सुकर बनाने में अपेक्षित दस्तावेज / सूचना देने में असफल रहते हैं, विभाग को अनंतिम निर्धारण का आच्छेदन करने के लिए हमारे द्वारा उपबंधित बैंक गारंटी को अवलंब करने की छूट होगी।

तारीख-----

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर
नाम
पदनामप्रास्थिति/

**अंतिम निर्धारण के लिए बंधपत्र
(नियम 98 (3) तथा 98 (4))**

मैं / हम ----- जिसे इसमें इसके पश्चात बाध्यताधारी कहा जाएगा, और भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें इसके पश्चात " राष्ट्रपति " कहा गया है) / (राज्य) के राज्यपाल (जिन्हें इसमें इसके पश्चात " राज्यपाल " कहा गया है) राष्ट्रपति / राज्यपाल को ----- रूप से संप्रदाय किए जाने के लिए अपने आपको दृढ़तापूर्वक आबद्ध करते हैं, जिसके लिए भुगतान किया जाएगा तथा सत्यनिष्ठा से किया जाएगा। मैं / हम संयुक्तरूप से तथा व्यक्तिगत रूप से अपने / आप से और अपने संबंधित वारिसों / निव्यादकों / प्रशासकों / विधिक प्रतिनिधियों / उत्तराधिकारियों तथा समानुदेशितियों को इनकी उपस्थिति में नियुक्ति तारीख ----- माह से आबद्ध करते हैं ;

अतः ऊपर आबद्ध बाध्यताधारी द्वारा प्रदाय किए गए एकीकृत कर / केन्द्रीय कर / राज्य कर / संघ क्षेत्रीय कर (माल / सेवा या दोनों एच.एस.एन के नाम) को समय समय पर, उनको लागू कर के मूल्य या दर के संबंध में समस्त जानकारी नहीं दी जा सकती है ;

अतः बाध्यताधारी यह बांछा करता है कि धारा 60 के उपबंधों के अनुसार अंतिम निर्धारण किया जाए ;

और यदि एकीकृत कर / केन्द्रीय कर / राज्य कर / संघ क्षेत्रीय कर या अन्य विधिमान्य प्रभारों के समस्त देय, जो अंतिम निर्धारण के पश्चात् मांग योग्य होगा, ब्याज सहित शासन को यदि कोई ऐसे अधिकारी द्वारा लिखित में उसकी मांग करता है, तो उस तारीख से तीस दिन के भीतर संप्रदाय कर दिया गया है, तो यह बाध्यता शून्य हो जाएगी।

अन्यथा और इस शर्त के किसी भाग के पालन में भंग या असफल होने पर, उसका पूर्ण बल तथा आधार होगा :

और राष्ट्रपति / राज्यपाल बैंक प्रतिभूति की रकम से या ऊपर लिखित बंधपत्र या दोनों विकल्प के अधीन अपने अधिकारों के पृष्ठांकन द्वारा माल की सभी हानि तथा नुकसानों को अधिकार-युक्त पूरा करवाएंगे;

मैं / हम यह घोषणा करते हैं कि इस बंधपत्र के किसी कृत्य के अनुपालन के लिए केन्द्र सरकार / राज्य सरकार के आदेशों के अधीन दिया हुआ है, जो सार्वजनिक हित में है ;

साक्षी की उपस्थिति में बाध्यताधारी द्वारा लिखित इसमें इसके पूर्व दिवस को हस्ताक्षर किए गए।

बाध्यताधारी (के हस्ताक्षर)

तारीख :

स्थान :

साक्षी

(1) नाम और पता

(2) नाम और पता

तारीख :

स्थान :

साक्षी

(1) नाम और पता

(2) नाम और पता

व्यवसाय

व्यवसाय

व्यवसाय

व्यवसाय

मेरे द्वारा, तारीख, (मास) (वर्ष) (राज्य)
.....के राज्यपालों का का (पदनाम)..... के लिए तथा भारत के राष्ट्रपति
के निमित्त स्वीकार किया गया है ।

प्ररूप जीएसटी ए एस एम टी-06
{नियम 98(5) देखिए}

संदर्भ सं०

तारीख :

सेवा में,

जीएसटी आईएन-----

नाम-----

पता-----

आवेदन संदर्भ सं०- (ए ए एन) -----

तारीख -----

अंतिम निर्धारण आदेश सं०

तारीख-----

अंतिम निर्धारण के लिए अतिरिक्त जानकारी / स्पष्टीकरण/ दस्तावेजों को मांगने के लिए सूचना

कृपया उपरोक्त संदर्भित अंतिम निर्धारण आदेश और आपके आवेदन का संदर्भ लें । निम्नलिखित जानकारी / दस्तावेजों के अंतिम निर्धारण को अंतिम रूप देने के लिए अपेक्षित है :

<< पाठ >>

अतः आप से निवेदन है कि इस सूचना की तामील की तारीख से 15 दिन की अवधि के भीतर जानकारी/ दस्तावेज को उपबंध करें जिससे कि यह कार्यालय इस मामले में कोई विनिश्चय करने में समर्थ हो सके । कृपया नोट करें, कि यदि नियत तारीख तक कोई जानकारी प्राप्त नहीं होती है तो आपका आवेदन, उसको और संदर्भ किए बिना नामंजूर किए जाने का दायी होगा ।

आप से निवेदन है कि << तारीख-----समय-----स्थान >> पर व्यक्तिगत सुनवाई के लिए अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत हों ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्ररूप जीएसटी एसएमटी-07
{नियम 98(5) देखिए }

संदर्भ सं०

तारीख -----

--

सेवा में,

जीएसटी आईएन-----

नाम-----

पता-----

अनंतिम निर्धारण आदेश संख्या -----

तारीख -----

--

अंतिम निर्धारण आदेश

प्रस्तावना << मानक >>

उपरोक्त संदर्भित अनंतिम निर्धारण आदेश के क्रम में और उपलब्ध जानकारी प्रस्तुत किये गये दस्तावेजों के आधार पर, अंतिम निर्धारण आदेश के अधीन जारी किया जाता है :-

संक्षिप्त तथ्य

आवेदक द्वारा निवेदन

चर्चा और निष्कर्ष

निर्णय और आदेश

आदेश के अनुपालन के पश्चात कोई आवेदन दाखिल करने के प्रयोजन के लिए दी गई प्रतिभूति वापस ली जा सकेगी।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्ररूप जीएसटी एसएमटी-08
{नियम 98(6) देखिए }

प्रतिभूति वापस लेने के लिए आवेदन

1. जीएसटीआईएन					
2. नाम					
3. ब्यौरे जिसके द्वारा प्रतिभूति दी गई है				एआरएन	तारीख
4. वापस ली जाने वाली प्रतिभूति के ब्यौरे					
क्र.सं.	माध्यम	संदर्भ सं0/ नामे प्रविष्टि सं0 (नगद संदाय के लिए)	तारीख	रकम	बैंक का नाम
1	2	3	4	5	6

5. सत्यापन--

मैं-----सत्यनिष्ठापूर्वक यह कथन करता हूं और धोषणा करता हूं कि इसमें ऊपर दी गई सूचना मेरे ज्ञान तथा विश्वास से सत्य और सही है तथा उसमें से कुछ भी छिपाया नहीं गया है ।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

नाम.....

पदनाम/ प्रास्थिति

तारीख-----

प्ररूप जीएसटी एसएमटी-09
{नियम 98(7) देखिए }

संदर्भ सं०

तारीख -----

सेवा में,

जीएसटी आईएन-----

नाम-----

पता-----

आवेदन संदर्भ सं०-----

तारीख -----

प्रतिभूति के निर्मोचन या आवेदन को नामंजूर करने का आदेश

यह प्रतिभूति की रकम-----रु (-----रु शब्दों में) के निर्मोचन के संबंध में ऊपर वर्णित आपके आवेदन के संदर्भ में है। आपके आवेदन का निरीक्षण किया गया है और उसे सही पाया गया है। पूर्वोक्त प्रतिभूति को एतद्वारा निर्मोचित किया जाता है।

या

प्रतिभूति के निर्मोचन संबंधी उपरोक्त संदर्भित आपके आवेदन का निरीक्षण किया गया, लेकिन उसे निम्नलिखित कारणों से सही नहीं पाया गया:-

<< पाठ >>

अतएव प्रतिभूति के निर्मोचन के लिए आवेदन को नामंजूर किया जाता है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

तारीख-----

प्ररूप जीएसटी एएसएमटी-10
{नियम 99(1) देखिए }

संदर्भ सं०

तारीख

सेवा में,

जीएसटी आईएन-----

नाम-----

पता-----

कर अवधि-----

वित्तीय वर्ष-----

संवीक्षा के पश्चात विवरणी में विभेद को सूचित करने के लिए सूचना

<< पाठ >>

आपको,-----तारीख तक पूर्वकथित विसंगतियों हेतु कारणों की व्याख्या के लिए एतद द्वारा निदेश देती है। यदि उपरोक्त तारीख तक कोई व्याख्या प्राप्त नहीं होती है। यह समझा जाएगा कि आपको मामलों में कुछ नहीं कहना है और इस संबंध में आपको और संदर्भ किए बिना आपके विरुद्ध विधि के अनुसार कार्यवाहियां की जाएगी।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम.....

प्ररूप जीएसटी एएसएमटी-11

{नियम 99(2) देखिए }

धारा 61 के अधीन : विवरणी में विसंगतियों को सूचित करने के लिए जारी सूचना का उत्तर

1. जीएसटीआईएन		
2. नाम		
3. सूचना का विवरण	संदर्भ सं०	तारीख
4. कर अवधि		
5. विसंगतियों के लिए उत्तर		
अनुक्रमांक	विसंगति	उत्तर

6. स्वीकृत रकम और संदाय, यदि कोई हो -

अधिनियम	कर	ब्याज	अन्य	कुल

7. सत्यापन

मैं-----सत्यनिष्ठापूर्वक यह कथन करता हूं और घोषणा करता हूं कि यहां उपरोक्त में दी गई सूचना मेरे ज्ञान विश्वास से सत्य और सही है तथा उसमें से कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

नाम

पदनाम / प्रास्थिति

तारीख-----

जीएसटी एएसएमटी प्ररूप- 12

[नियम 99(3) देखिए }

संदर्भ सं.:

तारीख:

सेवा में,

जीएसटीआईएन

नाम

पता

कर अवधि -

वित्तीय वर्ष

ए. आर.एन. -

तारीख

धारा 61 के अधीन जारी किए गए नोटिस के विरुद्ध प्रतिग्रहण आदेश का उत्तर

यह, संदर्भ सं.....तारीख.....द्वारा जारी किए गए सूचना के जवाब में आपके उत्तर तारीख.....के संदर्भ में है। आपका उत्तर संतोषजनक पाया गया है और इस मामले में आगे और कार्रवाई की जानी अपेक्षित है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

जीएसटी एएसएमटी प्ररूप- 13

[नियम 100(1) देखिए }

संदर्भ सं.:

तारीख:

सेवा में,

जीएसटीआईएन

नाम -

पता -

कर अवधि -

वित्तीय वर्ष-

विवरणी प्रकार -

नोटिस संदर्भ क्रमांक -

धारा 62 के अधीन निर्धारण आदेश

उद्देशिका -<< मानक >>

कर अवधि के लिए विवरणी न भरे जाने हेतु अधिनियम की धारा 46 के अधीन आपको जारी किए गए उपरोक्त नोटिस का संदर्भ लें। विभाग के पास उपलब्ध अभिलेख से यह नोटिस किया गया है कि आपने आज तारीख तक उक्त विवरणी नहीं दी है।

अतः विभाग के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर आपके द्वारा निर्धारण और देय राशि निम्नलिखित है

प्रस्तावना

जमा किया गया यदि कोई हो,

चर्चा और निष्कर्ष

निष्कर्ष

निर्धारित और देय राशि (ब्यौरे उपाबंध पर):

(राशि रुपए में)

अनुक्रमांक	कर अवधि	अधिनियम	कर	ब्याज	शास्ति	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8
कुल							

कृपया नोट करें कि आदेश पारित होने की तारीख तक ब्याज की गणना की गई है, भुगतान करते समय, आदेश की तारीख और भुगतान की तारीख के बीच की अवधि के लिए ब्याज आदेश में वर्णित बकाया राशि के साथ लिखी जाएगी और भुगतान किया जाएगा।

आपको यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप आदेश के तामील होने की तारीख से 30 दिनों की अवधि के भीतर विवरणी दे देते हैं तो आदेश वापस लिया समझा जाएगा, आपके विरुद्ध बकाया राशि वसूल करनी की कार्यवाहियां शुरू उपरोक्त अवधि के पश्चात अन्यथा की जाएगी।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

जीएसटी एएसएमटी प्ररूप- 14

[नियम 100(2) देखिए }

संदर्भ सं.:

तारीख:

सेवा में,

नाम

पता

कर अवधि -

वित्तीय वर्ष -

धारा 63 के अधीन निर्धारण के लिए कारण बताओ नोटिस

मेरी जानकारी में यह आया है कि आप /आपकी कंपनी/ फर्म अधिनियम की धारा 63 रजिस्ट्रीकरण के अधीन रजिस्ट्रीकृत होने के लिए उत्तरदायी हैकरने में असफल रहा है और उक्त अधिनियम के अधीन कर और अन्य दायित्वों को चुकाने में असफल रहा है जो कि उपरोक्त ब्यौरे में दी गई है :-

संक्षिप्त तथ्य -

आधार -

निष्कर्ष -

या

मेरी जानकारी में यह आया है कि आपका रजिस्ट्रीकरण धारा 29 की उपधारा (2) के अधीन तारीख -
----- को रद्द किया गया है और आप उपरोक्त वर्णित अवधि के लिए कर संदाय हेतु उत्तरदायी है ।

अतः आपको यह निदेशित किया जाता है कि आप कारण बताएं कि क्यों रजिस्ट्रीकरण के लिए उत्तरदायी होने के बावजूद रजिस्ट्रीकरण के बिना कारबार संचालन के लिए आपके विरुद्ध क्यों न ब्याज सहित कर दायित्व और इस अधिनियम या इसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अतिक्रमण के लिए क्यों न शास्ति अधिरोपित की जाए ।

इस संबंध में ----- आपको निदेशित किया जाता है कि आप तारीख ----- पर समय हस्ताक्षरित के समक्ष उपस्थित हों ।

हस्ताक्षर

नाम.....

पदनाम

जीएसटी एएसएमटी प्ररूप-15

[नियम 100(2) देखिए }

संदर्भ सं.:

तारीख:

सेवा में,

अस्थायी पहचान पत्र

नाम

पता

कर अवधि -

वित्तीय वर्ष-

एस सी एन संदर्भ सं:

धारा 63 के अधीन निर्धारण आदेश

उद्देशिका -<< मानक >>

आपको जारी किए गए उपरोक्त नोटिस के संदर्भ में वह कारण बताएं कि अधिनियम के अधीन अरजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के रूप में कारबार संचालन रजिस्ट्रीकृत दायित्व होने के बावजूद चलाये रखा गया ।

या

आपको जारी किए गए उपरोक्त नोटिस के संदर्भ में वह कारण बताएं कि इस तारीख के अधीन आपका रजिस्ट्रीकरण रद्द हो गया था । धारा 29 की उपधारा (2) के अधीन अवधि के लिये क्यों कर नहीं दिया जाना चाहिए ।

आपके द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया है या आपका उत्तर आयोजित कार्यवाही के दौरान तारीख तक विचारणीय नहीं था ।

विभाग के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर कार्यवाहियों के दौरान प्रस्तुत अभिलेख में, आपके द्वारा निर्धारित और देय रकम निम्नलिखित है :-

प्रस्तावना

जमा किया गया यदि कोई ,

निष्कर्ष (की गई कार्यवाही या सृजित मांग)

निर्धारित रकम और संदाय :- (ब्यौरे उपबंध पर)

(रकम रुपयों में)

अनुक्रमांक	कर अवधि	अधिनियम	कर	ब्याज	शास्ति	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8
कुल							

कृपया ध्यान दें कि आदेश पारित करने की तारीख तक ब्याज की गणना की गई है। जबकि भुगतान करते समय आदेश की तारीख के बीच की अवधि के लिए ब्याज और भुगतान की तारीख, आदेश में वर्णित बकाया राशि के साथ लिखी जाएगी और भुगतान किया जाएगा।

आपको यह निदेशित किया जाता है कि भुगतान ³<तारीख> दिया जाए जिसके न हो सकने पर आपके विरुद्ध बकाया राशि वसूल करने की कार्यवाहियां शुरू की जाएगी।

हस्ताक्षर

नाम

जीएसटी एएसएमटी प्ररूप-16

[नियम 100(3) देखिए }

संदर्भ सं.:

तारीख:

सेवा में,

जीएसटीआईएन/ आई.डी

नाम

पता

कर अवधि -

वित्तीय वर्ष -

धारा 64 के अधीन निर्धारण आदेश

उद्देशिका - << मानक >>

मेरे यह संज्ञान में लाया गया है कि गोदाम.....(पता) के स्टॉक में या.....(पता और यान के ब्यौरे) पर आस्थित यान में बेहिसाब माल पड़ा हुआ है और आप इस माल का लेखा देने में या माल का ब्यौरे दर्शित करने वाला कोई दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ थे।

प्रस्तावना

विचार विमर्श और निष्कर्ष

निर्णय

निर्धारित और संदाय रकम (ब्यौरे उपाबंध पर)

(रकम रुपयों में)

अनुक्रमांक	कर अवधि	अधिनियम	कर	ब्याज, यदि कोई हो	शास्ति	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8
कुल							

कृपया ध्यान दें कि आदेश पारित होने की तारीख तक ब्याज की गणना की गई है। जबकि संदाय करते समय , आदेश की तारीख और ,संदाय की तारीख के बीच की अवधि के लिए ब्याज का भी परिकलन किया जाएगा और उसे आदेश में वर्णित बकाया राशि के साथ संदत्त किया जाएगा।

आपको.....तारीख यह निदेशित किया जाता है कि भुगतान तारीख तक कर दिया जाए, जिसके न हो सकने पर आपके विरुद्ध बकाया राशि वसूली शुरू करने की कार्यवाहियां की जाएगी।

हस्ताक्षर

नाम

रूप जीएसटी एसएमटी -17

{नियम 100(4) देखिए }

धारा 64 के अधीन जारी किए गए निर्धारण आदेश को वापस लेने के लिए आवेदन

1. जी एस टी आई एन/आई डी		
2. नाम		
3. आदेश के ब्यौरे	संदर्भ सं.	आदेश जारी होने की तारीख
4. कर अवधियदि कोई हो ,		
5. वापस लेने का आधार		
<p>6. सत्यापन</p> <p>मैं _____ सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं और घोषणा करता हूं कि इसमें ऊपर दी गई जानकारी मेरे ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।</p> <p>प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर</p> <p>नाम _____</p> <p>पदनाम/प्रास्थिति -----</p> <p>तारीख-</p>		

प्ररूप जीएसटीएसएमटी- 18

[नियम 100(5) देखिए]

संदर्भ सं.:

तारीख:

जीएसटीआईएन/आई डी

नाम

पता

ए आर एन-

तारीख-

धारा 64 (2) के अधीन दिए गए आवेदन का स्वीकृति या अस्वीकृत किया जाना ।

उपरोक्त निर्दिष्ट आपके आवेदन द्वारा दिए गए उत्तर को विचार में लिया गया और अनुक्रम में पाया गया है तथा निर्धारण आदेश लिया गया है

या

उपरोक्त निर्दिष्ट आपके आवेदन द्वारा दिए गए उत्तर निम्नलिखित कारणों के लिए अनुक्रम में नहीं पाया गया है :

<<पाठ>>

अतएव आपके द्वारा आदेश को वापस लेने के लिए दाखिल किए गए आवेदन को निरस्त किया जाता है ।

हस्ताक्षर

नाम.....

पदनाम

.....

प्ररूप जीएसटी एडीटी 01-

[नियम 101(2) देखिए]

संदर्भ सं.:

तारीख:

सेवा में,

.....

जी एस टी आई एन.....

नाम.....

पता.....

अवधि-वित्तीय वर्ष (वर्षों) -

संपरीक्षा संचालित करने के लिए सूचना

यतः यह विनिश्चय किया गया है कि धारा 65 के उपबंधों के अनुसार वित्तीय वर्ष के लिए आपकी लेखा और अभिलेखों पुस्तकोसे(वर्षों)का ऑडिट किया जाएगा । मैं उक्त लेखा ऑडिट संपरीक्षा को मेरे कार्यालय / आपके कारबार के स्थान पर संचालित करने का प्रस्ताव करता हूँ ।

और यतः आपको अपेक्षित हो:-

(एका) इस संदर्भ में यथा अपेक्षित लेखा पुस्तकों और अभिलेखा या अन्य दस्तावेजों के सत्यापन की आवश्यक सुविधाएं अधोहस्ताक्षरित को सुविधानजक उपलब्ध कराए और

(दो) यथा अपेक्षित ऐसी जानकारी को उपलब्ध कराना और संपरीक्षा को समय पर पूरा करने के लिए सहायता करना ।

आप को एतद द्वारा यह निदेशित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरित के समक्ष (स्थान) (तारीख) को व्यक्तिगत रूप से या प्रधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होने और संपरीक्षा के लिए यथा अपेक्षित उपरोक्त वित्तीय वर्ष के लिए लेखा पुस्तक तथा अभिलेख प्रस्तुत करें।

यह समझा जाएगा कि इस नोटिस के अनुपालन न करने की दशा में, लेखा की पुस्तकें आपके कब्जे में नहीं है और इस संबंध में कोई और पत्राचार किए बिना आपके विरुद्ध अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अधीन कार्यवाहियां शुरू करने योग्य समझी जा सकेगी ।

हस्ताक्षर.....

नाम

पदनाम.....

जीएसटी एडीटी प्ररूप 02-

[नियम 101(5) देखिए]

संदर्भ सं.:

तारीख:

सेवा में,

.....

जीएसटीआईएन.....

नाम.....

पता.....

संपरीक्षा रिपोर्ट सं..... तारीख

धारा 65 (6) के अधीन संपरीक्षा रिपोर्ट

मैं आपकी लेखा और अभिलेखों पुस्तकों का परीक्षण वित्तीय वर्ष में किया गया और आपके द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी / दिए गए दस्तावेजों के आधार पर यह संपरीक्षा रिपोर्ट तैयार की गई है और निष्कर्ष निम्नानुसार है :-

कर का कम संदाय	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
कर				
ब्याज				
कोई अन्य रकम				

[संपरीक्षा अवलोकन अंतर्विष्ट पी डी ए फाइल अपलोड]

आपको निदेशित किया जाता है कि अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार इस संबंध में आप अपने कानूनी दायित्वों को पूरा करें, जिसके न हो सकने पर अधिनियम के उपबंधों के अधीन, आपके विरुद्ध कार्यवाहियां शुरू की गई समझी जा सकेगी।

हस्ताक्षर.....

नाम

पदनाम.....

जीएसटी एडीटी प्ररूप 03-

[नियम 102(1) देखिए]

संदर्भ सं.:

तारीख:

सेवा में,

.....

जीएसटीआईएन.....

नाम.....

पता.....

कर अवधि-वित्तीय वर्ष (वर्षों) -

धारा 66 के अधीन विशेष संपरीक्षा के संचालन के लिए रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से पत्र व्यवहार।

यतः विवरणी / जांच / अन्वेषण के कार्यवाहियों की संवीक्षा चल रही हो

और जहां यह आवश्यक है कि आयुक्त द्वारा नाम निर्दिष्ट चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट (नाम)
अकाउन्टेन्ट / लागत लेखाकार द्वारा आपके लेखा और अभिलेखों पुस्तकों की
 परीक्षण और लेखा परीक्षा करवाना आवश्यक है।

आपको एतद द्वारा निदेशित किया जाता है कि उक्त चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट / लागत लेखाकार द्वारा आपके
 लेखा और अभिलेख पुस्तकों का ऑडिट संपरीक्षण करवा लें।

हस्ताक्षर.....

नाम

पदनाम.....

जीएसटी एडीटी प्ररूप 04-

[नियम 102(2) देखिए]

संदर्भ सं.:

तारीख:

सेवा में,

.....

जीएसटीआईएन.....

नाम.....

पता.....

आपकी लेखा और अभिलेखों पुस्तकों का परीक्षण वित्तीय वर्ष के लिए चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट / लागत लेखाकारों द्वारा किया गया है और आपके द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी / दिए गए दस्तावेजों के आधार पर यह ऑडिट संपरीक्षा रिपोर्ट तैयार की गई है और निष्कर्ष / विसंगति निम्नानुसार है :-

कर का कम संदाय	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/यू टी कर	उपकर
ब्याज				
कोई अन्य रकम				

[संपरीक्षा अवलोकन अंतर्विष्ट पी डी एफ फाइल अपलोड]

आपको निदेशित किया जाता है कि अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार इस संबंध में आप अपने कानूनी दायित्वों को पूरा करें पर जिसके न हो सकने, अधिनियम के उपबंधों के अधीन आपके विरुद्ध कार्यवाहियां शुरू की गई समझी जा सकेगी।

हस्ताक्षर.....

नाम

पदनाम.....

जीएसटी एआरए प्ररूप 01-

[नियम 104(1) देखिए]

अग्रिम विनिर्णय के लिए आवेदन प्ररूप

1.	जीएसटीआएन सं., यदि कोई हो / उपभोक्ता पहचान		
2.	आवेदक का विधिक नाम		
3.	आवेदक के व्यापार का नाम (वैकल्पिक)		
4.	आवेदक की प्रास्थिति [रजिस्ट्रीकृत / अरजिस्ट्रीकृत]		
5.	रजिस्ट्रीकृत पता / उपभोक्ता पहचान प्राप्त करने के समय दिया गया पता		
6.	पत्राचार का पता, यदि उपरोक्त से भिन्न हो		
7.	मोबाइल नंबर [एसटीडी / आईएसडी कोड के साथ]		
8.	टेलीफोन नंबर [एसटीडी/आईएसडी कोड के साथ]		
9.	ई मेल पता -		
10.	अधिकारिता प्राधिकारी		<<नाम, पदनाम, पता >>
11.	(I) प्राधिकृत प्रतिनिधि का नाम		वैकल्पिक
	(II) मोबाइल नंबर	(III) ईमेल पता-	
12.	कार्यकलाप की प्रकृति (कार्यकलापों) (प्रस्तावित / वर्तमान) जिनके संबंध में अग्रिम विनिर्णय दर्शित किया गया हो		
	अ. प्रवर्ग		
	कारखाना / विनिर्माण	थोक व्यापार	खुदरा व्यापार
	भांडागार / डिपो	बंधित भांडागार	सेवा उपबंध
	कार्यालय / विक्रय कार्यालय	पट्टा कारोबार	सेवा प्राप्तिकर्ता
	ईओयू/ एसटीपी / ईएचटीपी	विशेष आर्थिक जोन	इनपुट सेवा वितरण (आईएसडी)
	कार्य संविदा		
	विवरण (संक्षेप में)	(संलग्नक भी फाइल करने के लिए उपबंध)	

13.	विवादक / विवादको जिन पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है (जो भी लागू चिन्हित करे) :-	
	(i) माल और / या सेवा या दोनों का वर्गीकरण	<input type="checkbox"/>
	(ii) अधिनियम के उपबंधों के अधीन जारी अधिसूचना का लागू होना	<input type="checkbox"/>
	(iii) माल या सेवा या दोनों के प्रदाय के समय और मूल्य का अवधारण	<input type="checkbox"/>
	(iv) संदत्त कर या संदत्त किए जाने के लिए समझा गया कर के इनपुट कर की ग्राह्यता	<input type="checkbox"/>
	(v) किसी माल या सेवा या दोनों पर कर के संदाय के दायित्व का अवधारण	<input type="checkbox"/>
	(vi) क्या अपीलार्थी के लिए अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत होना अपेक्षित है	<input type="checkbox"/>
	(vii) क्या किसी माल और/या सेवा और दोनों के संबंध में आवेदक द्वारा कोई ऐसी विशिष्ट बात की गई है जो माल और/या सेवा और दोनों उसके निबंधनों के अंतर्गत आते हैं या उनके परिणामस्वरूप है	<input type="checkbox"/>
14.	प्रश्न जिसके लिए अग्रिम (जिनके) विनिर्णय अपेक्षित है	
15.	उद्भूत प्रश्नों से संबंधित सुसंगत तथ्यों के कथन	
16.	उपरोक्त प्रश्नों के बारे में, यथास्थिति विधि और / या तथ्यों के निर्वचन में आवेदक के अंतर्विष्ट कथन जैसे आवेदक के दृष्टिकोण तथा विवादकों के जिस पर अग्रिम निर्णय चाहा गया है।	
17.	मैं यह घोषणा करता हूं कि आवेदन में उद्भूत प्रश्न (चिन्हांकित करें) -	
	क. अधिनियम के उपबंधों में किसी उपबंध के अधीन आवेदक के मामले में किसी कार्यवाही में पहले से लंबित नहीं है ख. अधिनियम के उपबंधों में किसी उपबंध के अधीन आवेदक के मामले में किन्हीं कार्यवाहियों में से पहले विनिश्चित नहीं की गई है	
18.	संदाय के ब्यौरे	चालान पहचान संख्या (सीआईएन) - तारीख -

सत्यापन

मैं, _____ (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम), पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री _____
एतद्वारा सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता/करती हूं कि ऊपर संलग्नक (संलग्नों), में सम्मिलित दस्तावेज सही है
, मैं यह आवेदन _____ के रूप (पदनाम) में अपनी हैसियत से कर रहा/रही हूं और मैं यह
आवेदन करने और उसका सत्यापन करने के लिए सक्षम हूं।

हस्ताक्षर

स्थान _____

आवेदक/प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

तारीख _____

पदनाम / प्रस्थिति.....

जीएसटीए और ए प्ररूप -02

[नियम 106(1) देखिए]

अग्रिम विनिर्णय के लिए अपील प्राधिकारी को अपील

अनुक्रमांक	विशिष्टियां	टिप्पण
1	अग्रिम विनिर्णय सं.	
2	अग्रिम विनिर्णय समूचित करने की तारीख	दिन/मास/वर्ष
3	अपीलार्थी की जीएसटीआईएन / उपभोक्ता पहचान	
4	अपीलार्थी का विधिक नाम	
5	अपीलार्थी के व्यापार का नाम (वैकल्पिक)	
6	अपीलार्थी का पता जिस पर सूचनाएं भेजी जा सकेंगी	
7	अपीलार्थी का ईमेल पता-	
8	अपीलार्थी का मोबाइल नंबर	
9	अधिकारिता रखने वाला अधिकारी / संबंधित अधिकारी	
10	अधिकारिता रखने वाला अधिकारी / संबंधित अधिकारी का पदनाम	
11	अधिकारिता रखने वाला अधिकारी / संबंधित अधिकारी का ईमेल पता-	
12	अधिकारिता रखने वाला अधिकारी / संबंधित अधिकारी का मोबाइल नंबर	
13	क्या अपीलार्थी व्यक्तिगत रूप से सुनवाई की वांछा रखता है	हां/नहीं
14.	मामले के तथ्य (संक्षेप में)	
15.	अपील का आधार	
16.	संदाय के ब्यौरे	चालान पहचान सं. (सीआईएन) - तारीख -

प्रार्थना

पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए आदरपूर्वक यह प्रार्थना की जाती है कि माननीय अपील प्राधिकारी < स्थान >:

(क) जैसी ऊपर प्रार्थना की गई है अग्रिम विनिर्णय प्राधिकारी द्वारा पारित आक्षेपित अग्रिम विनिर्णय को अपास्त / उपांतरित करने की कृपा करें;

(ख) व्यक्तिगत सुनवाई करें; और

(ग) कोई ऐसा (ऐसे) और या अन्य आदेश पारित करने की कृपा करें, जो वह मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर ठीक और उचित समझे।

और इस कृपापूर्ण कार्य के लिए, अपीलार्थी प्रार्थना करने के लिए कर्तव्यनिष्ठ है।

सत्यापन

मैं, _____ (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम), पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री _____ एतद द्वारा सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता/करती हूँ कि ऊपर संलग्नक (संलग्नों), में सम्मिलित दस्तावेज सही हैं, मैं जो कथन किया गया है मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सही है। मैं यह आवेदन के रूप में अपनी हैसियत से कर रहा (पदनाम) / रही हूँ और मैं यह आवेदन करने और उसका सत्यापन करने के लिए सक्षम हूँ।

हस्ताक्षर

आवेदक /प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम

पदनाम / प्रास्थिति

स्थान _____

तारीख _____

जीएसटी एआरए प्ररूप -03

[नियम 106(2) देखिए]

अग्रिम विनिर्णय के लिए अपील प्राधिकरण को अपील

अनुक्रमांक	विशिष्टियां	अभ्युक्तियां
1	अग्रिम विनिर्णय सं.	
2	अग्रिम विनिर्णय संसूचित करने की तारीख	दिन/मास/वर्ष
3	जीएसटीआईएन, यदि कोई हो / व्यक्ति की उपयोगिता पहचान पत्र जिसने अग्रिम विनिर्णय चाहा है।	
4	अनुक्रमांक 3 में विनिर्दिष्ट व्यक्ति का विधिक नाम	
5	अधिकारिता अधिकारी / संबंधित अधिकारी का नाम और पदनाम	
6	अधिकारिता अधिकारी / संबंधित अधिकारी का ईमेल पता	
7	अधिकारिता अधिकारी / संबंधित अधिकारी का मोबाईल नम्बर	
8	क्या अधिकारित अधिकारी / संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत सुनवाई की वांछा रखता है	हां / नहीं
9	मामले के तथ्य (संक्षिप्त में)	
10	अपील के आधार	

प्रार्थना

पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए आदरपूर्वक यह प्रार्थना की जाती है कि माननीय अपीलीय प्राधिकारी <स्थान> कृपा करें :-
 क. जैसी ऊपर प्रार्थना की गई है, अग्रिम विनिर्णय हेतु प्राधिकारी द्वारा पारित अक्षेपित अग्रिम विनिर्णय को अपास्त / उपांतरित करने की कृपा करें ;
 ख. व्यक्तिगत सुनवाई की करने की करें ; और
 ग. कोई ऐसा और या अन्य आदेश पारित करने की कृपा करें, जो वह मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर ठीक और उचित समझे।

सत्यापन

मैं, _____ (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम), पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री _____ सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता/करती हूँ कि ऊपर संलग्नक (संलग्नकों), जिसके अंतर्गत दस्तावेज भी है, मैं जो कथन किया गया है मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सही है। मैं यह आवेदन के रूप में (पदनाम) में अपनी हैसियत से कर रहा / रही हूँ और मैं यह आवेदन करने और उसका सत्यापन करने के लिए सक्षम हूँ।

हस्ताक्षर

स्थान _____

संबंधित अधिकारी / अधिकारिता अधिकारी का नाम और पदनाम

तारीख _____

प्ररूप जीएसटी एपीएल - 01

[नियम 108(1) देखिए]

३

अपील प्राधिकारी को अपील

1. जीएसटीआईएन / अस्थायी पहचान / यूआईएन -
2. अपीलार्थी का विधिक नाम -
3. व्यापार का नाम, यदि कोई हो -
4. पता -
5. आदेश सं. - आदेश की तारीख -
6. आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित करने वाले अधिकारी का पदनाम और पता -
7. आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, की संमूचना की तारीख -
8. प्राधिकृत प्रतिनिधि का नाम -
9. विवादित मामले के अधीन ब्यौरे -
 - (एक) विवादित मामले के अधीन संक्षिप्त विवाद्यक -
 - (दो) विवादग्रस्त माल/सेवाओं का विवरण और वर्गीकरण -
 - (तीन) विवाद की अवधि -
 - (चार) विवाद के अधीन रकम :

विवरण	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र ॥ कर	एकीकृत कर	उपकर
(क) कर / उपकर		॥		
(ख) ब्याज				
(ग) शास्ति				
(घ) फीस				
(ङ) अन्य प्रभार				

(पांच) अभिग्रहित माल का बाजार मूल्य -

10. क्या अपीलार्थी व्यक्तिगत सुनवाई की वांछा रखता है - हां / नहीं

11. तथ्यों का कथन:-

12. अपील का आधार:-

13. प्रार्थना:-

14. सृजित, स्वीकृत और विवादित मांग की रकम

मांग/ प्रतिदाय की विशिष्टियां	विशिष्टियां		केन्द्रीय कर	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर	कुल रकम	
	सृजित मांग की रकम (क)	(क) कर/ उपकर					< कुल >	< कुल >
		(ख) ब्याज					< कुल >	
		(ग) शास्ति					< कुल >	
		(घ) फीस					< कुल >	
		(ङ) अन्य प्रभार					< कुल >	
स्वीकृत मांग की रकम (ख)		(क) कर/ उपकर					< कुल >	< कुल >
		(ख) ब्याज					< कुल >	
		(ग) शास्ति					< कुल >	
		(घ) फीस					< कुल >	
		(ङ) अन्य प्रभार					< कुल >	
विवादित मांग की रकम (ग)		(क) कर/ उपकर					< कुल >	< कुल >
		(ख) ब्याज					< कुल >	
		(ग) शास्ति					< कुल >	
		(घ) फीस					< कुल >	
		(ङ) अन्य प्रभार					< कुल >	

15. स्वीकृत रकम और पूर्व निक्षेप के संदाय के ब्यौरे :-

(क) अपेक्षित संदाय के ब्यौरे -

विशिष्टियां		केन्द्रीय कर	राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर	कुल रकम	
(क) स्वीकृत	कर /					< कुल >	<

(ख) स्वीकृत रकम और पूर्व निक्षेप के संदाय के ब्यौरे (विवादित कर और उपकर का 10 प्रतिशत पूर्व निक्षेप)

(ग) संदाय और संदत्त ब्याज, शास्ति, विलंब शुल्क और कोई अन्य रकम

[illegible]

3.	विलंब शुल्क									
4.	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)									

16. क्या विहित कालावधि के पश्चात् दाखिल फाइल की गई है - हां / नहीं

17. यदि मद 17 में 'हां' है -

(क) विलंब की कालावधि -

(ख) विलंब के लिए कारण -

सत्यापन

मैं, < _____ >, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सत्य और सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

स्थान:

तारीख:

हस्ताक्षर

आवेदक का नाम:

जीएसटी एपीएल प्ररूप - 02

[नियम 108(3) देखिए]

अपील प्रस्तुत करने की पावती

<आवेदक का नाम><जीएसटीआईएन / अस्थायी पहचान / यूआईएन/तारीख सहित संदर्भ संख्या >

आपके विरुद्ध अपील सफलतापूर्वक दाखिल हो गई है< आवेदन संदर्भ सं. >

1. संदर्भ संख्या-
2. दाखिल करने की तारीख -
3. दाखिल करने की समय -
4. दाखिल करने का स्थान -
5. अपील दाखिल करने वाले व्यक्ति का नाम-
6. पूर्व निक्षेप की रकम -
7. अपील के प्रतिग्रहण / नामंजूर करने की तारीख-
8. हाजिर होने की तारीख तारीख : समय:
9. न्यायालय सं./ न्यायपीठ न्यायालय : न्यायपीठ :

स्थान :

तारीख :

< हस्ताक्षर >

नाम:.....

पदनाम:.....

अपील प्राधिकारी / अपील अधिकरण/आयुक्त/अपर या संयुक्त आयुक्त की ओर से,

जीएसटी एपीएल प्ररूप - 03

[नियम 109(1) देखिए]

धारा 107 की उपधारा (2) के अधीन अपीलीय प्राधिकारी को आवेदन

1. अपीलार्थी का नाम और पदनाम नाम-
पदनाम-
अधिकारिता-
राज्य/केन्द्र-
राज्य का नाम-
2. जीएसटीआईएन/ अस्थायी पहचान /यूआईएन-
3. आदेश सं. तारीख-
4. आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित करने वाले अधिकारी का पदनाम और पता -
5. आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, के संसूचना की तारीख-
6. विवादित मामले के अधीन ब्यौरे-
- (एक) विवादित मामले के संक्षिप्त विवाद्यक
- (दो) विवाद में माल/ सेवा का विवरण और वर्गीकरण-
- (तीन) विवाद की कालावधि -
- (चार) विवादाधीन रकम-

विवरण	केन्द्रीय कर	राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
(क) कर/ उपकर				
(ख) ब्याज				
(ग) शास्ति				
(घ) फीस				
(ङ) अन्य प्रभार				

तथ्यों की कथन -

7. अपील के आधार -

8. प्रार्थना -

9. विवाद में मांग की रकम, यदि कोई हो -

मांग/ प्रतिदाय की विशिष्टियां, यदि कोई हों	विशिष्टियां	केन्द्रीय कर	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर	कुल रकम	
	सृजित मांग की रकम, यदि कोई हो (अ)	(क) कर/ उपकर				< कुल >	< कुल >
		(ख) ब्याज				< कुल >	
		(ग) शास्ति				< कुल >	
		(घ) फीस				< कुल >	
		(ङ) अन्य प्रभार				< कुल >	
	विवाद के अधीन की रकम (ब)	(क) कर/ उपकर				< कुल >	< कुल >
		(ख) ब्याज				< कुल >	
		(ग) शास्ति				< कुल >	
		(घ) फीस				< कुल >	
		(ङ) अन्य प्रभार				< कुल >	
		(घ) फीस				< कुल >	
		(ङ) अन्य प्रभार				< कुल >	

स्थान :

तारीख :

< हस्ताक्षर >

आवेदक अधिकारी का नाम :
आवेदक अधिकारी का पदनाम :
अधिकारिता :

जीएसटी एपीएल प्ररूप -04

[नियम 113(1) और 115 देखिए]

अपील प्राधिकारी, अधिकरण या न्यायालय द्वारा आदेश जारी करने के पश्चात् मांग की संक्षेपिका

आदेश सं. -

आदेश की तारीख -

1. जीएसटी आईएन/अस्थायी पहचान / यूआईएन -
2. अपीलार्थी का नाम -
3. अपीलार्थी का पता -
4. आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है - संख्या- तारीख-
5. अपील सं. तारीख -
6. व्यक्तिगत सुनवाई -
7. संक्षेप में आदेश-
8. आदेश की प्रास्थिति- पुष्टि/उपांतरित/नामंजूर
9. पुष्टि मांग की रकम :

विशिष्टियां	केन्द्रीय कर		राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर		एकीकृत कर		उपकर		कुल योग	
	विवादित रकम	अवधारित रकम	विवादित रकम	अवधारित रकम	विवादित रकम	अवधारित रकम	विवादित रकम	अवधारित रकम	विवादित रकम	अवधारित रकम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(क) कर										
(ख) न्याज										
(ग) शास्ति										
(घ) फीस										
(ङ) अन्य										
(च) प्रतिदाय										

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर

<अपील प्राधिकारी / अधिकरण / अधिकारिता अधिकारी का नाम>

पदनाम :

अधिकारिता :

प्ररूप जीएसटी एपीएल - 05

[नियम 110(1) देखिए]

अपील अधिकरण को अपील

1. जीएसटीआईएन / अस्थायी पहचान / यूआईएन -
2. अपीलार्थी का नाम -
3. अपीलार्थी का पता -
4. आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है - संख्या- तारीख-
5. आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित करने वाले प्राधिकारी का नाम और पता -
6. आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, की संसूचना की तारीख -
7. प्रतिनिधि का नाम -
8. विवादाधीन मामले के ब्यौरे :

(एक) विवादाधीन मामले के संक्षिप्त विवाद्यक

(दो) विवादित माल / सेवाओं का विवरण और वर्गीकरण

(तीन) विवाद की कालावाधि

(चार) विवादाधीन रकम:

विवरण	केन्द्रीय कर	राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
(क) कर/ उपकर				
(ख) ब्याज				
(ग) शास्ति				
(घ) फीस				
(ङ) अन्य प्रभार				

(पांच) अभिगृहीत माल का बाजार मूल्य -

9. क्या अपीलार्थी व्यक्तिगत सुनवाई की वांछा रखता है -

10. तथ्यों का कथन -

11. अपील का आधार -

12. प्रार्थना -

13. सृजित विवादित और स्वीकृत मांग के ब्यौरे -

मांग की विशिष्टियां	विशिष्टियां	केन्द्रीय कर	राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर	कुल रकम	
	मांग / नामंजूर की गई रकम, यदि कोई हो (क)	(क) कर/ उपकर				< कुल >	< कुल >
		(ख) ब्याज				< कुल >	
		(ग) शास्ति				< कुल >	
		(घ) फीस				< कुल >	
		(ङ) अन्य प्रभार				< कुल >	
	विवादित मांग की रकम (ख)	(क) कर/ उपकर				< कुल >	< कुल >
		(ख) ब्याज				< कुल >	
		(ग) शास्ति				< कुल >	
		(घ) फीस				< कुल >	
		(ङ) अन्य प्रभार				< कुल >	
	स्वीकृत मांग की रकम (ग)	(क) कर/ उपकर				< कुल >	< कुल >
		(ख) ब्याज				< कुल >	
		(ग) शास्ति				< कुल >	
		(घ) फीस				< कुल >	
		(ङ) अन्य प्रभार				< कुल >	

14. स्वीकृत रकम और पूर्व निक्षेप के संदाय के ब्यौरे

(क) संदेय रकम के ब्यौरे :-

विशिष्टियां		केन्द्रीय कर	राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर	कुल रकम	
(क) स्वीकृत	कर /					< कुल >	< कुल >

रकम	उपकर	>
	ब्याज	
	शास्ति	
	फीस	
	अन्य प्रभार	
(ख) पूर्व निक्षेप (विवादित कर का 20 प्रतिशत)	कर / उपकर	< कुल >

(ख) स्वीकृत रकम और पूर्व निक्षेप के संदाय के ब्यौरे (विवादित कर और उपकर का 20 प्रतिशत पूर्व निक्षेप)

अनुक्रमांक	विवरण	संदेय कर	नकद / जमा खाते के माध्यम से संदाय	विकलन प्रविष्टि सं.	संदत्त कर की रकम			
					केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	एकीकृत कर		नकद खाता					
			जमा खाता					
2.	केन्द्रीय कर		नकद खाता					
			जमा खाता					
3.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर		नकद खाता					
			जमा					

			खाता					
4.	उपकर		नकद खाता					
			जमा खाता					

(ग) संदेय और संदत्त ब्याज, शास्ति, विलंब फीस और कोई अन्य रकम :-

अनुक्रमांक	विवरण	संदेय रकम				विकलन प्रविष्टि सं.	संदत्त रकम			
		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर		एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	ब्याज									
2.	शास्ति									
3.	विलंब शुल्क									
4.	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)									

सत्यापन

मैं, < _____ >, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सत्य और सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

स्थान:

तारीख:

<हस्ताक्षर>

आवेदक का नाम :
पदनाम / प्रास्थिति :

जीएसटी एपीएल - प्ररूप 06
[नियम 110(2) देखिए]
अपील अधिकरण के समक्ष प्रति आक्षेप
धारा 112 की उपधारा (5) के अधीन

अनुक्रमांक	विशिष्टियां				
1	अपील सं. - दाखिल करने की तारीख -				
2	जीएसटी आईएन / अस्थायी पहचान/यूआईएन -				
3	अपीलार्थी का नाम -				
4	अपीलार्थी का स्थायी पता -				
5	पत्राचार का पता -				
6	आदेश सं. -			तारीख -	
7.	आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित करने वाला अधिकारी का नाम और पता -				
8.	आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, की संसूचना की तारीख -				
9.	प्रतिनिधि का नाम -				
10.	विवादाधीन मामले के ब्यौरे -				
(एक)	विवादाधीन मामले के संक्षिप्त विवाद्यक -				
(दो)	विवादाधीन माल/ सेवाओं का विवरण और वर्गीकरण -				
(तीन)	विवाद की अवधि -				
(चार)	विवादाधीन रकम	केन्द्रीय कर	राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
	(क) कर				
	(ख) ब्याज				
	(ग) शास्ति				
	(घ) फीस				
	(ङ) अन्य प्रभार (विनिर्दिष्ट करें)				
(पांच)	अभिगृहीत माल का बाजार मूल्य -				
11	राज्य या संघ राज्यक्षेत्र और कमीशनरी (केन्द्र) जिसमें आदेश या विनिश्चय पारित किया गया था।				

	(अधिकारिता के ब्यौरे) -					
12	यथास्थिति, अपीलार्थी/राज्य/केन्द्रीय कर/संघ राज्यक्षेत्र कर आयुक्त द्वारा अपील अधिकरण में दाखिल की गई अपील या आवेदन के सूचना की प्राप्ति की तारीख -					
13	क्या ऐसे विनिश्चय या आदेश में, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, प्रदाय के स्थान से संबंधित कोई प्रश्न अंतर्वलित है - हां नहीं					
14	राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर / केन्द्रीय कर के आयुक्त से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा दाखिल किए गए प्रति-आक्षेपों के मामले -					
	(एक) न्यायनिर्णायक प्राधिकारी का नाम- (दो) आदेश संख्या और आदेश की तारीख- (तीन) जीएसटीआईएन / यूआईएन / अस्थायी पहचान- (चार) अंतर्वलित रकम :					
	शीर्ष	कर	ब्याज	शास्ति	प्रतिदाय	कुल
	एकीकृत कर					
	केन्द्रीय कर					
	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर					
	उपकर					
15	संदाय के ब्यौरे					
	शीर्ष	कर	ब्याज	शास्ति	प्रतिदाय	कुल
	केन्द्रीय कर					
	राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर					
	एकीकृत कर					
	उपकर					
	योग					
16	राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर / केन्द्रीय कर के आयुक्त द्वारा दाखिल किए गए प्रति आक्षेपों के मामले में :-					
	(एक)	विवाद की कालावधि के लिए मांगे गए कर की रकम को कम				

	करना या घटाया जाना	
(दो)	विवाद की कालावधि के लिए ब्याज की रकम को कम करना या घटाया जाना	
(तीन)	विवाद की कालावधि के लिए मंजूर किए गए या अनुज्ञात किए गए प्रतिदाय की रकम	
(चार)	क्या शास्ति के रूप में रकम अधिरोपित नहीं की गई है या कम अधिरोपित की गई है	
	योग	
17	प्रति- आक्षेपों के ज्ञापन में दावा किए गए अनुतोष -	
18	प्रति - आक्षेप के आधार	
	<p style="text-align: center;">सत्यापन</p> <p>मैं, _____ प्रत्यर्थी यह घोषणा करता हूँ कि जो कुछ ऊपर कथन किया गया है ; मेरी जानकारी और विश्वास में सत्य है । आज तारीखमास.....20..को सत्यापित किया गया ।</p> <p>स्थान ; तारीख :</p> <p style="text-align: right;"><हस्ताक्षर></p> <p style="text-align: right;">आवेदक/ अधिकारी के हस्ताक्षर : आवेदक/ अधिकारी का पदनाम/ प्रास्थिति:</p>	

जीएसटी एपीएल प्ररूप - 07
[नियम 111(1) देखिए]

धारा 112 की उप धारा (3) के अधीन अपीली अधिकरण को आवेदन

1. अपीलार्थी का नाम और पदनाम

नाम :

पदनाम

अधिकारिता

राज्य/केन्द्र

राज्य पदनाम

2. जीएसटीआईएन/ अस्थायी पहचान /यूआईएन-

3. अपील आदेश संख्या

तारीख-

4. आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित करने वाले अपील प्राधिकारी का पदनाम और पता -

5. आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, संसूचना की तारीख -

6. विवादाधीन मामले के ब्यौरे : -

(एक) विवादाधीन मामले के संक्षिप्त विवाद्यक

(दो) विवादित माल/ सेवाओं का विवरण और वर्गीकरण

(तीन) विवाद की कालावधि

(चार) विवादाधीन रकम: -

विवरण	केन्द्रीय कर	राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
(क) कर / उपकर				
(ख) ब्याज				
(ग) शास्ति				
(घ) फीस				
(ङ) अन्य प्रभार				

7. तथ्यों का कथन -

8. अपील के आधार -

9. प्रार्थना -

10. मांगी गई, विवादित और स्वीकृत रकम -

मांग की विशिष्टियां , यदि कोई हों	विशिष्टियां	केन्द्रीय कर	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर	कुल रकम	
	सृजित मांग की रकम , यदि कोई हों (क)	(क) कर/ उपकर				< कुल >	< कुल >
		(ख) ब्याज				< कुल >	
		(ग) शास्ति				< कुल >	
		(घ) फीस				< कुल >	
		(ङ) अन्य प्रभार				< कुल >	
	विवादाधीन रकम (ख)	(क) कर/ उपकर				< कुल >	< कुल >
		(ख) ब्याज				< कुल >	
		(ग) शास्ति				< कुल >	
		(घ) फीस				< कुल >	
		(ङ) अन्य प्रभार				< कुल >	

स्थान :

तारीख :

< हस्ताक्षर >

अधिकारी का नाम :

पदनाम :

अधिकारिता :

जीएसटी एपीएल प्रारूप-8

(नियम 114(1) देखिए)

धारा 117 के अधीन उच्च न्यायालय को अपील

1. कराधेय व्यक्ति/ सरकार द्वारा दाखिल की गई.....
2. जीएसटीआईएन / अस्थाई आईडी / युआईएन
अपीलार्थी / अधिकारी का नाम

पदनाम -----अधिकारिता

3. अपीलार्थी का स्थाई पता, यदि लागू हो -
4. संसूचना का पता -
5. विरुद्ध अपील किया गया आदेश संख्या तारीख.....
6. विरुद्ध अपील किए गए आदेश को पारित करने वाले अपीलीय अधिकरण का नाम और पता :

7. विरुद्ध अपील किए गए आदेश की संसूचना की तारीख :

8. प्रतिनिधि का नाम :

9. विवादित मामले के ब्यौरे :

(एक) सिनोप्सेस के साथ विवादित मामले का संक्षिप्त विवादक :

(दो) विवादित मालों/सेवाओं का विवरण और वर्गीकरण :

(तीन) विवाद की कालावधि :

(चार) विवादित रकम :

विवरण	केन्द्रीय कर	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
(क) कर / उपकर				
(ख) ब्याज				
(ग) शास्ति				
(घ) फीस				

(ड) अन्य प्रभार				
-----------------	--	--	--	--

(पांच) जन्त किए गए मालों का बाजार मूल्य :

10. तथ्यों का कथन :

11. अपील के आधार :

12. प्रार्थना :

13. अपील के आधारों से संबंधित उपाबंध (उपाबंधों) :

सत्यापन

मैं..... सत्यनिष्ठा से यह प्रतिज्ञा करता हूं और घोषणा करता हूं कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम/प्रास्थिति

प्ररूप जीएसटी टीआरएन-1
(नियम 117(1), 118, 119 और 120 देखिए)

संक्रमणकालीन आईटीसी / स्टॉक विवरण

1. जीएसटीआईएन -
2. रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का विधिक नाम -
3. व्यापार नाम, यदि कोई है -
4. क्या नियत दिन से तुरंत पूर्ववर्ती छह: माह की कालावधि के लिए विद्यमान विधि के अधीन अपेक्षित सभी विवरणियां दी गई हैं:-- हां / नहीं
5. विद्यमान विधियों के अधीन दाखिल की गई विवरणी में कर प्रत्यय की अग्रणीत रकम:-

(क) केन्द्रीय कर धारा 140(1) और धारा 140(4)(क) के रूप में इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते से अग्रणीत सेनवेट प्रत्यय की रकम

अनुक्रमिक	विद्यमान विधि (केन्द्रीय उत्पाद और सेवा कर) के अधीन रजिस्ट्रीकरण संख्या	कर कालावधि जिसके लिए संबंधित विद्यमान विधि के अधीन दाखिल की गई	कॉलम 3 में विनिर्दिष्ट विवरणी दाखिल करने की तारीख	उक्त अंतिम विवरणी में अग्रणीत सेनवेट प्रत्यय का अतिशेष	संक्रमणकालीन उपबंधों के अनुसार केन्द्रीय कर के आईटीसी के रूप में ग्राह्य सेनवेट प्रत्यय
1	2	3	4	5	6
	कुल				

(ख) प्राप्त कानूनी प्ररूपों के ब्यौरे जिसके लिए प्रत्यय अग्रणीत किया जाना है

कालावधि : पहली अप्रैल 2015 से 30 जून, 2017

जारीकर्ता का	जारीकर्ता का नाम	प्ररूप का	रकम	लागू वेट दर
--------------	------------------	-----------	-----	-------------

टीआईएन	अनुक्रमांक
प्ररूप - ग	
कुल	
प्ररूप - च	
कुल	
प्ररूप - ज / झ	
योग	

(ग) राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर के रूप में इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते से अग्रणीत कर प्रत्यय की रकम (उसी राज्य में और उसी स्थानीय खाता संख्या पर सभी रजिस्ट्रीकरण के लिए)

विद्यमान विधि में रजिस्ट्रीकरण संख्या	अंतिम विवरणी में तथा आईटीसी के मूल्य वर्धित कर का अधिशेष	प्ररूप - ग		प्ररूप - च		[(3) और] (5) से संबंधित आईटीसी उत्तक्रमण	प्ररूप - ज / झ		संक्रमण आई. टी. सी. 2- (4+6-7+9)
		आर्वत जिसके लिए प्ररूप लंबित है	(3) पर संदेय कर का अंतर	आर्वत जिसके लिए प्ररूप लंबित है	(5) पर संदेय कर		आर्वत जिसके लिए प्ररूप लंबित है	(7) पर संदेय कर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

6. विद्यमान विधि के अधीन पूंजीमाल के ब्यौरे जिसके लिए अनुपयोग प्रत्यय अग्रणीत नहीं किए गए हैं, (धारा 140(2)) ।

(क) केन्द्रीय कर के रूप में इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते से अग्रणीत पूंजी माल के संदर्भ में अनुपयोग सेनवेट प्रत्यय के ब्यौरे

(ख) राज्य / संघ राज्यक्षेत्र कर के रूप में इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते से अग्रणीत अनुपयुक्त इनपुट कर प्रत्यय की रकम (एक ही राज्य में और एक ही स्थायी खाता संख्या पर सभी रजिस्ट्रीकरण के लिए)

7. धारा 140(3), 140(4)(ख), 140(5) और 140(6) के निबंधनों में स्टॉक में धारित इनपुट के ब्यौरे

(क) सारणी 5(क) के अधीन प्रत्यय के रूप में दावा किए गए इनपुट जिसके अंतर्गत दावा किया गया प्रत्यय नहीं है, शुल्क और कर की रकम (धारा 140(3), 140(4)(b) और 140(6) के अधीन)

स्टॉक में धारित अर्द्धपरिरूपित या परिरूपित माल में अंतर्विष्ट स्टॉक या इनपुट में धारित इनपुट के ब्यौरे					
अनुक्रमांक	एचएसएन (6 अंकीय स्तर पर)	इकाई	परिमाण	मूल्य	ऐसे इनपुट पर संदत पात्र शुल्क
1	2	3	4	5	6
7क जहाँ शुल्क संदत बीजक उपलब्ध है					
इनपुट					
अर्द्धपरिरूपित और परिरूपित में अंतर्विष्ट इनपुट					
7ख जहाँ शुल्क संदत बीजक उपलब्ध नहीं है (विनिर्माता या सेवा प्रदाता से भिन्न व्यक्तियों को केवल लाए)-नियम 117(4) के निबंधनों में प्रत्य					
इनपुट					

(ख) धारा : 40(5) के अधीन इनपुट या इनपुट सेवाओं के संबंध में पात्र शुल्क और कर / मूल्य वृद्धि कर की रकम :

प्रदायकर्ता का नाम	बीजक संख्या	बीजक तारीख	विवरण	परिमाण	यूक्यूसी	मूल्य	पात्र शुल्क और कर	मूल्य वृद्धि कर	तारीख जिस पर प्राप्तकर्ता के बहिखाता में प्रविष्टि की गई
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

(ग) मूल्य वृद्धि कर की रकम और इनपुट पर संदत प्रवेश कर बीजक / दस्तावेज द्वारा समर्थित है, धारा 140(3), 140(4)(b) और 140(6) के अधीन एसजीएसटी / यूटीजीएसटी के रूप में इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते से अग्रणीत संदत कर का साक्षी है

स्टॉक में इनपुट के ब्यौरे	पूर्व विधि के अधीन	पूर्व विधि के अधीन कुल दावा	एसजीएसटी/यूटीजीएसटी
---------------------------	--------------------	-----------------------------	---------------------

विवरण	इकाई	परिमाण	मूल्य	मूल्य वर्धित कर [और प्रवेश कर (संदत्त)]	कुल दावा किए गए इनपुट कर प्रत्यय	किए गए छूट प्राप्त विक्रय से संबंधित इनपुट कर प्रत्यय	के रूप में कुल ग्राह्य इनपुट कर प्रत्यय
1	2	3	4	5	6	7	8
इनपुट							
अर्द्धपरिरूपित और परिरूपित माल में अंतर्विष्ट इनपुट							

(घ) माल का स्टॉक जो बीजक/दस्तावेज द्वारा समर्थित नहीं है कर संदाय के साक्षी है (नियम 117(4) के निबंधनों में प्रत्यय) (केवल उन्ही राज्यों में जिनमें एकल बिंदु पर मूल्य वर्धित कर है)

स्टॉक में इनपुट के ब्यौरे				
विवरण	इकाई	परिमाण	मूल्य	कर संदत्त
1	2	3	4	5

इनपुट / इनपुट सेवाओं का विवरण और परिमाण के साथ-साथ माल या सेवा के प्राप्ति की तारीख (बहि खातों में यथाप्रविष्ट) के अपेक्षित ब्यौरे हैं

8. विद्यमान विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति जिसके पास केन्द्रीयकृत रजिस्ट्रीकरण है के लिए सेनवेट प्रत्यय के अंतरण के ब्यौरे (धारा 140(8))

अनुक्रमांक	विद्यमान विधि के अधीन रजिस्ट्रीकरण संख्या (केन्द्रीयकृत)	विद्यमान विधि के अधीन कर अवधि जिसके लिए अंतिम विवरणी दाखिल की गई है	कॉलम 3 में विनिर्दिष्ट विवरणी के दाखिल करने की तारीख	उक्त अंतिम विवरणी में अग्रणीत सेनवेट प्रत्यय का पात्र अधिशेष	केन्द्रीय कर के आईटीसी के प्राप्तकर्ता (समान स्याई खाता संख्या) के जीएसटीआईएन	वितरण दस्तावेज/बीजक		केन्द्रीय कर का आईटीसी अंतरित
						सं.	तारीख	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
कुल								

9. धारा 141 के अधीन मूल की ओर से कार्य कर्मकार को भेजे गए और उसके स्टॉक में धारित माल के ब्यौरे

क. धारा 141 के अधीन कार्य कर्मकार को मूल के रूप में भेजे गए माल का ब्यौरा

अनुक्रमांक	चालान संख्या	चालान तारीख	माल का प्रकार (इनपुट/अर्द्धपरिरूपित/ परिरूपित)	कार्य कर्मकार के पास माल के ब्यौरे			
				एचएसएन	विवरण	इकाई	परिमाण मूल्य
1	2	3	4	5	6	7	8 9
कार्य कर्मकार का जीएसटीआईएन, यदि उपलब्ध हो							
कुल							

ख. धारा 141 के अधीन मूल की ओर से कार्य कर्मकार के रूप में स्टॉक में धारित माल के ब्यौरे

अनुक्रमांक	चालान संख्या	चालान तारीख	माल का प्रकार (इनपुट/अर्द्धपरिरूपित/ परिरूपित)	कार्य कर्मकार के पास माल के ब्यौरे			
				एचएसएन	विवरण	इकाई	परिमाण मूल्य
1	2	3	4	5	6	7	8 9
विनिर्माता का जीएसटीआईएन							
कुल							

10. मध्यप्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम की धारा 142 (14) के अधीन मूल की ओर से अभिकर्ता के रूप में स्टॉक में धारित माल के ब्यौरे

क. मूल की ओर से अभिकर्ता के रूप में धारित माल के ब्यौरे

अनुक्रमांक	मूल का जीएसटीआईएन	अभिकर्ता के पास माल के ब्यौरे				
		विवरण	इकाई	परिमाण	मूल्य	लिया जाने वाला इनपुट कर
1	2	3	4	5	6	7

ख. अभिकर्ता द्वारा धारित माल का ब्यौरा

अनुक्रमांक	मूल का जीएसटीआईएन	अभिकर्ता के पास माल के ब्यौरे				
		विवरण	इकाई	परिमाण	मूल्य	लिया जाने वाला इनपुट क
1	2	3	4	5	6	7

11. धारा 142 (1) (ग) के निबंधनों में अनुपयुक्त प्रत्यय के ब्यौरे

अनु क्रमांक	मूल्य वर्धित कर की रजिस्ट्रीकरण संख्या	सेवा कर की रजिस्ट्रीकरण संख्या	बीजक / दस्तावेज संख्या	बीजक/दस्तावेज तारीख	कर संदत्त	मूल्य वर्धित कर एम्पपजीएसटी प्रत्यय के रूप में संदत्त / लिया या केन्द्रीय कर प्रत्यय के रूप में सेवा कर संदत्त
1	2	3	4	5	6	7

12. नियत दिन से छह मास पूर्व अनुमोदन आधार पर भेजे गए माल के ब्यौरे (धारा 142(12))

अनुक्रमांक	दस्तावेज संख्या	दस्तावेज तारीख	प्राप्तिकर्ता का जीएसटीआईएन संख्या (यदि लागू हो)	प्राप्तिकर्ता का नाम और पता	अनुमोदन आधार पर भेजे गए माल के ब्यौरे				
					एचएसएन	विवरण	इकाई	परिमाण	मूल्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

प्ररूप जीएसटी टीआरएन-2
(नियम 117(4) देखें)

1. जीएसटीआईएन -
2. कराधेय व्यक्ति का नाम -
3. कर अवधि : मास..... वर्ष.....
4. नियत दिन पर स्टॉक में धारित इनपुट के संबंध में जिसका कोई बीजक / दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय खाते से अग्रणीत कर संदाय के साध्य के रूप में कब्जे में नहीं है के ब्यौरे

कर अवधि का आरंभिक स्टॉक		किया गया जावक प्रदाय				बंद अधिशेष
एचएसएन (6 अंकीय स्तर पर)	इकाई	परिमाण	मूल्य	केन्द्रीय कर	एकीकृत कर	आईटीसी अनुज्ञात
1	2	3	4	5	6	7
						8
						9

5. ऊपर 4 में उल्लिखित स्टॉक पर राज्य कर पर प्रत्यय (केवल उन्ही राज्यों में जिनमें मूल्य वर्धित कर एकल बिंदु पर है)

कर अवधि का आरंभिक स्टॉक		किया गया जावक प्रदाय				बंद अधिशेष
एचएसएन (6 अंकीय स्तर पर)	इकाई	परिमाण	मूल्य	केन्द्रीय कर	एकीकृत कर	आईटीसी अनुज्ञात
1	2	3	4	5	6	7
						8
						9

सत्यापन (प्राधिकृत हस्ताक्षरी द्वारा)

मैं, सत्यनिष्ठा से यह प्रतिज्ञा और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सही और सत्य है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

स्थान
तारीख

हस्ताक्षर

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम
पदनाम/प्रास्थिति.....

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अरूण परमार, उपसचिव.

क्रमांक एफ ए 3-40/2017/1/पांच(83)

भोपाल, दिनांक 28/12/2017

प्रारूप-3

अधिसूचना

मध्यप्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (क्रमांक 19 सन् 2017) की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्य सरकार, मध्यप्रदेश माल और सेवा कर नियम, 2017 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

संशोधन

उक्त नियमों में,

1. नियम 138 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम जोड़े जाएं, अर्थात् :-

"अध्याय 17**निरीक्षण, तलाशी और अभिग्रहण****139. निरीक्षण, तलाशी और अभिग्रहण -**

- (1) जहां किसी उचित अधिकारी, जो संयुक्त आयुक्त की पंक्ति से नीचे का न हो, के पास यह विश्वास करने का कारण है कि धारा 67 के उपबंधों के अनुसार, यथास्थिति, निरीक्षण या तलाशी या अभिग्रहण के प्रयोजनों के लिए कारबार के स्थान या किसी अन्य स्थान का दौरा किया जाना है, वहां वह अपने अधीनस्थ किसी अधिकारी को, यथास्थिति, निरीक्षण या तलाशी या अभिग्रहण किए जाने योग्य माल, दस्तावेजों, पुस्तकों या वस्तुओं का अभिग्रहण करने के लिए प्ररूप जीएसटी आईएनएस-01 प्राधिकृत करते हुए एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा।
- (2) जहां कोई माल या दस्तावेज या पुस्तकें या वस्तुएं धारा 67 की उपधारा (2) के अधीन अभिग्रहण किए जाने योग्य हैं वहां उचित अधिकारी या प्राधिकृत अधिकारी प्ररूप जीएसटी आईएनएस-02 में अभिग्रहण का आदेश करेगा।
- (3) उचित अधिकारी या प्राधिकृत अधिकारी माल के ऐसे स्वामी या अभिरक्षक को, जिसकी अभिरक्षा से माल या वस्तुओं का अभिग्रहण किया गया है, माल की सुरक्षित देखरेख करने के लिए ऐसे माल या वस्तुओं की अभिरक्षा सौंप सकेगा और उक्त व्यक्ति, ऐसे अधिकारी की पूर्व अनुज्ञा के सिवाय ऐसे माल या वस्तुओं या उसके किसी भाग को न तो हटाएगा और न ही अन्यथा उसके संबंध में कोई कार्रवाई करेगा।
- (4) जहां ऐसे किसी माल को अभिगृहीत करना व्यवहार्य नहीं है वहां उचित अधिकारी या प्राधिकृत अधिकारी, माल के स्वामी या अभिरक्षक पर प्ररूप जीएसटी आईएनएस-03 में ऐसे प्रतिषेध

आदेश की तामील कर सकेगा कि वह ऐसे अधिकारी की पूर्व अनुज्ञा के सिवाय माल या उसके किसी भाग को न तो हटाएगा और न ही अन्यथा उसके संबंध में कोई उस पर कोई कार्रवाई करेगा ।

- (5) माल, दस्तावेजों, पुस्तकों या वस्तुओं का अभिग्रहण करने वाला अधिकारी, ऐसे माल या दस्तावेजों या पुस्तकों या वस्तुओं का विवरण, परिमाण या इकाई, बनावट, चिन्ह या माडल, जहां कहीं लागू हो, के साथ-साथ उनकी एक सूची तैयार करेगा और उस पर ऐसे व्यक्ति के हस्ताक्षर लेगा जिससे ऐसा माल या दस्तावेज या पुस्तकों या वस्तुओं का अभिग्रहण किया गया है ।

140. अभिगृहीत माल के निर्माण के लिए बंधपत्र और प्रतिभूति -

- (1) अभिगृहीत माल को, प्ररूप जीएसटी आईएनएस-04 में माल के मूल्य के लिए एक बंधपत्र का निष्पादन करके और संदेय लागू कर, ब्याज और शास्ति की रकम के बराबर की बैंक प्रत्याभूति के रूप में प्रतिभूति देकर अनंतिम आधार पर निर्माचित किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण—इस अध्याय के उपबंधों के अधीन नियमों के प्रयोजनों के लिए “लागू कर” के अंतर्गत, माल और सेवाएं (राज्यों को प्रतिकर) अधिनियम, 2017 (2017 का 15) के अधीन संदेय, यथास्थिति, केन्द्रीय कर और राज्य कर या केन्द्रीय कर और संघ राज्यक्षेत्र कर तथा उपकर, यदि कोई हो, भी हैं ।

- (2) यदि ऐसा व्यक्ति, जिसको अनंतिम रूप से माल का निर्माण किया गया था, उचित अधिकारी द्वारा यथा उपदर्शित नियत तारीख और स्थान पर माल प्रस्तुत करने में असफल रहता है, तो ऐसे माल के संबंध में प्रतिभूति नकद में ली जाएगी और उसे संदेय कर, ब्याज और शास्ति तथा जुर्माने, यदि कोई हों, के प्रति समायोजित किया जाएगा ।

141. अभिगृहीत माल के संबंध में प्रक्रिया -

- (1) जहां अभिगृहीत माल या वस्तुएं विनश्वर या परिसंकटमय प्रकृति की हैं और यदि कराधेय व्यक्ति, ऐसे माल या वस्तुओं की बाजार कीमत के बराबर रकम का या ऐसे कर, ब्याज और शास्ति की रकम का, जो कराधेय व्यक्ति द्वारा संदेय है या हो गई है, के बराबर, इनमें से जो भी निम्नतर हो, संदाय कर देता है वहां, यथास्थिति, ऐसे माल या वस्तुओं को, संदाय के सबूत के आधार पर प्ररूप जीएसटी आई एनएस-05 में आदेश द्वारा तुरंत निर्माचित कर दिया जाएगा ।

- (2) जहां कराधेय व्यक्ति उक्त माल या वस्तुओं के संबंध में उपनियम (1) में निर्दिष्ट रकम का संदाय करने में असफल रहता है वहां आयुक्त ऐसे माल या वस्तुओं का व्ययन कर सकेगा और उसके द्वारा वसूल की गई रकम को ऐसे माल या वस्तुओं के संबंध में संदेय कर, ब्याज, शास्ति या किसी अन्य रकम के प्रति समायोजित कर सकेगा ।

अध्याय 18

मांग और वसूली

142. अधिनियम के अधीन संदेय रकम की मांग के लिए सूचना और आदेश -

(1) उचित अधिकारी,-

(क) धारा 73 की उपधारा (1) या धारा 74 की उपधारा (1) या धारा 76 की उपधारा (2) के अधीन सूचना, उसके संक्षिप्त विवरण की, इलैक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01 में,

(ख) धारा 73 की उपधारा (3) या धारा 74 की उपधारा (3) के अधीन कथन, उसके संक्षिप्त विवरण की, इलैक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटी डीआरसी-02 में, उसमें संदेय रकम के ब्यौरे विनिर्दिष्ट करते हुए तामील करेगा ।

(2) जहां सूचना या कथन की तामील से पहले कर से प्रभार्य व्यक्ति, यथास्थिति, धारा 73 की उपधारा (5) के अनुसार कर और ब्याज का या धारा 74 की उपधारा (5) के उपबंधों के अनुसार कर, ब्याज और शास्ति का संदाय कर देता है, वहां वह उचित अधिकारी को, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 में ऐसे संदाय की सूचना देगा और उचित अधिकारी, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-04 में उक्त व्यक्ति द्वारा किए गए संदाय को स्वीकार करते हुए एक अभिस्वीकृति जारी करेगा ।

(3) जहां, कर से प्रभार्य व्यक्ति उपनियम (1) के अधीन सूचना की तामील होने के तीस दिन के भीतर, यथास्थिति, धारा 73 की उपधारा (8) के अधीन कर और ब्याज का या धारा 74 की उपधारा (8) के अधीन कर, ब्याज और शास्ति का संदाय कर देता है वहां वह उचित अधिकारी को, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 में ऐसे संदाय की सूचना देगा और उचित अधिकारी उक्त सूचना के संबंध में कार्यवाहियों को समाप्त करते हुए प्ररूप जीएसटी डीआरसी-05 में आदेश जारी करेगा ।

(4) धारा 73 की उपधारा (9) या धारा 74 की उपधारा (9) या धारा 76 की उपधारा (3) में निर्दिष्ट अभ्यवेदन प्ररूप जीएसटी डीआरसी-06 में होगा ।

(5) धारा 73 की उपधारा (9) या धारा 74 की उपधारा (9) या धारा (76) की उपधारा (3) के अधीन जारी संक्षिप्त विवरण को इलैक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटी डीआरसी-07 में, उसमें कर से प्रभार्य व्यक्ति द्वारा संदेय कर, ब्याज और शास्ति की रकम विनिर्दिष्ट करते हुए अपलोड किया जाएगा ।

(6) उपनियम (5) में निर्दिष्ट आदेश को वसूली की सूचना के रूप में माना जाएगा ।

(7) उचित अधिकारी द्वारा, धारा 161 के उपबंधों के अनुसार परिशुद्धि का आदेश प्ररूप जीएसटीडीआरसी-08 में दिया जाएगा।

143. किसी ऋणग्रस्त रकम से कटौती द्वारा वसूली - जहां अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों में से किन्हीं उपबंधों के अधीन सरकार के प्रति किसी व्यक्ति द्वारा (जिसे इस अध्याय के उपबंधों के अधीन नियमों में "व्यतिक्रमी" कहा गया है) संदेय की रकम संदत्त नहीं की जाती है, वहां उचित अधिकारी, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-09 में विनिर्दिष्ट अधिकारी से, धारा 79 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों के अनुसार ऐसे व्यतिक्रमी के प्रति किसी ऋणग्रस्त रकम से उक्त रकम की कटौती करने की अपेक्षा कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस अध्याय के नियमों के उपबंधों के अधीन नियमों के प्रयोजनों के लिए "विनिर्दिष्ट अधिकारी" से केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी संघ राज्यक्षेत्र की सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकरण या बोर्ड या निगम या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र की सरकार या स्थानीय प्राधिकरण के पूर्ण या भागतः स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी कंपनी का कोई अधिकारी अभिप्रेत है।

144. उचित अधिकारी के नियंत्रणाधीन माल के विक्रय द्वारा वसूली -

- (1) जहां किसी व्यतिक्रमी से शोध्य कोई रकम, धारा 79 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपबंधों के अनुसार ऐसे व्यक्ति के माल के विक्रय द्वारा वसूल की जानी है वहां उचित अधिकारी, ऐसे माल की सूची तैयार करेगा और उसके बाजार मूल्य का प्राक्कलन करेगा और केवल उतने माल के विक्रय के लिए कार्यवाही करेगा जितना वसूली प्रक्रिया पर उपगत प्रशासनिक व्यय के साथ संदेय रकम की वसूली के लिए अपेक्षित है।
- (2) उक्त माल का, नीलामी, जिसके अंतर्गत ई-नीलामी भी है, की प्रक्रिया के माध्यम से विक्रय किया जाएगा, जिसके लिए प्ररूप जीएसटी डीआरसी-10 में विक्रय किए जाने वाले माल को और नीलामी के प्रयोजन को स्पष्ट रूप से उपदर्शित करते हुए एक सूचना जारी की जाएगी।
- (3) नीलामी की तारीख या बोली प्रस्तुत करने के लिए अंतिम दिन उपनियम (2) में निर्दिष्ट सूचना जारी करने की तारीख से पन्द्रह दिन से पूर्व की नहीं होगी।

परन्तु जहां माल विनश्वर या परिसंकटमय प्रकृति का है या जहां उसे अभिरक्षा में रखने का व्यय उसकी कीमत से अधिक होने की संभावना है, वहां उचित अधिकारी उसका तुरंत विक्रय कर सकेगा।

- (4) उचित अधिकारी, नीलामी में भाग लेने के लिए बोली लगाने वालों को पात्र बनाने के लिए, ऐसे अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में दी जाने वाली पूर्व निक्षेप की ऐसी रकम विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिसे, यथास्थिति, असफल बोली लगाने वालों को वापस किया जा सकेगा या यदि सफल बोली लगाने वाला पूरी रकम का संदाय करने में असफल रहता है तो उसे समपद्धत किया जा सकेगा।
- (5) उचित अधिकारी, सफल बोली लगाने वाले को प्ररूप जीएसटी डीआरसी 11 में नीलामी की तारीख से पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर उससे संदाय करने की अपेक्षा करते हुए सूचना जारी करेगा। बोली की पूरी रकम के संदाय पर उचित अधिकारी उक्त माल का कब्जा सफल बोली लगाने वाले को अंतरित करेगा तथा प्ररूप जीएसटी डीआरसी-12 में प्रमाणपत्र जारी करेगा।
- (6) जहां व्यतिक्रमी उपनियम (2) के अधीन सूचना जारी करने से पूर्व, वसूली के अधीन रकम का, जिसके अन्तर्गत वसूली की प्रक्रिया पर उपगत व्यय भी है संदाय कर देता है, वहां उचित अधिकारी नीलामी की प्रक्रिया रद्द करेगा और माल निर्मोचित कर देगा।
- (7) जहां कोई बोली प्राप्त नहीं होती है या नीलामी को पर्याप्त भागीदारी की कमी या कम बोलियों की कारण से गैर-प्रतियोगी समझा जाता है, वहां उचित अधिकारी प्रक्रिया रद्द करेगा और पुनः नीलामी के लिए कार्यवाही करेगा।

145. किसी तृतीय व्यक्ति से वसूली -

- (1) उचित अधिकारी, धारा 79 की उप-धारा (1) के खंड (ग) में निर्दिष्ट किसी व्यक्ति पर, (जिसे इस नियम में इसके पश्चात् "तृतीय व्यक्ति" कहा गया है) प्ररूप जीएसटी डीआरसी 13 में, उसे सूचना में विनिर्दिष्ट रकम जमा कराने का निदेश देते हुए, सूचना की तामील कर सकेगा।
 - (2) जहां तृतीय व्यक्ति, उपनियम (1) के अधीन जारी सूचना में विनिर्दिष्ट रकम का संदाय कर देता है, वहां उचित अधिकारी तृतीय व्यक्ति को प्ररूप जीएसटी डीआरसी 14 में ऐसे उन्मोचित दायित्व के ब्यौरे स्पष्टतः उपदर्शित करते हुए प्रमाणपत्र जारी करेगा।
146. किसी डिक्री, आदि, के निष्पादन के माध्यम से वसूली- जहां किसी रकम का किसी सिविल न्यायालय की डिक्री के निष्पादन में व्यतिक्रमी को संदेय है या किसी बंधक या भार के प्रवर्तन में विक्रय के लिए है वहां उचित अधिकारी प्ररूप जीएसटी डीआरसी 15 में उक्त न्यायालय को अनुरोध करेगा और न्यायालय, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) के उपबंधों के अध्याधीन,

संलग्न डिक्री का निष्पादन करेगा और वसूलीय रकम के परिनिर्धारण के लिए शुद्ध आगमों को जमा करेगा ।

147. जंगम या स्थावर सम्पत्ति के विक्रय द्वारा वसूली-

- (1) उचित अधिकारी, व्यतिक्रमी की जंगम और स्थावर सम्पत्ति की एक सूची तैयार करेगा, प्रचलित बाजार मूल्य के अनुसार उसकी कीमत का प्राक्कलन करेगा और कुर्की या करस्थम् का आदेश जारी करेगा तथा प्ररूप जीएसटी डीआरसी 16 में, ऐसी स्थावर और जंगम संपत्ति जो देय रकम की वसूली के लिए अपेक्षित है, के संबंध में किसी संव्यवहार को प्रतिषिद्ध करते हुए विक्रय के लिए सूचना जारी करेगा :

परन्तु कोई ऋण जो पराक्रम्य लिखत द्वारा, किसी निगम में कोई अंश या अन्य जंगम संपत्ति द्वारा प्रतिभूत नहीं है, में किसी संपत्ति की कुर्की जो व्यतिक्रमी के कब्जे में नहीं है, किसी न्यायालय में निक्षेपित या अभिरक्षा में संपत्ति से भिन्नि, नियम 151 में उपबंधित रीति से कुर्क की जाएगी ।

- (2) उचित अधिकारी, कुर्की या करस्थम् आदेश की एक प्रतिलिपि संबंधित राजस्व प्राधिकारी या परिवहन प्राधिकारी या किसी ऐसे प्राधिकारी को, स्थावर या जंगम संपत्ति पर विल्लंगम रखने को भेजेगा जो केवल उचित अधिकारी द्वारा उस प्रभाव के लिखित निदेशों पर हटाया जाएगा ।

- (3) जहां उपनियम (1) के अधीन कुर्की या करस्थम् के अध्यक्षीन, कोई संपत्ति--

(क) स्थावर संपत्ति है, कुर्की या करस्थम् आदेश उक्त संपत्ति पर चिपकाया जाएगा और विक्रय की पुष्टि होने तक चिपका रहेगा ।

(ख) कोई जंगम संपत्ति है, वहां उचित अधिकारी उक्त संपत्ति को इस प्रकार अधिनियम के अध्याय 14 के उपबंधों के उक्त संपत्ति का अभिग्रहण करेगा और उक्त संपत्ति की अभिरक्षा या तो उचित अधिकारी के द्वारा स्वयं या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा ली जाएगी ।

- (4) कुर्की या करस्थम् की गई संपत्ति नीलामी के माध्यम से विक्रय की जाएगी, जिसके अन्तर्गत ई-नीलामी भी है, जिसके लिए प्ररूप जीएसटी डीआरसी 17 में सूचना, विक्रय की जाने वाली संपत्ति को स्पष्टतः उपदर्शित करते हुए और विक्रय का प्रयोजन देते हुए, जारी किया जाएगा ।

- (5) इस अध्याय के उपबंधों के अधीन इन नियमों में किसी भी बात के होते हुए, जहां विक्रय की जाने वाली संपत्ति, पराक्रम्य लिखत या किसी निगम में कोई अंश है, वहां उचित अधिकारी

इसे लोक नीलामी से विक्रय करने के बजाय ऐसे लिखत या अंश को किसी दलाल के माध्यम से विक्रय कर सकेगा और उक्त दलाल वसूली के अधीन यथा अपेक्षित रकम को उन्मोचन के लिए, उसके कमीशन को घटाकर ऐसे विक्रय के आगम को सरकार को निक्षेप करेगा और अधिशेष रकम, यदि कोई हो, का संदाय ऐसे लिखत या अंश के स्वामी को करेगा ।

- (6) उचित अधिकारी, नीलामी में, भाग लेने के लिए बोली लगाने वालों को पात्र बनाने के लिए, ऐसे अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में दी जाने वाली पूर्व निक्षेप की ऐसी रकम विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिसे, यथास्थिति, असफल बोली लगाने वालों को वापस किया जा सकेगा या यदि सफल बोली लगाने वाला पूर्ण रकम का संदाय करने में असफल हो जाता है तो उसे समपहत किया जा सकेगा ।

- (7) नीलामी की तारीख या बोली प्रस्तुत करने के लिए अंतिम दिन उपनियम (4) में निर्दिष्ट सूचना जारी होने की तारीख से 15 दिनों से पूर्व नहीं होगा ।

परन्तु जहां माल विनश्वर या परिसंकटमय प्रकृति का है या जहां उनको अभिरक्षा में रखने का व्यय उनकी कीमत से अधिक होना संभवनीय है, तो अधिकारी उन्हें तुरंत विक्रय कर सकेगा ।

- (8) जहां कोई या आक्षेप किसी संपत्ति की कुर्की या करस्थम् के संबंध में इस आधार पर किया जाता है या उठाया जाता है कि ऐसी संपत्ति ऐसी कुर्की या करस्थम् के लिए दायी नहीं है, वहां उचित अधिकारी ऐसे दावे या आक्षेप का अन्वेषण करेगा और विक्रय को ऐसे समय के लिए, जैसा वह ठीक समझे, मुलतवी कर सकेगा ।

- (9) दावा या आक्षेप करने वाला व्यक्ति साक्ष्य देगा कि उपनियम (1) के अधीन जारी आदेश की तारीख को कुर्की या करस्थम् के अधीन प्रश्नगत संपत्ति में वह कब्जे में था या उसका कुछ हित था ।

- (10) जहां अन्वेषण करने पर उचित अधिकारी का दावा या आक्षेप में कथित कारण से, यह समाधान हो जाता है कि ऐसी संपत्ति उक्त तारीख को व्यतिक्रमी या उसकी ओर से किसी व्यक्ति के कब्जे में नहीं थी या व्यतिक्रमी के या उक्त तारीख पर व्यतिक्रमी के कब्जे में होने के कारण यह उसके कब्जे में नहीं थी जहां अन्वेषण पर, उचित अधिकारी का दावा या आक्षेप में कथित कारणों से यह समाधान हो जाता है कि उक्त तारीख को ऐसी सम्पत्ति, व्यतिक्रमी या उसकी ओर से किसी अन्य ऐसे व्यक्ति के, कब्जे में नहीं थी या वह उक्त तारीख को जो व्यतिक्रमी के कब्जे में थी, वह उसके स्वयं की या उसके स्वामित्वाधीन सम्पत्ति नहीं थी अपितु किसी अन्य व्यक्ति की या उसके न्यास की थी या भागतः उसकी स्वयं की और भागतः किसी अन्य व्यक्ति की थी, वहां उचित अधिकारी, ऐसी सम्पत्ति को,

पूर्णतः या ऐसे विस्तार तक, जो वह ठीक समझे, कुर्की या करस्थम् से निर्मोचन का अधिकार देगा ।

(11) जहां उचित अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि उक्त तारीख को संपत्ति व्यतिक्रमी के कब्जे में उसकी अपनी संपत्ति के रूप में थी, न कि किसी अन्य व्यक्ति की जिम्मेदारी पर, या उसके लिए न्यास में किसी अन्य व्यक्ति के कब्जे में था या किसी किरायेदार या किसी अन्य व्यक्ति जो उसे किराया दे रहा था, के अधिभोग में था उचित अधिकारी दावा नामंजूर करेगा और नीलामी के माध्यम से विक्रय की प्रक्रिया अग्रसर करेगा ।

(12) उचित अधिकारी, सफल बोली लगाने वाले को प्ररूप जीएसटी डीआरसी 11 में सूचना, उससे अपेक्षा करते हुए कि रकम का संदाय ऐसे सूचना की तारीख से 15 दिन की अवधि के भीतर करे, जारी करेगा और जब उक्त संदाय हो जाता है तो वह प्ररूप जीएसटी डीआरसी 12 में संपत्ति के ब्यौरे, अंतरण की तारीख, बोली लगाने वाले के ब्यौरे और संदत्त रकम, विनिर्दिष्ट करते हुए प्रमाणपत्र जारी करेगा और ऐसा प्रमाणपत्र जारी होने पर ऐसे बोली लगाने वाले को संपत्ति में अधिकार, हक और हित अंतरित समझे जाएंगे :

परन्तु जहां अधिकतम बोली एक से अधिक व्यक्तियों द्वारा लगाई जाती है और उनमें से एक संपत्ति का सहस्वामी है वहां वह सफल बोली लगाने वाला समझा जाएगा।

(13) उपनियम (12) में विनिर्दिष्ट संपत्ति के अंतरण के संबंध में देय कोई रकम, जिसके अंतर्गत स्टाम्प शुल्क, कर या फीस भी है, उस व्यक्ति द्वारा सरकार को संदत्त की जाएगी जिसे ऐसी संपत्ति में हक अंतरित किया जाता है ।

(14) उपनियम (4) के अधीन सूचना जारी करने से पूर्व, जहां व्यतिक्रमी वसूली अधीन रकम का संदाय करता है, जिसके अन्तर्गत वसूली की प्रक्रिया पर उपगत व्यय भी हैं, वहां उचित अधिकारी नीलामी की प्रक्रिया को रद्द करेगा और माल को निर्मोचित करेगा ।

(15) जहां कोई बोलियां प्राप्त नहीं होती हैं या नीलामी को पर्याप्त भागीदारी की कमी या कम बोलियों के कारण से गैर-प्रतियोगी समझा जाता है, वहां उचित अधिकारी प्रक्रिया को रद्द करेगा और पुनः नीलामी के लिए कार्यवाही करेगा ।

148. अधिकारी द्वारा बोली लगाने या क्रय करने का प्रतिषेध- कोई अधिकारी या अन्य व्यक्ति जो इस अध्याय के उपबंधों के अधीन नियमों के अंतर्गत किसी विक्रय के संबंध में किसी कर्तव्य का निर्वहन करता है, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, विक्रय संपत्ति में किसी हित का अर्जन या हित अर्जन करने का प्रयास करने के लिए बोली नहीं लगाएगा ।

149. अवकाश-दिन पर विक्रय करने का प्रतिषेध- इस अध्याय के उपबंधों के अधीन नियमों के अंतर्गत, रविवार या सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त अन्य साधारण अवकाश-दिन पर या किसी अन्य दिन, जो

सरकार द्वारा उस क्षेत्र के लिए जिसमें विक्रय किया जाना है अवकाश-दिन घोषित किया गया है, कोई विक्रय नहीं किया जाएगा ।

150. पुलिस द्वारा सहायता- उचित अधिकारी, अधिकारिता रखने वाले पुलिस स्टेशन के भारसाधक-अधिकारी से ऐसी सहायता जो उसके कर्तव्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक हो, मांग सकेगा और उक्त भारसाधक अधिकारी ऐसी सहायता उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस अधिकारियों को तैनात करेगा ।

151. ऋणों और शेयरों आदि की कुर्की-

(1) कोई ऋण जो परक्राम्य लिखत द्वारा सुनिश्चित नहीं किया गया है, निगम में शेयर या अन्य जंगम सम्पत्ति जो व्यतिक्रमी के कब्जे में नहीं है, सिवाए ऐसी सम्पत्ति के जो निक्षेप की गई है या किसी न्यायालय की अभिरक्षा में है, प्ररूप जीएसटीडी आरसी-16 में लिखित आदेश द्वारा,--

(क) ऋण के मामले में लेनदार को ऋण की वसूली करने से और ऋणी को उसका संदाय करने से जबतक कि उचित अधिकारी से अतिरिक्त आदेश प्राप्त नहीं किया जाता ;

(ख) शेयर के मामले में व्यक्ति जिसके नाम में शेयर धारित हो, को उसे अंतरित करने से या उस पर कोई लाभांश प्राप्त करने से ;

(ग) किसी अन्य जंगम सम्पत्ति के मामले में, उसका कब्जा रखने वाले व्यक्ति को इसे व्यतिक्रमी को देने से प्रतिषिद्ध करते हुए कुर्क किया जाएगा ।

(2) ऐसे आदेश की एक प्रति उचित अधिकारी के कार्यालय के किसी सहजदृश्य भाग पर चिपकाया जाएगा, और एक अन्य प्रति ऋण के मामले में, ऋणी को भेजी जाएगी, और शेयरों के मामलों में, निगम के रजिस्ट्रीकृत पते पर भेजी जाएगी और अन्य जंगम सम्पत्ति के मामले में, उसका कब्जा रखने वाले व्यक्ति को भेजी जाएगी ।

(3) उप नियम (1) के खण्ड (क) के अधीन प्रतिषिद्ध कोई ऋणी, अपने ऋण की राशि का संदाय उचित अधिकारी को कर सकेगा, और ऐसा संदाय व्यतिक्रमी को संदेय किया गया समझा जाएगा ।

152. न्यायालयों या लोक अधिकारी की अभिरक्षा में सम्पत्ति की कुर्की- जहां कुर्की की जाने वाली सम्पत्ति किसी न्यायालय या लोक अधिकारी की अभिरक्षा में है, वहां उचित अधिकारी ऐसे न्यायालय या अधिकारी को यह अनुरोध करते हुए कुर्की का आदेश भेजेगा कि, ऐसी सम्पत्ति और उस पर संदेय कोई ब्याज या लाभांश, संदेय राशि की वसूली तक धारित कर लिया जाए ।

153. भागीदारी में हित की कुर्की-

- (1) जहां कुर्की की जाने वाली सम्पत्ति में, व्यतिक्रमी का किसी भागीदारी में एक भागीदार होने पर एक हित सम्मिलित है, वहां उचित अधिकारी प्रमाणपत्र के अधीन, शोध्य राशि के ऐसे संदाय के साथ भागीदारी सम्पत्ति में उसे भागीदार के हिस्से और लाभों को प्रभारित करते हुए एक आदेश कर सकेगा और उसी या पश्चात्पूर्वी आदेश द्वारा ऐसे लाभों जो पहले से ही घोषित हों या प्रोद्भूत हुए हैं और ऐसे अन्यधन जो उसे भागीदारी के सम्बन्ध में उस पर शोध्य हो गए हों में ऐसे भागीदार के हिस्से के सम्बन्ध में रिसीवर नियुक्त कर सकेगा, लेखा और जाँच के लिए निदेश दे सकेगा और ऐसे हित के विक्रय के लिए आदेश कर सकेगा या ऐसा अन्य आदेश कर सकेगा, जैसा कि मामले की परिस्थितियों में अपेक्षा हो ।
- (2) अन्य भागीदारों को किसी भी समय, प्रभारित हित का मोचन करने या विक्रय का निदेश किए जाने की दशा में, उसका क्रय करने की स्वतंत्रता होगी ।
154. माल और जंगम या स्थावर सम्पत्ति के विक्रय के आगमों का व्ययन- किसी व्यतिक्रमी से शोध्य की वसूली के लिए, माल, जंगम या स्थावर सम्पत्ति के विक्रय से इस प्रकार प्राप्त की गई रकमों,-
- (क) प्रथमतया, वसूली प्रक्रिया पर हुए प्रशासनिक व्यय के विरुद्ध विनियोजित की जाएगी ;
- (ख) तत्पश्चात् वसूली की जाने वाली रकम के विरुद्ध विनियोजित की जाएगी ;
- (ग) तत्पश्चात् अधिनियम, या एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 13) या संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 14) या किसी राज्य का राज्य माल और सेवा कर अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन व्यतिक्रमी से शोध्य किसी अन्य रकम के विरुद्ध विनियोजित की जाएगी ; और
- (घ) व्यतिक्रमी को संदत्त किए जाने वाले किसी अधिशेष के विरुद्ध विनियोजित की जाएगी ।
155. भू-राजस्व प्राधिकारी के माध्यम से वसूली- जहां किसी रकम की धारा 79 की उपधारा (1) के खण्ड (ड) के उपबंधों के अनुसार वसूली की जानी है, वहां उचित अधिकारी जिले के कलक्टर या उपायुक्त को या प्ररूप जीएसटीडी आरसी-18 में इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को एक प्रमाणपत्र, प्रमाणपत्र में, विनिर्दिष्ट रकम की सम्बंधित व्यक्ति से वसूली के लिए भेजेगा, जैसे कि यह भू-राजस्व की बकाया रकम थी ।
156. न्यायालय के माध्यम से वसूली- जहां किसी रकम की ऐसे वसूली की जानी है जैसे कि यह दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अधीन अधिरोपित जुर्माना हो, वहां उचित अधिकारी धारा 79 की उपधारा (1) के खण्ड (च) के उपबंधों के अनुसार समुचित मजिस्ट्रेट के समक्ष प्ररूप जीएसटीडी आरसी-19 में सम्बंधित व्यक्ति से तद्दीन विनिर्दिष्ट रकम की वसूली के लिए एक आवेदन करेगा, जैसे कि यह उसके द्वारा अधिरोपित एक जुर्माना हो ।

157. प्रतिभू से वसूली- जहां कोई व्यक्ति व्यतिक्रमी पर शोध्य रकम के लिए प्रतिभू बना है, वहां इस अध्याय के अधीन उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, जैसे कि वह व्यतिक्रमी हो ।

158. किस्तों में कर और अन्य रकमों का संदाय-

- (1) किसी कराधेय व्यक्ति द्वारा अधिनियम के अधीन शोध्य करों या किसी रकम के संदाय के लिए समयावधि के विस्तार की ईप्सा करते हुए या धारा 80 के उपबंधों के अनुसार किस्तों में ऐसे करों या रकम के संदाय को अनुज्ञात करने के लिए प्ररूप जीएसटीडी आरसी-20, में इलैक्ट्रॉनिकली आवेदन फाइल किए जाने पर, आयुक्त, उक्त रकम का संदाय करने के लिए कराधेय व्यक्ति की वित्तीय योग्यता के सम्बंध में, अधिकारिता रखने वाले अधिकारी से रिपोर्ट की माँग करेगा ।
- (2) कराधेय व्यक्ति की प्रार्थना और अधिकारिता रखने वाले अधिकारी की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, आयुक्त कराधेय व्यक्ति को संदाय करने के लिए अतिरिक्त समय और/या रकम का ऐसी मासिक किस्तों में, जो चौबीस से अनधिक हो, जैसा वह उपयुक्त समझे, संदाय अनुज्ञात करते हुए, प्ररूप जीएसटीडी आरसी-21 में एक आदेश जारी कर सकेगा ।

(3) उपनियम (2) में निर्दिष्ट सुविधा, वहां अनुज्ञात नहीं की जाएगी, जहां--

- (क) कराधेय व्यक्ति अधिनियम या एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 या संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 या किसी राज्य के राज्य माल और सेवा कर अधिनियम के अधीन किसी रकम का संदाय करने का पहले से व्यतिक्रमी है जिसके लिए वसूली प्रक्रिया चालू है ;
- (ख) कराधेय व्यक्ति अधिनियम या एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 या संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 या किसी राज्य के राज्य माल और सेवा कर अधिनियम के अधीन पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किस्तों में संदाय करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया गया है ;
- (ग) कोई रकम, जिसके लिए किस्त सुविधा की ईप्सा की गई है, पच्चीस हजार रुपयों से कम है ।

159. सम्पत्ति की अनंतिम कुर्की-

- (1) जहां आयुक्त धारा 83 के उपबंधों के अनुसार बैंक खाता सहित, किसी सम्पत्ति की कुर्की करने का विनिश्चय करता है, वहां वह प्ररूप जीएसटीडी आरसी-22 में तद्वीन सम्पत्ति जो कुर्की की गई है के विवरणों का उल्लेख करते हुए एक आदेश पारित करेगा ।

- (2) आयुक्त कुर्की के आदेश की प्रति सम्बन्धित राजस्व प्राधिकारी या परिवहन प्राधिकारी या किसी ऐसे प्राधिकारी को भेजेगा, कि वह उक्त जंगम या स्थावर सम्पत्ति पर विल्लंगम रखे, जो केवल आयुक्त के इस निमित्त लिखित अनुदेशों पर ही हटाया जाएगा ।
- (3) जहां कुर्की की गई सम्पत्ति विनश्वर या परिसंकटमय प्रकृति की है, और यदि कराधेय व्यक्ति ऐसी सम्पत्ति के बाजार मूल्य के समतुल्य रकम का संदाय करता है या ऐसी रकम का संदाय करता है जो कराधेय व्यक्ति पर संदेय है या संदेय बन जाती है, जो भी न्यून हो, तब ऐसी सम्पत्ति, संदाय के सबूत पर, प्ररूप जीएसटीडी आरसी-23 में एक आदेश द्वारा तुरंत निर्मुक्त की जाएगी ।
- (4) जहां कराधेय व्यक्ति विनश्वर या परिसंकटमय प्रकृति की उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में उपनियम (3) में निर्दिष्ट रकम का संदाय करने में विफल रहता है, वहां आयुक्त ऐसी सम्पत्ति का व्ययन कर सकेगा और तद् द्वारा प्राप्त रकम, कर, ब्याज, शस्ति, शुल्क या कराधेय व्यक्ति द्वारा संदेय किसी अन्य रकम के विरुद्ध समायोजित की जाएगी ।
- (5) कोई व्यक्ति जिसकी सम्पत्ति कुर्की की गई है, कुर्की के सात दिवसों के भीतर, उपनियम (1) के अधीन इस प्रभाव की एक आपत्ति फाइल कर सकेगा कि कुर्की की गई सम्पत्ति कुर्की किए जाने के लिए दायी नहीं थी या है, और आयुक्त आपत्ति फाइल करने वाले व्यक्ति को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् प्ररूप जीएसटीडी आरसी-23 में एक आदेश द्वारा उक्त सम्पत्ति को निर्मुक्त कर सकेगा ।
- (6) आयुक्त इस सम्बन्ध में समाधान होने पर कि सम्पत्ति कुर्की के लिए और अधिक दायी नहीं थी या है, प्ररूप जीएसटीडी आरसी-23 में एक आदेश जारी करते हुए ऐसी सम्पत्ति को निर्मुक्त कर सकेगा ।
160. समापनाधीन कंपनी से वसूली- जहां कंपनी समापनाधीन है जैसा कि धारा 88 में विनिर्दिष्ट किया गया है, वहां आयुक्त, कर, ब्याज, शास्ति दर्शित करते हुए कोई रकम या अधिनियम के अधीन शोध्य किसी अन्य रकम की वसूली के लिए प्ररूप जीएसटीडी आरसी-24 में समापक को अधिसूचित करेगा ।
161. कतिपय वसूली कार्यवाहियों का जारी रहना- धारा 84 के अधीन किसी माँग में कमी या वृद्धि के लिए आदेश प्ररूप जीएसटीडी आरसी-25 में जारी किया जाएगा ।

अध्याय 19

अपराध और शास्तियाँ

162. अपराधों के प्रशमन के लिए प्रक्रिया-

- (1) कोई आवेदक, या तो अभियोजन के संस्थित किए जाने के पूर्व या पश्चात् धारा 138 की उपधारा (1) के अधीन प्ररूप जीएसटीसीपीडी-01 में, अपराध के प्रशमन के लिए आयुक्त को आवेदन कर सकेगा।
- (2) आवेदन की प्राप्ति पर, आयुक्त, आवेदन में प्रस्तुत की गई विशिष्टियाँ या कोई अन्य सूचना, जो ऐसे आवेदन की परीक्षा के लिए सुसंगत विचार की जा सकेगी, के संदर्भ में सम्बंधित अधिकारी से एक रिपोर्ट मांगेगा।
- (3) आयुक्त, आवेदन प्राप्त होने के नब्बे दिन के भीतर, उक्त आवेदन की अन्तर्वस्तु पर विचार करने के पश्चात् प्ररूप जीएसटीसीपीडी-02 में आदेश द्वारा या तो इस सम्बन्ध में समाधान होने पर कि आवेदक ने उसके समक्ष कार्यवाहियों में सहयोग किया है और मामले से सम्बन्धित तथ्यों का पूर्ण और सत्य प्रकटन किया है, यह प्रशमित रकम इंगित करते हुए आवेदन मंजूर कर सकेगा और उसे अभियोजन से उन्मुक्ति प्रदान कर सकता है या ऐसा आवेदन को नामंजूर कर सकेगा।
- (4) उपनियम (3) के अधीन आवेदन का विनिश्चय, आवेदक को उस पर सुनवाई का अवसर दिए बिना और ऐसी नमंजूरी के कारणों को अभिलिखित किए बिना नहीं किया जाएगा।
- (5) आवेदन अनुज्ञात नहीं जाएगा जबतक संदाय के लिए दायी कर, ब्याज और शास्ति का मामले में संदाय नहीं कर दिया जाता जिसके लिए आवेदन किया गया है।
- (6) आवेदक उप नियम (3) के अधीन आदेश की प्राप्ति की तारीख से तीस दिवसों की अवधि के भीतर आयुक्त द्वारा आदेश की गई प्रशमित रकम का संदाय करेगा और उन्हें ऐसे संदाय का सबूत प्रस्तुत करेगा।
- (7) यदि आवेदक उपनियम (6) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्रशमित रकम का संदाय करने में विफल रहता है, तब उप नियम (3) के अधीन किया गया आदेश दूषित और शून्य हो जाएगा।
- (8) किसी व्यक्ति को उप नियम (3) के अधीन प्रदान की गई उन्मुक्ति, आयुक्त द्वारा किसी समय भी प्रत्याहृत की जा सकेगी, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसे व्यक्ति ने प्रशमन कार्यवाहियों के अनुक्रम में, कोई तात्त्विक विशिष्टियाँ छिपायी थी या मिथ्या साक्ष्य दिया था तदुपरि ऐसे व्यक्ति का ऐसे अपराध के लिए विचारण किया जा सकेगा जिसके लिए उन्मुक्ति प्रदान की गई थी या किसी अन्य अपराध के लिए विचारण किया जा सकेगा, जो कि उसके द्वारा प्रशमन कार्यवाहियों के सम्बन्ध में कारित किया गया प्रतीत होता है और अधिनियम के उपबंध लागू होंगे, जैसे कि ऐसी कोई उन्मुक्ति प्रदान नहीं की गई थी।

प्ररूप - जीएसटी-आरएफडी-01

[नियम 89(1) देखें]

प्रतिदाय के लिए आवेदन

चयन - रजिस्ट्रीकृत/आकस्मिक/अरजिस्ट्रीकृत/अनिवासी कराधेय व्यक्ति

1. जीएसटीआईएन/अस्थायी आईडी:
2. विधिक नाम :
3. व्यापार नाम, यदि कोई हो :
4. पता :
5. कर अवधि : <दिन/मास/वर्ष> से <दिन/मास/वर्ष>
6. दावा किए गए प्रतिदाय की रकम :

अधिनियम	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	कुल
केन्द्रीय कर						
राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर						
एकीकृत कर						
उपकर						
कुल						

7. दावा किए गए प्रतिदाय के आधार (नीचे से चयन करें) :

(क) इलैक्ट्रानिक नकद खाता में अतिरिक्त अतिशेष :

(ख) सेवाओं का निर्यात--कर के संदाय सहित :

(ग) माल/सेवाओं का निर्यात-- कर के संदाय के बिना उदरहणार्थ, संचित इनपुट कर प्रत्यय

(घ) निर्धारण/अनंतिम निर्धारण/अपील/किसी अन्य आदेश के कारण—

(i) आदेश के प्रकार चयन :

निर्धारण/अनंतिम निर्धारण/अपील/ अन्य

(ii) निम्नलिखित व्यौरों का उल्लेख करें,--

1. आदेश संख्या ;
2. आदेश की तारीख <कलेंडर>
3. आदेश जारी करने वाला प्राधिकारी
4. संदाय संदर्भ संख्या (प्रतिदाय के रूप दावे के लिए रकम)

(यदि आदेश सिस्टम के भीतर जारी किया जाता है, तो 2,3,4 स्वतः वासित)

(ड) विपर्यस्त कर ढांचा के लिए निवेश कर प्रत्यय संचित (धारा 54(3)) के परन्तुक के खंड (ii)

(च) विशेष आर्थिक जोन इकाई/विशेष आर्थिक विकासकर्ता या समझे गए निर्यात प्रापक के लिए गए प्रदाय पर—

(प्रदायकर्ता/प्राप्तिकर्ता के प्रकार चयन करें)

1. विशेष आर्थिक जोन इकाई के लिए प्रदाय
2. विशेष आर्थिक जोन के विकासकर्ता को प्रदाय
3. माने गए निर्यात के प्राप्तिकर्ता ।

(छ) विशेष आर्थिक जोन युनिट/विशेष आर्थिक जोन विकासकर्ता को किए गए प्रदाय पर संचित इनपुट कर प्रत्यय का प्रतिदाय

(ज) प्रदाय पर संदत्त कर जिसे उपबंधित नहीं किया गया है, या तो पूर्णतः या भागतः और जिसके लिए बीजक जारी किया गया है ।

(झ) राज्यांतरिक पर संदत्त कर पर जिसे अन्तरराज्यिक और विपर्ययेन धारित किया जाए ।

(ञ) कर की अधिकता संदाय, यदि कोई हो

(ट) कोई अन्य (विनिर्दिष्ट करें)

8. बैंक लेखा के ब्यौरे (रजिस्ट्रीकृत करदाता के मामले में आरसी से स्वतः वासित)

(क) बैंक खाता संख्या :

(ख) बैंक का नाम :

(ग) बैंक खाता प्रकार :

(घ) खाता धारक का नाम :

(ङ) बैंक शाखा का पता :

(च) भारतीय वित्तीय प्रणाली कोड (आईएफएससी) :

(छ) मैग्नेटिक इंक करेक्टर रिकागनाइजेशन (एमआईसीआर) :

9. क्या धारा 54(4) के अधीन आवेदक द्वारा स्व घोषणा फाइल की गई है, यदि लागू हो
हां ☐ नहीं ☐

घोषणा

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि निर्यातित माल किसी निर्यात शुल्क के लिए कोई विषय नहीं है, यह भी घोषणा करता हूं कि मेरे द्वारा माल या सेवा या दोनों के प्रतिदाय पर कोई कमी नहीं ली गई

है और संदत्त ऐसे एकीकृत कर का जिसका प्रतिदाय दावा किया जा चुका है, का प्रतिदाय दावा नहीं किया गया है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम/ प्रास्थिति

घोषणा

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि इनपुट कर प्रत्यय के प्रतिदाय दावा आवेदन में शून्य दर या पूर्णतः छूट प्राप्त माल या सेवा के प्रदाय में उपयोग किए गए इनपुट कर प्रत्यय को शामिल नहीं किया गया है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम/ प्रास्थिति

घोषणा

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि इस प्रतिदाय दावा के अधीन आवेदक के द्वारा जमा किए गए कर का विशेष आर्थिक जोन इकाई / विशेष आर्थिक जोन के विकास कर्ता द्वारा इनपुट कर प्रत्यय नहीं लिया गया है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम/ प्रास्थिति

स्वयं-घोषणा

मैं/हम (आवेदक), जीएसटिन /अस्थाई आई.डी., सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि प्रतिदाय आवेदन में दावा, प्रतिदाय राशि रूप में कर, ब्याज या अन्य कोई राशि जो कि समयावधि से तक की है, उक्त कर एवं ब्याज का भार किसी अन्य व्यक्ति को अग्रेषित नहीं किया गया है।
(इस घोषणा का ऐसे आवेदकों द्वारा दिया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिन्होंने धारा 54 की उपधारा (8) के खंड (क) या खंड (ख) या खंड (ग) या खंड (घ) या खंड (च) के अधीन प्रतिदाय का दावा किया है)।

10. सत्यापन

मैं/हम (करदाता का नाम) सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर दी गई सूचना मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सत्य और सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरे/हमारे द्वारा इस मद्दे कोई प्रतिदाय प्राप्त नहीं किया गया है।

स्थान

तारीख

प्राधिकारी का हस्ताक्षर

(नाम)

पदनाम/प्रास्थिति

कथन 1:

(उपाबंध-1)

प्रतिदाय प्रकार : विपरीत क्रम कर संरचना के कारण संचित आईटीसी [धारा 54(3) के परंतुक के खंड (ii)]

भाग क: जावक प्रदाय

(जीएसटी आर-1 : सारणी 4 और 5) :

जीएसटीआईएन/यूआईएन	बीजक के ब्यौरे	दर	कराधेय	रकम	प्रदाय का					
	संख्या	तारीख	मूल्य	केन्द्रीय कर	स्थान					
			मूल्य	राज्य/संघ	उपकर					
				राज्यक्षेत्र	(राज्य का नाम)					
				कर	11					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	

बीजक : आवक प्रदाय :

जीएसटी आर-2 : सारणी 3 (मिलाए गए बीजक) :

.....कर अवधि

प्रदायकर्ता का जीएसटीआईएन	बीजक के ब्यौरे		दर	कराधेय मूल्य	कर की रकम				प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)	क्या इनपुट या इनपुट सेवा/पूँजीमाल (जिसके अंतर्गत प्लांट और मशीने हैं)/आईटीसी के लिए अपात्र हैं	उपलब्ध आईटीसी की रकम				
	सं०	तारीख			मूल्य	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र उपकर कर			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र उपकर कर		
1	2	3	4	5	6	6	7	9	10	11	12	13	14	15	16

टिप्पण: डाटा जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-2 से स्वतः भरा जाएगा

प्रतिदाय का प्रकार :

कर संदाय सहित सेवाओं का निर्यात

(जीएसटीआर-1 : सारणी - 6क और सारणी - 9)

1.

प्रारम्भिकता का जीएसटीआर-1	बीजक के ब्यौरे				एकीकृत कर			बीआरसी/एफआईआरसी		संशोधित मूल्य (एकीकृत कर) (यदि कोई है)	नामनोट एकीकृत कर/संशोधित कर/संशोधित (यदि कोई है)	जमापत्र एकीकृत कर/संशोधित कर (यदि कोई है)	शुद्ध एकीकृत कर $= (11/8) + 12$ -13
	सं०	तारीख	मूल्य	एसएसी	दर	कराधेय कर	रकम	संख्यां	तारीख				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
6क: निर्यात													

बीआरसी/ एफआईआरसी के ब्यौरे, आज्ञापक है-सेवाओं के मामले में)

कथन ३:

परिदाय का प्रकार:

कर के संदाय के बिना निर्यात-संचित आईटीसी

(जीएसटीआईआर-1: सारणी 6क)

1.

प्राप्तिकर्ता का	बीजक के व्यौर						शिपिंग बिल/बिल ऑफ एक्सपोर्ट				एकीकृत कर				इजीएम व्यौर		बीआरसी/फ आईआरसी
	सं०	तारीख	मूल्य	तारीख	माल/सेवा (मा/से)	एचएसएन /एसएसी	यूक्यूसी	परिमाण	संख्यां	तारीख	पतन कोड	दर	कराधेय मूल्य	रकम	संदर्भ सं०	तारी ख	
जीएसटीआ ईएन	सं०	तारीख	मूल्य	तारीख	माल/सेवा (मा/से)	एचएसएन /एसएसी	यूक्यूसी	परिमाण	संख्यां	तारीख	पतन कोड	दर	कराधेय मूल्य	रकम	संदर्भ सं०	तारी ख	सं० ता०
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
6क. निर्यात																	

टिप्पण-1. पोत परिवहन पत्र और ईजीएम आज़ापक है — माल के मामले में ।

2. बीआरसी/एफआईआरसी के द्वारा आजापक है — सेवाओं के मामले में।

समझे गए निर्यात आदि का प्राप्तिकर्ता

(जीएसटीआर 2: सारणी 3 और सारणी 6)

प्राप्तिकर्ता का जीएसटीआ ईएन	बीजक के व्यापार			दर	करा धय मूल्य	कर की रकम				प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)	व्या इनपुट या इनपुट सेवा/पूंजीमाल (जिसके अंतर्गत प्लॉट और मशीने हैं)/आईटीसी के लिए अपात्र हैं	उपलब्ध आईटीसी की रकम					संशोधित मूल्य (आईटी सी एकीकृत कर) (यदि कोई है)	नामोनोट आईटी सी एकीकृत कर/संशोधित (यदि कोई है)	उत्पापत्र आईटीसी एकीकृत कर/संशोधित (यदि कोई है)	शुद्ध आईटीसी एकीकृत कर = (17/77)* 18-19
	सं०	तारीख	मूल्य			राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र			राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	

कथन:7

प्रदाय का प्रकार : कर का अधिक संदाय, यदि कोई टर्मिनल विवरणी फाइल करने की दशा में

(करदाता की दशा में जिसने जीएसटीआर विवरणी फाइल की है - सारणी 12)

क्रम सं.	कर अवधि	विवरणी की संदर्भ सं०	विवरणी फाइल करने की तारीख	संदेय कर			
				एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8

उपाबंध-2**प्रमाणपत्र**

यह प्रमाणित किया जाता है कि कर अवधि के लिए.....माल और सेवा कर पहचान संख्या/अस्थायी आईडी, मैसर्स..... (आवेदक का नाम) द्वारा(शब्दों में) आई एन आर दावे के प्रतिदाय के संबंध में कर और ब्याज का आपतन किसी अन्य व्यक्ति ने पारित नहीं किया है। यह प्रमाणपत्र आवेदक द्वारा विशेष रूप से अनुरोधित/दिए गए लेखा पुस्तकों और अन्य सुसंगत अभिलेखों और विवरणियों के परीक्षण के आधार पर है।

चार्टर्ड आकाउन्टेंट/लागत लेखाकार के हस्ताक्षर:

नाम :

सदस्यता संख्या :

स्थान :

तारीख :

यह प्रमाणपत्र आवेदक द्वारा अधिनियम की धारा 54 की उपधारा (8) के खंड (क) या खंड (ख) या खंड (ग) या खंड (ड.) या खंड (च) के अधीन प्रतिदाय दावा दिया जाना अपेक्षित नहीं है।

प्ररूप जीएसटी आरएफडी - 02

[नियम 90(1), 90(2) और 95(2) देखें]

अभिस्वीकृति

प्रतिदाय के लिए आपका आवेदन का <आवेदन संदर्भ संख्या> के विरुद्ध अभिस्वीकृत कर लिया गया है।

अभिस्वीकृति संख्या :

अभिस्वीकृति की तारीख:

जी एसटीआईएन/यूआईएन/अस्थायी आई डी, यदि लागू हो :

आवेदक का नाम:

प्ररूप सं. :

प्ररूप विवरण:

अधिकारिता (समुचित निशान लगाएं) :

केन्द्रीय

राज्य/

संघ राज्य क्षेत्र :

द्वारा भरा गया

प्रतिदाय आवेदन ब्यौरा	
कर अवधि	
फाइल करने की तारीख और समय	
प्रतिदाय के लिए कारण	

दावाकृत प्रतिदाय की रकम

	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	कुल
केन्द्रीय कर						
राज्य/संघ राज्यक्षेत्र सेवा कर						
एकीकृत कर						
उपकर						
कुल						

टिप्पण 1 : आवेदन की प्रास्थिति जीएसटी प्रणाली पोर्टल पर ट्रैक आवेदन प्रास्थिति <प्रतिदाय> के माध्यम से आवेदन संदर्भ संख्या दर्ज करने से देखी जा सकती है ।

टिप्पण 2: यह एक प्रणाली उत्पन्न अभिस्वीकृति है और इसमें हस्ताक्षर अपेक्षित नहीं है ।

प्ररूप जीएसटी आरएफडी- -04
/नियम 91(2) देखें/

मंजूरी आदेश सं.: _____ तारीख: <दिन /मास /वर्ष >

सेवा में

_____ (माल और सेवा कर पहचान संख्या)

_____ (नाम)

_____ (पता)

अनंतिम प्रतिदाय आदेश

प्रतिदाय आवेदन संदर्भ सं. (ए आर एन).....तारीख तारीख: <दिन /मास /वर्ष >

अभिस्वीकृति सं.....तारीख..... <दिन /मास /वर्ष >

महोदय /महोदया,

प्रतिदाय के लिए आपके उपरोक्त वर्णित आवेदन के संदर्भ में, निम्नलिखित रकम अनंतिम आधार पर आपको स्वीकृत की जाती है :

क्रम सं.	विवरण	केन्द्रीय कर	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
(i)	दावाकृत प्रतिदाय की रकम				
(ii)	दावाकृत रकम का 10% प्रतिदाय के रूप में (बाद में स्वीकृत किया जाएगा)				
(iii)	बकाया रकम (i-ii)				
(iv)	स्वीकृत प्रतिदाय की रकम				
	बैंक विवरण				
(v)	आवेदन के अनुसार बैंक खाता संख्या				
(vi)	बैंक का नाम				
(vii)	बैंक / शाखा का पता				
(viii)	आई एफ एस सी				
(ix)	एम आई सी आर				

तारीख:

स्थान:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

प्ररुप जीएसटी आरएफडी-05
/नियम 91(3), 92(4), 92(5) और 94 देखें/

संदाय परामर्श

तारीख: <दिन /मास /वर्ष>

संदाय परामर्श सं.

सेवा में, मध्यप्रदेश राज्य पीएओ / खजाना/आरबीआई/बैंक

प्रतिदाय स्वीकृति आदेश सं.

आदेश तारीख.....<दिन/मास/वर्ष>.....

ਜੀ ਏਸ ਟੀਆਈ ਏਨ /ਯੂ ਆਈ ਏਨ/ ਅਸਥਾਈ ਆਈ ਡੀ ◇

नामः

प्रतिदाय रकम (आदेश के अनुसार) :

[illegible]

	बैंक के ब्यौरे	
(i)	आवेदन के अनुसार बैंक खाता संख्या	
(ii)	बैंक का नाम	
(iii)	बैंक/शाखा का नाम और पता	
(iv)	आईएफएससी	
(v)	एमआईसीआर	

तारीख:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

स्थान:

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

सेवा में

.....(जीएसटीआईएन/यूआईएन/अस्थायी आईडी)

.....(नाम)

.....(पता)

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-06

/नियम 92 (1), 92(3), 92(4), 92(5) और 96(7) देखें/

तारीख: <दिन/मास/वर्ष>

आदेश सं.

सेवा में,

..... (जीएसटीआईएन/यूआईएन/अस्थायी आईडी)

..... (नाम)

..... (पता)

कारण बताओ नोटिस संख्या (यदि लागू हो)

अभिस्वीकृति संख्या

तारीख:.....<दिन/मास/वर्ष>.....

मंजूर किया गया प्रतिदाय/अस्वीकृत आदेश

महोदय/महोदया,

यह अधिनियम की धारा 54 के अधीन प्रतिदाय के लिए आपके उपरोक्त वर्णित आवेदन के संदर्भ में /*प्रतिदाय पर ब्याज*/

<<प्रतिदाय मंजूर करने या नमंजूर करने के कारण, यदि कोई हो>>

दि. लागू हो)			
3. अग्रह प्रतिदाय रकम <<कारण नीचे करें>> अनुज्ञा के त लिए बहु कारण>			
4. संदत्त की जाने वाली सकल रकम (1-2-3)			
5. विद्यमान विधि या अधिनिय			

के			
म			
अधीन			
परादेय			
मांग पर			
समायीजि			
त रकम			
(यदि			
कोई है)			
मांग			
आदेश			
संख्या....			
अधिनिय			
म			
अवधि<			
संभव बहु			
पंक्तियां-			
दी गई			
पंक्तियां			
जोड़>			
6. शुद्ध			
संदत्त			
रकम			

टिप्पण-कर के लिए "टी", ब्याज के लिए "आई", शास्ति के लिए "पी", फीस से लिए "एफ", अन्य के लिए "ओ"

*जो लागू न हो उसे काट दें /

*1. मैं, अधिनियम[@] की धारा 56 के अधीन / अधिनियम की धारा 54 की उपधारा (5) के अधीन माल और सेवा कर पहचान संख्या रखने वाले मैसर्स.....को आई एन आर.....की रकम की मंजूरी देता हूँ ।

@जो लागू न हो उसे काट दें।

(क) और रकम को उसके द्वारा उसके आवेदन में विनिर्दिष्ट बैंक खाता में संदाय किया गया है

(ख) रकम को उपरोक्त तालिका के क्रम संख्यां 5 पर विनिर्दिष्ट बकाया की वसूली को समायोजित किया गया है ।

(ग)रूप की रकम को उपरोक्त तालिका के क्रम संख्या 6 पर विनिर्दिष्ट बकाया की वसूली को समायोजित किया है और शेष.....रूप की रकम को उसके द्वारा उसके आवेदन में विनिर्दिष्ट बैंक खाता में संदाय कर दिया गया है ।

*जो लागू न हो उसे काट दें ।

या

*2 मैं, अधिनियम की धारा (.....) की उपधारा (.....) के अधीन उपभोक्ता कल्याण निधि को आई एन आर.....की रकम जमा करता हूँ ।

*3 मैं, अधिनियम की धारा (.....) की उपधारा (.....) के अधीन माल और सेवा कर पहचान संख्या रखने वाले मैसर्स.....को आई एन आर.....की रकम को निरस्त करता हूँ ।

* जो लागू न हो उसे काट दें ।

मैं धारा 56 के अधीन आवेदक को प्रतिदाय की रकम की तारीख तक ब्याज के संदाय का आदेश देता हूँ ।

तारीख:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

स्थान:

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-07
/नियम 92(1), 92(2), 96(6) देखें/

तारीख: <दिन/मास/वर्ष>

संदर्भ सं.

सेवा में,

..... (जीएसटीआईएन/यूआईएन/अस्थायी आईडी सं.)

.....नाम

.....(पता)

अभिस्वीकृति संख्या तारीख:.....<दिन/मास/वर्ष>.....

स्वीकृत प्रतिदाय के पूर्ण समायोजन के लिए आदेश

भाग - क

महोदय/महोदया,

उपरोक्त यथानिर्दिष्ट आपके प्रतिदाय आवेदन के संदर्भ में और आपको स्वीकृत किए गए प्रतिदाय की रकम के विरुद्ध और दी गई सूचना या फाइल किए गए दस्तावेज बकाया मांग के विरुद्ध पूर्ण रूप से समायोजित कर दिया गया है जो ब्यौरे के अनुसार निम्नलिखित है :-

प्रतिदाय गणना	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य /संघ राज्यक्षेत्रकर	उपकर
(i) दावाकृत प्रतिदाय की रकम				
(ii) अनंतिम आधार पर नेट मंजूर प्रतिदाय				
(iii) अस्वीकृत अग्राह्य प्रतिदाय रकम <<कारण उल्लेख कीजिए>>				
(iv) प्रतिदाय अनुज्ञेय (i-ii-iii)				
(v) विद्यमान विधि के अधीन या इस विधि के अधीन बकाया मांग (आदेश सं.....के अनुसार) के विरुद्ध समायोजित प्रतिदाय मांग आदेश सं.....तारीख..... <बहु-पंक्तियों में दी जा सकती है>				
(vi) प्रतिदाय रकम का शेष	शून्य	शून्य		शून्य

मैं, यह आदेश देता हूँ कि उपरोक्त यथादर्शित दावाकृत अनुज्ञेय प्रतिदाय की रकम इस अधिनियम के अधीन विद्यमान विधि के अधीन बकाया मांग के विरुद्ध पूर्ण रूप से समायोजित कर ली जाए। इस आवेदन का निपटारा अधिनियम की धारा (.....) की उपधारा (.....) के अधीन उपबंधों के अनुसार जारी किया गया है।

या

भाग- ख

प्रतिदाय रोकने के लिए आदेश

यह आपके ऊपर निर्दिष्ट प्रतिदाय आवेदन और मामले में दी गई सूचना/दस्तावेजों के संदर्भ में है। आपको मंजूर किए गए प्रतिदाय की रकम निम्नलिखित कारणों से प्रतिधारित कर दी गई है :

प्रतिदाय आदेश सं. :					
आदेश जारी करने की तारीख:					
	प्रतिदाय गणना	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य /संघ राज्यक्षेत्रकर	उपकर
i.	मंजूर प्रतिदाय की रकम				
ii.	रोके गए प्रतिदाय की रकम				
iii.	अनुज्ञेय प्रतिदाय की रकम				

प्रतिदाय रोकने के लिए कारण

<<पाठ>>

मैं, यह आदेश देता हूँ कि उपरोक्त यथादर्शित दावाकृत अनुज्ञेय प्रतिदाय की रकम इस अधिनियम के अधीन उपरोक्त वर्णित कारणों के लिए रोक दी गई। यह आदेश इस अधिनियम की धारा (.....) उपधारा (.....) के अधीन उपबंधों के अनुसार जारी किया गया है

तारीख:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

स्थान:

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-10
/नियम 95(1) देखें/

संयुक्त राष्ट्र का कोई विशिष्ट अभिकरण या कोई बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान और संगठन, कान्सुलेट या विदेशी राज्यों के दूतावास आदि द्वारा प्रतिदाय के लिए आवेदन

1. यूआईएन :

2. नाम :

3. पता :

4. कर अवधि (तिमाही)

: दिन /मास /वर्ष सेतक

<दिन /मास /वर्ष >

5. दावा प्रतिदाय की रकम

<आई एन आर ><शब्दों में>

रकम	
केन्द्रीय कर	
राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	
एकीकृत कर	

उपकर	
कुल	

6. बैंक खाते का ब्यौरा:

(क) बैंक खाता संख्या

(ख) बैंक खाते का प्रकार

(ग) बैंक का नाम

(घ) खाता धारक / संचालक का नाम

(ङ) बैंक शाखा का पता

(च) आई एफ एस सी

(छ) एम आई सी आर

7. संदर्भ संख्या और दिए गए प्ररूप जीएसटीआर-11 की तारीख

8. सत्यापन

मैं,> दूतावास/अंतर्राष्ट्रीय संगठन का नाम का प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है ।

यह कि हम सरकार द्वारा अधिसूचित संयुक्त राष्ट्र का विशिष्ट अभिकरण बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान और संगठन, कान्सुलेट या विदेशी राज्यों के दूतावास कोई अन्य व्यक्ति विशिष्ट व्यक्तियों का वर्ग के रूप में ऐसे प्रतिदाय दावा के पात्र हैं ।

स्थान:

तारीख:

प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

(नाम)

पदनाम / प्रास्थिति

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-11

[नियम 96क देखें]

माल या सेवाओं के निर्यात के लिए दिया गया बंधपत्र या परिवचन पत्र

1. जीएसटीआईएन			
2. नाम			
3. दिए गए दस्तावेज का प्रकार उपदर्शित करें		बंधपत्र	परिवचन पत्र
4. दिए गए बंधपत्र का व्यौरा			
क्रम सं०	बैंक गारंटी की संदर्भ संख्या	तारीख	रकम
1	2	3	4
			5

बैंक का नाम और शाखा

टिप्पण : बैंक गारंटी और बंधपत्र की ठोस प्रति अधिकारिता अधिकारी को दी जाएगी ।

5. घोषणा-

- (i) ऊपर उल्लिखित बैंक गारंटी, माल और सेवाओं के निर्यात पर संदेय एकीकृत कर को सुरक्षित करने के लिए जमा की गई हैं
- (ii) मैं इसके अवसान से पूर्व बैंक गारंटी के नवीकरण का परिवचन पत्र करता हूँ । मेरे/हमारे ऐसा करने में विफल रहने की दशा में, विभाग बैंक से बैंक गारंटी पर संदाय लेने के लिए पूर्ण रूप से स्वतंत्र होगा ।
- (iii) विभाग, माल या सेवा के निर्यात के संदर्भ में एकीकृत कर संदेय की रकम को आच्छादित करने के लिए हमारे द्वारा दी गई बैंक गारंटी को अवलंब करने के लिए पूर्णतः स्वतंत्र होगा ।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

नाम

पदनाम/प्रास्थिति.....

तारीख.....

**एकीकृत कर के संदाय के बिना माल या सेवाओं के निर्यात के लिए बंधपत्र
(नियम 96क देखें)**

मैं/हम.....इसमें इसके पश्चात् "बाध्यताधारी (बाध्यताधारियों)" कहा जाएगा, भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् "राष्ट्रपति" कहा गया है) के प्रति.....रु०की रकम का राष्ट्रपति को संदाय करने के लिए वचनबद्ध और दृढतापूर्वक आबद्ध हूँ/हैं ।

इसका संदाय पूर्णतः और सही रूप में किए जाने के लिए मैं/हम संयुक्त रूप से और पृथक्कृत: स्वयं को/अपने को और अपने हमारे क्रमिक वारिसों/निष्पादकों/प्रशासकों/विधिक प्रतिनिधियों/उत्तरवर्तियों को इस विलेख द्वारा दृढतापूर्वक आबद्ध करता हूँ/करते हैं/तारीख.....को इस पर हस्ताक्षर किए गए ।

उपरोक्त आबद्धकर बाध्यताधारी द्वारा को समय-समय पर एकीकृत कर का संदाय किए बिना भारत के बाहर निर्यात के लिए माल या सेवाओं के प्रदाय के लिए अनुज्ञप्त किया गया है ;

और बाध्यताधारी धारा 16 की उपधारा (3) के खंड (क) के उपबंधों के अनुसार माल या सेवाओं का निर्यात करने की वांछा रखता है/रखते हैं ;

और आयुक्त, बाध्यताधारी से राष्ट्रपति के पक्ष में पृष्ठांकित.....रुपए रकम की बैंक प्रतिभूति देने की अपेक्षा करता है और जबकि बाध्यताधारी ने आयुक्त के पास ऊपर उल्लिखित बैंक प्रत्याभूति जमा करके ऐसी प्रतिभूति दे दी है ।

इस बंधपत्र की शर्त यह है कि बाध्यताधारी और उसका प्रतिनिधि, माल या सेवाओं के निर्यात से संबंधित अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के सभी उपबंधों का पालन करें ;

और यदि सुसंगत और विनिर्दिष्ट माल या सेवाओं का सम्यक् रूप से निर्यात किया जाता है;

और यदि ऐसे एकीकृत कर और अन्य सभी विधिक प्रभारों के सभी शोध्यों का ब्याज सहित, यदि कोई हो, सम्यक् रूप से, उक्त अधिकारी द्वारा लिखित में की गई उसकी मांग की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर संदाय कर दिया गया है तो यह बाध्यता शून्य हो जाएगी ;

अन्यथा और इस शर्त के किसी भाग के पालन का भंग या असफल होने के आधार पर उसका पूर्ण बल और आधार होगा ;

और राष्ट्रपति, अपने विकल्प पर, बैंक प्रत्याभूति की रकम से या ऊपर लिखित बंधपत्र के अधीन अपने अधिकारों का पृष्ठांकन करके या दोनों से सभी हानि और नुकसानों को पूरा करवाने के लिए सक्षम होंगे ।

मैं/हम यह और घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यह बंधपत्र, किसी ऐसे कृत्य के अनुपालन के लिए, जिसमें जनता हितबद्ध है, सरकार के आदेशों के अधीन दिया गया है ;

इसके साक्ष्य स्वरूप बाध्यताधारी (बाध्यताधारियों) द्वारा इसमें इसके पूर्व लिखित तारीख को इनकी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए ।

बाध्यताधारी (बाध्यताधारियों) का (के) हस्ताक्षर

तारीख :

स्थान :

साक्षी

(1) नाम और पता

व्यवसाय

(2) नाम और पता

व्यवसाय

मैं आज,तारीख.....(मास)(वर्ष) को
(पदनाम) की उपस्थिति में भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से इसे स्वीकार करता हूँ ।

**एकीकृत कर के संदाय के बिना माल या सेवाओं के निर्यात के लिए परिवचनपत्र
(नियम 96क देखें)**

सेवा में,

भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् "राष्ट्रपति" कहा गया है), उचित अधिकारी के माध्यम से कार्य करते हुए

मैं/हम..... निवासी(रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का पता), जिसका/जिनका माल और सेवा कर पहचान सं० है, इसमें इसके पश्चात् परिवचनकर्ता कहा जाएगा, संयुक्त रूप से और पृथक् रूप से स्वयं को/अपने को, मेरे/हमारे वारिसों, निष्पादकों/प्रशासकों, विधिक प्रतिनिधियों/उत्तरवर्तियों सहित राष्ट्रपति के प्रति,--

(क) नियम 96क के उपनियम (1) में निर्दिष्ट समय के भीतर एकीकृत कर का संदाय किए बिना माल और सेवाओं का निर्यात करने ;

(ख) माल या सेवाओं के निर्यात से संबंधित माल और सेवा कर अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के सभी उपबंधों का पालन करने ;

(ग) माल या सेवाओं के निर्यात करने में असफल होने पर एकीकृत कर का, बीजक की तारीख से संदाय की तारीख तक का ऐसे ब्याज सहित संदाय करने के लिए, जो संदत्त न किए गए कर की रकम पर अठारह प्रतिशत वार्षिक रकम के बराबर होगी,

9

आज तारीख को इस विलेख द्वारा दृढतापूर्वक आबद्ध करता हूँ/करते हैं ।

मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यह परिवचन ऐसी अधिनियमितियों के जिनमें जनताहितबद्ध है, अनुपालन के लिए उचित अधिकारी के आदेश के अधीन दिया जाता है ।

इसके साक्ष्य स्वरूप परिवचनकर्ता (परिवचनकर्ताओं) द्वारा इसमें इसके पूर्व तारीख को इनकी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए ।

परिवचनकर्ता (परिवचनकर्ताओं) का (के) हस्ताक्षर

तारीख :

स्थान :

साक्षी

(1) नाम और पता

व्यवसाय

(2) नाम और पता

व्यवसाय

मैं आज,तारीख.....(मास)(वर्ष) को
(पदनाम) की उपस्थिति में भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से इसे स्वीकार करता हूँ ।

प्ररूप जीएसटी आईएनएस - 01

निरीक्षण और तलाशी के लिए प्राधिकार
(नियम 139(1) देखें)

सेवा में,

.....

.....

(अधिकारी का नाम और पदनाम)

चूंकि, मेरे समक्ष सूचना प्रस्तुत की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है
कि.....

अ. मैसर्स.....

- माल और /या सेवाओं के प्रदाय से संबंधित संव्यवहारों को छिपाया गया है
- हस्तगत माल के स्टॉक से संबंधित संव्यवहारों को छिपाया गया है
- अधिनियम के अधीन अपने हकदारी के अतिरिक्त निवेश कर प्रत्यय का दावा किया है
- अधिनियम के अधीन अपने हकदारी के अतिरिक्त प्रतिदाय का दावा किया है
- इस अधिनियम के अधीन कर का अपवंचन, उसके अधीन बनाये गए अधिनियम और नियमों के प्रावधानों के उल्लंघन में अनुग्रह किया है ;

या

आ. मैसर्स.....

- कर के संदाय से बच निकलने के लिए माल परिवहन के कारबार में संलग्न किया है
- कर के संदाय से बचने के लिए भांडागार या गोदाम या स्थान के स्वामी या प्रचालक द्वारा जहां माल का भंडार किया गया है
- इस अधिनियम के अधीन संदेय कर का अपवंचन करने के लिए उस रीति में लेखा या माल को रखा गया है

या

इ

- अधिनियम के अधीन प्रक्रियाओं से सुसंगत जब्ती योग्य माल/ दस्तावेजों को कारबार/ आवासीय परिसर में गुप्त रखा गया है, जिसका ब्यौरा निम्नलिखित है

<<परिसरों के ब्यौरे>>

इसलिए—

- मैं, अधिनियम की धारा 67 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं आपको प्राधिकृत करता हूँ और अपेक्षा करता हूँ कि आवश्यक सहायक के साथ इसके अधीन बनाये गए उक्त अधिनियम और नियमों के अधीन प्रक्रियाओं से सुसंगत माल या दस्तावेजों और/ या अन्य वस्तुओं का निरीक्षण करें।

या

- मैं, अधिनियम की धारा 67 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं आपको प्राधिकृत करता हूँ और अपेक्षा करता हूँ कि आवश्यक सहायक के साथ इसके अधीन बनाये गए उक्त अधिनियम और नियमों के अधीन प्रक्रियाओं से सुसंगत माल या दस्तावेजों और/या अन्य वस्तुओं का निरीक्षण करें और यदि कुछ पाया जाता है, तो इसके अधीन आगे की कार्यवाही के लिए उसे जब्त करके उसे प्रस्तुत करें।

किसी व्यक्ति द्वारा भुलावा देने का, साक्ष्य को बिगाड़ने का, निरीक्षण/ तलाशी की प्रक्रिया के दौरान सुसंगत प्रश्नों का उत्तर देने से इंकार करने का कोई भी प्रयत्न, भारतीय दण्ड संहिता की धारा 179, 181, 191 और 418 सपठित अधिनियम के अधीन कारावास और/ या जुर्माना के साथ दण्डनीय होगा।

दिन.....मास.....20.....वर्ष में मेरा हस्ताक्षर और मुद्रा।
.....दिनों के लिए वैध।

मुद्रा

स्थान

अ

जारी करने वाले प्राधिकारी का

हस्ताक्षर, नाम और पदनाम

निरीक्षण करने वाले अधिकारी/अधिकारियों का नाम, पदनाम और हस्ताक्षर

(Di)

(ii00)

प्ररूप जीएसटी आईएनएस - 02**अभिग्रहण का आदेश**

(नियम 139(2) देखें)

जबकि मेरे द्वारा, धारा 67 की उपधारा (1) के अधीन निरीक्षण/उपधारा (2) के अधीन तलाशी, तारीख /...../.....पूर्वान्ह/अपरान्ह को निम्नलिखित परिसर/परिसरों में संचालित किया गया

<<परिसरों के ब्यौरे>>

जिसका स्थान/कारबार का स्थान/परिसर है/हैं

<<व्यक्ति का नाम>>

<< जीएसटीआईएन, यदि रजिस्ट्रीकृत हो >>

निम्नलिखित साक्षी/साक्षियों की उपस्थिति में :

1. << नाम और पता>>
2. << नाम और पता>>

और निरीक्षण/तलाशी के दौरान पाये गये लेखाबही, रजिस्टर, दस्तावेज/कागज और माल की संवीक्षा करना, मुझे विश्वास करने का कारण है कि इस अधिनियम के अधीन प्रक्रियाओं के लिए या से सुसंगत जब्ती योग्य माल और/या दस्तावेज और/या पुस्तकें और/या उपयोगी वस्तुएं उपर्युक्त वर्णित स्थान (स्थानों) में गुप्त रखे गये हैं ।

इसलिए मैं धारा 67 की उप-धारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित माल/पुस्तक/दस्तावेज और वस्तुओं को एतत् द्वारा अभिग्रहित करता हूँ :

अ) अभिग्रहीत माल के ब्यौरे :

क्र.सं.	माल का वर्णन	मात्रा या ईकाई	मेक/चिन्ह या मॉडल	टिप्पणियां
1	2	3	4	5

आ) अभिग्रहीत की गई पुस्तकें/दस्तावेजों/वस्तुओं के ब्यौरे :

क्र. सं.	अभिगृहीत की गई पुस्तकें/दस्तावेजों/वस्तुओं का वर्णन	अभिगृहीत की गई पुस्तकें/दस्तावेजों/वस्तुओं की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4

और ये माल और चीजें संभाल कर सुरक्षित रखने के लिए है ;

<<नाम और पता>>

इस निर्देश के साथ कि वह समनुदेशिनी की पूर्व अनुमति के बिना माल या वस्तुओं, उसके भाग या उसके साथ अन्यथा व्यवहार नहीं करेगा ।

स्थान:

अधिकारी का नाम और पदनाम

दिनांक:

साक्षियों का हस्ताक्षर

क्र. सं.	नाम और पता	हस्ताक्षर
1.		
2.		

सेवा में:

<<नाम और पता>>

प्ररूप जीएसटी आईएनएस-03

प्रतिषेध का आदेश
(नियम 139(4) देखें)

जबकि मेरे द्वारा धारा 67 की उप-धारा (1) के अधीन निरीक्षण/उप-धारा (2) के अधीन तलाशी, तारीख...../...../..... :पूर्वान्ह/अपरान्ह को निम्नलिखित परिसर/परिसरों में संचालित किया गया :

<<परिसरों के ब्यौरे>>

जिसका स्थान/कारबार का स्थान/परिसर है/हैं :

1. <<व्यक्ति का नाम>>
2. <<जीएसटीआईएन, यदि रजिस्ट्रीकृत हो>>

निम्नलिखित साक्षी/साक्षियों की उपस्थिति में :

1. <<नाम और पता>>
2. <<नाम और पता>>

और निरीक्षण/तलाशी के दौरान पाये गये लेखाबही, रजिस्टर, दस्तावेज/कागज और माल की संवीक्षा करना, मुझे विश्वास करने का कारण है कि इस अधिनियम के अधीन प्रक्रियाओं के लिए या से सुसंगत जब्ती योग्य माल/और या दस्तावेज और/या पुस्तकें और/या उपयोगी वस्तुएं उपर्युक्त वर्णित स्थान (स्थानों) में गुप्त रखे गये हैं ।

इसलिए मैं धारा 67 की उप-धारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतत् द्वारा आदेश करता हूँ कि आप समनुदेशिती की पूर्व अनुमति के बिना माल, उसके भाग या उसके साथ अन्यथा व्यवहार नहीं करेंगे/करायेंगे :

क्र. सं.	माल का विवरण	मात्रा और ईकाई	मेक/चिन्ह और मॉडल	टिप्पणियां
1	2	3	4	5

स्थान:

अधिकारी का नाम और पदनाम

तारीख:

साक्षियों के हस्ताक्षर

	नाम और पता	हस्ताक्षर
1.		
2.		

सेवा में:

<<नाम और पता>>

प्ररूप जीएसटी आईएनएस - 04

(नियम 140(1) देखें)

अभिगृहीत माल के निर्मुक्त के लिए बंधपत्र

मैं..... के तत्पश्चात् "बाध्यताधारी" कहा गया है, भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें आगे "राष्ट्रपति" कहा गया है) और/..... (राज्यपाल) (इसमें आगे "राज्यपाल" कहा गया है) के लिए धारित और दृढ़ आबद्ध हूँ, रुपए की राशि राष्ट्रपति/राज्यपाल हेतु संदत्त के लिए जिसे संदाय किया जाएगा । मैं संयुक्त रूप से और पृथक्कृत रूप से स्वयं आबद्ध हूँ और मेरे वारिस/निष्पादकों/विधिक प्रतिनिधित्व और इन वर्तमान द्वारा समनुदेशित किया गया है ।

यतः धारा 67 की उपधारा (2) के उपबंधों के अनुसार, आदेश सं० तारीख द्वारा अभिगृहीत किया गया है, रुपए के कर की रकम अन्तर्वर्तित करते हुए मूल्य..... के रुपए में है । अनुरोध पर माल मूल्य के बंधपत्र और प्रति रुपए की प्रतिभूति बंधपत्र के निष्पादन पर समुचित अधिकारी द्वारा अनंतिम रूप से निर्मुक्त किए जाने के लिए अनुज्ञात की गई है जिसे नकदी/बैंक गारंटी, राष्ट्रपति/राज्यपाल के पक्ष में प्रस्तुत किया गया है ।

यतः मैं स्वयं के लिए अनंतिम रूप से निर्मुक्त उक्त माल उत्पन्न करने के लिए परिवचन पत्र करता हूँ और जब अधिनियम के अधीन प्राधिकृत सम्यक् समुचित अधिकारी द्वारा अपेक्षित हो ।

और यदि समुचित प्राधिकारी द्वारा विधिपूर्ण प्रभारित भांग द्वारा सभी करें, ब्याज, शास्ति, जुर्माना उक्त समुचित अधिकारी द्वारा लिखित रूप में किया जाएगा, यह बाध्यता शून्य होगी ;

अन्यथा, इस दशा में किसी भाग के निष्पादन में भंग या असफल होने पर पूर्णतः बल होगा ।

और राष्ट्रपति/राज्यपाल, इसके विकल्प में सभी हानियाँ और उपर्युक्त लिखित बंधपत्र या दोनों के अधीन इसके पृष्ठांकन द्वारा या प्रतिभूति निक्षेप की रकम से नुकसानी ठीक करने के लिए सक्षम होगा ।

बाध्यताधारी (यों) द्वारा लिखित के समय समक्ष में हस्ताक्षरित किए गए हैं ।

तारीख : बाध्यताधारी (यों) के हस्ताक्षर (रों)

स्थान :

साक्षी :-

(1) नाम और पता :

(2) नाम और पता :

तारीख :

स्थान :

आज तारीख (मास) वर्ष को (समुचित प्राधिकारी का पदनाम) राष्ट्रपति/राज्यपाल के लिए और उनकी ओर से स्वीकार करता हूँ ।

(अधिकारी के हस्ताक्षर)

प्ररूप जीएसटी आईएनएस-05

विकारी या संकटमय के माल/वस्तुएं के निर्मुक्त का आदेश

(नियम 141(1) देखें)

निम्नलिखित परिसर (परिसरों) से को निम्नलिखित माल और/या चीजें अभिग्रहीत किए गए थे :

«परिसर के ब्यौरे»

जो स्थान/कारबार के स्थान/संबंधित परिसरों के लिए :

«व्यक्ति का नाम»

«जीएसटी आईएन रजिस्ट्रीकृत»

अभिग्रहीत माल के ब्यौरे

क्रम संख्या	माल का वर्णन	मात्रा या यूनिटें	मेक/चिन्ह या टिप्पण	टिप्पणियां
1	2	3	4	5

और चूंकि ये माल, विकारी या परिसंकटमय प्रकृति के हैं और चूंकि रकम रुपए (शब्दों और अंकीय में रकम) रकम समतुल्य होते हुए के लिए -

☐ ऐसे माल या चीजों की बाजार कीमत

☐ कर, ब्याज और शास्ति की रकम जोकि या संदेय हो जाता है, संदत किया गया है। मैं तदनुसार उपरोक्त उल्लिखित माल अविलंब निर्मुक्त किया जाए।

स्थान:

अधिकारी का नाम और पदनाम

तारीख:

सेवा में,

«नाम और पदनाम»

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 01

[नियम 142(1) देखें]

संदर्भ सं०.....

तारीख

सेवा में

.....जीएसटीआईएन/आईडी

नाम.....

पता

.....कर अवधि वित्तीय वर्ष.....अधिनियम

धारा/उपधारा जिसके अधीन कारण बताओ सूचना जारी की गई है

एससीएन संदर्भ सं०

तारीख

.....

कारण बताओ सूचना का संक्षिप्त विवरण

(क) मामले का संक्षिप्त तथ्य

(ख) आधार

(ग) कर और अन्य शोध

(रूप में रकम)

क्रम सं०	कर अवधि	अधिनियम	प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)	कर/उपकर	अन्य	योग
1	2	3	4	5	6	7
योग						

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 02

(नियम 142(1) देखें)

संदर्भ संख्या

तारीख

.....जीएसटीआईएन/आईडी

नाम.....

पता

एससीएन संदर्भ संख्या

तारीख

कथन/संदर्भ सं०

तारीख

धारा/उपधारा जिसके अधीन कथन जारी किया जा रहा है ।

कथन का संक्षिप्त में

कथन संक्षेप में

(क) मामले का संक्षिप्त तथ्य

(ख) आधार

(ग) कर और अन्य शोध

(रुपए में रकम)

क्रम सं०	कर अवधि	अधिनियम	प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)	कर/उपकर	अन्य	योग
1	2	3	4	5	6	7
योग						

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 03

[नियम 142(2) और 142(3) देखें]

स्वैच्छिक रूप से किया गया संदाय की सूचना या किया गया कारण बताओ नोटिस (एससीएन) के प्रति
या कथन

1.	जीएसटीआईएन									
2.	नाम									
3.	संदाय के हेतुक		<< नीचे करें >> लेखा परीक्षा, अन्वेषण, स्वैच्छिक/एससीएन, अन्य (विनिर्दिष्ट करें)							
4.	वह धारा जिसके अधीन स्वैच्छिक संदाय किया गया है।		<< नीचे करें >>							
5.	कारण बताओ नोटिस के ब्यौरे, यदि इसके जारी के 30 दिन के भीतर संदाय किया गया है।		संदर्भ संख्या					जारी की तारीख		
6.	वित्तीय वर्ष									
7.	ब्याज और शास्ति सहित किए गए संदाय के ब्यौरे		(रकम रुपए में)							
क्रम सं०	कर अवधि	अधिनियम	प्रदाय का स्थान (पीओएस)	कर/उपकर	ब्याज	शास्ति, यदि प्रयोज्य	योग	उपयोग किए गए खाते	विकलन प्रविष्टि सं०	विकलन प्रविष्टि की तारीख
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

8. कारण, यदि कोई हो - <<पाठ खाना>>

9. सत्यापन -

मैं तदनुसार सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ कि यहां ऊपर नीचे दी गई सूचना सर्वोत्तम जानकारी सत्य और सही है और कोई बात छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का हस्ताक्षर

नाम.....

पदनाम/प्रास्थिति

तारीख

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 04

[नियम 142(2) देखें]

संदर्भ सं.:

तारीख:

सेवा में,

_____ जीएसटीआईएन/आईडी
----- नाम
_____ पता

कर अवधि -----

वित्तीय वर्ष -----

एआरएन -

तारीख -

स्वेच्छाया किए गए संदाय की स्वीकृति की अभिस्वीकृति

उपरोक्त निर्दिष्ट आवेदन द्वारा आपके द्वारा किए गए संदाय की, संदत्त की गई रकम के विस्तार तक और उसमें कथित कारणों के लिए अभिस्वीकृति की जाती है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रति -

प्ररूप जीएसटीमें डीआरसी - 05

[नियम 142(3) देखें]

संदर्भ सं.:

तारीख:

सेवा में,

_____ जीएसटीआईएन/आईडी

----- नाम

_____ पता

कर अवधि -----

एससीएन

एआरएन -

वित्तीय वर्ष -----

तारीख -

तारीख -

कार्यवाहियों के निष्कर्ष की सूचना

यह उपरोक्त कारण बताओ सूचना के संदर्भ में है। जैसा कि आपने.....धारा के उपबंधों के अनुसरण में लागू ब्याज और शास्ति के साथ सूचना में उल्लिखित कर की रकम और अन्य बकाया संदत्त कर दिया है, उक्त सूचना द्वारा प्रारम्भ की गई कार्यवाहियां समाप्त की जाती हैं।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रति -

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 06

[नियम 142(4) देखें]

कारण बताओ सूचना का प्रतिउत्तर

1. जीएसटीआईएन		
2. नाम		
3. कारण बताओ सूचना के ब्यौरे	संदर्भ सं.	जारी करने की तारीख
4. वित्तीय वर्ष		
5. प्रतिउत्तर		
<< टेक्स्ट बॉक्स >>		
6. अपलोड किया गया दस्तावेज		
<< दस्तावेजों की सूची >>		
7. वैयक्तिक सुनवाई के लिए विकल्प	<input type="checkbox"/> हां	<input type="checkbox"/> नहीं

8. सत्यापन -

मैं सत्यनिष्ठ प्रतिज्ञान करता हूं और यह घोषणा करता हूं कि उपरोक्त दी गई सूचना मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है तथा इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

नाम _____

पदनाम/प्रास्थिति-----

तारीख -

प्ररूप जीएसटी डीआरसी-07

[नियम 142(5) देखें]

आदेश का सार

1. आदेश के ब्यौरे -

(क) आदेश सं.

(ख) आदेश की तारीख

(ग) कर अवधि -

2. अन्तर्वर्तित विवाद्यक-<<नीचे देखें>>

वर्गीकरण, मूल्यांकन, कर की दर, व्यापारावर्त का अधिक्रमण,
आईटीसी दावे का आधिक्य, मुक्त किए गए प्रतिदाय का आधिक्य,
पूर्ति का स्थान, अन्य (विनिर्दिष्ट करें)

3. मालों/सेवाओं का विवरण --

क्र. सं.	एचएसएन	विवरण

4. मांग के ब्यौरे

(रकम रुपयों में)

क्र. सं.	कर की दर	व्यापारावर्त	पूर्ति का स्थान	अधिनियम	कर/उपकर	ब्याज	शास्ति
1	2	3	4	5	6	7	8

5. जमा की गई रकम

क्र. स.	कर की अवधि	अधिनियम	कर/उपकर	ब्याज	शास्ति	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8
कुल							

हस्ताक्षर
नाम
पदनाम

प्रति -

प्ररूप जीएसटी डीआरसी-08

[नियम 142(7) देखें]

संदर्भ सं.:

तारीख :

आदेश का परिशोधन

उद्देशिका - << मानक >> (केवल आदेश के लिए लागू)

मूल आदेश की विशेषियां			
कर की अवधि, यदि कोई हो			
धारा, जिसके अधीन आदेश पारित किया गया है			
आदेश सं.		जारी करने की तारीख	
उपबंध निर्धारण आदेश सं., यदि कोई हो		आदेश की तारीख	
एआरएन, यदि परिशोधन के लिए लागू हो		एआरएन की तारीख	

.....उपरोक्त निर्दिष्ट आदेश के परिशोधन के लिए आपका आवेदन संतोषप्रद पाया गया है;

.....यह मेरे ज्ञान में आया है कि उपरोक्त आदेश के परिशोधन की आवश्यकता है;

परिशोधन का कारण -

<< पाठ बाक्स >>

मांग के ब्यौरे, परिशोधन के पश्चात्, यदि कोई हो

(रकम रुपयों में.)

क्र.सं.	कर की दर	व्यापार आवर्त	प्रदाय का स्थान	अधि नियम	कर/उपकर	ब्याज	शास्ति
1	2	3	4	5	6	7	8

उपरोक्त आदेश, धारा 161 के अधीन निर्दिष्ट शक्तियों के प्रयोग में नीचे यथा उल्लिखित परिशोधित किया जाता है:

<< पाठ >>

सेवा में,

_____ (जीएसटीआईएन/आईडी)

-----नाम

_____ (पता)

प्रति -

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 09

[नियम 143 देखें]

सेवा में,

व्यतिक्रमी के ब्यौरे -

जीएसटीआईएन -

नाम -

मांग आदेश सं.:

तारीख:

वसूली की संदर्भ सं.:

अवधि:

तारीख:

विनिर्दिष्ट अधिकारी के माध्यम से धारा 79 के अधीन वसूली के लिए आदेश

जहां कर, उपकर, ब्याज और शास्ति के लेखे <<----->> रुपये की राशि <<एसजीएसटी/यूटीजीएसटी/सीजीएसटी/आईजीएसटी/सेस>> अधिनियम के उपबंधों के अधीन उपरोक्त व्यक्ति, जो ऐसी रकम का संदाय करने में विफल हो चुका है, द्वारा संदेय है। बकाया के ब्यौरे नीचे दी गई सारणी में दिए गए हैं:

(रकम रुपयों में)

अधिनियम	कर/उपकर	ब्याज	शास्ति	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6
एकीकृत कर					
केन्द्रीय कर					
राज्य/संघ					

राज्यक्षेत्र कर					
उपकर					
कुल					

<< टिप्पणियां >>

आपसे, <<एसजीएसटी>> एसीटीटीओ की धारा 79 के उपबंधों के अधीन उपरोक्त लिखित << व्यक्ति >> से बकाया रकम वसूल करना अपेक्षित है।

हस्ताक्षर
नाम
पदनाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 10

(नियम 144(2) देखें)

अधिनियम की धारा 79 (1)(ख) के अधीन माल के नीलामी की सूचना

मांग आदेश संख्या:

तारीख:

अवधि:

मेरे द्वारा ---- रुपए और उस पर ब्याज की वसूली के लिए नीचे अनुसूची में विनिर्दिष्ट कुर्क किए गए या करस्थम किए गए माल के विक्रय के लिए आदेश किया गया है और जो धारा 79 के उपबंधों के अनुसरण में वसूली प्रक्रिया पर उपगत व्यय ग्राह्य है।

विक्रय लोक नीलामी द्वारा किया जाएगा और माल अनुसूची में विनिर्दिष्ट लाट में विक्रय के लिए रखा जाएगा। विक्रय व्यतिक्रमी के अधिकार, शीर्षक और हितों के लिए किया जाएगा और उक्त संपत्तियों के लिए संलग्न दायित्व और दावे, जिस प्रकार उन्हें सुनिश्चित किया गया है, प्रत्येक लाट के सामने अनुसूची में उन्हें विनिर्दिष्ट किया गया है।

नीलामी..... पर प्रातः/सांय को आयोजित की जाएगी। नीलामी के तारीख से पूर्व देय सम्पूर्ण रकम के संदत्त हो जाने पर विक्रय रोक दिया जाएगा।

प्रत्येक लाट की कीमत विक्रय के समय या समुचित अधिकारी/विनिर्दिष्ट अधिकारी के निदेशों के अनुसार संदत्त की जाएगी और संदाय के व्यतिक्रम में माल को पुनः नीलामी और पुनः विक्रय के लिए रखा जाएगा।

अनुसूची

क्र.सं.	माल का विवरण	मात्रा
1	2	3

हस्ताक्षर.....

नाम

पद नाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 11
(नियम 144(5) और 147(12) देखें)

सफलतापूर्वक बोली लगाने वाले के लिए सूचना

सेवा में,

कृपया लोक नीलामी निर्देश संख्या तारीख.....का निर्देश लें । को आयोजित नीलामी के आधार पर, तत्काल मामले में आप सफलतापूर्वक बोली लगाने वाले पाए गए हैं।

आपसे एतद द्वारा नीलामी के तारीख से 15 दिन अवधि के भीतर रुपए का संदाय करने की अपेक्षा की जाती है ।

आपको माल का कब्जा बोली की रकम के पूर्णरूप से संदाय करने के पश्चात आपको अंतरित किया जाएगा।

हस्ताक्षर.....

नाम

पद नाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 12
(नियम 144(5) और 147(12) देखें)

विक्रय प्रमाण पत्र

मांग आदेश संख्या:

वसूली की संदर्भ संख्या:

तारीख:

अवधि:

यह प्रमाणित किया जाता है कि निम्नलिखित माल:

अनुसूची (जंगम माल)

क्र.सं.	माल का विवरण	मात्रा
1	2	3

अनुसूची (स्थावर माल)

भवन सं./फ्लैट सं.	फ्लोर सं.	स्थान/ भवन का नाम	सड़क/गली	अवस्थान / ग्राम	जिला	राज्य	पिनकोड	अक्षान्तर (विकल्प)	देशान्तर (विकल्प)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

अनुसूची (शेयर)

क्र.सं.	कंपनी का नाम	मात्रा	कीमत
1	2	3	4

<<एसजीएसटी/यूटीजीएसटी/सीजीएसटी/आईजीएसटी/सीईएसएस>> अधिनियम की धारा 79 (1) (ख) (घ) के उपबंधों औरउसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसरण में रुपए की वसूली के लिए माल की लोक नीलामी मेंपर के लिए विक्रय किया गया है और उक्त (क्रेता) ने विक्रय के समय उक्त माल के क्रेता होने के घोषणा कर दी है। उक्त माल की विक्रय कीमत को प्राप्त हुई थी। विक्रय को सुनिश्चित किया गया था।

हस्ताक्षर.....

नाम

पद नाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 13

(नियम 145(1) देखें)

धारा 79(1)(ग) के अधीन तीसरे व्यक्ति के लिए सूचना

सेवा में,

.....

व्यतिक्रमी की विशिष्टियां

जीएसटीआईएन.....

नाम.....

मांग आदेश संख्या:

तारीख:

वसूली की संदर्भ संख्या:

तारीख :

अवधि :

कर, उपकर, ब्याज और शास्ति की रकम पर <<.....>> रुपए की रकम <जीएसटीआईएन>> धारण करने वाले <<कराधेय व्यक्ति का नाम>> जो ऐसी रकम का संदाय करने में विफल हो गया है, के द्वारा<<एसजीएसटी/यूटीजीएसटी/सीजीएसटी/आईजीएसटी>> अधिनियम के उपबंधों के अधीन संदाय योग्य है; और/या

यह प्रेक्षित है कि आपसे उक्त कराधेय व्यक्ति के लिए.....रुपए की रकम देय है या देय हो सकती है; या

यह प्रेक्षित है कि उक्त व्यक्ति के लिए या उस पररुपए की रकम आपके पास है या आपके पास होने की संभावना है।

आपको अधिनियम की धारा 79 की उपधारा(1) के खंड (ग) (i) में अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुपालन में देय के होने या हो सकने वाले धन पर यासरकार के लिएरुपए की रकम का संदाय करने के लिए निदेश दिया जाता है ।

कृपया नोट करे कि इस सूचना के अनुपालन में आपके द्वारा कोई संदाय उक्त कराधेय व्यक्ति के प्राधिकार के अधीन किए जाने के प्रति उक्त अधिनियम की धारा 79 के अधीन समझा जाएगा और प्ररूप जीएसटी डीआरसी-14 में सरकार से प्रमाण पत्र आपके दायित्व का प्रमाण पत्र में विनिर्दिष्ट रकम के विस्तार के लिए ऐसे व्यक्ति के प्रति उत्तम और पर्याप्त रूप से निर्वहन किया जाएगा ।

कृपया यह भी नोट करे कि यदि इस सूचना की प्राप्ति के पश्चात उक्त कराधेय व्यक्ति के लिए किसी दायित्व का आपने निर्वहन किया है, आप कर, उपकर ब्याज और शास्ति जो भी कम हो, के लिए कराधेय व्यक्ति के दायित्व के विस्तार के लिए या निर्वहन किए जाने वाले दायित्व के विस्तार के लिए अधिनियम की धारा 79 के अधीन राज्य/केन्द्रीय सरकार के लिए व्यक्तिगत रूप से दायी होंगे।

कृपया नोट करे कि इस सूचना के अनुसरण में संदाय करने में आप विफल होते हैं, आपको इस सूचना में विनिर्दिष्ट रकम के संबंध में व्यक्तिवर्गीय समझा जाएगा और अधिनियम या इसके अधीन बनाए गए नियम के परिणामस्वरूप पालन किया जाएगा ।

हस्ताक्षर.....

नाम

पद नाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 14

(नियम 145(2) देखें)

तीसरे व्यक्ति के लिए संदाय का प्रमाण पत्र

प्ररूप जीएसटी डीआरसी-13 में आपको जारी सूचना के प्रतिउत्तर में बोली लगाने वाली निर्देश संख्या.....
 तारीख..... को आपको नीचे दिए गए व्यतिक्रमी के नाम के लिएरुपए का संदाय करने के
 लिए आपको दायित्व का निर्वहन करना:

जीएसटीआईएन---

नाम--

मांग आदेश संख्या:

तारीख:

वसूली की संदर्भ संख्या:

तारीख :

अवधि

यह प्रमाण पत्र आपके दायित्व का प्रमाण पत्र में विनिर्दिष्ट रकम के विस्तार के प्रति ऊपर उल्लिखित
 व्यतिक्रमी हेतु पर्याप्त रूप निर्वहन किया जाएगा।

हस्ताक्षर.....

नाम

पद नाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 15

(नियम 146 देखें)

डिक्री के लिए निष्पादन का अनुरोध करने के लिए सिविल न्यायालय के समक्ष आवेदन

सेवा में,

.....न्यायालय का मजिस्ट्रेट/न्यायाधीश

.....

मांग आदेश संख्या:

तारीख:

अवधि

महोदय/महोदया,

आपको यह सूचित किया जाता है कि 20.....की..... वाद संख्या में(व्यतिक्रमी का नाम) के द्वारा 20.....की तारीख को आपके न्यायालय में अभिप्राप्त डिक्री के अनुसार उक्त व्यक्ति के प्रति.....रुपए का संदेय किया जाना है। तथापि, उक्त व्यक्ति आदेश संख्या तारीख द्वारा <<एसजीएसटी/ यूटीजीएसटी/ सीजीएसटी/ आईजीएसटी/ सीईएसएस>> अधिनियम के उपबंधों के अधीन.....रुपए की रकम का संदाय करने के लिए दायी है।

आपसे डिक्री का निष्पादन करने और ऊपर यथाउल्लिखित बकाया वसूल योग्य रकम का निपटान करने के लिए शुद्ध आगम प्रत्यय के लिए अनुरोध किया जाता है।

स्थान:

तारीख:

समुचित अधिकारी/विनिर्दिष्ट अधिकारी

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 16
(नियम 147(1) और 151(1) देखें)

सेवा में

जीएसटीआईएन-----

नाम-----

पता-----

मांग आदेश सं०-----

तारीख :

वसूली की संदर्भ सं०

तारीख :

अवधि :

धारा 79 के अधीन स्थावर/जंगम मालों/शेयरों की कुर्की और विक्रय हेतु सूचना ।

<<एसजीएसटी/यूटीजीएसटी/सीजीएसटी/आईजीएसटी/उपकर>> अधिनियम के उपबंधों के अधीन आपके द्वारा संदेय कर/उपकर/ब्याज/शास्ति/फीस के बकाया.....रु० की रकम का संदाय करने में आप असफल रहे हैं ।

इसलिए नीचे दी गई सारणी में उल्लेखित स्थावर मालों को कुर्क किया जाता है और उक्त रकम की वसूली के लिये विक्रय किया जायेगा ! अतः आपको किसी भी प्रकार से उक्त माल का अन्तरण करने या उस पर प्रभास सृजित करने से प्रतिषेध किया जाता है और आपके द्वारा किया गया कोई अन्तरण या सृजित प्रभास अवैध होगा ।

अनुसूची (जंगम)

क्र.सं.	मालों का वर्णन	परिमाण
1	2	3

अनुसूची (स्थायर)

भवन सं./फ्लैट सं.	तल सं.	परिसर/भवन का नाम	सड़क/मार्ग	परिक्षेत्र/ग्राम	जिला	राज्य	पिन कोड	अक्षांश (वैकल्पिक)	देशांतर (वैकल्पिक)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

अनुसूची (शेयर)

क्र.सं.	कंपनी का नाम	परिमाण
1	2	3

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 17

(नियम 147(4) देखें)

धारा 79(1) (घ) के अधीन स्थावर/जंगम सम्पत्ति की नीलामी हेतु सूचना ।

मांग आदेश सं०.
वसूली की संदर्भ सं०
अवधि :

तारीख :
तारीख :

धारा 79 के उपबंधों के अनुसरण में -----रु० और उस पर ब्याज तथा वसूली प्रक्रिया में उपगत ग्राह्य व्यय की वसूली के लिए नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट कुर्क किये गये या करस्थम किये गये मालों की विक्रय हेतु मेरे द्वारा एक आदेश किया गया है ।

विक्रय सार्वजनिक नीलामी द्वारा किया जायेगा और माल को अनुसूची में विनिर्दिष्ट लाट में विक्रय के लिए रखा जायेगा । विक्रय व्यतिक्रमी के अधिकार, अभिनाम और हितों का होगा और उक्त संपत्ति से उपाबद्ध दायित्व और दावें, जहां तक उन्हें अभिनिश्चित किया गया है, वे होंगे जिन्हें प्रत्येक लाट के समक्ष अनुसूची में विनिर्दिष्ट किया गया है ।

मुल्यीकृत किये जाने के किसी आदेश की अनुपस्थिति में नीलामी----- पूर्वाह्न/अपराह्न (बजे)----- (तारीख) को होगी । सूचना के जारी होने से पहले जहाँ बकाया संपूर्ण रकम संदत्त कर दी गई है कि दशा में, नीलामी रद्द कर दी जायेगी ।

प्रत्येक लाट की कीमत समूचित अधिकारी/विनिर्दिष्ट अधिकारी के निदेशों के अनुसार विक्रय के समय संदत्त की जायेगी और संदाय के व्यतिक्रम में, माल को दोबारा नीलामी के लिए रखा जाएगा तथा पुनः विक्रय किया जायेगा ।

अनुसूची (जंगम)

क्र.सं.	मालों का वर्णन	परिमाण
1	2	3

अनुसूची (स्थावर)

भवन सं./प्लैट सं.	तल सं.	परिसर/भवन का नाम	सड़क/ मार्ग	परिक्षेत्र/ ग्राम	जिला	राज्य	पिन कोड	अक्षांश (वैकल्पिक)	देशांतर (वैकल्पिक)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

अनुसूची (शेयर)

क्र.सं.	कंपनी का नाम	परिमाण
1	2	3

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 18

{नियम 155 देखें}

सेवा में

जिला कलक्टर का नाम और पता

.....

मांग आदेश सं०.

तारीख :

वसूली की संदर्भ सं०

तारीख :

अवधि :

धारा 79 की उपधारा (1) के खंड (ड) के अधीन नीलामी प्रमाण पत्र ।

मैं.....प्रमाणित करता हूँ कि अधिनियम
 <<एसजीएसटी/यूटीजीएसटी/सीजीएसटी/आईजीएसटी/उपकर>> के अधीन
 जीएसटीआईएन.....धारित मैसर्स.....से.....रु० की ऐसी राशि की मांग
 की गई है जो उसके द्वारा संदेय है, लेकिन संदत्त नहीं की गई है और अधिनियम के अधीन उपबंधित
 रीति से उक्त व्यतिक्रमी से वसूल नहीं की जा सकती है ।

<< मांग विवरण >>

उक्त जीएसटीआईएन धारक आपकी अधिकारिता में संपत्ति का स्वामित्व रखता है/निवास करता है/
 कारबार करता है, जिसकी विशिष्टियाँ नीचे दी गई हैं-

<<वर्णन>>

आप से निवेदन है कि उक्त व्यतिक्रमी से.....रुपये की राशि को इस प्रकार से वसूल करने जैसे
 कि यह भूमि राजस्व का कोई बकाया हो के लिए शीघ्र कदम उठाये ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 19
[नियम 156 देखें]

सेवा में,
मजिस्ट्रेट

<<न्यायालय का नाम और पता>>

मांग आदेश सं०.

वसूली की संदर्भ सं०

अवधि :

तारीख :

तारीख :

जुर्माने के रूप में वसूली के लिए मजिस्ट्रेट को आवेदन ।

.....रु० की कोई राशि अधिनियम के उपबंधों के अधीन संदेय कर व्याज और शास्ति के कारण <<जीएसटीआईएन>> धारित <<कराधेय व्यक्ति का नाम>> से वसूली योग्य है । आपसे निवेदन है कि कृपया अधिनियम की धारा 79 की उप-धारा (1) के खंड (च) के उपबंधों के अनुसरण में इस रकम को इस प्रकार से वसूल करें जैसे कि यह किसी मजिस्ट्रेट द्वारा अधिरोपित कोई जुर्माना हो ।

रकम का विवरण				
वर्णन	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर डी	एकीकृत कर	उपकर
कर/उपकर				
व्याज				
शास्ति				
फीस				
अन्य				
योग				

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 20

{नियम 158(1) देखें}

आस्थगित संदाय/किशतों में संदाय के लिए आवेदन

1. कराधेय व्यक्ति का नाम _____

2. जीएसटीआईएन _____

3. अवधि _____

अधिनियम की धारा 80 के अनुसरण में, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मुझे कर/अन्य बकायों के संदाय के लिए.....तक के समय का विस्तार अनुज्ञात करें या मुझे ऐसे कर/अन्य बकायों को नीचे दिये गये कारणों से.....किशतों में संदाय करने के लिए अनुज्ञात करें--

मांग आईडी				
वर्णन	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
कर/उपकर				
ब्याज				
शास्ति				
फीस				
अन्य				
योग				

कारण : -

अपलोड किये गये

सत्यापन

मैं प्रतिज्ञान करता हूँ/घोषणा करता हूँ कि इसमें ऊपर दी गई सूचना मेरी जानकारी और विश्वास से सत्य और सही है तथा इसमें से कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर _____

नाम _____

स्थान _____

प्ररूप जीएसटी डीआरसी-21

[नियम 158(2) देखें]

<< तारीख >>

संदर्भ सं० <<---->>

सेवा में,

जीएसटीआईएन -----

नाम -----

पता -----

मांग आदेश सं०

वसूली का संदर्भ संख्या :

अवधि -

आवेदन संदर्भ सं० (एआरएन) -

तारीख:

तारीख:

तारीख:

आस्थिति संदाय/किस्तों में संदाय के लिए आवेदन के स्वीकार/अस्वीकार के लिए आदेश

यह, अधिनियम की धारा 80 के अधीन फाइल किए गए आपके उपरोक्त निर्दिष्ट आवेदन के संदर्भ में है। आस्थिति संदाय/कर के संदाय/ किस्तों में अन्य देय के लिए आपके आवेदन का परीक्षण कर लिया गया है और इस संबंध में, आपको तारीख.....द्वारा कर और अन्य देय संदाय करने की अनुज्ञा दी जाती है या इस संबंध में आपको.....रुपए.....मासिक किस्तों में कर और अन्य देय संदाय करने की अनुज्ञा दी जाती है।

या

यह, अधिनियम की धारा 80 के अधीन फाइल किए गए आपके उपरोक्त निर्दिष्ट आवेदन के संदर्भ में है। आस्थिति संदाय/ कर के संदाय/ किस्तों में अन्य देय के लिए आपके आवेदन का परीक्षण कर लिया गया है और इसको निम्नलिखित कारणों के लिए आपके अनुरोध को मान लेना बिलकुल भी संभव नहीं है ;

अस्वीकार के लिए कारण

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी-22

[नियम 159(1) देखें]

संदर्भ सं०:

तारीख:

सेवा में,

----- नाम

----- पता

(बैंक/ डाक खाना/ वित्तीय संस्थान/ अचल संपत्ति रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण)

धारा 83 के अधीन संपत्ति की अनंतिम कुर्की

आपको यह सूचित किया जाता है कि मैसर्स (नाम) कारबार का मूल स्थान --
 ----- (पता) रजिस्ट्रीकरण संख्या के रूप में ----- (जीएसटीआईएन/आई.टी.), पी.ए.एन. -----
 <<एसजीएसटी/सीजीएसटी>> अधिनियम के अधीन एक रजिस्ट्रीकृत कराधेय व्यक्ति हैं। उक्त व्यक्ति से
 कर या कोई अन्य रकम का अवधारण उक्त अधिनियम की धारा << --- >> के अधीन पूर्वोक्त कराधेय
 व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाहियां आरंभ की गई हैं। विभाग के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मेरी
 नोटिस में यह आया है कि उक्त व्यक्ति का -

<<बचत/ चालू/ एफ डी/ आर डी/ निक्षेप>> खाता आपके << बैंक/ डाक घर/ वित्तीय संस्थान >> में खाता संख्या
 << खाता सं० >>;

या

<< संपत्ति आई डी और अवस्थान >> पर संपत्ति स्थित है।

राजस्व के हितों का संरक्षण करने के लिए और अधिनियम की धारा 83 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का
 प्रयोग करते हुए, मैं ----- (नाम), ----- (पदनाम), पूर्वोक्त खाता/ संपत्ति की अनंतिम कुर्की
 करता हूँ।

कोई विकलन इस विभाग की पूर्व अनुज्ञा के बिना उसी पेन पर पूर्वोक्त व्यक्ति द्वारा संचालित उक्त
 खाता या कोई अन्य खाता से अनुज्ञात नहीं करने दिया जाएगा।

या

उपरोक्त उल्लिखित संपत्ति इस विभाग की पूर्व अनुज्ञा के बिना निपटान करने को अनुज्ञात नहीं किया
 जाएगा।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रति :-

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 23

[नियम 159(3), 159(5) और 159(6) देखें]

संदर्भ संख्या :--

तारीख:

सेवा में,

----- नाम

----- पता

(बैंक/ बैंक/ डाक घर / वित्तीय संस्थान/ अचल संपत्ति रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण)

आदेश संदर्भ संख्या :--

तारीख -

धारा 83 के अधीन अनंतिम रूप से कुर्क संपत्ति तारीख बैंक खाता का प्रत्यावर्तन कृपया, व्यक्ति के विरुद्ध आरंभ की गई कार्यवाहियों में राजस्व के हित की सुरक्षा के संबंध में उपरोक्त निर्दिष्ट आदेश द्वारा कुर्क << बचत / चालू / एफ डी/आर डी >> खाता संख्या आपके << बैंक / डाक खाता / वित्तीय संस्थान >> में खाता संख्या << ----- >>, की कुर्की का संदर्भ ले। अब, ऐसी कोई कार्यवाहियां व्यतिक्रम व्यक्ति के विरुद्ध लंबित नहीं हैं जिसका उक्त खाता की कुर्की का वारंट था। अतः इसलिए, उक्त खाता अब संबद्ध व्यक्ति का प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

या

कृपया, व्यक्ति के विरुद्ध आरंभ की गई कार्यवाहियों में राजस्व के हित की सुरक्षा के संबंध में उपरोक्त निर्दिष्ट आदेश द्वारा कुर्क << आई डी / अवस्थान >> संपत्ति की कुर्की का संदर्भ ले। अब, ऐसी कोई कार्यवाहियां व्यतिक्रम व्यक्ति के विरुद्ध नहीं हैं जिसका उक्त संपत्ति की कुर्की का वारंट था। अतः इसलिए उक्त संपत्ति अब संबद्ध व्यक्ति का प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रति : --

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 24

[नियम 160 देखे]

सेवा में,

समापक/प्रापक,

कराधेय व्यक्ति का नाम

जीएसटीआईएन:

मांग आदेश संख्या:

तारीख:

अवधि:

रकम की वसूली के लिए समापक को सूचित करना

यह आपके पत्र <<सूचना संख्या और तारीख>> के संदर्भ में, <<कम्पनी का नाम>> <<जीएसटीआईएन>> रखने वाले के लिए समापक के रूप में आपकी नियुक्ति की सूचना दी जा रही है। इस संबंध में, यह सूचित किया जाता है कि उक्त कम्पनी राज्य सरकार/ केन्द्रीय सरकार को निम्नलिखित राशि देनदार/संभावनीय देनदार है;

चालू/प्रत्याशित मांग

(रुपयों में राशि)

अधिनियम	कर	ब्याज	शास्ति	अन्य देना	कुल बकाया
1	2	3	4	5	6
केन्द्रीय कर					
राज्य/यूटी कर					
एकीकृत कर					
उपकर					

अधिनियम की धारा 88 के उपबंधों के अनुपालन में आपको यह निदेशित किया जाता है कि कम्पनी के अंतिम परिसमापन से पहले चालू और प्रत्याशित दायित्वों के उन्मोचन के लिए उपयुक्त उपबंध बनाए।

नाम

पदनाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 25

[नियम 161 देखें]

संदर्भ सं० << --- >>

<< तारीख >>

सेवा में,

जीएसटीआईएन -----

नाम -----

पता -----

मांग आदेश सं०:

तारीख:

वसूली का संदर्भ संख्या :

तारीख:

अवधि:

अपील या पुनरीक्षण या कोई अन्य कार्यवाही में संदर्भ संख्या.....

तारीख:.....

वसूली कार्यवाहियों का चालू रहना

.....रुपए के लिए उपरोक्त निर्दिष्ट वसूली संदर्भ संख्या द्वारा आपके विरुद्ध वसूली कार्यवाहियों को शुरू करने के संदर्भ में है।

अपील /पुनरीक्षण प्राधिकारी/ न्यायालय << प्राधिकरण का नाम / न्यायालय>>आदेश सं०.....तारीख.....द्वारा उपरोक्त उल्लिखित मांग आदेश सं० ----- तारीख-----

द्वारा समावेश देय को बढ़ा देगा / कम कर देगा और अब देयरुपए रह गई है। अपील या पुनरीक्षण के निपटान से तत्काल पहले खड़ी उन वसूली कार्यवाहियों पर प्रक्रम से बढ़ी हुई वसूली/कम हुई वसूली की-----रुपए की राशि निरन्तर बनी हुई है। अपील/पुनरीक्षण प्रभाव देने के पश्चात् मांग की पुनरीक्षित रकम नीचे दी गई है :--

वित्तीय वर्ष

(रकम रुपए में)

अधिनियम	कर	ब्याज	शास्ति	अन्य देय	कुल बकाया
1	2	3	4	5	6
केन्द्रीय कर					
राज्य/यूटी कर					
एकीकृत कर					
उपकर					

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

स्थान:

तारीख:

प्ररूप जीएसटी सीपीडी - 01
[नियम 162(1) देखें]
प्रशमनीय अपराध के लिए आवेदन

1.	जीएसटीआईएन / अस्थायी आईडी	
2.	आवेदक का नाम	
3.	पता	
4.	अधिनियम के उपबंधों को उल्लंघन जिसके लिए अभियोग संस्थित या अनुध्यात किया जाता है ।	
5.	न्याय निर्णय आदेश/नोटिस का ब्यौरा	
	संदर्भ संख्या	
	तारीख	
	कर	
	ब्याज	
	शास्ति	
	जुर्माना, यदि कोई हो	
6.	मामले का संक्षिप्त तथ्य और भारित अपराध (अपराधों की विशिष्टियां)	
7.	क्या यह अधिनियम के अधीन पहला अपराध है	
8.	यदि सं०7 का उत्तर नकारात्मक है तो पिछले मामले का ब्यौरा	
9.	क्या उसी या कोई अन्य अपराध के लिए कोई कार्यवाहियां किसी अन्य विधि के अधीन अनुध्यात है ।	

10.	यदि सं० 9 का उत्तर सकारात्मक है तो उसका ब्यौरा	
-----	--	--

घोषणा

- (1) मैं, आयुक्त द्वारा यथानियत प्रशमन रकम संदाय करूंगा ।
- (2) मैं, समझता हूँ कि मैं अधिकार की दृष्टि से दावा नहीं करूंगा अधिनियम के अधीन मेरे द्वारा कारित उस अपराध का शमन किया जाएगा ।

५

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम

प्ररूप जीएसटी सीपीडी-02

(नियम 162(3) देखें)

संदर्भ सं०:-

तारीख:

सेवा में,

जीएसटीआईएन/आईडी-----

नाम-----

पता -----

एआरएन -----

तारीख -

प्रशमनीय अपराध के अस्वीकार/मोक के लिए आदेश

यह उपरोक्त निर्दिष्ट आपके आवेदन के संदर्भ में है । आपका आवेदन का विभाग में परीक्षण कर लिया गया है और निष्कर्ष नीचे अभिलेख किया गया है :-

<<पाठ>>

मैं, सन्तुष्ट हूँ कि आप स्तम्भ (3) में दायित प्रशमन रकम संदाय पर नीचे दी गई तालिका के स्तर 2 में कथित अपराधों के संबंध में प्रशमनीय अपराध को अनुज्ञात करने की अपेक्षाओं को पूरा करते हो ।

क्रम सं०	अपराध	प्रशमन रकम (रुपए)
(1)	(2)	(3)

टिप्पण: यदि कराधेय व्यक्ति द्वारा किया गया उपधारा स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट एक से अधिक प्रवर्ग में आता है तो प्रशमनीय रकम स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट ऐसी रकम होगी जो ऐसे प्रवर्ग के सामने विनिर्दिष्ट अधिकतम रकम है, जिनमें प्रशमन किए जाने के लिए ईप्सीत अपराधों को वर्गीकृत किया जा सकता है ।

आपको निर्देशित किया जाता है तारीख ----- द्वारा पूर्वोक्त शमनीय रकम संदाय कर दे और शमनीय रकम के संदाय पर, आप पूर्वोक्त तालिका के स्तंभ (2) में सूचीबद्ध अपराधों के लिए अभियोजन से उन्मुक्त कर दिया जाएगा ।

या

☐ आपको आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अरूण परमार, उपसचिव.